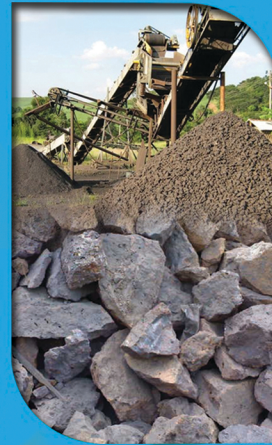


# 49<sup>वीं</sup> वार्षिक रिपोर्ट 49<sup>th</sup> Annual Report 2013 - 14



एम एस टी सी  
लिमिटेड  
(भारत सरकार का उपक्रम)



**MSTC**  
LIMITED  
(A GOVT. OF INDIA ENTERPRISE)

वेस्ट रीसाइक्लिंग • पर्यावरण की रक्षा • विकास को बढ़ावा  
Recycling Waste • Protecting Environment • Promoting Growth



माननीय इस्पात, खदान, श्रम एवं रोजगार मंत्री

श्री नरेन्द्र सिंह तोमर

Hon'ble Minister of Steel, Mines, Labour and Employment

**Shri Narendra Singh Tomar**



माननीय इस्पात राज्यमंत्री

श्री विष्णु देव साई

Hon'ble Minister of State for Steel

**Shri Vishnu Deo Sai**



सचिव (इस्पात)

श्री जी मोहन कुमार

(दिनांक 31.08.2014 तक)

Secretary (Steel)

**Shri G Mohan Kumar**

(Upto 31.08.14)



सचिव (इस्पात)

श्री राकेश सिंह

Secretary (Steel)

**Shri Rakesh Singh**



भारत चेम्बर ऑफ कामर्स, कोलकाता द्वारा आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए एमएसटीसी के सीएमडी श्री एस. के. त्रिपाठी  
CMD, MSTC, Shri S. K. Tripathi speaking at Seminar organised by Bharat Chamber of Commerce, Kolkata

# 49

वार्षिक रिपोर्ट  
Annual Report

# MSTC

निदेशक मंडल Board of Directors	2
दृष्टि एवं ध्येय Vision & Mission	4
अध्यक्षीय भाषण Chairman's Statement	6
निदेशक मंडल की रिपोर्ट Directors' Report	8
लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	57
केग रिपोर्ट CAG Report	68
तुलन पत्र Balance Sheet	70
लाभ-हानि खाता Profit & Loss Accounts	71
वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां Notes to Financial Statements	72
नगद प्रवाह ब्यौरा Cash Flow Statement	98
सहायक कंपनी का विवरण Statement regarding subsidiary company	100
सहायक कंपनी फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड का प्रतिवेदन एवं लेखा Accounts & Report of subsidiary company : Ferro Scrap Nigam Limited	

10101001001010  
10101001001010

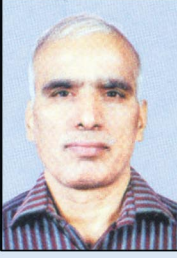
# निदेशक मंडल / Board of Directors

श्री एस. के. त्रिपाठी

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

**Shri S. K. Tripathi**

*Chairman cum Managing Director*



श्री जे. पी. शुक्ला

(दिनांक 28.02.2014 तक)

**Shri J. P. Shukla**

(upto 28.02.2014)



श्री लोकेश चंद्र, आई.ए.एस.

(दिनांक 10.03.2014 से)

**Shri Lokesh Chandra, I.A.S.**

(from 10.03.2014)

श्री डी. पी. सिंह  
(दिनांक 19.06.2014 तक)

**Shri D. P. Singh**

(upto 19.06.2014)



श्री एन. सी. झा

**Shri N. C. Jha**



श्री सूरज भान

**Shri Suraj Bhan**



श्री ए. के. बसु

**Shri A. K. Basu**

श्री बी. बी. सिंह

**Shri B. B. Singh**



श्री ए. के. गोयल  
(दिनांक 13.12.2013 से)

**Shri A. K. Goyal**

(from 13.12.2013)



श्री के. एल. मेहरोत्रा

(दिनांक 12.12.2013 तक)

**Shri K. L. Mehrotra**

(upto 12.12.2013)



## प्रबंधन दल / Management Team



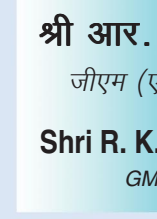
**श्री एस. अम्बष्ठ**  
मुख्य सतर्कता अधिकारी  
**Shri S. Ambastha**  
Chief Vigilance Officer



**श्री एस. एस. चौधुरी**  
सीजीएम (एचआरएम)  
**Shri S. S. Chaudhuri**  
CGM (HRM)



**श्री अशोक कुमार**  
सीजीएम (बीडी)  
**Shri Ashok Kumar**  
CGM (BD)



**श्री आर. के. चौधुरी**  
जीएम (एफ एण्ड ए)  
**Shri R. K. Chaudhuri**  
GM (F&A)



**श्री सी. आर. गिरि**  
जीएम (सिस्टम्स)  
**Shri C. R. Giri**  
GM (Systems)



**श्रीमती एस. आर्या**  
जीएम (मार्केटिंग)  
**Smt. S. Arya**  
GM (Marketing)



**श्री डी पी बहुगुणा**  
जीएम (एनआरओ)  
**Shri D. P. Bahuguna**  
GM (NRO)

### कंपनी सचिव

श्री सुब्रत कुमार राय

### Company Secretary

Shri Subrata Kumar Ray

### लेखा परीक्षक

राय एंड कं.  
सनदी लेखापाल

### Auditors

**Ray & Co.**  
Chartered Accountants

### बैंकर्स

आईसीआईसीआई बैंक

एचडीएफसी बैंक

बैंक ऑफ इंडिया

इंडियन बैंक

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया

भारतीय स्टेट बैंक

पंजाब नेशनल बैंक

यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया

### Bankers

ICICI Bank

HDFC Bank

Bank of India

Indian Bank

Union Bank of India

State Bank of India

Punjab National Bank

United Bank of India

### रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर (अंतरण) एजेंट:

सी बी मैनेजमेंट सर्विसेज (प्रा.) लिमिटेड  
पी-22, बॉडेल रोड, कोलकाता-700 019

### Registrar and Transfer Agents :

C B Management Services (P) Ltd.  
P-22, Bondel Road, Kolkata - 700 019

### पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय

225-सी, आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड,

कोलकाता-700 020

दूरभाष : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627

फैक्स : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176

ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

### Registered & Head Office

225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road,  
Kolkata - 700 020

Phone : (+91 33) 2290 0964, 22877557/0568/9627

Fax : (+91 33) 2287 8547, 2240 4176

e-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

# दृष्टि एवं ध्येय

## दृष्टिकोण

ट्रेडिंग व्यवसाय में विशेष रूप से इस्पात उद्योग के क्षेत्र में प्रभावी बी2बी संस्थान बन कर उभरना

## मिशन

एमएसटीसी जिन पदार्थों का व्यापार करता है उनके लिए बाजार को संगठित एवं विस्तार देने की कोशिश करेगा, जहां तक संभव होगा ई-कॉमर्स के माध्यम से पारदर्शिता के साथ व्यवसाय करेगा।

## लक्ष्य

(क) देशी और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्रोतों से इस्पात उद्योग के लिए थोक कच्चा माल पर विशेष बल के साथ एक विविधीकृत व्यापार संस्था के रूप में उभरना और इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय

# Vision & Mission

## VISION

To emerge as a dominant B2B player in the area of trading with particular emphasis on Steel Industry.

## MISSION

MSTC will endeavour to organize and expand a market for various commodities handled by it making transactions as transparent as possible through extensive use of e-commerce.

## OBJECTIVES

a) To emerge as a diversified trading house with particular emphasis on bulk raw materials for steel industry sourced both indigenously and internationally and towards this end gradually build

व्यापार घरानों के साथ क्रमिक रूप से संयुक्त रूप से गठबंधन बनाना, भंडारण पद्धति एवं लॉजिस्टिक का विकास करना।

(ख) सरकार और निजी दोनों क्षेत्रों के संगठनों के स्क्रेप और उद्भूत गौण माल, भंडार जो सेवा योग्य न हो इत्यादि के निपटारा के लिए योजना बनाना और आयोजित करना तथा ई-नीलामी को लोकप्रिय बनाना।

(ग) उपरोक्त क्षेत्रों के साथ-साथ प्राइम प्रोडक्ट के ट्रांजक्शनल विक्रय में ई-कॉमर्स/ई-ट्रांजक्शन प्रोत्साहित करना।

(घ) लगाई गई पूंजी पर इष्टतम आय और कुल लागत पर 15 प्रतिशत आय प्राप्त करने के लिए उपरोक्त कार्य करना।

(ङ) ग्राहकों, प्रिंसिपलों और अन्य व्यापार प्रतिष्ठानों को त्वरित और दक्ष संव्यवहार देकर ग्राहक की संतुष्टि सुनिश्चित करना।

(च) एक सक्षम, प्रतिबद्ध और अभिप्रेरित कार्यस्थल का विकास करना और कायम रखना।

(छ) उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए संयुक्त उद्यम को प्रोत्साहित करना है। यह संयुक्त उद्यम मार्किंग, लॉजिस्टिक, वेयरहाउसिंग, बिक्री की वस्तुओं में मूल्य संयोजन के क्षेत्र में विशिष्ट डोमेन एक्सपर्ट के साथ किया जाना है।

up tie-ups with international trading houses, develop warehousing system and logistics.

b) To plan and organise disposal of scrap and secondary arisings, unserviceable stores, etc. of organisations, both in the public sector and private sector and to popularise e-auction.

c) To promote e-commerce / e-transactions in above areas and also in transactional sale of prime products.

d) To undertake these activities so as to ensure an optimum return on capital employed and to attain a return of 15% on the net worth.

e) To ensure customers' satisfaction by providing prompt and efficient dealing with customers, principals and other business associates.

f) To develop and maintain a competent, dedicated and motivated workforce.

g) To achieve the aforesaid objectives, promote joint ventures with selected domain experts in the area of mining, logistics, warehousing, value addition to the merchandise etc.

## एमएसटीसी आज

एमएसटीसी 9 सितम्बर, 2014 को अपने अस्तित्व का 50 वर्ष सम्पूर्ण किया। क्रमागत उत्थान की अपनी लंबी यात्रा तय करने के उपरांत इस वर्ष स्वर्ण जयंती मना रही है। एमएसटीसी एक छोटी सी ट्रेडिंग कंपनी से विशाल ई-कॉमर्स कंपनी का दर्जा हासिल करने की सफलता हासिल की।

इस्पात एवं पेट्रोकेमिकल क्षेत्र के लिए कच्चे माल से संबंधित सहायता एवं ई-कॉमर्स की सेवाएं प्रदान कर रही है साथ में विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, केंद्र सरकार/राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्र की कंपनियों के लिए नई पहल कर रही है।

एमएसटीसी आज श्रेणी -I की मिनी रत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। यह भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के प्रशासनाधीन शेड्यूल 'बी' कंपनी है।

एमएसटीसी का गठन वर्ष 1964 में एक लघु ट्रेडिंग कंपनी के रूप में हुआ, जिसकी शुरुआती पूंजी मात्र रु. 6 लाख थी। पिछले 50 वर्षों में यह एक विशाल बहु उत्पाद विविध कंपनी के रूप में उभरी है। 50 वर्षों की यात्रा में एमएसटीसी ने दो बार बोनस शेयर निर्गत किया। कर अदा करने के अलावा कंपनी सरकारी खजाने में पर्याप्त लाभांश का भी भुगतान किया है।

एमएसटीसी स्ट्रैप के पुनश्चक्रण में सहयोग करता है ताकि इनका कच्चे माल के रूप में औद्योगिक उपयोग हो सके। इससे लागत खर्च कम होता है। प्राकृतिक संसाधनों, ऊर्जा की संरक्षा होती है और अंतिम रूप से पर्यावरण की रक्षा होती है तथा, फलस्वरूप, यह सरकार के "स्वच्छ भारत" मिशन में अपना सक्रिय योगदान कर रही है।

एमएसटीसी पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा करने, गरीबों एवं समाज के वंचित श्रेणियों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

एक लंबी छलांग लगाती हुई एमएसटीसी संयुक्त उद्यम के जरिए श्रेडिंग संयंत्र की स्थापना की प्रक्रिया आरम्भ कर चुकी है, जो भारत में अपने-आप में प्रथम होगा और विशेष इस्पात के पुनश्चक्रण के मामले में काफी दूर तक जाने के साथ इस तरह की सामग्रियों के आयात का प्रतिस्थापन का विकल्प बनेगा।

एमएसटीसी आज अपने 50वें वर्ष के अवसर पर कंपनी के प्रति भरोसा जताने के लिए देश के नागरिकों, सरकार, शेयरधारकों के प्रति आभार व्यक्त करती है। 50वें वर्ष पर हम नैतिक व्यापार सिद्धांतों, सुशासन, मजबूत प्रबंधन क्षमताओं तथा सामाजिक उत्थान, वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता तथा ईमानदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराती है।

## MSTC Today

MSTC has completed 50 years of its existence on 9<sup>th</sup> September 2014 and is celebrating Golden jubilee this year after traversing a long journey of rise and rise. MSTC has achieved its growth from being a small trading company into e-commerce giant.

Catering its services to steel and petrochemical sector for raw material support and e-commerce services with innovated approach to various PSUs. Central Govt./State and private sector companies.

MSTC today is category- I Mini Ratna Public Sector schedule 'B' company under the administrative control at Ministry of Steel, Govt of India.

Incorporated in 1964 as small trading company with a meagre capital of Rs 6 lakhs, in last 50 years it has grown into a large multi product diversified company. Within the journey of 50 years, MSTC has issued bonus shares twice. It has paid substantial dividends to the exchequer apart from tax.

MSTC facilitates in recycling of scrap for industrial use of raw materials and thereby reduces input cost, conserve energy and natural resources and ultimately protects the



environment and, therefore, contributing to "Swachh Bharat" Mission of the Government.

MSTC is committed to protection of environment and natural resources, uplift of poor and under privileged class.

Taking a leap forward MSTC is poised for setting up shredding plant through JV route which will be one of its own kind in India and go a long way in recycling special steels besides substituting imports for such materials.

MSTC today on its 50<sup>th</sup> year acknowledges the gratitude to the people of the country, the Govt, the stakeholders for reposing faith in the company. On the 50<sup>th</sup> year we reconfirm our commitment to ethical business principles, good governance, strong management capabilities and social uplift, transparency and fairness in financial transaction.



## अध्यक्षीय संबोधन

## CHAIRMAN'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारकगण,

कंपनी की 49वीं वार्षिक साधारण बैठक में मैं आप सभी का स्वागत करता हूँ। मैं एक बार फिर आपके प्रति अपनी ड्युटी निभा रहा हूँ तथा इस बैठक में एमएसटीसी के क्रियाकलाप पर आपको संबोधित कर रहा हूँ। कंपनी के क्रियाकलाप का विस्तृत प्रतिवेदन निदेशकों के प्रतिवेदन के रूप में आपके पास भेज दी गई है तथा मेरे ख्याल से अब तक आप इसका अध्ययन कर चुके होंगे।

जैसा कि आपको मालूम है वर्ष 2013-14 के दौरान बिना किसी महत्वपूर्ण विकास के देश की आर्थिक व्यवस्था स्थिर है। मांग में गिरावट के कारण इस्पात क्षेत्र बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, इसका कारण संयंत्र एवं मशीनरी तथा अवसंचरना में कम निवेश हो सकता है। इस वर्ष चुनाव होने की वजह से संबंधित समय के दौरान आर्थिक व्यवस्था में वृद्धि तथा निर्णय लेने की प्रक्रिया काफी धीमी रही।

आपकी कंपनी का मुख्य राजस्व अर्जक है विपणन विभाग, जो भारतीय उद्योगों विशेषकर इस्पात क्षेत्र के लिए कच्ची सामग्रियों का आयात करता है। इसलिए इस्पात उद्योग में गतिरोध ने इस क्षेत्र में हमारे व्यवसाय को प्रभावित किया है। ट्रेडिंग व्यवसाय में कई प्रकार की बुनियादी जोखिम रहता है एवं अपने पूर्व अनुभव से ली गई सीख से आपकी कंपनी के प्रबंधन ने इस क्षेत्र में व्यवसाय को कम करने तथा सतर्क रहने का निर्णय लिया है।

जहां तक ई-कॉमर्स क्षेत्र का संबंध है, कुछ निजी संस्थानों से कठोर प्रतिस्पर्धा के बावजूद आपकी कंपनी ने एक महत्वपूर्ण सेवा प्रदाता होने की ख्याति को बरकरार रखी हुई है। सेवा प्रभार के बनिस्पत गुणवत्ता सम्पन्न सेवा का चुनाव करने वाले प्रिंसिपल ने एमएसटीसी को अपने ई-कॉमर्स सेवा प्रदाता के रूप में बरकरार रखा है। कुछ छोटे-मोटे परिचालक जो कम सेवा प्रभार वसूल करते हैं परंतु उनकी सेवा की गुणवत्ता में कमी देखी गई है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, एमएसटीसी ने पहली बार तेंदू पत्तियों (एक वन उत्पाद) को ई-बिक्री में शामिल किया है, जो इमारती लकड़ी, जब्त किए गए लाल चंदन, साल के बीजों, लकड़ी, मसाला इत्यादि जैसे वन उत्पादों की ई-नीलामी का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। एमएसटीसी ने गोवा सरकार की ओर से गोवा के विभिन्न खदानों में पड़े हुए जब्त आयरन ओर की ई-बिक्री भी शुरू की है। एमएसटीसी उड़ीसा, झारखण्ड एवं छत्तीसगढ़ राज्यों में आयरन ओर को ई-नीलामी के अंतर्गत लाने का भरसक प्रयास कर रही है।

विगत वर्ष, मैंने वर्ष 2008 के दौरान स्वर्ण आभूषण के निर्यात के तहत बकाया राशि की वसूली के प्रति चिंता व्यक्त की थी, जो ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत है।

Dear Shareholders,

I welcome you all to this 49<sup>th</sup> Annual General Meeting of the Company. I am once again discharging the duty of being with you and addressing you on the working of MSTC in this meeting. The detailed report on working of the company has already been sent to you in the form of Directors' Report and I presume you must have read it by now.

As you are aware the economy was almost stable without any significant growth in the year 2013-14. The steel sector was badly hit with sluggish demand, which may be attributed to low investment in plant and machinery and infrastructure. This being the election year the growth of economy and decision making process was very slow in a significant portion of the year.

Your company's main revenue earner is Marketing Department, which imports raw material for the Indian industries mostly in steel sector. Therefore stagnation in steel industry has effected our business in this sector. Trading business has some kind of inherent risk and learning from our past experience, management of your company has decided to reduce the business in this sector and remain cautious.

So far e-commerce segment is concerned, your Company has maintained its prominence as one of the significant service provider despite stiff competition from few private organisations. Principals who have chosen quality of service over the service charge have retained MSTC as their e-commerce service provider. There are a few small operators who charge lesser service charge but found lacking in quality of service.

During FY 2013-14, MSTC added e-sales of Tendu Leaf (a forest produce) for the first time which may pave for much needed e-auction of forest produces such as timber, confiscated Red Sander, Sal Seeds, logs, species etc. MSTC also commenced e-sales of confiscated iron ore lying in various mines of Goa on behalf of Govt. of Goa, MSTC is making sincere attempt to bring iron ore under e-auction in the States of Odhisha, Jharkhand & Chhatisgarh.





हालांकि, मेरा हमेशा से विश्वास है और मैं अब भी विश्वास करता हूँ कि हमलोग बकाया राशि को वसूल करने में सक्षम होंगे, बस कुछ समय का विषय है। परंतु काफी समय बीत जाने की वजह से आपके निदेशकगण कंपनी की वास्तविक वित्तीय स्थिति प्रस्तुत करने के लिए लेखा पुस्तिकाओं में प्राप्य के कुछ हिस्से को प्रावधान करने के लिए बाध्य हुए हैं। हालांकि, कंपनी ने वित्त वर्ष 13-14 के दौरान रु. 11941 लाख का परिचालन से लाभ अर्जित की है, परंतु रु. 22678 लाख के प्रावधान के कारण, वर्ष के लिए लेखा हानि रु. 7003 लाख है। मुझे उम्मीद है कि इस कठिन वर्ष में आप सब का समर्थन प्राप्त होगा। मैं आशा करता हूँ कि अगले वित्त वर्ष से फिर से परिस्थिति हमारे पक्ष में होगी। कंपनी ने सुरक्षित और स्थित व्यवसायिक क्षेत्रों के लिए विविधकरण योजना की दिशा में बढ़ना जारी रखा है। आपकी कंपनी भारत में पहली बार श्रेडेड स्क्रैप के प्रत्यक्ष निर्माण शुरू करने का फैसला किया है।

भारत की एक वृहत्तर एवं प्रतिष्ठित इस्पात कंपनी के साथ संयुक्त उद्यम के जरिए हमलोग एक ऑटो श्रेडिंग प्लांट की स्थापना करने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

वर्ष के दौरान श्रम दिवस के नुकसान का कोई भी रिकार्ड आपकी कंपनी का नहीं है तथा औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण है। हमलोग सर्वश्रेष्ठ प्रशासन का व्यवहार करते हैं तथा डीपीई द्वारा जारी स्वयं आंकलन मानदंड के आधार पर कॉरपोरेट गर्वनेंस में कंपनी को “उत्कृष्ट” स्तर प्राप्त है।

आपकी कंपनी का हमेशा से विश्वास रहा है और अब भी विश्वास करती है कि वाणिज्यिक घराना समाज का अंग है तथा उन्हें सामाजिक जरूरतों को पूरा करना चाहिए। आपकी कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2013-14 में संचालित सीएसआर परियोजनाएं इसका प्रमाण है। इसका विस्तृत ब्यौरा बोर्ड की रिपोर्ट में उपलब्ध है, जिसे आप अब तक पढ़ चुके होंगे।

*प्रिय शेयरधारकगण,*

मैं आपको यह भरोसा दे सकता हूँ कि हमलोग व्यवसाय को कमर्श तरीके करने, आपके तथा अन्य हिस्सेदारों के लिए अच्छे परिणाम प्रदान करने, वर्षों द्वारा कंपनी द्वारा निर्मित धन की सुरक्षा एवं वर्ष दर वर्ष कंपनी की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

इस कंपनी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के रूप में मुझ पर तथा हमारे कार्यकारी निदेशकों तथा कर्मचारियों पर भरोसा जताने के लिए मैं आप सभी का शुक्रगुजार हूँ। मैं भारत सरकार, हमारे ग्राहकों तथा बैंकरों, जो हमारे मूल्यवान हिस्सेदार हैं, द्वारा दिए समर्थन के प्रति उनका भी आभार व्यक्त करता हूँ। कंपनी की ओर से मैं वादा करता हूँ कि मजबूत तरीके से कंपनी के विकास के लिए हमलोग समुचित कदम उठाने का क्रम जारी रखेंगे।

दुर्गापूजा एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ!

धन्यवाद,  
जयहिंद!

कोलकाता  
12 सितम्बर, 2014



**एस. के. त्रिपाठी**  
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

Last year, I expressed my concern on recovery of outstanding against export of gold jewellery during the year 2008, which was insured by ECGC. Though I have always believed and I still believe that we will be able to recover the dues, as it is a matter of time. But considerable time has passed, your directors are compelled to provide some portion of the receivable in the books of account to present a realistic financial position of the Company. Therefore though your Company has made operational profit of Rs 11941 lakhs during the FY 13-14 but because of the provision of Rs 22678 lakhs, accounting loss for the year stands at 7003 lakhs. I hope we get your support in this difficult year. We hope things will be again in our favour from the next financial year.

Company has continued its diversification plan for moving towards secure and stable business segments. Your company has decided to start direct manufacturing of shredded scrap for the first time in India.

We are in the process of establishing an auto shredding plant through a joint venture company with one of the a largest and reputed steel companies in India.

Your Company has no record of man days lost during the year and industrial relations remained cordial. We follow best governing practices and has achieved “excellent” grading in Corporate Governance on the basis of self assessment criteria issued by DPE.

Your company has always believed and still believes that corporate houses are a part of the society and they are required to satisfy societal needs. This is a reflected in various CSR projects undertaken by your company in FY-2013-14. Details are mentioned in the Board's Report, which you may have read by now.

*Dear Shareholders,*

I can assure you that we are taking all care to do business in most diligent way, create values for you and other stakeholders, protect the wealth created by us over the years and keep the company in sound finance health year after year.

I acknowledge humbly your trust reposed on me as CMD and CEO of this company and our functional directors and the employees. I also acknowledge the support of Govt. of India, our customers and bankers who are our valuable stakeholders. I promise you on behalf of the company that we would continue to take appropriate efforts to keep the company going and growing on sustained basis.

Best wishes for Durga Puja and Deepavali.

Thanking you,  
Jai Hind !

Kolkata  
12<sup>th</sup> September, 2014



**S.K. Tripathi**  
Chairman cum Managing Director



## निदेशक मंडल की रिपोर्ट

सेवा में,  
शेयरधारकगण,  
एमएसटीसी लिमिटेड

आपके निदेशक मंडल को 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के कारोबार और प्रचालन से संबंधित 49वीं वार्षिक रिपोर्ट और उसके साथ लेखा परीक्षित लेखे और लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

### क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि **₹. 18433.18 करोड़** है। पिछले वर्ष 2012-13 में **₹. 15415.54** करोड़ थी। वर्ष 2012-13 के समानांतर वर्ष 2013-14 का ब्रेक अप नीचे दिया जा रहा है :-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (₹. करोड़ में)	
	2013-14	2012-13
स्कैप और मैंगनीज आदि की बिक्री	5632.82	4380.13
कोयले की बिक्री	5716.12	5512.91
आयरन ओर	7084.24	5522.50
<b>कुल (क)</b>	<b>18433.18</b>	<b>15415.54</b>

### ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (₹. करोड़ में)	
	2013-14	2012-13
ई-प्रोक्योरमेंट (ख)	962.07	66.92
<b>कुल (क+ख)</b>	<b>19395.25</b>	<b>15482.46</b>

## DIRECTORS' REPORT

To  
The Shareholders  
MSTC Limited

Directors are pleased to present the 49th Annual Report on the business and operation of the Company together with audited accounts and auditors report for the year ended 31st March 2014.

### A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at ₹ 18433.18 Crore, against ₹ 15415.54 Crore in 2012-13. Break-up for the year 2013-14 vis-à-vis 2012-13 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (₹ in Crore)	
	2013-14	2012-13
Sale of Scrap & Manganese Ore etc.	5632.82	4380.13
Sale of Coal	5716.12	5512.91
Iron ore	7084.24	5522.50
<b>Total (A) :</b>	<b>18433.18</b>	<b>15415.54</b>

### B) e- PROCUREMENT

Business Segment	Volume of Business (₹ in Crore)	
	2013-14	2012-13
e-Procurement (B)	962.07	66.92
<b>Total (A+B)</b>	<b>19395.25</b>	<b>15482.46</b>



अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री श्री तपंग तलोह से इलेट्स पीएसयू शिखर सम्मेलन 2014 पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड। इस अवसर पर श्री एम पी नारायणन, कोल इंडिया के भूतपूर्व अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं इलेट्स टेक्नीमीडिया प्रा. लि. के अध्यक्ष उपस्थित थे।

Elets PSU Summit 2014 award is being handed over by Education Minister of Arunachal Pradesh Shri Tapang Taloh to Shri S.K.Tripathi, CMD of MSTC Limited in the presence of Shri MP Narayanan, former CMD of Coal India and President, Elets Technimedia Pvt. Ltd.



श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, नई दिल्ली में आयोजित पीएसयू शिखर सम्मेलन 2014 को संबोधित करते हुए  
Shri S.K.Tripathi, CMD MSTC addressing at Elets PSU Summit 2014 held in New Delhi.

### ग) व्यापार

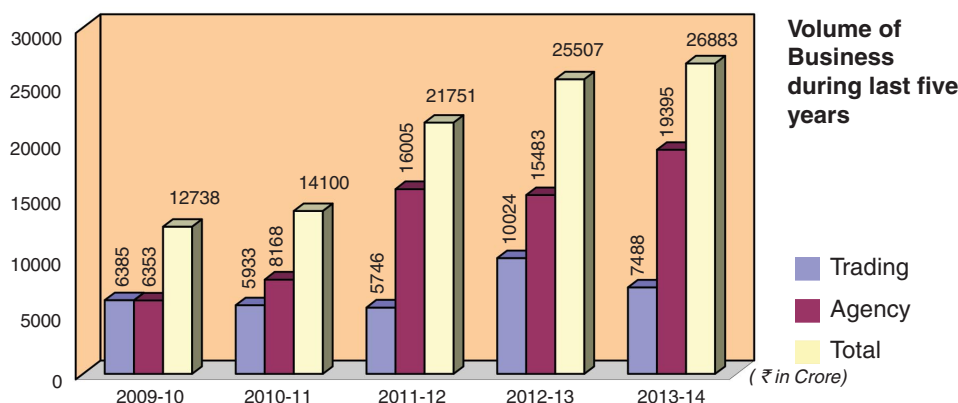
वर्ष 2012-13 में रु. 10050.54 करोड़ की तुलना में इस वर्ष व्यापार प्रभाग के व्यवसाय की कल मात्रा रु. 7488.15 करोड़ है। वर्ष 2013-14 के साथ वर्ष 2012-13 का ब्रेक अप नीचे दिया गया है :

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2013-14	2012-13
निम्नोक्त सामग्री का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्रियाँ	3145.80	6608.70
स्वदेशी सामग्रियाँ	4342.35	3415.50
<b>कुल (ग)</b>	<b>7488.15</b>	<b>10024.20</b>
<b>महायोग (क+ख+ग)</b>	<b>26883.40</b>	<b>25506.66</b>

### C) TRADING

The performance of Trading Division shows a total volume of business of ₹7488.15 Crore, against ₹10050.54 Crore in 2012-13. Break-up for the year 2013-14 vis-à-vis 2012-13 is as follows :

Business Segment	Volume of Business (₹ in Crore)	
	2013-14	2012-13
Procurement of:		
Imported materials	3145.80	6608.70
Indigenous materials	4342.35	3415.50
<b>Total: (C)</b>	<b>7488.15</b>	<b>10024.20</b>
<b>Grand Total (A+B+C)</b>	<b>26883.40</b>	<b>25506.66</b>



### वित्त

यद्यपि, कंपनी ने रु. 11941 लाख का प्रचालन लाभ किया है, परंतु कंपनी द्वारा वर्ष 2007 एवं 2008 में स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए पुरानी बकाया राशि रु. 22678 लाख का प्रावधान किए जाने की वजह से पिछले वर्ष रु. 13073 लाख के लाभ की तुलना में करोपरान्त हानि रु. 7003 लाख हुई है। इस प्रावधान की व्यवस्था लेखा परीक्षक के अनुरोध पर किया गया था। हालांकि एमएसटीसी को विदेशी न्यायालयों से अनुकूल निर्णय प्राप्त हुए हैं, जिसका निष्पादन किया जा रहा है। क्रेताओं के लिए ऋण की सीमाओं का अनुमोदन तथा असफल होने की परिस्थिति में व्यवसाय को बीमाकृत करने वाली बीमा एजेंसी ईसीजीसी के खिलाफ में मामले में एमएसटीसी की स्थिति काफी मजबूत है।

### FINANCIAL

Though company has made operational profit of ₹ 11941 lakhs but because of provision made against old outstanding for export of plain gold jewellery in 2007 & 2008 for ₹ 22678 lakh, loss after tax stands at ₹ 7003 lakh as against the profit of ₹ 13073 lakh last year. This provision was made on the request of Audit, though MSTC has got favourable judgements in foreign courts which are being executed. MSTC's position is also strong in its case against ECGC the insurance agency who approved the credit limits of buyers and insured the business against default.



श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, नई दिल्ली में पर्यावरण प्रबंधन पर आयोजित सेमिनार में परिचर्चा करते हुए  
Shri S.K.Tripathi, CMD MSTC speaking at a seminar on Environment Management in New Delhi

वर्ष 2012-13 एवं 2013-14 के लिए कंपनी के वित्तीय परिणाम नीचे दिए जा रहे हैं :-

	(रु. लाख में)	
	2013-14	2012-13
व्यवसाय की मात्रा	2688340	2550666
कर पूर्व लाभ (हानि)	(10737)	19340
कर	(3734)	6267
करोपरान्त लाभ (हानि)	(7003)	13073
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	880	880
आरक्षित	61721	68716
लाभांश (%)	शून्य	300
प्रति शेयर आय (रु.)	(79.58)	148.56
(अंकित मूल्य रु. 10/-)		(बोनस के पश्चात)
प्रति कर्मचारी पीबीटी (एलबीटी)	(33.65)	60.61

विशिष्ट मद के तहत स्वर्ण अलंकार के निर्यात के खाते पर प्राय व्यापार के लिए अगर कंपनी ने रु. 22678 लाख की राशि का प्रावधान नहीं किया होता, तो वित्तीय परिणाम निम्न रूप होता :

Financial results of the company for the year 2012-13 and 2013-14 are given below :-

	₹ in Lakh	
	2013-14	2012-13
Volume of Business	2688340	2550666
Profit(Loss) before tax	(10737)	19340
Tax	(3734)	6267
Profit(loss) after tax	(7003)	13073
Paid up capital (Equity)	880	880
Reserves	61721	68716
Dividend (%)	Nil	300
Earning per share ( ₹ )	(79.58)	148.56
(Face value ₹ 10/-)		(Post Bonus)
PBT(LBT) Per Employee	(33.65)	60.61

Had the Company not provided for Rs. 22678 lacs against trade receivable on account of export of gold jewelry as an exceptional item, the financials results would have been as under :-

	(रु. लाख में)	
	2013-14	2012-13
कर पूर्व लाभ	11941	19340
कर	3975	6267
करोपरान्त लाभ	7966	13073
प्रदत्त पूंजी (इक्विटी)	880	880
आरक्षित	76690	68717
प्रति शेयर आय (रु.)	90.52	148.56
(अंकित मूल्य रु. 10/-)		(बोनस के पश्चात)
प्रति कर्मचारी पीबीटी	37.20	60.61

	(₹ in Lakh)	
	2013-14	2012-13
Profit before tax	11941	19340
Tax	3975	6267
Profit after tax	7966	13073
Paid up capital (Equity)	880	880
Reserves	76690	68717
Earning per share ( ₹ )	90.52	148.56
(Face value ₹10/-)		(Post Bonus)
PBT Per Employee	37.20	60.61

### लाभांश

निदेशकगण वित्त वर्ष 2013-14 के लिए लाभांश की घोषणा करने की स्थिति में नहीं हैं।

### आरक्षित निधि

31 मार्च, 2013 को कंपनी की सामान्य आरक्षित निधि रु. 68717 लाख थी। वर्ष के दौरान लाभ एवं हानि खाते से रु. 7003 लाख की घाटा राशि को सामान्य आरक्षित निधि में स्थानांतरण किया गया है। लाभांश वितरण कर रु. 7 लाख का समायोजन करने के उपरांत 31 मार्च, 2014 को सामान्य आरक्षित निधि रु. 61721 लाख है।



श्री एस.एस. चौधुरी, सीजीएम (मानव संसाधन) बैठक के दौरान एमएसटीसी अधिकारियों को संबोधित करते हुए  
Shri S.S.Chaudhuri, CGM(HR) addressing MSTC's officials during a meeting

### सिस्टम प्रभाग

एमएसटीसी की आईटी संरचना देश में अत्यधिक आधुनिक और ई-कॉमर्स व्यवसाय को सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से करने में सक्षम है।

एमएसटीसी का आईटी विभाग शक्तिशाली आईबीएम पावर सीरिज 740 सर्वर से सुसज्जित है, यह अधिक भार वहन करने की क्षमता रखता है और हजारों समवर्ती उपयोगकर्ता को सेवा प्रदान कर सकता है। यह सर्वर ऊर्जा के स्तर पर काफी सक्षम है, जिससे ऊर्जा की बचत होगी।

कोलकाता डाटा सेंटर के तर्ज पर समान रूप से मुंबई डिजास्टर रिकवरी साइट की भी स्थापना की गई है।

एमएसटीसी सूचना सुरक्षा के प्रति सचेत है। अधिकतम सुरक्षा प्राप्त करने के लिए फायरवाल, आईपीएस, एमएमडीओएस आदि की स्थापना करके सुरक्षा में कोई कमी नहीं रखी है।

सभी नेटवर्क उपकरणों मसनल, राउटर्स एवं स्वीच सीआईएससीओ से हैं और यह आईपीवी6 में जाने के लिए पूर्णतः तैयार है। सुरक्षा यंत्र जैसे फायरवाल एवं आईपीएस अनाधिकृत अनुचित हस्तक्षेप को रोकने के लिए लगाया गया है।

एमएसटीसी आवधिक गहन और कमजोर परीक्षण के माध्यम से सुरक्षा सुनिश्चित करता है। आवधिक एप्लिकेशन सुरक्षा टेस्टिंग प्रणाली एसटीक्यूसी द्वारा संचालित है, जो कि आईटी एवं संचार मंत्रालय, भारत सरकार का आनुषांगिक विभाग है।

### DIVIDEND

Directors are not in a position to recommend dividend for the financial year 2013-14.

### RESERVES

General Reserves of the Company stood at ₹ 68717 lakh as on 31st March 2013. During the year deficit of ₹ 7003 lakh have been transferred to General Reserve from Profit & Loss Account. After adjusting sums of Dividend Distribution tax for Rs 7 lakhs the General Reserves stand at ₹ 61721 lakh as on 31st March 2014.

### SYSTEM DIVISION

MSTC's IT infrastructure is by far the most sophisticated in the country to take up ecommerce services in a secure and transparent manner.

MSTC's IT Department is equipped with the latest powerful IBM Power Series 740 Servers having large processing power and can serve thousands of concurrent users. The servers are highly energy efficient leading to saving on power.

Mumbai Disaster Recovery site is also having a similar set up as in Kolkata Data Center.

MSTC is also concerned on information security issues and has left no stone unturned to achieve maximum security by installing Firewall, IPS, MMDOS, etc.

All network equipments like routers, switches are from CISCO and are totally ready for IPv6 migration. Security Appliances like Firewalls, IPS are also in place to prevent unauthorized intrusion.

MSTC also ensures security through periodical penetration and vulnerability testing. Periodical Application Security Testing is conducted by STQC, department under Ministry of IT & Communication, Govt of India.



श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी एवं श्री ए. के. सिन्हा, एक्सटर्नल इंटीपेंडेंट मोनिटर (सेंटर) साथ में एमएसटीसी के अन्य अधिकारीगण अखंडता समझौता पर आयोजित एक बैठक के दौरान परिलक्षित

Shri S.K.Tripathi,CMD MSTC & Shri A.K.Sinha, External Independent Monitor(centre) along with other officials of MSTC during a meeting on Integrity Pact

एमएसटीसी ने अपने क्षेत्रों एवं शाखाओं को वीपीएन के जरिए जोड़ दिया है। यह केंद्रीय आंतरिक एप्लिकेशनों को इसके अतिरिक्त सक्षमता प्रदान किया जिससे सभी द्वारा ज्यादा सुरक्षित तरीके से इस्तेमाल होगा। यूजर्स सिस्टम को बाहरी स्पैम एवं वायरस से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक यूटीएम की स्थापना की गई है।

एमएसटीसी ने एक आंतरिक परिपूर्ण ई-प्रोक्योरमेंट समाधान विकसित कर चुकी है। इस ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली में सीवीसी दिशानिर्देशावलियां, आईटी अधिनियम 2000 एवं वर्ष 2008 में किए गए इसके संशोधन तथा जीएफआर नियमावलियों का पालन किया गया है, इस सेवा को एसटीक्यूसी द्वारा अभिप्रमाणित किया गया है।

एमएसटीसी ई-कॉमर्स को सीएमएमआई लेवल-3 के रूप में भी अभिप्रमाणित किया गया है एवं प्रशंसा प्राप्त हुई है।

एमएसटीसी सर्वर कोलकाता में वर्ष भर अनवरत कार्यशील है। सिस्टम विभाग वृत्तिक योग्यता से सुसज्जित है, जो कि लगातार अपने ज्ञान को अद्यतन तकनीक के साथ उन्नत करते रहते हैं।

एमएसटीसी का सिस्टम विभाग एसटीक्यूसी द्वारा आईएसओ 27001:2005 से प्रमाणित है।

एमएसटीसी का ई-कॉमर्स विभाग भी आईएसओ 9001:2008 गुणवत्ता प्रमाणित है।

#### मानव संसाधन विकास (एचआरडी)

एमएसटीसी लिमिटेड ने हमेशा से ही श्रमशक्ति को अत्यंत महत्त्व दिया है। वर्ष 2013-14 में कंपनी ने व्यवसाय एवं वित्तीय निष्पादन दोनों ही दृष्टिकोण से उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह प्रबंधन के तीक्ष्ण निर्देशन को दर्शाता है तथा संगठन के सभी स्तर पर प्रेरणा के उच्चस्तर को भी दर्शाता है। कंपनी को सुप्रशिक्षित श्रमशक्ति से सुसज्जित करने के लिए कंपनी ने इस वर्ष प्रवेश स्तर पर नियुक्ति की है।

MSTC has connected its regions and branches through VPN, which enabled the centralized internal applications to be used by all in a more secured manner. Moreover an UTM has been installed for protecting the users systems from outside spams and viruses.

MSTC has developed an in-house complete e-Procurement solution. CVC guidelines, IT Act 2000 & its Amendment in 2008, and GFR norms have been adhered to in this e-Procurement Application and the said service has been certified by STQC.

MSTC e-Commerce has also been appraised and certified as CMMI Level-3 compliant.

MSTC server in Kolkata is manned round-the-clock throughout the year. The Systems dept. is well equipped with qualified professionals whose skills are continuously upgraded with training on latest technology.

MSTC's System Department is ISO 27001:2005 certified from STQC.

MSTC e-commerce division is also ISO 9001:2008 Quality certified.

#### HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (HRD)

MSTC Limited has always given great importance to its manpower. In the year 2013-14 it has demonstrated excellent performance both in terms of business and financial performance. It only reflects strong leadership and high level of motivation at all levels of the Organization. During this year the company has made recruitments at the entry levels to equip the company with well trained manpower.

मानव संसाधन विभाग ने भारत के बेहतरीन संस्थानों द्वारा आयोजित प्रबंधन विकास कार्यक्रमों, सेमिनारों एवं कार्यशालाओं द्वारा लगभग 18 कार्यपालकों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है। हमने 35 कार्यपालकों को दक्षता विकास प्रशिक्षण भी प्रदान किए एवं 21 गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक प्रशिक्षण का भी संचालन किया।

इस वर्ष हमने “संगठन का पुनर्गठन एवं श्रमशक्ति अभिकल्पना पर एक अध्ययन” किया, जो सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। वर्ष 2013-14 के लिए एमओयू लक्ष्य भी हासिल कर लिया गया।

#### कमजोर वर्गों का कल्याण

कंपनी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए समय-समय पर राष्ट्रपति की ओर से जो सरकारी नीतियां और प्रक्रिया की घोषणा आरक्षण, छूट, रियायत इत्यादि के संबंध में की जाती है, उसको आत्मसात करती है।

कमजोर वर्गों की नियुक्ति एवं पदोन्नति के मामले में निर्देशों का पालन किया जाता है। वर्ष के दौरान गठित सभी विभागीय पदोन्नति कमिटियों एवं चयन कमिटियों (नियुक्ति के मामले में) में एससी/एसटी समुदाय का प्रतिनिधित्व था। वर्ष भर के दौरान नियुक्त किए गए 16 व्यक्तियों में से 5 ओबीसी, 2 एससी एवं 3 एसटी व्यक्तियों को लिया गया; 1 अल्पसंख्यक व्यक्ति को भी शामिल किया गया।

वर्ष के दौरान कंपनी के 11 एससी एवं 9 ओबीसी कार्यपालकों को आंतरिक एवं संस्थानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों दोनों के लिए प्रायोजित किया गया था।

The Human Resource Department successfully trained approximately 18 executives through management development programmes, seminars and workshops organized by good institutes of India. We have also imparted skill development training to 35 executives and also conducted motivational training for 21 non-executive employees.

This year we had undertaken "A Study on Organization Restructuring and Manpower Planning" which was successfully completed. The MOU targets for the year 2013-14 were achieved.

#### WELFARE OF WEAKER SECTIONS :

The Company has duly observed the Presidential Directives issued from time to time in regard to reservation, relaxation, concession, etc. for the SC/ST/OBC/PWD candidates pertaining to the policies and procedures of the Government.

The directives in matters concerning recruitment and promotion regarding the weaker sections have been duly complied with. All Departmental Promotion Committees and Selection Committees (in case of recruitment) constituted during the year had representatives of SC/ST community. Out of 16 no of persons recruited during the year, 5 OBC, 2 SC and 3 ST persons were taken; of which 1 belong to minority.

During the year, 11 SC and 9 OBC employees of the Company were sponsored for training programmes, both In-House and Institutional training programmes.



एमएसटीसी लिमिटेड की 48वीं वार्षिक साधारण सभा। (बाएं से) श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त), श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्य), श्री एस. अम्बष्ठ, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं श्री एस. एस. चौधरी, सीजीएम/मुख्य महा प्रबंधक (मा.सं.)

48th Annual General Meeting of MSTC Ltd. (from left), Shri A. K. Basu, Director(F), Shri S.K.Tripathi, CMD MSTC, Shri B. B. Singh, Director (Commercial), Shri S. Ambastha, CVO & Shri S. S. Chaudhuri, CGM(HR)

इसके साथ ही एमएसटीसी एससी/एसटी इम्प्लाइज काउंसिल, जिसका प्राथमिक कार्य इस कंपनी के इस वर्ग के कर्मचारियों के हित की रक्षा करना है, को भी सभी तरह का सहयोग और सहायता दी गई।

#### नारी सशक्तिकरण

फोरम ऑफ वुमेन इन पब्लिक सेक्टर (डब्ल्यूआईपीएस) का आजीवन नैगमिक सदस्य होने के नाते, एसएसटीसी को नारी सशक्तिकरण पर डब्ल्यूआईपीएस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कई महिला कर्मचारियों को नामित किया गया था। कंपनी की एक कार्यपालिका, जो डब्ल्यूआईपीएस के कार्यपालक निकाय की सदस्या हैं, का चुनाव पूर्वी क्षेत्र की अध्यक्षता के रूप में किया गया। वे एवं उनकी टीम पीएसयू में महिला कर्मचारियों के विकास के लिए अपना सक्रिय योगदान दे रही हैं तथा सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से समाज की लड़कियों/महिलाओं के उत्थान में भी जुटी हुई हैं।

In addition, all possible cooperation and assistance was provided to the MSTC SC/ST Employees' Council, which function primarily to safeguard the interest of the reserved section of employees of the Company.

#### EMPOWERMENT OF WOMEN :

Being a Corporate Life Member of Forum of Women in Public Sector (WIPS), several women employees were nominated for participation in the programmes organized by WIPS. An executive of the Company, who is a member of the Executive Body of WIPS, has been elected as the President of the Eastern Chapter. She and her team actively contribute to the development of women employees in PSUs and also underprivileged girls/women in the society through CSR activities.

(एचआरएम विभाग)  
निशक्त व्यक्ति अधिनियम, 1995 का कार्यान्वयन  
(HRM DEPARTMENT)

#### IMPLEMENTATION OF THE PERSONS WITH DISABILITIES ACT, 1995

वर्ष 2013-2014 (दिनांक 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार) के दौरान निशक्त व्यक्ति अधिनियम 1995 के कार्यान्वयन की स्थिति  
Status of implementation of the Persons with Disabilities Act, 1995 during the year 2013-2014 (As on 31-03-2014)

कर्मचारियों की संख्या	निशक्त व्यक्तियों की संख्या +एलडी	कुल बीएल+एचआई +एलडी	निशक्त व्यक्तियों का प्रतिशत (कॉलम 3 एवं 1)	यदि कॉलम 4 में आंकड़े 3% से कम हों तो इसका कारण	कमी को पूरा करने लिए की गई के कार्रवाई
Number of Employees	Number of Disabled Persons	Total BL+HI+LD	Percentage of disabled persons (Col. 3 & Col.1)	In case figure in Col.4 is less than 3% reasons therefor	Action taken to fill up the short fall
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ग्रुप/Group	एचआई/HI	LD			
अ/A	170	-	3	1.76	
ब/B	44	1	1	2	4.54
स/C	90	-	3	3	3.33
द/D	14	-	-	-	शून्य/NIL
कुल/Total	318	1	7	8	2.51

\*समूह बी में कोई भर्ती नहीं की जा रही है। / \*No recruitment being done in Group B

परिभाषा : बीएल-अंधपन अथवा कम दृष्टि, एचआई-श्रव्य सहायता, एलडी-चलने फिरने में असमर्थता। / Legends: BL-Blindness or low vision HI-Hearing Impairment



दिनांक 31.03.2014 की स्थिति के अनुसार एमएसटीसी की जनशक्ति  
**MANPOWER STATISTICS OF MSTC AS ON 31-03-2014**

	एचओ	ईआरओ	एनआरओ	डब्ल्यूआरओ	एसआरओ	बैंगलोर	वाइजैंग	भोपाल	बड़ौदा	हैदराबाद	लखनऊ	कुल	1.4.14 को कुल TOTAL AS ON 1.4.14
	HO	ERO	NRO	WRO	SRO	BLR	VIZ	BHPL	VDORA	HYD	LKNO	TOTAL	TOTAL AS ON 1.4.14
कार्यपालक/EX	77	13	19	14	11	11	9	2	8	4	2	170	168
गैर-कार्यपालक/ NEX	56	12	20	14	11	12	11	3	8	0	1	148	151

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़े वर्ग/शारीरिक रूप से विकलांगों/भूतपूर्व सैनिक (31.03.2014 की स्थिति)  
**SC/ST/OBC/PHYSICALLY HANDICAPPED/EX-SERVICEMEN STATUS AS ON 31-03-2014**

ग्रुप GROUP	कुल TOTAL	एससी (%) SC (%)	एसटी (%) ST (%)	ओबीसी (%) OBC (%)	शारीरिक विकलांग (%) PHYSICALLY HANDICAPPED (%)	भूतपूर्व सैनिक (%) EX- SERVICEMEN (%)
अ/A	170	24(14.11)	11(6.47)	33(19.41)	3(1.76)	शून्य/NIL
ब/B	44	10(22.72)	1(2.27)	शून्य/NIL	2(4.54)	शून्य/NIL
स/C	90	21(23.33)	3(3.33)	17(18.88)	3(3.33)	शून्य/NIL
द/D	14	6(42.85)	1(7.14)	1(7.14)	शून्य/NIL	शून्य/NIL
<b>कुल/TOTAL</b>	<b>318</b>	<b>61(19.18)</b>	<b>16(5.03)</b>	<b>51(16.03)</b>	<b>8(2.51)</b>	<b>शून्य/NIL</b>

31.03.2014 को पुरुष/महिला की स्थिति / MALE/FEMALE AS ON 31-03-2014

	पुरुष / MALE	महिला / FEMALE	कुल / TOTAL
कार्यपालक / EX	142	28	170
गैर-कार्यपालक / NEX	125	23	148
<b>कुल / TOTAL</b>	<b>267</b>	<b>51</b>	<b>318</b>



एमएसटीसी की व्यवसायिक समीक्षा बैठक  
MSTC's Business Review Meeting



पुरस्कार प्रदान कार्यक्रम के दौरान एमएसटीसी के कर्मचारीगण  
Employees of MSTC during award presentation event

### लोक शिकायत निवारण तंत्र

एमएसटीसी का कारपोरेट पोर्टल [www.mstcindia.co.in](http://www.mstcindia.co.in)

द्वारा ऑनलाइन लोक शिकायत के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की जाती है। इस पोर्टल के तहत प्रिंसिपल/क्रेता अपनी शिकायत पंजीकृत कर सकते हैं एवं यूनिक सिस्टम जनित कोड की सहायता से शिकायतों की स्थिति से अवगत हो सकते हैं। वे ऑनलाइन पंजीकृत शिकायत की प्रगति को भी देख सकते हैं।

मंत्रालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुसार एक सीपीजीआरएमएस (सेंट्रल पब्लिक ग्रिवेंस रिड्रेस एंड मॉनोटोरिंग सिस्टम) हमारे नैगमिक वेबसाइट के होम पेज पर प्रदान की गई है, जिसकी देख-रेख नामित अधिकारियों द्वारा की जाती है।

शिकायत सेल की स्थापना हमारे विभिन्न क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में भी की गयी है इसलिए शिकायतों का तत्काल निपटान और मामले को निपटाने के लिए कार्रवाई की जा सकती है।

कर्मचारियों द्वारा प्राप्त शिकायतों पर विभागीय प्रधान तथा क्षेत्रीय/शाखा प्रबंधक द्वारा कार्रवाई भी की जाती है। कुछ शिकायतें डाक द्वारा केंद्रीय शिकायत सेल में भी प्राप्त की गयी। दैनिक कार्यालय संचालन में कर्मचारियों से प्राप्त विभिन्न औपचारिक/गैर-औपचारिक शिकायतों पर विभागीय प्रधान, स्टॉफ यूनियन जैसे जहां उचित समझा जाता है, से परामर्श करके मानव संसाधन विभाग निपटाता है।

### सूचना अधिकार अधिनियम 2005

एमएसटीसी ने एक अपील प्राधिकारी, सीपीआईओ को प्रधान कार्यालय में नामित किया है। प्रत्येक क्षेत्रीय/शाखा कार्यालय में भी एक पीआईओ और एक एपीआईओ आरटीआई के तहत प्राप्त आवेदनों को प्रभावशाली-प्रकमण के लिए नामित किया गया है। सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के तहत प्राप्त आवेदन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 के प्रावधान के अनुकूल निपटाए गए हैं। सभी तिमाही रिपोर्ट को ऑनलाईन प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2013-14 के दौरान कुल 63 आवेदनों/अनुरोधों को प्राप्त किया गया है और उनमें से 61 आवेदनों/अनुरोधों का निष्पादन किया गया है और शेष 02 प्रक्रियाधीन है।

### राजभाषा

एमएसटीसी राजभाषा त्रिमास का उद्घाटन 16 सितम्बर 2013 को किया गया था। इस अवधि के दौरान हिंदी प्रतियोगिताएं और कार्यशालाओं का आयोजन प्रधान कार्यालय तथा क्षेत्रीय एवं शाखा कार्यालयों में किया गया। कुल 21 अधिकारीगण/कर्मचारीगण को हिंदी प्रतियोगिताओं एवं हिंदी परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कुल 07 अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित हिंदी परीक्षाओं के लिए नामित किया गया।



एमएसटीसी के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक से वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन कप ग्रहण करते हुए श्रीमती भानु कुमार आरएम, डब्ल्यूआरओ एवं श्री एन.के. सिंह, आरएमएम डब्ल्यूआरओ। छवि में श्री बी. बी. सिंह निदेशक (वाणिज्य) भी परिलक्षित हैं

CMD, MSTC Shri S.K.Tripathi handing over the 'Best Performance Cup' for the financial year 2013-14 to RM,WRO Smt.Bhanu Kumar and RFM WRO Shri N.K.Singh during MSTC's award presentation ceremony. Director (Commercial) Shri B. B. Singh also present in the picture

### GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

Online registration of Public Grievance has been provided by MSTC's corporate portal [www.mstcindia.co.in](http://www.mstcindia.co.in). Under this portal the Principal/Buyer can register their grievances and view the status with the help of a unique system generated code for the complaints. They can also view the progress of grievance registered online.

As per instruction received from Ministry a link on CPGRAMS (Central Public Grievance Redress & Monitoring System) is also provided in the home page of our corporate website

which is monitored by nominated officials.

Grievance cells have also been constituted in different Regional and Branch offices so that grievance can be sorted out immediately and take action to solve the cases.

Grievances from the employees are also taken care by the HOD's and Region/Branch Managers. Some of the grievances are also received at the Central Grievance Cell by post. Moreover, the HR Dept. attends to various formal/informal grievances received from the employees in day to day running of the office in consultation with the HOD's & Staff Unions, wherever necessary.

### RIGHT TO INFORMATION ACT 2005

MSTC nominated an Appellate Authority, a CPIO in the Head office. Every region/branch has PIO and an APIO as well for effectively processing the RTI applications received at various locations of the company. Provisions of Right to Information Act 2005 have been duly complied for processing the applications/requests received under RTI Act 2005. All the quarterly reports have been submitted on-line. During the year 2013-14, total 63 applications/requests have been received and out of that 61 applications/requests have been disposed and remaining 02 are under process.

### OFFICIAL LANGUAGE

Rajbhasha Trimas was inaugurated on 16 September 2013. During this period, Hindi competitions and Hindi workshops were organized in Head office and in regional and branch offices. Total 21 officers/employees were awarded prizes for winning in Hindi competitions and for passing Hindi examinations. Total 07 officers/employees were nominated for the Hindi examination conducted by Hindi Teaching Scheme, Official Language Deptt. Govt. of India.

तिमाही रिपोर्ट एवं वार्षिक रिपोर्ट मंत्रालय को भेजा गया। राजभाषा अधिनियम के अनुसार प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय एवं शाखा कार्यालयों में निरीक्षण किया गया था। मंत्रालय द्वारा निरीक्षण के समय सभी कागजात उपलब्ध कराए गए। 07 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहन प्रदान किया गया था। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई, राजभाषा कार्यान्वयन हेतु निगरानी किया गया। समय-समय पर राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के कार्यान्वयन के लिए परिपत्र जारी किए गए। कार्यालय के दैनिक कामकाज में हिंदी के प्रगतिशील तरीके से इस्तेमाल पर ध्यान आकर्षित करने के लिए राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों को भी प्रचारित किया गया। "आज का शब्द" ऑन-लाइन भेजा गया था तथा राजभाषा साप्ताहिक शब्दावली पत्रिका को भी वितरित किया गया।

मंत्रालय की बैठकों में एवं नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में उपस्थित हुई। राजभाषा विभाग के आईएसओ 9001:2008 प्रमाण-पत्र का नवीकरण किया गया। प्रधान कार्यालय एवं क्षेत्रीय और शाखा कार्यालयों के कम्प्यूटरों में यूनिकोड स्थापित किया गया। जिन कम्प्यूटरों को फॉर्मेट किया गया है उनमें भी यूनिकोड को पुनः स्थापित करने का कार्य जारी है।

राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन जारी कागजातों को हिंदी में अनुवाद किया गया। आवश्यकतानुसार अंग्रेजी से हिंदी एवं हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद उपलब्ध कराया जाता है। वार्षिक प्रतिवेदन का हिंदी संस्करण भी प्रस्तुत किया गया। राजभाषा अधिनियम का अनुपालन किया गया। इसी मंत्रालय एवं इसकी हिंदी सलाहकार समिति राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के संबंध में अपने दिशा-निर्देश हमेशा प्रदान किए।

Quarterly reports and annual report were sent to the Ministry. As per the Official Language Act, inspection was done in Head office and regional and branch offices. All materials for inspection were made available at the time of inspection done by the Ministry. Incentive was provided to 07 officers and employees. Official Language Implementation meeting was organized. Monitoring for implementation of Official Language was done. Circular for implementation of section 3(3) of Official Language Act 1963 was issued from time to time. Provisions of Official Language Act were also circulated to bring the attention to the progressive use of Hindi in day to day official work. "Aaj kaa shabd" was sent on-line and Rajbhasha Saptahik Shabdawali Patrika" was also circulated.

Ministry meeting and Town Official Language meeting were attended.

ISO 9001:2008 certification of Official Language Department was renewed.

Unicode was installed in head office and regional and branch offices. Unicode reinstallation is also going on where computers have been formatted.

Documents coming under section 3(3) of Official Language Act were translated to Hindi. Translations from English to Hindi and vice versa have been provided as and when required. Hindi version of Annual report was also submitted. Official Language Act has been complied with. Ministry of Steel and its Hindi Salahkar Samity continuously provided their guidance about implementation of Official Language Act.



एमएसटीसी के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी से वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए उत्कृष्ट वित्तीय कार्यनिष्पादन के लिए मेरिट शील्ड ग्रहण करते हुए श्री सूर्य कान्त, बीएम, बडोडरा एवं श्री प्रवीण कुमार, बीएफएम, बडोडरा

CMD, MSTC Shri S.K.Tripathi handing over the " Merit Shield for best financial performance" for the financial year 2013-14 to BM, Vadodara Shri Surya Kant and BFM, Vadodara, Shri Praveen Kumar, during MSTC's award presentation ceremony



एमएसटीसी के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी से वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए व्यवसाय में अधिकतम वृद्धि के लिए मेरिट शिल्ड ग्रहण करते हुए श्री ए. राजामानिकम, बीएम, वाइजेग, श्री एन. मोहन, बीएफएम, वाइजेग

CMD, MSTC Shri S. K. Tripathi handing over the " Merit Shield for maximum increase in business" for the financial year 2013-14 to BM, Vizag Shri A. Rajamanickam and BFM, Vizag, Shri N. Mohan, during MSTC's award presentation ceremony

## सतर्कता

एमएसटीसी का सतर्कता विभाग कंपनी के परिचालन में निष्पक्षता, ईमानदारी एवं कुशलता सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है। कर्मचारियों में नैतिक औचित्य तथा नीतिपरक व्यवसायिक व्यवहार कायम रखने के लिए भ्रष्टाचार पर शून्य सहनशीलता की नीति कठोर रूप से अपनाई गई है। एमएसटीसी सतर्कता विभाग आईएसओ 9001:2008 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का अनुपालन करता है तथा भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए प्रभावशाली सुरक्षात्मक मानदंड अपनाने तथा संस्थान के कार्यप्रणाली में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ाने के प्रति बल दिया गया।

एमएसटीसी की ई-नीलामी, ई-रिवर्स नीलामी एवं ई-प्रोक्योरमेंट का ई-कॉमर्स परिचालन इसके एसटीक्यूसी प्रमाणित वेब पोर्टल के जरिए किया जाता है, जिसमें सीवीसी के दिशानिर्देश अनुपालन किया जाता है। एमएसटीसी का निजी आईटी ढांचा है तथा सॉफ्टवेयर में कार्टेल फारमेशन को रोकने के लिए पारदर्शिता तथा निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु कई इन-बिल्ट प्रावधान हैं। ई-नीलामी/ई-बिक्री/ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली को इस तरह से अभिकल्पित की गई है कि एक नीलामी के दौरान बिक्रेता, एमएसटीसी के कर्मचारीगण अथवा बोलीदातागण अपने प्रतियोगी बोलीदाताओं के विवरण को नहीं देख पाएंगे।

सेवा वितरण प्रणाली को ज्यादा पारदर्शी बनाने के लिए, कंपनी के आधिकारिक वेबसाइट सीपीजीआरएमएस (सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रिवांस रीड्रेसल एण्ड मोनिटरिंग सिस्टम) लिंक प्रदान करता है एवं सार्वजनिक प्रोक्योरमेंट में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए इंटीग्रेटी पैकट कार्यान्वित है, प्रशासन में नागरिक (सेवोत्तम) पहुंचने, के लिए कर्मचारियों के लिए अवसर प्रदान करने हेतु व्हीसल ब्लोअर पालिसी तथा सीधे सीवीओ तक शिकायत करने के लिए एक सतर्कता पेज भी दर्शाया

## VIGILANCE

The Vigilance Department of MSTC strives to ensure Fairness, Integrity and Efficiency in the operations of the company. Policy of Zero Tolerance on Corruption is strictly adhered to for upholding ethical business practices and moral uprightness among the personnel. MSTC Vigilance Department complies with ISO 9001:2008 Quality Management System, and the emphasis has been to have in place effective preventive measures to fight against corruption and also to increase the transparency and accountability in the functioning of the organization.

MSTC's e-Commerce operations of e-auction, e-reverse auction & e-procurement are carried out through its STQC certified web portal which is in compliance with the CVC guidelines. MSTC owns its IT infrastructure and the software has several in-built provisions for ensuring Transparency and Fairness, in order to prevent cartel formation. The e-auction/e-sale/e-procurement system is designed in such a way that during an auction, the Seller, Staffs of MSTC or Bidders are not able to view the details of the competing bidders.

In order to make the service delivery system more transparent, the company's official website displays and provides the link to CPGRAMS (Centralised Public Grievance redressal and Monitoring System), Integrity pact which was implemented for prevention of corruption in public procurement, Whistle blower policy to provide opportunity to employees to access

गया है। डीपीई के निगमित अभिशासन दिशानिर्देशों का अनुपालन किया गया एवं बोर्ड के सभी सदस्यों एवं नामित वरिष्ठ प्रबंधक के लिए आचार संहिता का उल्लेख किया गया है।

वर्ष के दौरान, अच्छे अभिशासन के प्रवर्द्धन - ई-कॉमर्स की भूमिका सतर्कता का सार्थक योगदान पर दिनांक 05.11.2013 को विजिलेंस स्टडी सर्कल, कोलकाता अध्याय के संयुक्त रूप से एक सेमिनार का आयोजन किया गया था। इस अवसर सेमिनार के मुख्य अतिथि श्री आर. श्री कुमार, आईपीएस, सतर्कता आयुक्त ने अच्छे अभिशासन के लिए एक यंत्र के रूप में ई-कॉमर्स पर बल दिया।

दिनांक 28.10.2013 से 02.11.2013 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का पालन किया गया। प्रधान कार्यालय, सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में शपथ लिए गए। अच्छे अभिशासन का "प्रोत्साहन - सतर्कता का साकारात्मक योगदान"- विषय पर दिनांक 02.11.2013 को आयोजित एक सभा में श्री ए. के. सिन्हा, इंजीनियरिंग एक्सपर्ट मोनिटर (आईईएम) ने सभी कर्मचारियों को संबोधित किया। निबंध लेखन एवं नारा लेख प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया गया।

#### नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणी

कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 619(3)(बी) के अनुरूप कंपनी के वार्षिक लेखा पर सीएजी की टिप्पणी को निदेशक मंडल की रिपोर्ट के अंश के रूप में माना जाएगा।

#### निदेशक मंडल का उत्तरदायित्व

कंपनी (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 217(2एए) के प्रावधानों के अपेक्षानुसार, निदेशक मंडल ने बताया है कि:-

वार्षिक लेखा तैयार करते वक्त प्रयोजनीय लेखा मानकों को पूरी तरह से अनुपालन किया गया है एवं जहां इन मानकों से हटकर कार्रवाई की गई है, वहां उसके साथ समुचित स्पष्टीकरण दिए गए हैं।

निदेशकों ने इस तरह की लेखा नीतियों को चुना है, उनका बराबर अनुसरण किया है एवं इस तरह के निर्णय लिए हैं, और प्राक्कलन तैयार किए हैं, जो युक्तिपूर्ण हैं और तर्कसंगत हैं एवं जिनसे कंपनी के 31.03.2014 तक के कार्यकलापों की एवं वित्त वर्ष 2013-14 में कंपनी के लाभ/हानि की सही और सटीक तस्वीर प्रकट होती है। निदेशकों ने कंपनी की

in good faith, Citizens in Administration (Sevottam) and also a vigilance page for lodging of complaints direct to the CVO. Corporate Governance guidelines by DPE have been complied with and Code of conduct for all Board members and designated senior management has been laid down.

During the year, a seminar on 05.11.2013 was arranged jointly with Vigilance Study Circle, Kolkata Chapter, on Promoting good governance - Role of e-commerce Positive contribution of Vigilance. Shri R. Sri Kumar, IPS, Vigilance Commissioner, the chief guest on the occasion stressed on e-commerce as a tool for good governance.

Vigilance Awareness Week was observed from 28.10.2013 to 02.11.13. Pledge was taken in the Head Office, all regions and branches. Shri. A. K. Sinha, Independent External Monitor (IEM) addressed all employees in a meeting held on 02.11.2013 on the theme "Promoting good governance - Positive contribution of Vigilance. Awards for the best entries in essay writing and slogan writing competitions were distributed.

#### COMMENTS BY COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA (CAG)

Comments of CAG on the Annual accounts of company in terms of section 619(3)(b) of the Companies Act, 1956, shall be deemed as part of Directors' Report.

#### DIRECTORS RESPONSIBILITY STATEMENT

As required under the provisions of Section 217(2AA) of the Companies (Amendment) Act, 2000, Board of Directors state that :

In the preparation of annual accounts the applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures ;

Directors have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the company as at 31.03.2014 and of the profit/loss of the company for the financial year 2013-14.



एमएसटीसी के पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी से श्रीमती आर. पुरुषोत्तम, बीएम, बंगलोर तथा श्री एम. थंगाराजू, बीएफएम, बंगलोर स्पेशल शिल्ड ग्रहण करते हुए। छवि में श्री बी. बी. सिंह, निदेशक (वाणिज्य) भी दिखाई दे रहे हैं

Shri S.K.Tripathi, CMD MSTC handing over a 'Special Shield' to BM, Bangalore Smt R.Purushottam and BFM, Bangalore Shri M. Thangaraju during MSTC's award presentation ceremony. Director (Commercial) Shri B.B.Singh also present in the picture

परिसम्पत्तियों की सुरक्षा के वास्ते एवं धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रोकने व पकड़ने हेतु कंपनी अधिनियम 1956 के प्रावधानों के अनुरूप उचित लेखा प्रतिवेदन के रखरखाव हेतु उचित एवं पर्याप्त ध्यान रखा है।

निदेशकों ने 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए जारी कारोबार के आधार पर वार्षिक लेखा तैयार किया है।

### लेखा परीक्षक

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अनुपालन के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा

परीक्षक ने वर्ष 2013-14 के लिए मेसर्स राय एण्ड कंपनी, सनदी लेखापाल को कंपनी के संवैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन कंपनी के वार्षिक लेखों के साथ संलग्न कर दिया गया है। लेखा परीक्षकों की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन के जवाब को निदेशकों के प्रतिवेदन के अनुलग्नक III में स्थान दिया गया है।

### निदेशकगण

वर्तमान में एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं, जो कि पूर्णकालिन निदेशक हैं। श्री जे पी शुक्ला, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 01.03.2014 से सरकारी नामित निदेशक नहीं है। श्री लोकेश चंद्र, आईएएस संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 10.03.2014 से सरकार नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। श्री सूरज भान, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय सरकार द्वारा नामित द्वितीय निदेशक हैं। श्री के एल मेहरोत्रा, भूतपूर्व सीएमडी, एमओआईएल दिनांक 12.12.2013 से स्वतंत्र निदेशक पद पर नहीं है। श्री ए के गोयल, भूतपूर्व सदस्य रेलवे बोर्ड, दिनांक 13.12.2013 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए। श्री डी पी सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त) एवं भूतपूर्व सचिव (टेक्सटाइल्स) का समय सीमा दिनांक 19.06.2014 को समाप्त हो गया। श्री एन सी झा, भूतपूर्व सीएमडी, सीआईएल बोर्ड में और एक स्वतंत्र निदेशक हैं।

### नेगमिक सामाजिक दायित्व

एक कारपोरेट नागरिक के रूप में एमएसटीसी पूरी तरह से निगमित सामाजिक दायित्व के क्षेत्र में प्रतिबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में, एमएसटीसी समाज के विकास में सहायता करने के लिए, कम, मध्यम और उच्च मूल्य की विभिन्न परियोजनाओं का कार्य शुरू किया है। चूंकि एमएसटीसी की कोई भी विनिर्माण इकाई नहीं है और एक ट्रेडिंग कंपनी है, इसलिए एमएसटीसी की सीएसआर गतिविधियां देश के विभिन्न राज्यों में फैली हुई हैं। एमएसटीसी ने सामाजिक संरचनाओं के विकास के लिए विभिन्न परियोजनाएं हाथ में ली हैं। जैसा कि एससी/एसटी/ओबीसी एवं अशक्त बच्चों के लिए विद्यालय भवन का निर्माण/विस्तारीकरण, सड़क निर्माण, हैंड पम्प एवं सौर ऊर्जा परियोजनाओं का संस्थापन



श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी से राजभाषा पुरस्कार ग्रहण करते हुए एमएसटीसी के कर्मचारी Shri S.K.Tripathi, CMD MSTC handing over Rajbhasha award to an employee of MSTC

Directors have taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities.

Directors have prepared the annual accounts for the year ended 31st March, 2014 on a going concern basis.

### AUDITORS

Pursuant to Section 619(2) of the Companies Act, 1956, the Comptroller and

Auditor General of India, has appointed M/s. Ray & Co., Chartered Accountants, as Statutory Auditors of the Company for the year 2013-14. The report of Auditor is attached to the annual accounts of the Company. Management replies on the comments/observations of the Auditors are placed at annexure III to Directors Report.

### DIRECTORS

Board of Directors of MSTC Ltd. presently consists of Shri S.K. Tripathi, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial), who are whole time directors. Shri J.P. Shukla, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India ceased to be Govt. nominee director w.e.f 01.03.2014. Shri Lokesh Chandra, IAS Joint Secretary, Ministry of Steel, Govt. of India has been appointed as a Govt. nominee director w.e.f. 10.03.2014. Shri Suraj Bhan, Economic Adviser, Ministry of Steel is second Government nominee director. Shri K.L. Mehrotra, ex-CMD, MOIL ceased to be independent director w.e.f 12.12.2013. Shri A K Goyal, former Member, Railway Board, has been appointed independent director w.e.f 13.12.2013. The term of Shri D.P. Singh, IAS (Retd.) & ex-secretary (Textiles) expired on 19.06.2014. Shri N.C. Jha, ex-CMD, CIL, is the other independent director on the Board.

### CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

As a Corporate citizen, MSTC is fully committed in the area of Corporate Social Responsibility. In the last few years, MSTC has undertaken various projects of low, medium and high value to assist in the developments of the society. Since MSTC does not have any manufacturing unit and is a trading company, the CSR activities of MSTC are spread over in different states of the country. MSTC has taken various initiatives for social infrastructure development like construction / extension of school building for SC/ST/OBC and disabled students, construction of road, installation of hand pumps, and

## CSR and Sustainability Projects 2013-14



RECEIPT NO : 29583

DONOR'S COPY



No. .... /CMRF GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT Date... 21.12.2013.  
(CHIEF MINISTER'S RELIEF FUND)

Received with thanks a sum of Rs. 2,60,00,000/- (Rupees Two Crore Sixty Lacs) only in shape of cash/ Money-order / Bank Draft / Cheque No. 0063228 Dated 19.12.13 from Shri/Smt. MSTC Ltd, Kolkata, 225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata, 700020 as donation to the Chief Minister's Relief Fund.

Receiving Officer

Note : The contribution to the Chief Minister's Relief Fund entitles the donor to 100% exemption Under Section 80 G (2) (iiif) of Income Tax Act, 1961 subject to realisation of cheques and drafts.

1. एमएसटीसी के सीएसआर पहल के अंतर्गत कक्षाओं एवं शौचालय के निर्माण हेतु बलरामपुर, उत्तर प्रदेश में जारी सीएसआर परियोजना
  2. जितेन्द्र विद्यामंदिर, 24 परगना में एमएसटीसी द्वारा वित्त पोषित स्कूल भवन का निर्माण
  3. सीएसआर योजना के अधीन गोंडा, उत्तर प्रदेश में एमएसटीसी द्वारा वित्त पोषित सोलर लाइट की स्थापना
  4. सीएसआर पहल के तहत हुगली, प. बं. में एमएसटीसी द्वारा वित्त पोषित सड़क का निर्माण
  5. उड़ीसा राहत कोष में रु. 2.6 करोड़ का दान
  6. जितेन्द्र विद्यामंदिर, 24 परगना में निर्मित गहरा नलकूप
1. Ongoing CSR project at Balarampur, UP for construction of classrooms & toilet block under MSTC's CSR initiatives
  2. Construction of School building at Jitendra Vidyamandir, 24 Parganas funded by MSTC
  3. MSTC funded installation of solar light at Gonda, UP under its CSR scheme
  4. Construction of Road at Hooghly, W.B funded by MSTC under its CSR initiatives
  5. Donation of Rs. 2.6 crore to Orissa Relief fund
  6. Construction of Deep tubewell built at Jitendra Vidyamandir, 24 Parganas

है। मुख्यमंत्री राहत कोष, उड़ीसा में भी पर्याप्त योगदान किया गया। वर्ष के लिए कुल व्यय रु. 482.86 लाख था।

#### निगमित अभिशासन

निगमित अभिशासन एवं प्रबंधन के विचार-विमर्श का ब्यौरा और व्याख्या अनुलग्नक II में प्रस्तुत किया गया है और वह इस वार्षिक प्रतिवेदन का हिस्सा है।

#### सहायक कंपनी - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

दो वर्षों का परिचालन परिणाम नीचे दिया जा रहा है :-

	2013-14	2012-13
i. विविध प्राप्ति सहित सेवा शुल्क एवं अन्य आय (रु. लाख में)	23787	19781
ii. करोपरांत लाभ (रु. लाख में)	842	196

#### आभार ज्ञापन

निदेशक मंडल, वर्ष के दौरान कंपनी को दिए गए उनके मूल्यवान सहयोग एवं मार्ग दर्शन के लिए माननीय इस्पात मंत्री, माननीय इस्पात राज्य मंत्री, सचिव (इस्पात), अपर सचिव एवं एफए (इस्पात) एवं इस्पात मंत्रालय के अन्य अधिकारियों, रक्षा मंत्रालय एवं विभिन्न केन्द्रीय सरकारी मंत्रालयों, राज्य सरकार, विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, निजी कंपनियों, बैंकों, हमारे प्रिंसिपल एवं अन्य लोगों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। निदेशकगण अपने ग्राहकों और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा साल-दर-साल कंपनी के प्रति दिखाए गए भरोसे एवं विश्वास के लिए उनका आभारी हैं।

आपके निदेशकगण कर्मचारियों की लगनशीलता और परिश्रम की भी हार्दिक सराहना करते हैं, जिसकी बढौलत पिछले कीर्तिमानों को पीछे छोड़ते हुए और आगे बढ़ना संभव हुआ है।

निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से



(एस के त्रिपाठी)  
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

installation of solar lights projects. Also substantial contribution has been made in Chief Minister's Relief fund, Orissa. Total expenditure for the year was ₹ 482.86 Lakh.

#### CORPORATE GOVERNANCE

Separate details on Corporate Governance and Management Discussion and Analysis are attached herewith as Annexure-II which forms a part of this Annual Report.

#### SUBSIDIARY COMPANY - FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

The operational results of the two years are given below: -

	2013-14	2012-13
i. Service Charge including miscellaneous receipts and other income ( ₹ in lakh)	23787	19781
ii. Profit after Tax ( ₹ in lakh)	842	196

#### ACKNOWLEDGEMENT

The Board of Directors wishes to place on record their gratitude to the Hon'ble Minister of Steel, Hon'ble Minister of State of Steel, Secretary (Steel), Additional Secretary and FA (Steel), and other officials of the Ministry of Steel, Defence Ministry and various other Central Government Ministries, the State Governments, various public sector undertakings, private companies, the bankers, our principal and others for their valuable assistance and guidance extended to the Company during the year. The Directors express their gratitude to customers and suppliers for the trust and confidence reposed by them on your company year after year.

Your Directors also place on record the appreciation of the sincere efforts made by employees which has resulted in commendable performance of the Company.

For & on behalf of Board of Directors



(S. K. Tripathi)  
Chairman-cum- Managing Director



एमएसटीसी लिमिटेड एवं विजिलेंस स्टडी सर्कल, कोलकाता द्वारा कोलकाता में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री आर.श्री कुमार, आईपीएस, सतर्कता आयुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग  
Shri R.Sri Kumar, IPS, Vigilance Commissioner, Central Vigilance Commission addressing at a seminar held in Kolkata organized by MSTC Ltd & Vigilance Study Circle, Kolkata





एमएसटीसी लिमिटेड एवं विजिलेंस स्टडी सर्कल, कोलकाता द्वारा कोलकाता में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी  
Shri S.K.Tripathi, CMD MSTC addressing at a seminar in Kolkata organized by MSTC Ltd & Vigilance Study Circle, Kolkata

#### अनुलग्नक : I

##### निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक

#### कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(2ए) के अनुसार कर्मचारियों का विवरण

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(2ए) के साथ पठित कंपनी (कर्मचारियों का विवरण) नियम, 1975 के प्रावधानों के तहत अपेक्षित कर्मचारियों की संख्या, जिनका मासिक पारिश्रमिक रुपये 5.00 लाख से कम नहीं है, शून्य है।

कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(1)(ई) के साथ पठित कंपनी (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में विवरण का प्रकटीकरण) नियम, 1988 के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, तकनीकी समाविष्ट, विदेशी विनिमय आय एवं खर्चों का विवरण।

चूंकि कंपनी एक ट्रेडिंग प्रतिष्ठान है, इसलिए क्रियाकलाप की प्रकृति को देखते हुए तकनीकी समाविष्ट एवं ऊर्जा संरक्षण नहीं है।

#### विदेशी मुद्रा आय एवं खर्च

मालों के आयात व अन्य मद में कुल विदेशी मुद्रा खर्च वर्ष 2012-13 में रु. 661291 लाख की तुलना में वर्ष 2013-14 में रु. 314594 लाख हुए। वर्ष 2013-14 के दौरान कंपनी ने विदेशी मुद्रा में रुपये शून्य अर्जित की। विगत वर्ष यानी 2012-13 में विदेशी मुद्रा की आय शून्य थी।

#### Annexure: I

##### Annexure to Directors Report

#### Particulars of Employees in terms of Sec.217 (2A) of the Companies Act, 1956

As required under the provisions of Section 217(2A) of the Companies Act, 1956 read with the Companies (Particulars of Employees) Rules, 1975, number of employees whose remuneration is not less than ₹ 5.00 Lakh per month is nil.

#### Particulars of conservation of energy, technology absorption, foreign exchange earnings and outgo as per section 217(1) (e) of the Companies Act, 1956, as read with the Companies (Disclosures of particulars in the report of Board of Directors) Rules, 1988.

Since the Company is a trading concern, considering the nature of activities there is no technology absorption and conservation of energy.

#### Foreign Exchange Earnings & Outgo

The total foreign exchange outgo during the year 2013-14 for import of goods and others was ₹ 314594 Lakh as against ₹ 661291 Lakh in the year 2012-13. The company has earned NIL in foreign exchange during the year 2013-14. In the previous year i.e. 2012-13, the foreign exchange earning was nil.

## अनुलग्नक: II

### निगमित अभिशासन

#### निगमित अभिशासन पर एसएसटीसी की नीति

एमएसटीसी साझेदारों के अधिकतम लाभ के लिए वांछनीय अभिशासन कार्यकलापों पर विश्वास करती है। कंपनी के प्रबंधन की यह मान्यता है कि निगमित अभिशासन को प्रधान प्रक्रिया और संरचना बताना चाहिए, जिसके माध्यम से कंपनी अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सके।

साझेदारों द्वारा कंपनी के प्रबंधन पर बताए गए भरोसे को बरकरार रखने के उद्देश्य से एमएसटीसी अपने प्रबंधन के हर स्तर पर पारदर्शिता और अखंडता के लिए प्रयत्नशील रहता है।

निगमित अभिशासन के अनिवार्य दिशा-निर्देशों के अनुपालन के अलावा एमएसटीसी व्यवसाय के दौरान उच्च मूल्य मानदंड, मूल्य प्रतिबद्धता, पारदर्शिता तथा वाणिज्यिक संविदाओं के बीच उचित तत्परता एवं सर्वोत्तम कार्य प्रणाली के अनुसरण की अभिलाषा रखता है, जिससे निगमित अभिशासन प्रणाली को सर्वोत्तम तरीके से लागू किया जा सके। निगमित अभिशासन के लिए केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रम के लिए कारपोरेट अभिशासन की ओर से मई, 2010 में दिशा-निर्देश दिए गए हैं, उनका अनुपालन वर्ष 2013-14 में किया गया तथा भविष्य में भी किया जाएगा। तिमाही रिपोर्ट समय पर प्रस्तुत किया गया है एवं स्वमूल्यांकन के अनुसार डीपीई के निगमित अभिशासन दिशा-निर्देशों के अनुपालन में वर्ष 2013-14 के लिए एमएसटीसी उत्कृष्ट श्रेणी में है।

## Annexure: II

### CORPORATE GOVERNANCE

#### MSTC's POLICY ON CORPORATE GOVERNANCE

MSTC believes in desirable governance practices for ultimate benefit of the stakeholders.

Effective corporate governance practices to provide for an environment for achievements of the objectives of the company have been the basic management philosophy of the company.

MSTC makes all out efforts for transparency and integrity at all levels of management in order to retain confidence reposed in its management by the stakeholders.

Apart from compliance of mandatory guidelines on Corporate Governance MSTC aspires to follow high ethical standards, commitment to values while doing business, maintain transparency, conducts due diligence between commercial contracts and follows best governing practices. The guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises as issued on May 2010, have been complied with in the year 2013-14 and shall be complied with in future also. The quarterly reports have been submitted on time and as per self-evaluation format, MSTC is in "excellent" category in compliance of Corporate Governance guidelines of DPE, for the year 2013-14.



एमएसटीसी लिमिटेड एवं विजिलेंस स्टडी सर्कल, कोलकाता द्वारा कोलकाता में आयोजित एक सम्मेलन में श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी तथा श्री आर.श्री कुमार, आईपीएस, सतर्कता आयुक्त, केन्द्रीय सतर्कता आयोग

Shri S.K.Tripathi, CMD MSTC and Shri R.Shri Kumar ,IPS ,Vigilance Commissioner,Central Vigilance Commission at a seminar in Kolkata organized by MSTC Ltd & Vigilance Study Circle,Kolkata



एमएसटीसी लिमिटेड एवं विजिलेंस स्टडी सर्कल, कोलकाता द्वारा आयोजित एक सम्मेलन के दौरान एमएसटीसी लिमिटेड के ई-कॉमर्स पर प्रकाशित एक पुस्तक का विमोचन करते हुए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी तथा श्री आर.श्री कुमार, आईपीएस, सतर्कता आयुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग, श्री एस. अमबष्ठ, सीवीओ, एमएसटीसी (दाहिना कोना) साथ में अन्य गणमान्य व्यक्तिगण

A book published on e-commerce of MSTC Ltd. is being unveiled by MSTC, CMD, Shri S.K.Tripathi, Shri R.Shri Kumar ,IPS ,Vigilance Commissioner,Central Vigilance Commission ( from left), Shri S.Ambastha,CVO ,MSTC(right side, corner) along with other dignitaries during a seminar in Kolkata organized by MSTC Ltd & Vigilance Study Circle, Kolkata

## निदेशक मंडल

### गठन

वर्तमान में एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल में श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) शामिल हैं, जो कि पूर्णकालिन निदेशक हैं। श्री जे पी शुक्ला, संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 01.03.2014 से सरकारी नामित निदेशक पद पर नहीं है। श्री लोकेश चंद्र, आईएएस संयुक्त सचिव, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार दिनांक 10.03.2014 से सरकारी नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए हैं। श्री सुरज भान, आर्थिक सलाहकार, इस्पात मंत्रालय सरकार द्वारा नामित द्वितीय निदेशक हैं। श्री के एल मेहरोत्रा, भूतपूर्व सीएमडी, एमओआईएल दिनांक 12.12.2013 से स्वतंत्र निदेशक के पद पर नहीं है। श्री ए के गोयल, भूतपूर्व सदस्य रेलवे बोर्ड, दिनांक 13.12.2013 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किए गए। श्री डी पी सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त) एवं भूतपूर्व सचिव (टेक्सटाइल्स) की अवधि दिनांक 19.06.2014 को समाप्त हो गया। श्री एन सी झा, भूतपूर्व सीएमडी, सीआईएल बोर्ड में और एक स्वतंत्र निदेशक हैं।

### नव नियुक्त निदेशकों का संक्षिप्त परिचय

#### श्री ए के गोयल

श्री ए के गोयल की नियुक्ति दिनांक 13.12.2013 को वर्ष के दौरान स्वतंत्र निदेशक के रूप में की गई। उनकी शैक्षणिक योग्यता पदार्थ विज्ञान में एम.एससी है तथा रेलवे बोर्ड के सदस्य के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं।

#### श्री लोकेश चंद्रा

श्री लोकेश चंद्रा, आईएएस, इस्पात मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं।

### निदेशकों को पारिश्रमिक

स्वतंत्र निदेशक किसी पारिश्रमिक के अधिकारी नहीं हैं। वे केवल बैठक के लिए प्राप्त शुल्क के अधिकारी हैं। बैठक शुल्क सरकारी निदेशक को नहीं दिया जाता

## BOARD OF DIRECTORS

### Composition

Board of Directors of MSTC Ltd. presently consists of Shri S.K. Tripathi, Chairman-cum-Managing Director, Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial), who are whole time directors. Shri J.P. Shukla, Joint Secretary, Ministry of Steel, Government of India ceased to be Govt. nominee director w.e.f 01.03.2014. Shri Lokesh Chandra, IAS Joint Secretary, Ministry of Steel, Govt. of India has been appointed as director w.e.f. 10.03.2014. Shri Suraj Bhan, Economic Adviser, Ministry of Steel is second Government nominee director. Shri K.L. Mehrotra, ex-CMD, MOIL ceased to be independent w.e.f 12.12.2013. Shri A K Goyal, former Member, Railway Board, has been appointed independent director w.e.f 13.12.2013. The term of Shri D.P. Singh, IAS (Retd.) & ex-secretary (Textiles) expired on 19.06.2014. Shri N.C. Jha, ex-CMD, CIL, is the other independent director on the Board.

### Brief information of the newly appointed directors

#### Shri A.K. Goyal

Shri A.K. Goyal was appointed director during the year on 13.12.2013 as independent director. He is a M.Sc. in Physics and has retired as Member, Railway Board.

#### Shri Lokesh Chandra

Shri Lokesh Chandra, IAS, is Joint Secretary in the Ministry of Steel.

### REMUNERATION TO THE DIRECTORS

Independent Directors are not entitled to any remuneration other than sitting fees for attending Board and Board

है। अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक एवं दो अन्य कार्यकारी निदेशक पूर्णकालिक कर्मचारी सेवा शर्तों के अनुरूप पारिश्रमिक पाने के अधिकारी हैं।

वर्ष 2013-14 के दौरान सीएमडी एवं दो कार्यकारी निदेशक ने वेतन एवं भत्ता के रूप में रु. 143 लाख का पारिश्रमिक प्राप्त किया, जिनमें से पीएफ के लिए कंपनी का योगदान रु. 6 लाख एवं चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए रु. 1 लाख का है। कंपनी की ओर से सीएमडी एवं निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक) को कार भी दिए गए हैं। वे डीपीआई के दिशा-

निर्देशों एवं बोर्ड की पारिश्रमिक कमिटी के अनुमोदन के अनुरूप परफॉर्मेंस रिलेटेड पे (पीआरपी) के भी अधिकारी हैं।

#### निदेशकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड

वित्तीय वर्ष 2013-14 में हुई एमएसटीसी लि. के निदेशक मंडल की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का रिकॉर्ड नीचे दर्शाया गया है। वर्ष के दौरान हुई बोर्ड की सभी बैठकों में सीएमडी उपस्थित थे।

बोर्ड बैठक की संख्या Board Meeting No.	बोर्ड बैठक की तारीख Board Meeting Date	श्री डी पी सिंह Shri D.P. Singh	श्री जे पी शुक्ला Shri J.P. Shukla	श्री एन सी झा Shri N.C. Jha	श्री के एल मेहरोत्रा Shri K L Mehrotra	श्री सूरज भान Shri Suraj Bhan
254	21.06.2013	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प
255	16.07.2013	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प
256	21.09.2013	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प
257	18.12.2013	पी/प	पी/प	पी/प	-	पी/प
258	18.01.2014	पी/प	पी/प	-	-	पी/प
259	21.02.2014	पी/प	पी/प	पी/प	-	-
260	26.02.2014	पी/प	पी/प	पी/प	-	पी/प

बोर्ड बैठक की संख्या Board Meeting No.	बोर्ड बैठक की तारीख Board Meeting Date	श्री एस के त्रिपाठी Shri S.K. Tripathi	श्री ए के बसु Shri A.K. Basu	श्री बी बी सिंह Shri B.B. Singh	श्री ए के गोयल Shri A.K. Goyal
254	21.06.2013	पी/प	पी/प	पी/प	-
255	16.07.2013	पी/प	पी/प	पी/प	-
256	21.09.2013	पी/प	पी/प	पी/प	-
257	16.12.2013	पी/प	पी/प	पी/प	-
258	18.01.2014	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प
259	21.02.2014	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प
260	26.02.2014	पी/प	पी/प	पी/प	पी/प

27 सितम्बर 2013 को हुई वार्षिक साधारण सभा की बैठक में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक) उपस्थित थे। CMD, Director (Finance) and Director (Commercial) attended the last AGM held on 27th September 2013.



बाराबंकी, उत्तर प्रदेश में सीएसआर योजना के अंतर्गत एमएसटीसी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित कम्युनिटी सेंटर ग्राम पंचायत प्रधान को सुपुर्द किया जा रहा है

Community Centre funded by MSTC Limited under its CSR scheme at Barabanki, U.P being handed over to the Head of Gram Panchayat

Committee Meeting. Sitting fees are not given to Government Directors. CMD and other two functional directors, being in whole time employment, are entitled to remuneration as per terms of employment.

Remuneration received by CMD and two functional directors as salary and allowances is ₹ 143 lakhs, out of which company's contribution to PF is ₹ 6 lakh and reimbursement of medical expenses is ₹ 1 lakh for the year 2013-14. CMD, D (F) and D(C) are provided car by the Company. They are

also entitled to Performance Related Pay (PRP) as per DPE Guidelines and recommendation by Remuneration Committee of the Board.

#### DIRECTORS' ATTENDANCE RECORD

Record of Attendance of the Directors during the Board Meetings of MSTC Ltd held in the F.Y. 2013-14 is placed below. CMD was present in all the Board Meetings during the year.



आरपीसी ई-सेल एमओयू हस्ताक्षर समारोह में एमएसटीसी लिमिटेड तथा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारीगण  
Officials of MSTC Ltd. and Indian Oil Corporation at RPC e-sale MoU signing ceremony

### हमारे निदेशक अन्य कंपनियों में निदेशक के पद पर

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, एमएसटीसी की पूर्णस्वामित्व वाली सहायक कंपनी के भी अध्यक्ष हैं तथा वर्तमान में प्रबंध निदेशक का भी भार ग्रहण किए हुए हैं। श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक), एमएसटीसी, फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (एफएसएनएल), एमएसटीसी की सहायक कंपनी, में एमएसटीसी के नामित निदेशक हैं। श्री एन सी झा स्टील ऑथरिटी ऑफ इंडिया (सेल) के एक स्वतंत्र निदेशक हैं। श्री के एल मेहरोत्रा, एमएसटीसी के स्वतंत्र निदेशक, भारत डॉयनामिक्स लिमिटेड, एनबीसीसी लिमिटेड एवं फेकर एलॉस लिमिटेड के एक स्वतंत्र निदेशक थे। श्री जे पी शुक्ला एवं श्री सूरज भान, सरकार के नामित निदेशक, और अन्य कंपनी के निदेशक नहीं है, श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) वुड्स बिरच हेजल रेसिडेंट्स एसोसिएशन (सेक्शन 25 कंपनी) के निदेशक हैं तथा श्री डी पी सिंह, एमएसटीसी के स्वतंत्र निदेशक स्पेंटेक्स इंडस्ट्रिज लिमिटेड के निदेशक हैं, श्री ए के गोयल राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के स्वतंत्र निदेशक हैं।

### निदेशक मंडल की समितियाँ

एमएसटीसी ने निदेशक मंडल की चार समितियाँ बनायी है। यह कमिटियाँ हैं लेखा परीक्षण समिति, पारिश्रमिक समिति, शेर अंतरण समिति एवं सीएसआर समिति।

#### i) लेखा परीक्षण समिति

श्री एन सी झा, स्वतंत्र निदेशक, लेखा परीक्षण समिति के अध्यक्ष हैं। श्री ए के गोयल, स्वतंत्र निदेशक एवं श्री सूरज भान, सरकार के नामित निदेशक इस समिति के सदस्य हैं। श्री ए के गोयल के स्थान पर श्री के एल मेहरोत्रा, स्वतंत्र निदेशक, दिनांक 12.12.2013 तक परीक्षण समिति के सदस्य थे।

लेखा परीक्षण समिति डीपीई द्वारा जारी लेखा समिति से संबंधित निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करती है।

### DIRECTORSHIP HELD BY THE DIRECTORS

Shri S.K. Tripathi, CMD, MSTC is also chairman of Ferro Scrap Nigam Ltd., wholly owned subsidiary of MSTC and presently holding the charge of Managing Director also. Shri B.B. Singh, Director (Commercial), MSTC, is also MSTC nominee director in Ferro Scrap Nigam Ltd (FSNL). Shri N.C.Jha is an independent director of Steel Authority of India Ltd. (SAIL). Shri K. L. Mehrotra, Independent Director of MSTC, was an independent director in Bharat Dynamics Ltd, NBCC Ltd and Facor Alloys Ltd. Shri J. P. Shukla and Shri Suraj Bhan, Government Nominee Directors, are not holding directorship in any other company. Shri A. K. Basu, Director (Finance), is director of Woods Birch Hazel Residents' Association (section 25 company) and Shri D. P. Singh, Independent Director of MSTC is director of Spentex Industries Ltd. Shri A.K. Goyal is an independent director of Rashtriya Ispat Nigam Ltd (RINL).

### COMMITTEES OF THE BOARD

MSTC has constituted four committees of the Board viz, Audit Committee, Remuneration Committee, Share Transfer Committee and CSR Committee.

#### i) Audit Committee

Audit Committee comprises of Shri N.C. Jha, independent director, as chairman with Shri A. K Goyal, independent director and Shri Suraj Bhan, Government nominee director as members. Till 12.12.2013 Shri.K.L. Mehrotra independent director was member of the Audit Committee, in place of Shri A.K. Goyal.

The Audit Committee complies with the guidelines issued by DPE on Corporate Governance relating to Audit Committee.

वित्तीय वर्ष 2013-14 में आयोजित एमएसटीसी लिमिटेड की लेखा परीक्षण समिति की बैठक में निदेशकों की उपस्थिति  
ATTENDANCE OF THE DIRECTORS IN THE AUDIT COMMITTEE MEETINGS OF MSTC LTD HELD IN THE F.Y. 2013-14

बैठक संख्या Meeting No.	बैठक की तारीख Meeting Date	श्री एन सी झा Shri N.C. Jha	श्री सूरज भान Shri Suraj Bhan	श्री के एल मेहरोत्रा Shri K L Mehrotra	श्री ए के गोयल Shri A.K. Goyal
29	20.06.2013	पी/प	पी/प	पी/प	-
30	16.07.2013	पी/प	पी/प	पी/प	-
31	20.11.2013	पी/प	पी/प	पी/प	-
32	27.03.2013	पी/प	पी/प	-	पी/प

**ii) पारिश्रमिक समिति**

श्री डी पी सिंह, स्वतंत्र निदेशक इस समिति के अध्यक्ष हैं। श्री एन सी झा, स्वतंत्र निदेशक एवं श्री सूरज भान सरकार द्वारा नीमित निदेशक इसके सदस्य हैं। यह समिति डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करती है एवं निदेशकों के साथ-साथ पूर्णकालीन कर्मचारियों के लिए पीआरपी की सिफारिश करती है। श्री डी पी सिंह के निदेशक पद समाप्त होने के फलस्वरूप इस समिति का पुनर्गठन किया जा रहा है।

**iii) शेयर हस्तांतरण समिति**

शेयर धारकों को अच्छी सेवाएं प्रदान करने हेतु मंडल ने एक शेयर हस्तांतरण समिति गठित की है। इसमें श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) और श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) हैं। यह समिति डुप्लीकेट एवं विभाजित शेयर प्रमाण पत्र जारी करने का निर्णय भी लेती है।

**iv) सीएसआर समिति**

डीपीई के दिशा निर्देशों के अनुसार सीएसआर पर मंडल स्तर की एक समिति का गठन किया गया। श्री डी पी सिंह, स्वतंत्र निदेशक को अध्यक्ष एवं श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त) एवं श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्यिक) को सदस्य के रूप में मनोनित किया गया। कंपनी की नीति एवं डीपीई नीति के अनुसार यह समिति कंपनी के सीएसआर क्रियाकलापों की निगरानी करती है। श्री डी पी सिंह के निदेशक पद समाप्त होने के फलस्वरूप इस समिति का पुनर्गठन किया जा रहा है।

**ii) Remuneration Committee**

The committee has been constituted with Shri D.P. Singh, independent director as chairman, Shri N.C. Jha, independent director, as member and Shri Suraj Bhan, Government nominee director, as member. The committee functions as per DPE guidelines and recommends PRP to whole time employees including directors. Consequent to cessation of directorship of Shri.D.P.Singh, this committee is being reconstituted.

**iii) Share transfer Committee**

In order to render better services to the shareholders Board has constituted a share transfer committee comprising of Shri A.K. Basu Director(Finance) and Shri B.B. Singh Director(Commercial). This committee also decides on issue of duplicate and split share certificates.

**iv) CSR Committee**

As per DPE guidelines, a board level committee on CSR has been constituted with Shri D.P. Singh, independent director as chairman, Shri A.K. Basu, Director (Finance) and Shri B.B. Singh, Director (Commercial) as members. This committee oversees the CSR activities of the company as per company's policy and DPE policy. Consequent to cessation of directorship of Shri.D.P.Singh, this committee is being reconstituted.



एमएसटीसी लिमिटेड के एक विदाई समारोह को संबोधित करते हुए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड  
Shri S.K.Tripathi, CMD MSTC Ltd addressing during a farewell function of MSTC Ltd.

### आचार संहिता

डीपीई द्वारा निगमित अभिशासन के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुकूल एमएसटीसी ने निदेशक मंडल एवं एमएसटीसी के नामित वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक आचार संहिता बनायी है। यह आचार संहिता कंपनी के वेबसाइट [www.mstcindia.co.in](http://www.mstcindia.co.in) पर उपलब्ध है। बोर्ड के सभी सदस्य और नामित वरिष्ठ प्रबंधक कार्मिकों ने इस आचार संहिता के अनुपालन की सहमति दी है। इससे संबंधित मुख्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित घोषणा इस रिपोर्ट के अंत में संलग्न किया गया है।

### जोखिम प्रबंधन नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक जोखिम प्रबंधन नीति है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है।

### धोखाधड़ी रोकथाम नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक धोखाधड़ी रोकथाम नीति है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है। संबंधित नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

### हवीसल ब्लोयर नीति

निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित कंपनी की एक हवीसल ब्लोयर नीति है, जिसकी समीक्षा बोर्ड द्वारा समय-समय पर की जाती है। संबंधित नीतियां कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

### निदेशक मंडल को दी गई सूचना

- वार्षिक प्रचालन योजना तथा बजट और कोई अद्यतन सूचना।
- पूंजीगत बजट और कोई अद्यतन सूचना।
- कंपनी तथा इसके प्रचालन प्रभागों अथवा कारोबार सेगमेंटों का वित्तीय परिणाम।
- बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति तथा अन्य समितियों की बैठकों के कार्यवृत्त।
- मुख्य वित्तीय अधिकारी तथा कंपनी सचिव की नियुक्ति अथवा हटाने सहित बोर्ड स्तर से एक श्रेणी नीचे के स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती और पारिश्रमिक से संबंधित जानकारी।



एमएसटीसी के लखनऊ कार्यालय के उद्घाटन के उपरांत एमएसटीसी के कार्यकलापों के बारे में पत्रकारों से चर्चा करते हुए श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड

Shri S.K.Tripathi, Chairman cum Managing Director MSTC Ltd. briefing the activities of MSTC to the journalists after the inauguration of MSTC's Lucknow office

### CODE OF CONDUCT

A Code of Conduct for all Board members and designated senior Management of MSTC Ltd. has been laid down in accordance with the Guidelines on Corporate Governance by DPE. The Code of Conduct is available on the website of the company [www.mstcindia.co.in](http://www.mstcindia.co.in). All Board members and designated senior Management personnel have affirmed compliance with the

Code of Conduct. A declaration signed by the Chief Executive Officer (CEO) to this effect is enclosed at the end of this report.

### RISK MANAGEMENT POLICY

Company has a risk management policy approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board.

### FRAUD PREVENTION POLICY

Company has a fraud prevention policy approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The policy is available at the company website.

### WHISTLE BLOWER POLICY

Company has a whistle blower policy approved by the Board of Directors which is reviewed from time to time by the Board. The policy is also available at the company website.

### INFORMATION PLACED BEFORE THE BOARD OF DIRECTORS

- Annual operating plans and budgets and any updates.
- Capital budgets and any updates.
- Financial results for the company and its operating divisions or business segments.
- Minutes of meetings of audit committee and other committees of the Board.
- The information on recruitment and remuneration of senior officers just below the board level, including appointment or removal of Chief Financial Officer and the Company Secretary.

- कारण बताओं, डिमांड प्रॉसिक्यूशन नोटिस तथा पेनल्टी नोटिस जो कि विषय की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।
- घातक अथवा गंभीर दुर्घटनाएँ, खतरनाक घटनाएँ, कोई भौतिक बहिस्त्राव अथवा प्रदूषण समस्या।
- कंपनी के लिए अथवा कंपनी द्वारा वित्तीय बाध्यताओं में कोई महत्वपूर्ण चूक अथवा कंपनी द्वारा बेचे गए सामान के लिए काफी मात्रा में भुगतान प्राप्त नहीं होना।
- किसी निर्णय अथवा आदेश जो कंपनी के आचरण के संबंध में निंदा प्रस्ताव पारित कर सकता है अथवा दूसरे उपक्रम के बारे में प्रतिकूल विचार ले सकता है जिसका कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है सहित संभावित जो अथवा काफी संख्या में उत्पाद देयता दावों से संबंधित कोई मुद्रा।
- किसी संयुक्त उद्यम अथवा सहयोग करार का ब्यौरा।
- ऐसे लेन-देन जिनमें सदभाव, ब्राण्ड साम्या अथवा बौद्धिक सम्पत्ति के लिए काफी भुगतान किया जाना है।
- महत्वपूर्ण श्रम समस्याएं और उसका प्रस्तावित समाधान। वेतन समझौता हस्ताक्षरित करने, स्वैच्छिक सेवा निवृत्त योजना का कार्यान्वयन आदि जैसे मानव संसाधन/औद्योगिक संबंधों में कोई महत्वपूर्ण विकास।
- निवेश, सहायक कंपनियों, परिसम्पत्तियों जो कारोबार के समान्य रूप में नहीं हैं, के भौतिक स्वरूप की बिक्री।
- विदेशी मुद्रा एक्सपोजर का तिमाही ब्यौरा और विदेशी मुद्रा दर के प्रतिकूल उतार चढ़ाव, यदि भौतिक हो, के जोखिम को सीमित करने के लिए प्रबंधन द्वारा उठाए गए कदम।
- किसी विनियामक, सांविधिक और शेयरधारक सेवा जैसे लाभांश का भुगतान प्राप्त नहीं होना, शेयर हस्तांतरण में विलम्ब आदि का अनुपालन नहीं करना।
- Show cause; demand prosecution notices and penalty notices which are materially important.
- Fatal or serious accidents, dangerous occurrences, any material effluent or pollution problems.
- Any material default in financial obligations to and by the company, or substantial non-payment for goods sold by the company.
- Any issue, which involves possible public or product liability claims of substantial nature, including any judgment or order which, may have passed strictures on the conduct of the company or taken an adverse view regarding other enterprises that can have negative implications on the company.
- Details of any joint venture or collaboration agreement.
- Transactions that involve substantial payment towards goodwill, brand equity, or intellectual property.
- Significant labour problems and their proposed solutions. Any significant development in Human Resources/ Industrial Relations Front like signing of wage agreement, implementation of Voluntary Retirement Scheme etc.
- Sale of material nature, of investments, subsidiaries, assets, which is not in normal course of business.
- Quarterly details of foreign exchange exposures and the steps taken by management to limit the risks of adverse exchange rate movement, if material.
- Non-compliance of any regulatory, statutory requirements and shareholders service such as non-payment of dividend, delay in share transfer etc.



एमएसटीसी, लखनऊ कार्यालय का एक नजारा  
A view of MSTC, Lucknow Office





राजभाषा विभाग, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एमएसटीसी एनआरओ का निरीक्षण  
Inspection at MSTC NRO by Official Language Dept, Ministry of Steel, Govt. of India

## प्रबंधन विमर्श एवं विश्लेषण

### 1. कंपनी का व्यवसाय

एमएसटीसी लि. के दो प्रमुख व्यवसाय क्षेत्र हैं - पहला ई-कॉमर्स और दूसरा ट्रेडिंग। ई-कॉमर्स में एक सेवा प्रदाता के रूप में यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा इस क्षेत्र में यह सबसे अग्रणी है। मक्केलों को पारदर्शी, उचित एवं निरंतर सेवाएं प्रदान करने जैसी वजह से इसे मुख्य रूप से केंद्र/पीएसयू/राज्य सरकार के विभाग तथा यहां तक कि निजी प्रतिष्ठानों में भी सेवा प्रदान करने का गौरव प्राप्त है।

ई-कॉमर्स व्यवसाय में ई-ऑक्शन एवं ई-प्रोक्योरमेंट शामिल हैं। अग्रणी ई-ऑक्शन में रद्दी, परित्यक्त मर्दों, पुराने संयंत्र एवं मशीनरी, अधिशेष भंडारों, लैंड पार्सल, एनपीए इत्यादि के लिए सेलिंग एजेंसी का व्यवसाय है तथा खनिज जैसे कोयला, लिगनाइट, बारईट, क्रोम ओर, आयरन ओर तथा सामग्रियां जैसे कच्चा पेट कोक, मानव केश के लिए ई-बिक्री है।

ई-प्रोक्योरमेंट में, एमएसटीसी गुणवत्ता सम्पन्न जरूरतों के लिए अनिवार्य एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र द्वारा ई-टेंडर एवं ई-रिवर्स ऑक्शन सेवाएं प्रदान करती है। यद्यपि, एमएसटीसी ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान अच्छी शुरुआत की थी, परंतु आने वाले वर्षों में और भी महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए पूरी तरह से तैयार।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान कंपनी के कुल व्यवसाय का करीब 72 प्रतिशत ई-कॉमर्स से है तथा इस क्षेत्र में व्यापार वृद्धि की असीम संभावना है। कम लाभप्रद खंड होने के बावजूद भी कुल परिचालनगत आय में इसकी हिस्सेदारी 56 प्रतिशत की है।

## Management Discussion and Analysis

### 1. Company's Business

MSTC has two core business segments namely e-commerce & trading. It plays a very important role as a service provider in e-commerce and is a market leader in this sector. It has the distinction of serving majority of Central/PSUs/State Govt. Department and also Private Institutions for the reason of providing a transparent, fair & seamless services to its clients.

e-Commerce business consists of forward e-Auction and e-Procurement. In forward e-Auction there are selling agency business for scrap, condemned items, old plant & machinery, surplus stores, land parcels, NPAs etc and e-sales for minerals like coal, lignite, barytes, chrome ore, iron ore and also commodities like raw pet coke, human hair to name a few.

In e-procurement, MSTC provides e-Tender and e-Reverse auction services backed by mandatory STQC certificate for quality requirements. Although, MSTC made a modest beginning in FY 2013-14 but it is poised for a significant big growth in the upcoming years.

e-Commerce business constitutes about 72% of the total volume of business of the company during FY 2013-14 and has the potential to grow exponentially. It contributed 56% of the total operational income being a less remunerative segment.



2 अक्टूबर, 2014 को "मिशन स्वच्छ भारत" कार्यक्रम के अंतर्गत सफाई कार्य करते हुए एमएसटीसी के प्रबंधन एवं कर्मचारीगण Management and employees of MSTC are performing cleaning activities under "Mission Swachh Bharat" programme on 2nd October 2014

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान व्यवसाय की कुल मात्रा का 28 प्रतिशत ट्रेडिंग व्यवसाय का है। एसएसटीसी आयातकर्ता अथवा फेसिलिटेटर का काम करता है और मुख्य रूप से क्रेता की ओर से सेकेंडरी इस्पात उत्पादक एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग के लिए कच्चे माल की प्राप्ति का वित्त पोषण करता है। इस कार्य के लिए एमएसटीसी प्रतिशत के आधार पर मार्क अप प्राप्त करता है।

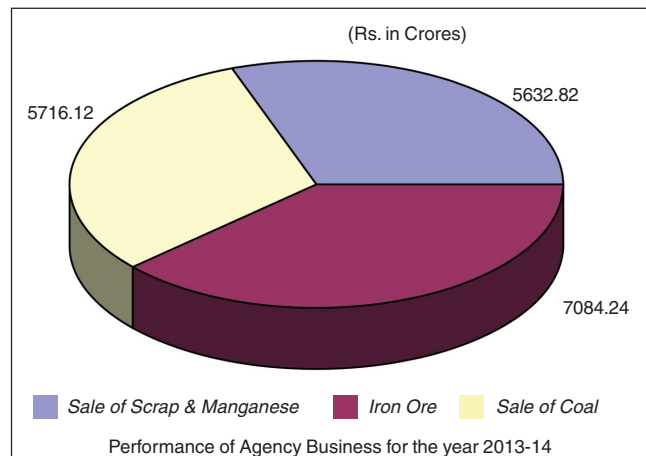
यह व्यवसाय जोखिम भरे होते हुए भी कंपनी के कुल परिचालन से आय में 44 प्रतिशत का योगदान किया।

## 2. ई-कॉमर्स व्यवसाय

व्यवसाय के इस क्षेत्र में एमएसटीसी सेलिंग एजेंसी व्यवसाय, ई-सेल्स एवं ई-प्रोक्योरमेंट के लिए सेवा प्रदाता के रूप में काम करता है।

### सेलिंग एजेंसी व्यवसाय

इस पोर्टफोलियो में एसएसटीसी ऊपरोक्त उल्लेखित मदों के निपटान के लिए बिक्रय एजेंट के रूप में काम करता है तथा नीलामी की कैटलॉग को तैयार करने से लेकर डिलीवरी ऑर्डर को जारी करने के लिए सेवाएं देती है। इस क्षेत्र में कुछ उभरते हुए अवसर हैं जैसे एनपीए, लैंड पार्सलों, पोर्ट लैंड की लीजिंग, कृषि वन उत्पाद, एफएम चैनलों तथा स्पेक्ट्रम आदि की ई-नीलामी।



In trading business, which constituted 28% of the total volume of business during FY 2013-14, MSTC acts as an importer or a facilitator for procurement of raw material for secondary steel producers and petrochemical industry on behalf of buyers and charge mark-up on percentage basis.

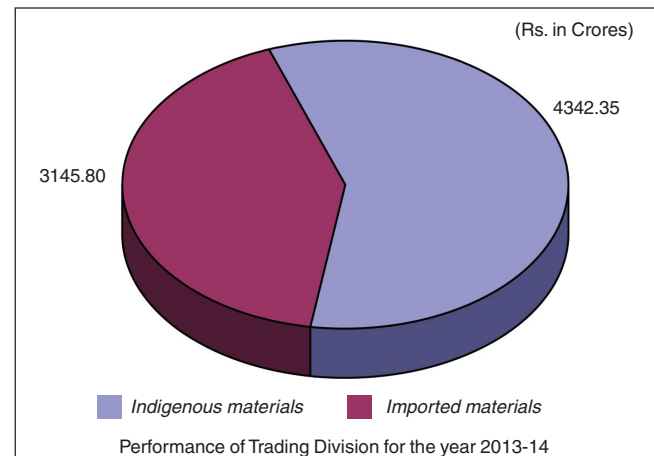
This business though riskier contributed 44% of the total operational income of the company.

## 2. E-Commerce Business

In this segment of business, MSTC acts as service provider for selling agency business, e-sales and e-procurement.

### Selling Agency Business

In this portfolio, MSTC acts as selling agent for disposal of aforesaid items and offers services from preparation of the auction catalogue to issuance of delivery order. Some of the emerging opportunities in this segment is e-auction of NPAs, land parcels, leasing of Port Land, agri forest produce, FM channels and spectrum etc.





एमएसटीसी द्वारा रवीन्द्र-नजरूल-सुकांत जन्मजयंती का पालन  
MSTC Celebrating Rabindra-Nazrul-Sukanta Janmajayanti

### ई-सेल्स

व्यवसाय के इस पोर्टफोलियो के अंतर्गत, मुख्य उत्पाद यानी कोयला, लिग्नाइट, आयरन ओर, क्रोम ओर, मैंगनीज ओर, बारईट, रॉक फॉस्फेट, चाय, कच्चा पेट कोक इत्यादि तथा मानव केश की भी बिक्री स्वविकसित एक विशेषताप्राप्त एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर की मदद से ई-नीलामी द्वारा की जाती है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, एमएसटीसी ने पहली बार तेंदू पत्ती (एक वन उत्पाद) को ई-बिक्री में शामिल किया है, जो वन उत्पादों यानी लकड़ी, जब्त लाल चंदन, साल के बीज, लकड़ी के कुंदे, मसाले इत्यादि की अत्यंत जरूरी ई-नीलामी का मार्ग प्रशस्त करेगी। एमएसटीसी वित्तीय वर्ष के अंत में गोवा सरकार की ओर से गोवा के विभिन्न खदानों में पड़े हुए जब्त आयरन ओर की भी ई-नीलामी शुरू की है। एमएसटीसी उड़ीसा, झारखण्ड एवं छत्तीसगढ़ राज्यों में आयरन ओर को ई-नीलामी के अंतर्गत लाने का प्रयास कर रही है।

### ई-प्रोक्वोरमेंट

एमएसटीसी ने ई-प्रोक्वोरमेंट से संबंधित सभी गतिविधियों को शामिल करते हुए एक अद्योपांत पैकेज समाधान तैयार किया है। इसमें ई-निविदा एवं ई-रिवर्स नीलामी दोनों के लिए मांग पत्र तैयार करने से लेकर क्रय आदेश जारी करना तक शामिल है। एमएसटीसी ई-प्रोक्वोरमेंट में व्यापक व्यावसायिक संभावनों का लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से तैयार है तथा केंद्र सरकार/पीएसयू में संभावित ग्राहकों को अपने क्षेत्र बनाने का प्रयास कर रही है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि सीवीसी के दिशा-निर्देशों तथा आईटी अधिनियम 2000 तथा उसके संशोधन के अनुसार एसटीक्यूसी की अनिवार्य आवश्यकताओं को एमएसटीसी पूरी तरह से सम्पूर्ण करती है तथा सिस्टम जीएफआर के नियमों के बिल्कुल अनुकूल है।

पैकेज को एमएसटीसी द्वारा स्वयं विकसित किया गया है तथा इसमें सरल प्रचालन का प्रावधान साथ ही साथ इसे मक्केल द्वारा जैसे एवं जब आवश्यकता के अनुसार अनुकूल बनाया जा सकेगा।

### E-Sales

Under this portfolio of business, the prime products such as coal, lignite, iron ore, chrome ore, manganese ore, barytes, rock phosphate, tea, raw pet coked etc and also human hair are sold by way of e-auction through a specialized application software developed in-house.

During FY 2013-14, MSTC added e-sales of Tendu Leaf (a forest produce) for the first time which may pave way for much needed e-auction of forest produces such as timber, confiscated Red Sander, Sal Seeds, logs, spices, etc. MSTC also commenced e-sales of confiscated iron ore lying in various mines of Goa on behalf of Govt. of Goa at the fag end of the fiscal year MSTC is making attempt to bring iron ore under e-auction in the States of Odisha, Jharkhand & Chhatisgarh.

### E-Procurement

MSTC offers end-to-end solution for e-procurement starting from raising of indents to issuance of Letter of Intent/Purchase Order for both e-tender and e-reverse auction. MSTC is fully geared up to tap the immense business potential in e-procurement and trying to rope in potential customers in Central Govt./PSUs.

It is relevant to mention here that the mandatory requirement of STQC Certificate as per CVC guidelines and IT Act 2000 & its amendment is fully met by MSTC and the system is in conformity with GFR norms.

The package has been developed in-house and will provide ease of operation as well as customization as and when needed by the clients.



एमएसटीसी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में नृत्य प्रदर्शन  
Dancers perform at MSTC's cultural programme

एमएसटीसी आयतित खनिजों जैसे थर्मल कोयला, कोकिंग कोल, रॉक फॉस्फेट की ई-रिवर्स नीलामी आरम्भ करने के अग्रिम चरण में है, जो ई-प्रोक्योरमेंट व्यवसाय में नए अवसर प्रदान करेगा।

ई-कॉमर्स के क्षेत्र में एमएसटीसी के सभी मक्केल को अनवरत सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्रिय रूप हैं :-

- एमएसटीसी एकल सेवा प्रदाता है तथा किसी भी ई-कॉमर्स क्रियाकलापों के लिए बाहरी एजेंसी की सेवा प्राप्त नहीं करती है।
- संबंधित क्षेत्र में डोमेन ज्ञान रखने वाले उच्च उत्प्रेरित अधिकारियों की एक दल द्वारा आंतरिक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले सॉफ्टवेयर पोर्टलों को विकसित एवं आवश्यकता के अनुसार अनुकूल बनाया गया है।

#### ई-कॉमर्स सिस्टम

एमएसटीसी का ई-कॉमर्स प्रभाग आईबीएम निर्मित नवीनतम पी सीरिज (आई/पीवी-6) सर्वर से सुसज्जित है। यह सर्वर प्रतिबिम्ब सहित एक साथ 10,000 कॉन्करेंट हीट ले सकता है। यह मुंबई में डिजास्टर रिकवरी सर्वर के रूप में काम करता है। इस प्रभाग को आईएसओ 9001:2008 से प्रमाणित किया गया है और प्रणाली आईएसओ 27001:2005 से प्रमाणित है।

ग्राहकों को अत्याधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष पद्धति से सेवा सुनिश्चित करने के लिए एमएसटीसी ई-कॉमर्स सिस्टम ने सीवीसी के नवीनतम दिशा-निर्देशों एवं आईटी अधिनियम 2000 और उसमें हुए संशोधन का पालन किया है।

एमएसटीसी ने अपने क्षेत्रीय/शाखा कार्यालयों के साथ तत्काल संचार के लिए वीपीएन नेटवर्क कार्यान्वित किया है।

सीवीसी के दिशा-निर्देशों के अनुसार एसटीक्यूसी द्वारा निर्धारित अवधि पर सिस्टम प्रभाग की परीक्षा की जाती है। एसटीक्यूसी भारत के सूचना तकनीकी एवं संचार मंत्रालय के तहत एक स्वतंत्र थर्ड पार्टी एजेंसी है। ऊपर उल्लिखित सभी पहलुओं ने सिस्टम को अनमोल, अद्यतन और सर्वोत्कृष्ट बनाया है। एमएसटीसी अपने वर्तमान व्यवसाय के साथ-साथ नए व्यवसाय क्षेत्र की तलाश में हमेशा ही रहता है। एमएसटीसी का नया व्यवसाय क्षेत्र कृषि उत्पाद, वन उत्पाद, बैंक एनपीए, ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) के अधीन आस्तियां, मानव केश इत्यादि हैं।

MSTC is in the advanced stage of commencing e-reverse auction of imported minerals such as thermal coal, coking coal, rock phosphate which will open window of opportunity in e-procurement business.

The enabling factors for providing seamless services to all MSTC's clients in e-Commerce segment are :-

- MSTC is standalone service provider and does not outsource any of the e-commerce activities to outside agency.
- The development of application software portals, customization is done in-house by team of highly motivated officials having domain knowledge in respective areas.

#### E-Commerce System

MSTC e-commerce division is equipped with latest P series (I/PV-6) server of IBM make capable of taking 10,000 concurrent hits with a mirror image server acting as a disaster recovery server located at Mumbai. The division is accredited with ISO 9001:2008 and the system has the ISO 27001:2005 certification.

MSTC e-commerce system complies with latest CVC guidelines and Information Technology Act 2000 & its subsequent amendments to ensure services to customers in a most transparent and fair manner.

MSTC has implemented VPN network for quick communication across its Regional/Branch offices.

As per the CVC guidelines, the system is periodically audited by STQC, and independent third party agency under Ministry of Communication and Information Technology, Government of India. All the aforesaid features make the system an unique, state-of-the-art and par excellence. MSTC has always been attempting new business segments apart from the existing ones such as agri-products, forest produce, Bank NPAs, assets under Debt Recovery Tribunals (DRT), human hair etc.



एमएसटीसी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकार द्वय द्वारा प्रस्तुति  
Artists performing at MSTC's cultural programme

एमएसटीसी ने अपने प्रिंसिपल एवं ग्राहकों को ई-कॉमर्स सेवा उपलब्ध कराने हेतु ई-कॉमर्स मॉड्यूल (एमएसटीसी ई-कॉमर्स एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर) बनाया है। इस एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर को आंतरिक व्यवस्थाओं के माध्यम से बनाया गया है। विभिन्न प्रिंसिपलों की जरूरतों के अनुसार समय समय पर इसका कंट्रोमाइजेशन किया जाता है। एमएसटीसी ने इसके लिए पेटेंट प्राप्त किया एवं भारत सरकार के कॉपी राइट के उप-रजिस्टर द्वारा पंजीकृत है।

एमएसटीसी सीवीसी परिपत्र सं. 1-1-2012 दिनांक 12.01.2012 के आदेश के अनुसार ई-प्रोक्वोरमेंट की गुणवत्ता जरूरतों के लिए एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र हासिल करने वाली पहली कंपनी है।

एमएसटीसी को अपने ई-कॉमर्स सॉफ्टवेयर के विकास के लिए सीएमएमआई इंस्टीट्यूट, कारनेज मेलन, यूएसए से सीएमएमआई लेवल 3 पर मूल्यांकन प्राप्त हुआ है। सीएमएमआई लेवल 3 का वर्णन निम्नानुसार है :-

परिपक्वता लेवल 3 पर मूल्यांकन का अर्थ है संगठन एक परिभाषित स्तर पर कार्य निष्पादन कर रही है। इस लेवल पर, प्रक्रिया विशेषता प्राप्त एवं ज्ञात हैं तथा मानकों, विधियों, उपकरणों एवं तरीकों में वर्णित है। संस्थान की मानक प्रक्रिया, जो परिपक्वता लेवल 3 का आधार है, संस्थापित एवं समय-समय पर उन्नत किया गया है।

कुल ई-कॉमर्स व्यवसाय का प्रभागवार ब्यौरा नीचे दिया गया है:

#### एजेंसी व्यवसाय

##### स्क्रेप का निपटान

वर्ष 2013-14 के दौरान, कुल व्यवसाय की मात्रा रु. 4209.01 करोड़ है, जबकि पिछले वर्ष यह आंकड़ा रु. 2691.23 करोड़ था।

##### ई-सेल्स

वर्ष 2013-14 के दौरान, कुल ई-सेल्स व्यवसाय रु. 15186.23 करोड़ है। पिछले वर्ष रु. 12724.31 करोड़ था। यह विगत वर्ष की तुलना में 19.35

MSTC developed e-Commerce Modules (MSTC e-commerce application Software) for providing e-commerce services to its principals and customers. This Application Software was designed in house and also being customized from time to time to suit the requirement of various principals. A patent to the effect has been earned by MSTC and registered by the Deputy Registrar of Copyrights, Government of India.

MSTC is the first company to have obtained STQC certification for quality requirement of e-procurement as per the mandate of CVC circular no: 1-1-2012 dated 12-01-2012.

MSTC has been appraised at CMMI Level 3 from CMMI Institute, Carnegie Mellon, USA for its e-commerce Software Development. CMMI Level 3 states as follows :-

An appraisal at maturity level 3 indicates the organization is performing at a "defined" level. At this level, processes are well characterized and understood and are described in standards, procedures, tools and methods. The organization's set of standard process which is the basis for maturity level 3, is established and improved over time.

Total e-commerce business is given as under :

#### Agency Business :

##### Scrap Disposal

During the year 2013-14, the total volume of business achieved is ₹ 3246.95 Crore against previous year's achievement of ₹ 2691.23 Crore.

##### e-Sales

The total e-sales business during 2013-14 was ₹15186.23 crore as against the corresponding figure of ₹12724.31 crore

प्रतिशत अधिक है। कोयला, लिग्नाइट, कच्चा पेट कोक, बारईट, अन्य खनिज, मानव केश, चाय इत्यादि की बिक्री की मात्रा नीचे दी गई है :

	रु. करोड़ में	
उत्पाद	2013-14	2012-13
कोल	5716.12	5512.91
लिग्नाइट	476.16	311.66
आयरन ओर	7084.24	5522.50
मैंगनीज ओर	122.72	201.32
मानव केश	240.50	215.34
चाय	132.04	146.21
क्रोम ओर	840.24	491.95
रा पेट कोक	565.39	214.00
रॉक फॉस्फेट	-	12.06
बाराइट ओर	8.82	96.36
<b>कुल</b>	<b>15186.23</b>	<b>12724.31</b>

#### ई-प्रोक्योरमेंट

ई-प्रोक्योरमेंट में कंपनी काफी ऊंची छलांग लगाई है, वित्त वर्ष 2013-14 में कंपनी का व्यवसाय रु. 962.07 करोड़ था। जबकि, पिछले वर्ष के दौरान व्यवसाय रु. 66.92 करोड़ था। सीवीसी दिशा-निर्देशों के अनुसार ई-प्रोक्योरमेंट के लिए अनिवार्य एसटीक्यूसी प्रमाणपत्र हासिल करने के उपरांत, एमएसटीसी ने खरीददारी के लिए इलेक्ट्रॉनिक तरीके के अपनाने की सरकारी कंपनियों की बढ़ती प्रचलन के अवसर का भरपूर लाभ उठाने के लिए पूरी तरह से कूद पड़ी।

अर्जित सेवा शुल्क रु. 0.59 करोड़ था। कम मात्रा में सेवाएं शामिल होने की वजह से अन्य ई-कॉमर्स व्यवसाय की तुलना में औसतन सेवा आय साधारणतः कम है। मक्केलों से ज्यादा मात्रा में व्यवसाय सुनिश्चित होने से ऊपर उल्लेखित आंकड़े कई गुना बढ़ेगी।

संक्षेप में, एमओयू में निर्धारित लक्ष्य (उत्कृष्ट) ई-कॉमर्स व्यवसाय के कुल मात्रा के लिए रु. 16800 करोड़ की तुलना में एमएसटीसी ने रु. 19395.25 करोड़ का आंकड़ा प्राप्त किया, जो एमओयू लक्ष्य से 15.45 प्रतिशत अधिक है एवं पिछले वर्ष के संबंधित आंकड़ों की तुलना में 25.27 प्रतिशत अधिक है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि सेवा शुल्क की आय में वर्ष 2012-13 में रु. 106.52 करोड़ से वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान रु. 120.04 करोड़ की वृद्धि व्यवसाय के आयतन में वृद्धि के समानुपातिक नहीं है। इसका कारण बाजार में चल रही कठोर प्रतिस्पर्धा एवं मुक्किलों द्वारा सेवा शुल्क की दर में कटौती करने की निरंतर मांग है।

यद्यपि, भविष्य में व्यापक संभावनाएं तथा तुलनात्मक तौर पर कम जोखिम भरा व्यवसाय होने की वजह से दीर्घ काल में ई-कॉमर्स व्यवसाय ही एमएसटीसी का मुख्य आधार बना रहेगा।

#### ट्रेडिंग व्यवसाय

ट्रेडिंग टॉप लाईन एवं बॉटम लाइन दोनों के लिए उल्लेखनीय योगदान करती है। सेकेंड्री इस्पात उत्पादों एवं पेट्रोकेमिकल उद्योग की ओर से एमएसटीसी कच्चे मालों की खरीददारी के लिए वित्त पोषण करती है। एमएसटीसी के व्यवसाय का मुख्य आधार है ट्रेडिंग। एमएसटीसी एक फेसिलिटेटर के रूप में

an increase of 19.35% over previous year. The volume of sales of coal, lignite, raw pet coke, barytes, other minerals, human hair, tea, etc., are given as under :

	₹ in crore	
Item	2013-14	2012-13
Coal	5716.12	5512.91
Lignite	476.16	311.66
Iron Ore	7084.24	5522.50
Manganese Ore	122.72	201.32
Human Hair	240.50	215.34
Tea	132.04	146.21
Chrome Ore	840.24	491.95
Raw Pet Coke	565.39	214.00
Rock Phosphate	-	12.06
Baryte Ore	8.82	96.36
<b>Total</b>	<b>15186.23</b>	<b>12724.31</b>

#### e-Procurement

Taking a big leap forward in e-procurement, the volume of business in FY 2013-14 was ₹ 962.07 Crore as against corresponding figure of ₹ 66.92 Crore during last year. After obtaining the mandatory STQC certificate for e-procurement as per CVC guidelines, MSTC went full hog capitalizing the opportunity of growing tendency of Govt. companies switching over to electronic mode for the purchases.

The service charge earned was ₹ 0.59 Crore. The percentage service income is usually less compared to other e-commerce business due to less content of services involved. This figure is stated to rise manifold as we secure more volume of business from clients.

In nutshell, against the MOU target (excellent) of ₹ 16800 Crore for total volume of e-commerce business, MSTC achieved a figure of ₹ 19395.25 Crore, which is an increase of 15.45% over MOU target and an increase of 25.27% as compared to the corresponding figure of last year.

It is pertinent to mention here the increase in service charge income from ₹ 106.52 Crore in 2012-13 to ₹ 120.04 Crore during FY 2013-14 is not commensurate with the increase in volume of business. This is attributable to stiff competition in the market and client's insistence for reduction in the service charge rate.

However, e-commerce business remains to be mainstay of MSTC in the long run due to its immense potential in future and comparatively less risk involved in the business.

#### Trading Business

Trading contributes significantly to both top line and bottom line. MSTC provides finance for the procurement of raw materials on behalf of the secondary steel producers and petrochemical industry. Trading has been the mainstay of



एमएसटीसी के कर्मचारी रीक्रिएशन क्लब द्वारा वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन  
Annual sports of MSTC being organized by MSTC's Employees' Recreation Club

काम करता है अथवा क्रय-विक्रय मोड में तथा सेकेंडरी इस्पात उत्पादक तथा उससे संबंधित उद्योगों की ओर से कच्चे माल के क्रय का वित्त पोषक के रूप में कार्य करता है। इस क्षेत्र से वर्ष के दौरान अर्जित सेवा शुल्क रु. 100.75 करोड़ था।

आयात के लिए एमएसटीसी अपनी उचित उद्यम के पश्चात चयनित क्रेताओं की ओर से विदेशी आपूर्तिकर्ता पर एवं क्रेता के स्पेशिफिकेशन के अनुसार कच्चे माल की आपूर्ति के लिए रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी (आरएमपी) के नियमानुसार तथा कीमत और सुपुर्दगी शर्त पर क्रेता की सहमति से एल/सी खोलती है। सामग्री को हाईसी सेल के आधार पर क्रेता को बेचा जाता है, जिसे एमएसटीसी के पास बंधक रखा जाता है और सामग्री का मालिकाना क्रेता के पास होता है। आयतित सामग्री या देशीय स्रोत से प्राप्त सामग्री को एमएसटीसी की कस्टडी में क्रेता की जगह पर रखा जाता है। इसके लिए एक कस्टोडियन की नियुक्ति के माध्यम से क्रेता की जमीन पर रखा जाता है और एमएसटीसी, कस्टोडियन और क्रेता के बीच एक तीन तरफा करार होता है। क्रेता को भुगतान करके कैश एंड कैरी आधार पर अपनी आवश्यकता के अनुसार सामग्री उठाने की अनुमति होती है।

#### थर्मल कोल का आयात

भारत के विभिन्न ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती हुई आयातित थर्मल कोल की पूर्ति के आशय से एमएसटीसी ने थर्मल कोल की आपूर्ति के व्यवसाय में डोर डिलीवरी के आधार पर कदम रखा है। एमएसटीसी अपने व्यावसायिक सहयोगियों (जिनका चयन एमएसटीसी द्वारा खुले टेंडर के माध्यम से किया जाता है) के माध्यम से बैंक-टू-बैंक के आधार पर थर्मल कोल की आपूर्ति के लिए क्रेताओं द्वारा जारी टेंडरों में शामिल होता है। एमएसटीसी ने रु. 3109.28 करोड़ कीमत का 6.55 मिलियन टन आयातित थर्मल कोल की सफलतापूर्वक आपूर्ति की, जो पिछले वर्ष के दौरान की गई आपूर्ति की राशि रु. 2306.01 करोड़ से अधिक है।

MSTC's business. MSTC acts in a facilitator mode or purchase-sale mode and finances the procurement of raw materials on behalf of primarily the secondary steel producers and its allied industries. Service charges earned from this segment was ₹100.75 Crores during the year.

For imports, MSTC opens L/C on overseas supplier on behalf of buyers who are selected after their due diligence and as per Risk Management Policy (RMP) norms for supply of raw materials as per the buyers' specification and consent for price and delivery terms. The material is sold to buyers on 'High-Sea' sale basis wherein the material is pledged to MSTC and the ownership rests with the buyers. The materials thus sourced through import or from domestic sources are kept in the custody of MSTC at the premise of buyers through a custodian appointed for this purpose after signing a tripartite agreement between MSTC, the custodian and the buyers. The buyers are allowed to lift the material against their requirement on payment under 'Cash & Carry' basis.

#### Import of Thermal Coal

In order to meet the ever increasing demand of imported thermal coal by the various power utilities in India, MSTC has stepped up the effort to garner business for supplying thermal coal to such buyers on door delivery basis. MSTC participates in the tenders floated by the buyers for supply of thermal coal through its business associates (empanelled annually through an open tender by MSTC) on back-to-back basis. MSTC had supplied successfully 6.55 million MT of imported thermal coal

आयातित थर्मल कोयले की मांग और आपूर्ति के बीच की दूरी को मिटाने के लिए एमएसटीसी ने भारत में ग्राहकों की ओर से आयातित थर्मल कोयले की रिवर्स ई-ऑक्शन पर जोर डाला है। भारतीय ग्राहक द्वारा दिए गए कोल स्पेसिफिकेशन के अनुसार एसएसटीसी रिवर्स ई-ऑक्शन संचालन करेगा। विदेशी आपूर्तिकर्ता (खदान मालिक) जो एमएसटीसी के साथ पंजीकृत होगा वे ई-ऑक्शन में डोर डेलिवरी के आधार पर एल 1 होने के लिए बोली लगाएगी। एसएसटीसी सुपुर्दगी के आधार पर प्रति टन कोयले के लिए मार्क अप चार्ज करेगा।

वित्त वर्ष 2013-14 में ट्रेडिंग प्रभाग का कुल व्यवसाय रु. 7488.15 करोड़ है। जबकि एमओयू लक्ष्य (उत्कृष्ट) रु. 6500.00 करोड़ का था। लक्ष्य की तुलना में वास्तविक व्यवसाय में 15.20 प्रतिशत की वृद्धि है।

### संवृद्धि एवं भावी विकास के लिए नए क्षेत्र की तलाश

1. एमएसटीसी श्रेडिंग प्लांट की स्थापना करने की महत्वाकांक्षी परियोजना पर लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए कच्चे माल हेतु परित्यक्त ऑटोमोबाइलों एवं हवाईट गुड्स घरेलू अथवा आयात के माध्यम से लेना है। नियामक के जरिए श्रेडिंग के लिए जरूरी सामग्रियों को उपलब्ध कराने की नीति निर्माण हेतु एमएसटीसी सरकारी सहायता मांग रही है। इसके साथ ही, प्रस्तावित प्लांट के लिए विदेशी बाजार से बेल्ट कारों की अधिप्राप्ति की संभावना की तलाश की जा रही है।

इसके अलावा, एमएसटीसी पीपीपी मॉडल पर गुजरात में एक एकीकृत पोत रिसाइक्लिंग यार्ड की स्थापना की गहराई से विचार कर रही है। इसलिए, एसएसटीसी ई-कॉमर्स एवं ट्रेडिंग के माध्यम से इस उद्यम को मूर्त रूप देने के लिए अपनी मुख्य क्षमता का प्रयोग करेगी।

valued at ₹ 3109.28 Crore which is more than ₹ 2306.01 Crore supplied during the previous year.

Taking an innovative solution for import of thermal coal to meet demand supply gap MSTC has embarked upon reverse e-auction of imported thermal coal on behalf of the buyers in India. In this solution MSTC will conduct e-reverse auction as per the coal specification provided by Indian buyers. The foreign suppliers (Mine owners) who will be registered with MSTC will participate in the e-auction and bid to become L-1 on Door Delivery basis. MSTC will charge its mark-up on per ton of coal delivered basis.

The total performance of Trading Division during FY 2013-14 stands at ₹ 7488.15 Crore as against MOU Target (excellent) of ₹ 6500.00 Crore, an increase of 15.20%.

### Diversification for growth and future developments

1. MSTC is consistently pursuing the ambitious project of setting up of Shredding Plant for which input raw materials as condemned automobiles, white goods are required either domestically or through imports. MSTC is seeking govt. help in formulating policy for making availability of such raw materials for shredding through regulation. Simultaneously, the possibility for procurement of baled cars from overseas market for the proposed plant is being explored.

In addition, MSTC is mulling to set up an integrated ship recycling yard in the State of Gujarat in PPP model. MSTC will, therefore, utilize its core competence in execution of this venture through e-commerce & trading.



एमएसटीसी की वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता  
MSTC's annual sports



- एमएसटीसी विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि-उत्पाद, वन उत्पाद, मसाले, फूल इत्यादि में ई-कॉमर्स व्यवसाय को विस्तारित करने का कठोर प्रयास कर रही है तथा अपनी सूची में अनेकानेक ग्राहकों को पहली बार शामिल करेगी।

एमएसटीसी अपने मुवक्किलों को उनकी खरीददारी हेतु सम्पूर्ण समाधान के लिए ई-प्रोक्योरमेंट सेवाओं की शुरुआत की है। इसके अलावा, थर्मल कोयले की आयात के लिए ई-रिवर्स ऑक्शन पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके जरिए आसान, झंझट से मुक्त एवं किफायती तरीके से कोयले आयात किया जाएगा।

- विदेशों में अपनी उपस्थिति कायम करने के लिए एमएसटीसी ने वैश्विक योजना बनाई है। ई-कॉमर्स सेवाओं के लिए एमएसटीसी बांग्लादेश, श्रीलंका, भूटान, नेपाल, मारीशस, अफ्रीका एवं लैटिन अमेरिका देशों को लक्ष्य बना सकती है।

### भावी योजनाएं

ई-कॉमर्स के क्षेत्र में त्वरित विकास करते हुए एमएसटीसी देश की अकेली ई-कॉमर्स की अग्रणी कंपनी बनी है। ई-कॉमर्स का दायरा बढ़ते हुए उसके सामने जो भी संभावनाएं आती हैं, उसे एमएसटीसी लेने के लिए तैयार है। एमएसटीसी नई एवं विविधता पूर्ण व्यवसाय कर रहा है। इसमें कृषि उत्पाद मसलन चाय, सागो, गोरगां नट एवं वन उत्पाद मसलन तेंदु पत्ता, टिंबर, शाल सीड तथा मानव केश, फ्लाइ ऐश आदि शामिल हैं। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने जमीन, एपार्टमेंट, बैंक का एनपीए एवं डीआरटी के तहत आस्थियां आदि का व्यवसाय भी हाथ में लिया है।

### एमएसटीसी का कई उल्लेखनीय कदम :

- कुन्नूर के टी-सर्व की चाय का ई-ऑक्शन की सफलता से अनुप्रेरित होकर उपासी (यूनाइटेड प्लान्टर्स एसोसिएशन ऑफ साउथ इंडिया) ने चाय के ई-ऑक्शन के लिए एक करार किया। प्रिमियम क्वालिटी टी का पहला ई-ऑक्शन 15 अप्रैल, 2013 को हुआ। आने वाले समय में उपासी मसालों तथा अन्य वन उत्पाद के ई-ऑक्शन के लिए भी विचार कर रही है।
- एमएसटीसी ने आंध्रप्रदेश सरकार के साथ उसके सभी विभागों के लिए फारवर्ड एवं रिवर्स ई-ऑक्शन के लिए माइलस्टोन करार हस्ताक्षर किया है। एमएसटीसी अन्य राज्य सरकारों तथा वन विभाग को अपनी ई-कॉमर्स सेवा प्रदान करने के लिए करार हस्ताक्षर करने के अग्रिम स्टेज पर है। यह इससे ई-कॉमर्स के क्षेत्र में कंपनी के निष्पादन में काफी बढ़ावा दे सकता है।
- भारत सरकार की ओर से खनिजों की बिक्री ई-ऑक्शन के माध्यम से करने की ताजा पहल ने एमएसटीसी के लिए अवसर का एक-नया द्वार खोला है। उड़ीसा माइनिंग कारपोरेशन (ओएमसी) के साथ क्रोम ओर लाम्प के ई-ऑक्शन का अनुबंध हुआ है। भविष्य में आयरन ओर, मैंगनीज ओर तथा राज्य के अन्य खनिजों के लिए भी रास्ता बन सकता है।
- एमएसटीसी प्रथम चरण में उत्पादकों के स्थल पर अथवा महानगर की बड़ी मंडियों में फल और सब्जियों के ई-ऑक्शन के लिए उपयुक्त साझेदार के साथ सॉफ्टवेयर परियोजना की संभावना की तलाश कर रही है। दूसरे चरण में उसके भंडारण एवं परिवहन की लॉजिस्टिक तैयार करेगी।
- एमएसटीसी की नजर संभावनापूर्ण कई अवसरों में रेडियों तरंग के लिए एफएम चैनल्स, कोल ब्लॉक्स आदि की ई-ऑक्शन है। एमएसटीसी ई-वेस्ट के पुनश्चक्रण में प्रमुख भूमिका निभाती है और अपने ग्राहकों के लिए कचरा से कंचन पैदा करती है।

- MSTC is striving hard to expand e-commerce business in diverse areas such as Agri-products, forest produce, spices, flowers, etc. and will bring many more first time customers into its fold.

MSTC has launched e-procurement services providing end-to-end solution to the clients for their purchases. In addition, it has developed e-reverse auction portal for Imported Thermal Coal which will make import of coal easy, hassle free and economical.

- MSTC has plans to go global in its stride to make presence in overseas countries. It may target countries like Bangladesh, Sri Lanka, Bhutan, Nepal, Mauritius, African & Latin American countries for e-commerce services.

### Future Outlook

Growing rapidly in the e-commerce space, MSTC has become a major standalone e-commerce service provider in the country. It is poised to grab every opportunity that comes in its way spreading its wings in e-commerce. MSTC is attempting new & diverse lines of business such as tea, sago, gorgon nut in agri-products, tendu leaves, timber, sal seed in forest products, human hair, fly ash etc. Apart from this, MSTC has also undertaken the e-auction of land, apartments, banks' NPAs and also assets under DRT etc.

### Some of the major opportunities MSTC is pursuing are :

- Encouraged by the success of e-auction of tea for 'Tea Serve' at Conoor, the UPASI (United Planters Association of South India) has signed an agreement for e-auction of Tea. The first e-auction of Premium quality Tea was held on 15-4-2013. The e-auction of spices and other forest items are also being considered by UPASI in the days to come.
- MSTC has signed a milestone agreement with Andhra Pradesh Govt. for providing both forward and reverse e-auction for all its departments. MSTC is pursuing actively to sign agreements with other State Govts. for providing e-commerce services including forest department. It may give a major boost to the company's performance in e-commerce space.
- The recent initiative of the Government for sale of minerals through e-auction has also opened window of opportunity for MSTC and it has signed agreement with Odisha Mining Corporation (OMC) for e-auction of chrome ore lump which may usher in a similar opportunity for iron ore, manganese ore and other minerals in the State.
- MSTC is exploring possibility of taking software projects in alliance with a suitable partner for e-auction for fruit & vegetable either at big mandi in metropolitan city or at the growers' site in the first phase and thereafter, logistics for its storage & transportation in second phase.
- MSTC is also exploring opportunities in e-auction of some of the landmark auctions such as FM Channel for radio waves, coal blocks etc. MSTC plays a major role in recycling of e-waste and helps create wealth from the waste for its customers.

- ई-प्रोक्योरमेंट एक और संभावनापूर्ण क्षेत्र है, इस क्षेत्र में व्यवसाय पाने के लिए एमएसटीसी त्वरित कदम उठा रही है।
- ट्रेडिंग व्यवसाय के क्षेत्र में, चूंकि यह क्षेत्र जोखिमों से भरा हुआ है इसलिए एमएसटीसी फेसिलिटेटर मोड में व्यवसाय संवृद्धि में रुचि नहीं रखती है। इसलिए एमएसटीसी ऐसी कुछ ही चुने हुई कंपनियों के साथ व्यवसाय करेगी, जिनकी साख तथा विगत निष्पादन अच्छी है। एमएसटीसी वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के जरिए खाद्यान्नों के अलावा आयरन ओर, उर्वरक एवं रॉक फॉस्फेट इत्यादि के लिए ट्रेडिंग व्यवसाय के वैकल्पिक तरीके की खोज का प्रयास जारी रखेगी।
- एमएसटीसी विनिर्माण के क्षेत्र में निकट भविष्य की संभावित समाकलन पहले के तहत स्कैप श्रेडिंग प्लांट लगाकर प्रवेश करना चाहती है। इसके अलावा, एमएसटीसी ई-कॉमर्स एवं ट्रेडिंग में अपनी मुख्य दक्षता का लाभ उठाने के लिए एकीकृत पोत रीसाइक्लिंग यार्ड की स्थापना की संभावना की भी तलाश कर रही है।
- सीएसआर गतिविधियों के तहत एमएसटीसी डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुकूल परियोजनाएं हाथ में लेती है।

#### सचेतक अभियुक्ति :

प्रबंधन विमर्श तथा विश्लेषण कंपनी की आंकलन, प्रक्षेपित तथा आंकलन के तहत अभियुक्ति है। वास्तविक परिणाम ऐसी परिक्षेपना से भिन्न हो सकती है तथा यह आर्थिक स्थिति तथा संबंधित देशीय एवं अंतर्देशीय बाजार में उद्योग मांग पर निर्भर करती है। प्रक्षेपण तथा आंकलन को सरकार के विनियम, जिसमें फिजकल रेगुलेशन तथा अन्य आकस्मिक कारक हैं, भी प्रभावित कर सकती है।

#### प्रचालन एवं निष्पादन से संबंधित वित्तीय मानदंडों पर विचार-विमर्श कार्यनिष्पादन

##### क) एजेंसी व्यवसाय

इस साल एजेंसी व्यवसाय की कुल राशि रु. 18433.61 करोड़ है। पिछले वर्ष 2012-13 में रु. 15415.55 करोड़ थी। वर्ष 2012-13 के समानांतर वर्ष 2013-14 का विवरण नीचे दिया जा रहा है:

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2013-14	2012-13
स्कैप और मैंगनीज की बिक्री	5632.82	4380.13
कोयले की बिक्री	5716.12	5512.91
आयरन ओर	7084.24	5522.50
<b>कुल (क)</b>	<b>18433.18</b>	<b>15415.54</b>

##### ख) ई-प्रोक्योरमेंट

व्यापार क्षेत्र	व्यापार की मात्रा (रु. करोड़ में)	
	2012-13	
ई-प्रोक्योरमेंट (ख)	962.07	66.92
<b>कुल (क+ख)</b>	<b>19395.25</b>	<b>15482.46</b>

- E-procurement is another potential area in which MSTC is making a rapid stride to grab the business.
- In trading business, MSTC is not very upbeat to increase business in a facilitator mode as this business is fraught with risks. Hence, MSTC will have business with few selected parties having good credibility and past performance. MSTC will renew its effort to pursue alternate mode of trading business for iron ore, fertilizer and rock phosphate etc besides food grains through Ministry of Commerce & Industries.
- MSTC seeks to diversify into manufacturing by setting up a scrap shredding plant as a forward integration drive in future. In addition, MSTC is also exploring the possibility of setting up and Integrate Ship Recycling Yard leveraging our core competence in e-commerce and trading.
- Under CSR activity, MSTC takes up projects as per the DPE Guidelines.

#### Cautionary Statement :

Statements under "Management Discussion and Analysis" are on company's estimates, projections and estimates. Actual results may materially differ from such projections and depend on economic condition and industry demand in the relevant domestic and international market. Government regulations including fiscal regulations and other incidental factors may also affect the projections and estimates.

#### DISCUSSION ON FINANCIAL PARAMETERS WITH RESPECT TO OPERATIONS AND PERFORMANCE

##### A) AGENCY BUSINESS

This year the total volume of Agency Business stands at ₹18433.61 crore against ₹15415.55 Crore in 2012-13. Break-up for the year 2013-14 vis-à-vis 2012-13 is as follows :

Business Segment	Volume of Business (₹ in crore)	
	2013-14	2012-13
Sale of Scrap & Manganese Ore etc.	5632.82	4380.13
Sale of Coal	5716.12	5512.91
Iron ore	7084.24	5522.50
<b>Total (A):</b>	<b>18433.18</b>	<b>15415.54</b>

##### B) e- PROCUREMENT

Business Segment	Volume of Business (₹ in Crore)	
	2012-13	
e-Procurement (B)	962.07	66.92
<b>Total (A+B)</b>	<b>19395.25</b>	<b>15482.46</b>

### ग) व्यापार

इस साल विपणन विभाग के व्यवसाय की कुल राशि **₹. 7488.15 करोड़** है। पिछले वर्ष 2012-13 में **₹. 10050.54 करोड़** थी। वर्ष 2012-13 के समानांतर वर्ष 2013-14 का विवरण नीचे दिया जा रहा है:-

व्यापार क्षेत्र	व्यवसाय की मात्रा (₹. करोड़ में)	
	2013-14	2012-13
निम्नोक्त सामग्रियों का प्रोक्योरमेंट		
आयातित सामग्री	3145.80	6608.70
स्वदेशी सामग्री	4342.35	3415.50
<b>कुल (ग)</b>	<b>7488.15</b>	<b>10024.20</b>
<b>महायोग (क+ख+ग)</b>	<b>26883.40</b>	<b>25506.66</b>

### सॉट (SWOT) विश्लेषण

#### शक्ति और कमजोरियां

एमएसएसटी की शक्तियां स्क्रेप और अधिशेष मर्दों के व्यवसाय, प्राथमिक उत्पाद की ई-बिक्री एवं कच्चे उत्पादों के साधन के लिए ठोस अनुभव पर निर्भर करती है। अनुभवी कर्मचारी वर्ग, सुसज्जित अद्यतन अवसंरचना, विवेकपूर्ण निर्धारित पॉलिसी सभी मिलकर एमएसटीसी को एक दक्ष सेवा प्रदाता बनाया है।

अद्यतन अवसंरचना के साथ एमएसटीसी के योग्य कार्यपालक द्वारा ई-कॉमर्स सेवा को हैंडल किया जाता है। सिस्टम में आईटी एक्ट, 2000 एवं इसके अनुवर्ती संशोधन तथा सीवीसी के दिशा निर्देश द्वारा अनिवार्य अद्यतन विशेषताएं हैं तीसरी पार्टी एजेंसी द्वारा समय-समय पर लेखा परीक्षा की जाती है।

एमएसएसटी की ई-कॉमर्स सेवा के लिए 20000 से ज्यादा ग्राहक हैं, जिनके लिए निरंतर सेवा उपलब्ध कराई जाती है। देश के कोने-कोने में प्रत्येक ग्राहकों को कम समय में दक्ष सुगम सेवाएं प्रदान की जाती है। एमएसएसटी का अस्तित्व भारत के प्रायः सभी शहरों में है एवं अपने ग्राहकों को दक्षता के साथ अल्प समय में परेशानी से मुक्त आरामदायक सेवा प्रदान करती है।

आयात क्षेत्र में, बहुत सारे बड़े उद्योग स्रोत के लिए एमएसटीसी पर निर्भर करता है। इसका कारण है कि विदेशी आपूर्तिकर्ताओं, बैंकरों, अन्य स्टॉक होल्डरों एवं ग्राहकों के साथ उत्तम व्यावसायिक संबंध।

कमजोरी के बगैर कोई व्यवसायिक मॉडल नहीं हो सकता है, जो कम डोमेन ज्ञान, सामग्रियों की कीमत में उतार-चढ़ाव तथा ग्राहक कंपनियों के कम राजस्व निर्भर व्यवसाय पर आश्रित है। इसमें ग्राहक द्वारा चूक के कारण शासनीय जोखिम शामिल हैं। ट्रेडिंग व्यवसाय के लिए अवसंरचना की कमी और एक्जिम व्यवसाय के लिए कैनालाइजिंग एजेंटों की शून्य स्थिति की कमजोरियां हो सकती है। यह हमारे साथी जैसे एमएमटीसी, एसटीसी आदि के विपरीत है। एमएसटीसी में 318 कर्मचारी हैं, जिसके लिए सीधे आयात, निर्यात या देशीय व्यापार में शामिल होने के लिए सुसज्जित नहीं हैं।

#### संभावनाएं एवं संकट

विविध वस्तुओं विशेषकर खनिज, कृषि उत्पाद तथा वन उत्पादों के ई-कॉमर्स के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। कंपनी के लिए स्क्रेप, लौह एवं इस्पात संसाधन में रणनीतिक वायदा एकीकरण, लॉजिस्टिक में संयुक्त उद्यम, ई-रद्दी पुनर्चक्रण

### C) TRADING

The performance of marketing Division shows a total volume of business of ₹ 7488.15 Crore against in ₹10050.54 Crore 2012-13. Break-up for the year 2013-14 vis-à-vis 2012-13 is as follows:

Business Segment	Volume of Business (₹ in Crore)	
	2013-14	2012-13
Procurement of :		
Imported materials	3145.80	6608.70
Indigenous materials	4342.35	3415.50
<b>Total: (C)</b>	<b>7488.15</b>	<b>10024.20</b>
<b>Grand Total (A+B+C)</b>	<b>26883.40</b>	<b>25506.66</b>

### SWOT ANALYSIS

#### Strengths & Weaknesses

MSTC's strength lies in substantial experience in dealing with scrap, surplus items, e-sale of prime products and sourcing of raw-materials. The experienced people, equipped with latest infrastructure, prudentially laid down policies together make MSTC an efficient service provider.

The e-commerce service is handled by well competent persons and backed by state of the art infrastructure. The system has the latest features as mandated by CVC guidelines & IT Act 2000 and its subsequent amendments and is being audited periodically by third party agency.

MSTC has largest client base of 20000 plus for e-commerce services which depicts its customer orientation & seamless services being made available to them. MSTC's presence at almost all cities in India provides comforts in terms of efficient, less time consuming hassle free services available to its customers.

In the import segment, many big industries have relied upon MSTC for sourcing of raw-materials due to excellent business relationship with overseas suppliers, bankers, other stake holders and buyers.

There can be no business model without weaknesses which can be attributed to low domain knowledge, volatility in price of materials and less revenue dependent business of the customer companies. It involves manageable risks in the event of default by the customers. Weaknesses may also be attributed to deficient infrastructure for trading business. Also MSTC has nil status of canalizing agent for Exim business unlike our peer companies such as MMTC, STC, etc. have in trading business. MSTC has a small work force of 318 employees spread across the country and therefore is not equipped to indulge in direct export/ import or domestic trade.

#### Opportunities & Threats

Opportunity seems to be quite substantial for e-commerce business of various commodities particularly in minerals, agricultural and forest products. Strategic forward integration in processing of scrap, iron & steel, joint venture in logistics,

कार्यकलाप कुछ उद्भव्य संभावनाएं हैं। ई-प्रोक्योरमेंट एवं कृषि उत्पाद की ई-मार्केटिंग में भी एमएसटीसी के लिए पर्याप्त संभावनाएं हैं। सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में खनिज के अवैध खनन के प्रतिबंध की संभावना एवं ई-ऑक्शन के माध्यम से खानों के उपज की बिक्री के लिए उद्भूत सहमति एमएसटीसी के व्यवसाय के लिए अच्छा है।

आज के दिन में कोई भी व्यवसाय आशंकारहित नहीं है। एमएसटीसी के लिए चेतावनी विषय है आयात और निर्यात पर भारत सरकार की नीति, अन्य ट्रेडिंग कंपनियों की ओर ग्राहकों का पलायन अथवा सीधे आयात करना, छोटी कंपनियों द्वारा कम प्रभार शुल्क का प्रस्ताव देना। बहरहाल, एमएसटीसी इस तरह की आशंकाओं के प्रति सतर्क है और इन आशंकाओं के निवारण के लिए पद्धतियां हमेशा बनाती रहती है।

तकनीकी विकास की वजह से स्क्रेप का सेकेंडरी उद्भवन कम हो गया है, जिसकी वजह से सेलिंग एजेंसी व्यवसाय के क्षेत्र में व्यवसाय की मात्रा कम हुई है।

ई-कॉमर्स की छोटी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके सिस्टम में सुरक्षा की व्यवस्थाएं कम हैं। ऐसी छोटी कंपनियां कुकुरमुत्ते की तरह उग आएं हैं और असंगत कम सेवा प्रभार दर पर व्यवसाय प्राप्त कर रहे हैं।

मौजूदा ग्राहक एमएसटीसी को सेवा प्रभार कम करने के लिए दबाव डाल रहे हैं, जिससे व्यवसाय बॉटम लाइन हिट हो सकता है जब तक समग्र व्यवसाय में आनुपातिक वृद्धि न हो। इसके अलावा, ग्राहकों खुद ही निविदा में भाग ले रहे हैं, जिससे असामान्य स्थिति में एमएसटीसी के लिए टेंडर पाने की संभावना कम हो जाता है।

## जोखिम और सरोकार

### एजेंसी व्यवसाय

सेलिंग एजेंसी व्यवसाय में पारंपरिक जोखिम है। क्योंकि प्रिंसिपल किसी भी समय अपना माल खुद बेचने का निर्णय ले सकता है। प्रिंसिपल टेंडर का सहारा ले रहे हैं और छोटी कंपनियां कम सेवा प्रभार मांग रही हैं क्योंकि उनकी संरचना में निवेश कम है और सीवीसी के दिशा-निर्देश और आईटी एक्ट, 2000 के प्रति उनका कोई दायित्व नहीं है। बहरहाल, गुणवत्ता और पारदर्शिता की वजह से एमएसटीसी इस क्षेत्र में अपने अधिकांश व्यवसाय को कायम रखे हुए हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम होने के नाते एमएसटीसी के लिए यह अनिवार्य है कि वह सीवीसी के दिशा-निर्देशों का आईटी एक्ट, 2000 के निर्देशों का तथा एमएसटीसी के परीक्षण की आवश्यकताओं से संबंधित दिशा-निर्देशों का पालन करें। इसके लिए एमएसटीसी को सिस्टम संरचना में बड़ी राशि का निवेश करना पड़ता है। लेकिन निजी कंपनियों के ऊपर इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं। अगर सरकारी विभाग तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम अपने टेंडर दस्तावेज में सेवा प्रदाता के लिए सीवीसी के दिशा-निर्देशों के पालन की अनिवार्यता का प्रावधान नहीं करते हैं तो एमएसटीसी के लिए आदेश पाना क्रमशः कठिन होता जाएगा। क्योंकि निजी कंपनियों के पास अपर्याप्त संरचना है और उनके लिए कम सेवा दर पर काम करना मुमकिन हो जाता है।

यहां यह उल्लेख करना अप्रत्याशित नहीं होगा कि 31 मार्च 2012 तक मेसर्स कोल इंडिया लिमिटेड ने कोयले की ई-सेल पर सेवा प्रभार का भुगतान बिक्रय मूल्य के प्रतिशत के आधार पर किया है। कोल इंडिया लिमिटेड ने 01 अप्रैल, 2012 से दो वर्षों के लिए एमएसटीसी के पोर्टल के माध्यम से कोयले को बेचने का काम हमें सौंपा है। इस बार प्रति ऑक्शन के आधार पर निर्धारित राशि का भुगतान सेवा शुल्क के रूप में प्राप्त होगा। बिक्री-कीमत चाहे जितनी भी हो।

e-waste recycling are some of the emerging opportunities for the company. There also exist ample opportunities for MSTC in e-Procurement and e-Marketing of agri-products. The likely ban in illegal mining of various minerals in the states by the Government and the consensus emerging for sale of mines' produce through e-auction augers well for MSTC business.

Any business, now a days is not without threat. For MSTC, threat is Government policy on import and export, customers shifting to other trading companies or choosing to make direct imports, small players coming in and offering lesser service charges. However, MSTC is aware of such threats and always makes strategies to come out of these threats.

Technological development has reduced secondary arising of scrap leading to lower trading volume in agency business segment.

Small players in e-commerce space having scanty infrastructure and less security features in their system are mushrooming and eating away business on their strength of unreasonably lower service charges rates.

Existing customers are forcing MSTC to reduce service charge which may hit bottom-line unless there is commensurate increase in overall volume of business. Besides this, customers are also resorting to tenders in which case MSTC's chance to win the tender gets diminished mainly due to skewed and non levels playing field conditions.

## RISKS AND CONCERNS

### Agency Business

Selling agency business has inherent risk since principal can any time decide to do the selling job themselves. Of late, principals are resorting to tendering and small players are quoting very less rate of service charge owing to their less investments in infrastructure and nil obligation towards CVC guidelines and IT Act, 2000. However, because of quality and transparency, MSTC has retained most of the business in this segment.

Being a PSU, MSTC has to follow all the guidelines issued by CVC, regulation of IT Act 2000 and other audit requirements of STQC for which, MSTC has to invest huge amount towards Systems infrastructure, whereas, the private players are not under any such obligation. Therefore, unless Government Departments and PSUs insist upon fulfillment of criteria in line with CVC guidelines by the service providers in the tender documents, it would be increasingly difficult for MSTC to get orders, since private players, having scanty infrastructure, can afford to quote very low service charge.

It may not be out of place to mention that till 31st March 2012 service charge on e-sale of coal was paid by M/s Coal India Ltd. on the basis of percentage of sale value. They have entrusted the job of sale of coal through MSTC's portal for two year w.e.f. 1st April 2012. But this time the service charge is receivable as a fixed amount on the basis of every auction event irrespective of sale value. Moreover, distribution of coal

इसके अतिरिक्त ई-ऑक्शन के लिए एमएसटीसी को 50 प्रतिशत की जगह 40 प्रतिशत कोयला मिला है। भुगतान नीति तथा वितरण नीति में इस परिवर्तन की वजह से कोयले के ऑक्शन से मिलने वाली सेवा शुल्क में काफी कमी आई है।

### ट्रेडिंग व्यवसाय (आयात एवं निर्यात)

इस क्षेत्र में मुख्यतः उद्योगों के लिए आयात या देशीय स्रोतों से कच्चे माल की व्यवस्था करने का कार्य करता है। सामग्रियां एमएसटीसी के प्रतिभूत में रहता है तथा भुगतान के आधार पर सुपुर्दगी की जाती है। ग्राहकों के नियत उत्पादन में परिवर्तन एवं बाजार में अस्थिरता के कारण उनके द्वारा बनाए गए समय सारणी के अनुसार सामग्रियों को न उठाने की जोखिम रहता है।

### जोखिम, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली एवं उनकी उपयुक्तता

वर्ष 2008-09 में जोखिम प्रबंधन नीति को एमएसटीसी में लागू किया गया। वर्ष 2012-13 में यह नीति को संशोधित किया गया है। एमएसटीसी यह सुनिश्चित करती है कि कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली जोखिम लेने की क्षमताओं के भीतर एवं इसे और बेहतर एवं प्रभावी बनाने हेतु अधिक सुरक्षा उपायों को शामिल कर रही है।

मेसर्स एच.पी. झुंझुनवाला एंड कं., सनदी लेखापाल को इस वर्ष के लिए कंपनी की आंतरिक लेखा परीक्षण के लिए नियुक्त किया गया था और उनके प्रतिवेदन को प्रबंधन के समक्ष नियमित अंतराल पर रखा जाता है एवं महत्वपूर्ण मुद्दों का संक्षिप्त विवरण को लेखा समिति के समक्ष रखा जाता है। समिति आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के कार्यों की समीक्षा करती है और समिति की अनुशंसाओं को निदेशक मंडल के समक्ष पेश किया जाता है और वे निदेशक मंडल के विचार के अनुसार लागू करते हैं। लेखा समिति विभिन्न वित्तीय विवरणों का भी जोखिम विश्लेषण एवं नियंत्रण के लिए कार्य करती है।

### ऊर्जा एवं संसाधनों का संरक्षण

एमएसटीसी मुख्यतः विभिन्न ग्राहकों के लिए स्क्रेप सामग्री विशेषतः फेरस स्क्रेप तथा इन स्क्रेप की रीसाइक्लिंग के लिए व्यापार करता है। इस तरह एमएसटीसी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, प्रदूषण कम करने में दोबारा इस्तेमाल के योग्य फेरस स्क्रेप के पुनः चक्रण द्वारा ऊर्जा के संरक्षण में काम करता है एवं ग्राहक द्वारा प्रक्रिया के बाद पुनः व्यवहार के लिए विभिन्न प्रकार के स्क्रेप की नीलामी करती है।

मानव संसाधन के विकास पर सूचनाएं, औद्योगिक संबंध और निगमित सामाजिक दायित्व का उल्लेख निदेशक मंडल की रिपोर्ट में किया गया है।

### निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार अन्य उद्घोषणाएं

1. व्यापारियों के साथ व्यावसायिक लेन-देन से संबंधित ऐसा कोई विशेष मामला नहीं है, जो कंपनी के हित में द्वंद्व की संभावना हो।
2. कंपनी की ओर से अनअनुपालन का मामला नहीं देखा गया है और न ही इसकी कोई सूचना है। सांविधिक प्राधिकरण द्वारा विगत तीन वर्षों में भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के मामलों के संबंध में न कोई कठोर पत्राचार किया है और न ही कोई दंड दिया है और न ही कोई मामला दर्ज है।

to MSTC for e-Auction also changed to 40% from 50% earlier. Due to change in the policy of payment and distribution policy of service charge the income from coal auction has declined considerably.

### Trading Business (import & export)

This segment mainly functions as sourcing of raw materials for industries either through import or domestically. The materials remain pledged to MSTC and delivery is given to the customer on payment basis. There is an inherent risk of not lifting material as per schedule by the customers mainly due to change in their production schedule and volatility in the market.

### RISKS, INTERNAL CONTROL SYSTEMS AND THEIR ADEQUACY

Risk Management Policy in MSTC was introduced in the year 2008-09. The policy has been revised in the year 2012-13. MSTC makes it certain that the internal control system functions within the risk appetite of the company and is being fine tuned to include more safeguards for being more effective.

M/s.H.P.Jhunjunwala & Co, chartered accountants was assigned with the internal audit function of the company for the year and their reports are put up to the management at regular intervals and summarized statement of important issues are placed before the Audit Committee. The committee analyses the functions of the internal control system and recommendations of the committee are put up to the Board and those are implemented as per the considerations of the Board. Audit Committee also considers various financial statements for risk analysis and control.

### CONSERVATION OF ENERGY AND RESOURCES

MSTC works primarily in the field of procurement of scrap materials, specially ferrous scraps from different consumers and trading of those scraps for recycling. Thus, MSTC works for the conservation of the natural resources, reduction in pollutants, conservation of energy by recycling ferrous scraps into a re-useable form. MSTC is in a way recycling company that consolidates facilities and auctions scrap of various types for reuse after processing by its buyers.

Information on development of HR, Industrial Relations and Corporate Social Responsibility is mentioned in the Directors' Report.

### FURTHER DISCLOSURES AS PER CORPORATE GOVERNANCE GUIDELINES

1. There is no materially significant related party transaction that may have potential conflict with the interest of the company.
2. No non-compliance by the company has been observed / reported. No statutory authority has issued any strictures or levied penalty or any matted related to any guidelines issued by the Government during last three years.

3. भारत सरकार द्वारा दिशा निर्देशित एवं निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी कंपनी ने लागू किया है। लेखा परीक्षण समिति के समक्ष किसी भी व्यक्ति के पहुंच को इंकार नहीं किया गया है और कंपनी ने व्हिसल ब्लोअर से व्यक्तिगत हानि से बचाव किया है।
  4. निगमित अभिशासन के दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया गया और निगमित अभिशासन पर एक अलग रिपोर्ट वार्षिक प्रतिवेदन में अनुलग्नक के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
  5. कंपनी द्वारा राष्ट्रपति के सभी आदेशों का इस वर्ष एवं विगत 3 वर्षों में पालन किया गया है।
  6. लेखा में ऐसे किसी भी खर्च को डेबिट नहीं किया गया है, जो व्यवसाय से संबंधित न हो।
  7. निदेशक मंडल तथा उच्च प्रबंधन के लिए ऐसे कोई खर्च नहीं किए गए हैं, जिनकी प्रकृति ब्यक्तिक हो।
  8. कुल खर्च का 1.23 प्रतिशत प्रशासनिक खर्च है।
  9. कंपनी के वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट [www.mstcindia.co.in](http://www.mstcindia.co.in) पर उपलब्ध है। समय-समय पर कॉर्पोरेट विज्ञापन में भी इसको प्रकाशित किया जाता है।
3. Company has formulated a whistle blower policy in line with Government guidelines duly approved by Board. No person has been denied personal access to Audit Committee and company has protected whistle blower from adverse personal action.
  4. Corporate Governance guidelines have been complied with and a separate report on Corporate Governance is placed as Annexure to Annual Report.
  5. All Presidential guidelines have been complied with by the Company for the year and also during last 3 years.
  6. No items of expenditure have been debited in books of accounts, which are not for the purpose of business.
  7. No expenses are incurred which are personal in nature for the Board of Directors and Top Management.
  8. Administrative expenses are 1.23% of total expenses.
  9. The financial results are available in the website of the company i.e. [www.mstcindia.co.in](http://www.mstcindia.co.in). From time to time they are also published in corporate advertisements.

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से



(एस.के. त्रिपाठी)  
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

For & on behalf of Board of Directors



(S. K. Tripathi)  
Chairman-cum- Managing Director

### अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का प्रमाणीकरण

मैं यह घोषणा करता हूँ कि कंपनी के निदेशक मंडल ने 27 जून, 2008 को अपनी 229वीं बैठक में निदेशक मंडल के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रसारित व्यवसायिक आचार संहिता एवं मूल्यों के मॉडल कोड को ग्रहण किया है एवं सभी बोर्ड सदस्य एवं सभी वरिष्ठ प्रबंधकों ने इस वर्ष के लिए इस आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

कृते एवं निदेशक मंडल की ओर से

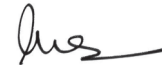


(एस.के. त्रिपाठी)  
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

### CMD'S CERTIFICATION

I declare that the Model Code of Business Conduct and Ethics for Board Members and Senior Management issued by the Government of India, Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises was adopted by the Board of Directors of the company in its 229th meeting held on 27-06-08 and all the Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Code of Conduct for the current year.

For & on behalf of Board of Directors



(S. K. Tripathi)

*Chairman-cum-Managing Director*



## सौम्यो ज्योति सील

दूरभाष : 9038065836 / 8100909418

सिटी कार्यालय :  
49ए, निर्मल चंद्र स्ट्रीट, कोलकाता

पंजीकृत कार्यालय :  
324, बुनोकालीतला चिनसुरा,  
हुगली-712101, प. बं.

ई-मेल : seal.saumayo@gmail.com

### निगमित अभिशासन का प्रमाण-पत्र

सेवा में

एमएसटीसी के सदस्यगण  
225/सी, एजेसी बोस रोड  
कोलकाता-700020

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए निगमित अभिशासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश 2010 में किए गए निर्धारण के अनुरूप निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन के अभिप्रमाणन के उद्देश्य के लिए मैंने 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी के संबंधित सभी रिकार्डों की जांच की।

निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन का दायित्व प्रबंधन का है। मेरी जांच केवल प्रक्रिया और उसके अनुपालन तक सीमित थी, जिसे कंपनी में निगमित अभिशासन के लिए अपनाया गया था।

प्रस्तुत किए गए रिकार्डों एवं दिए गए व्याख्या एवं सूचना की जांच के आधार पर मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि कंपनी रिकार्डों का पर्याप्त अनुरक्षण किया है तथा 31 मार्च, 2014 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों हेतु अभिशासन पर सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देश 2010 में किए गए निर्धारण के अनुरूप निगमित अभिशासन की शर्तों के अनुपालन किया है।

**सौम्यो ज्योति सील**

पेशेवर कंपनी सचिव  
सी.पी.सं. 11169

स्थान : कोलकाता  
तारीख : 5.8.2014

**Saumayo Jyoti Seal**

Phone : 9038065836 / 8100909418

City Office  
49A, Nirmal Chandra Street, Kolkata  
Rege. Off :  
324, Bunokalitala, Chinsurha  
Hooghly - 712101, W.B.  
e-mail : seal.saumayo@gmail.com

**CERTIFICATE ON CORPORATE GOVERNANCE**

To  
The Members of  
MSTC Ltd.  
225/C, A.J.C. Bose Road  
Kolkata - 700 020

I have examined all the relevant records of MSTC Ltd. for the year ended 31st March, 2014 for the purpose of certifying compliance of the conditions of Corporate Governance as stipulated in Department of Public Enterprises (DPE) Guideline 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises. I have obtained all the information and explanations which to the best of my knowledge and belief were necessary for the purpose of certification.

The compliance of Corporate Governance is the responsibility of the management. My examination was limited to the procedure and implementation process adopted by the Company for ensuring the compliance of conditions of Corporate Governance.

On the basis of our examination of the records produced and the explanations and information furnished, I certify that the Company has maintained proper records and complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in DPE Guidelines 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises for the financial year ending 31st March, 2014.

SAUMAYO JYOTI SEAL  
Practicing Company Secretary  
C.P. No. : 11169

Place : Kolkata

Date : 5.8.2014

## निदेशक मंडल की रिपोर्ट का अनुलग्नक-III

### Annexure-III to Directors' Report

वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए वार्षिक लेखा पर सांविधिक लेखा परीक्षक की टिप्पणियों/अवलोकनों पर प्रबंधन का उत्तर  
Management Replies to Comments/Observations of the Statutory Auditors  
on the Annual Accounts for the financial year 2013-14

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
I.	<p>निर्यात पर विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि लेखे पर नोट के नोट सं. 15 (ए) पर संदर्भ आमंत्रित किए जाते हैं, जिसे एएस-II के अनुसार लेखाबद्ध नहीं किया गया है। यदि एएस-II का अनुपालन कंपनी करती तो मुद्रा लाभ वर्ष के दौरान रु. 7741 लाख बढ़ जाता (संचयी रु. 22519 लाख दिनांक 31.03.2014 तक)। इसके परिणामस्वरूप व्यापार प्राप्त रु. 22519 लाख कम बताया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त से संबंधित विदेशी मुद्रा का लाभ/हानि उस रकम तक संबद्ध आपूर्तिकर्ताओं पर डाल दिया गया है, जो उन्हें देय है। इस प्रकार व्यापार देय को रु. 22181 लाख कम बताया गया है और उपर्युक्त लाभ के शुद्ध प्रभाव के कारण वर्ष के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ रु. 116 लाख कम दिखाया गया है (संचयी रु. 338 लाख दिनांक 31.03.2014 तक)</p> <p>Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes to Accounts, Gain / Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have increased by ₹ 7741 lacs for the year (cumulative ₹ 22519 lacs upto 31.03.2014). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 22519 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus Trade Payables are understated by ₹ 22181 lacs and net effect of the above gain leads to understatement of net profit of the Company ₹ 116 lacs for the year (cumulative ₹ 338 lacs upto 31.03.2014).</p>	<p>विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव के कारण सेवा शुल्क के खाते पर ही सिर्फ प्रभाव पड़ा है, जिसे सिर्फ क्रिस्टलीकरण के समय ही निर्धारित एवं बुक किया जा सकता है।</p> <p>The impact arises only on account of service charge due to exchange fluctuation which can be ascertained and booked only at the time of crystallization.</p>
II.	<p>व्यापार से प्राप्य लंबित पुष्टीकरण/शेष राशि के मिलान तथा वर्तमान देयताएं तथा मिलान से उत्पन्न हो सकने वाले परिणामी समायोजन के विषय के संबंध में टिप्पणी सं. 28</p> <p>Note no. 28 relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and current liabilities and subject to consequential adjustment that may arise on reconciliation</p>	<p>कोई टिप्पणी नहीं</p> <p>No Comment.</p>

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
III.	<p>जैसा कि लेखा पर टिप्पणी की टिप्पणी सं. 15 (बी) में बताया गया है, व्यापार प्राप्य में वर्ष 2008-09 में 46 पार्टियों से जुड़े स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए रु. 59863 लाख शामिल है, जिसकी वसूली विभिन्न स्तरों पर कानूनी विवाद के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी दिनांक 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के समक्ष रु. 45075 लाख का दावा प्रस्तुत किया गया है परंतु ईसीजीसी द्वारा दावे को नकार दिया गया। कंपनी ने ईसीजीसी के खिलाफ उनके द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के विरुद्ध बकाया राशि के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के पास मामला दायर किया। आयोग ने दिनांक 16.04.2014 को दिए आदेश में आवश्यक कार्रवाई के लिए इस मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य समुचित फोरम में दायर करने को कहा।</p> <p>कंपनी ने यूएई, सिंगापुर तथा कुवैत में विदेशी क्रेताओं के खिलाफ 46 कानूनी मामले दायर किया है। उनमें से 45 मामले का निर्णय एमएसटीसी के पक्ष में दिया गया, जिसके निष्पादन के लिए समुचित न्यायालयों में मामला उठाया गया है। परंतु इनके तहत अब तक कोई रकम वसूल नहीं हुई है।</p> <p>एक सहायिका मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख कीमत की भू संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) गिरवी रखी है। उक्त गिरवी पर रखी संपत्ति की बिक्री/अंतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर किया गया है। मामले की जांच कर रही सीबीआई एवं ईडी ने रु. 24040 लाख की संपत्तियां तथा परिसंपत्तियां (जिसमें रु. 12400 लाख की भूमि एवं रु. 3979 की चल संपत्ति शामिल है) जब्त की है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख की रकम के अंतरण के लिए सीबीआई न्यायालय को अनुरोध किया था, यह राशि वर्ष के दौरान प्राप्त हो गई। सीबीआई/ईडी द्वारा चल संपत्ति के रूप में जब्त की गई रु. 3079 लाख की शेष रकम के अंतरण के लिए आवेदन दाखिल किया है।</p> <p>हालांकि, पिछले वर्षों के दौरान किए गए रु. 900 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण के रूप में रु. 22678 लाख की रकम के लिए एक प्रावधान किया गया। हमें उपरोक्त व्यापार प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदेह है, जो 5 वर्षों से भी अधिक समय से बकाया है तथा हमारे विचार से रु. 35385 लाख की राशि हेतु एक और प्रावधान किया जाना चाहिए। इस वजह से हानि को कम दिखाया गया तथा प्रावधान में भी रु. 35385 लाख की कमी है।</p>	<p>वर्ष 2008-09 में स्वर्ण अलंकार के निर्यात के खाते में रु. 59863 लाख का कुल प्राप्य है। क्रेताओं से एकदम वसूली नहीं होने की स्थिति में उपरोक्त बकाया के तहत समायोजन के लिए ईएमडी के साथ एसोसियेट्स से रु. 2990 लाख की कुल राशि रखी गई। सीबीआई/ईडी ने अन्य विषयों के एसोसियेट्स से रु. 3979 लाख कीमत की चल संपत्तियां वसूल की है, जिसके अंतरण के लिए एमएसटीसी ने सीबीआई न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है तथा इसके तहत दिनांक 31.03.2014 तक रु. 900 लाख की राशि प्राप्त हुई है। एक प्राप्य क्रय अनुबंध के अधीन रु. 16916 लाख की कीमत का प्राप्य स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) के पास बिक्री कर दी गई है तथा जिसके लिए एससीबी के पास एमएसटीसी के प्रति कोई वैध दावा नहीं है। इसके अलावा, उस्मा ज्वेलर्स, एक एसोसियेट्स, ने विदेशी क्रेताओं के भुगतान में चूक को पूरा करने के लिए एमएसटीसी के पास भू संपत्ति गिरवी रखी है, जिसका वर्तमान मूल्य रु. 12400 लाख है। उक्त संपत्ति की बिक्री की जा सकती है एवं उससे प्राप्त रकम को विदेशी क्रेताओं के ऊपर उल्लेखित बकायों के प्रति समायोजित किया जा सकता है।</p> <p>उपरोक्त परिस्थितियों पर विचार करने के उपरांत, कुल शेष बकाया अनाच्छादित रकम रु. 23578 लाख है। एमएसटीसी द्वारा ईसीजीसी के समक्ष किए गए दावे (जिसकी वसूली के लिए एनसीडीआरसी के समक्ष मामला दायर किया गया है) ऊपरोक्त रु. 23578 लाख से कहीं ज्यादा है। अब एनसीडीआरसी ने दिनांक 16.4.2014 को दिए गए अपने निर्णय में मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य किसी भी समुचित फोरम में दाखिल करने को कहा है, जिसमें काफी समय लगेगा। स्वभाव एवं परिमाण पर विचार कर अतिविशिष्ट मद के रूप में रु. 22678 लाख का प्रावधान किया गया है, जो इस खाते में पुस्तिका में पहले से मौजूद रु. 900 लाख के प्रावधान के अतिरिक्त है।</p>

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
<p>IV.</p>	<p>As stated in Note no.15(b) of Notes on Account, Trade Receivable includes ₹ 59863 lakhs for export of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order dt 16.04.2014 to refer the matter to Civil Court or in other appropriate forum for necessary action.</p> <p>The company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. Already 45 judgments have been awarded in favour of MSTC for which the appropriate Courts are being approached for execution. But till now no money has been recovered against these awards.</p> <p>One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery &amp; Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs &amp; liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which has been received during the year. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs.</p> <p>However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the year in addition to ₹ 900 lacs provisions made during previous years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables which are due for more than 5 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in understatement of loss and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.</p>	<p>There is total receivable of ₹ 59863 lacs on account of export of gold jewellery in the year 2008-09. A total amount of ₹ 2990 lacs retained from Associates including EMD is available for adjustment against above dues in case of ultimate non-realization from buyers. CBI/ED inter alia recovered liquid assets worth ₹ 3979 lacs from the Associates for transfer of which MSTC has approached CBI court and against this an amount of ₹ 900 lacs has been received within 31.03.2014. Receivables worth ₹ 16916 lacs have already been sold to Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement and for which SCB do not have any valid claim on MSTC. Further, Ushma Jewellers, one of the associates have mortgaged landed properties to MSTC to cover the default against the foreign buyers, the present value of which is ₹ 12400 lacs. The said properties can be sold and proceeds therefrom can be adjusted against aforesaid dues of foreign buyers.</p> <p>After considering above, the net amount of dues remaining uncovered is ₹ 23578 lacs. MSTC's claim with ECGC (for recovery of which cases had been filed in NCDRC) is much more than aforesaid amount of ₹ 23578 lacs. Now that NCDRC in its judgment dated 16.4.2014 has referred the matter to Civil Court or any other appropriate forum which will be time consuming, provision has been made as an exceptional item considering its very nature and magnitude for an amount of ₹ 22678 lacs in addition to the provision of ₹ 900 lacs already existing in books on this account.</p>
	<p>वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान सामग्री की आपूर्ति के लिए सेसा इंटरनेशनल से रु. 6055 लाख की व्यापार प्राप्य की</p>	<p>पार्टी के साथ समझौते के ज्ञापन के दायरे के नियमानुसार उपरोक्त उल्लेखित रकम की वसूली के लिए एमएसटीसी ने सभी आवश्यक कदम उठाई है। पार्टी</p>

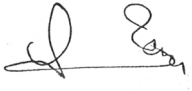
लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत	प्रबंधन के उत्तर		
	Comments/ observations QUALIFIED OPINION	Management's Replies		
<p>रकम से संबंधित लेखों के नोट के अंतर्गत नोट सं. 15 (सी) के मद्देनजर जिसके विरुद्ध कंपनी द्वारा पंचाट प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, जो प्रगति पर है। बंदरगाह में पड़ी हुई पूरी सामग्री के स्टॉक रु. 102 लाख में बिक्री कर दी गई, जिसे न्यायालय के आदेश के अनुसार रिसीवर के पास रखा गया है। हालांकि, कंपनी ने वर्ष के दौरान रु. 3000 लाख का प्रावधान किया है। चूंकि, रु. 2953 लाख शेष रकम के संबंध में प्रावधान नहीं किया है, कंपनी की शुद्ध हानि कम बताई गई है एवं उस सीमा तक प्रावधान कम बताया गया है।</p>	<p>के खिलाफ सितम्बर, 09 में पंचाट की प्रक्रिया शुरू की गई थी। प्रक्रिया आरम्भ हुई परंतु एकमात्र न्यायकर्ता की मृत्यु होने की वजह से प्रक्रिया अस्थाई रूप से स्थगित हो गई थी। पंचाट की प्रक्रिया वर्ष 2012 में एकल न्यायकर्ता श्री शिबादास बनर्जी, बार-एट-लॉ/सीनि. के समक्ष पुनः शुरू की गई। मामला अरगुमेंट के अग्रिम चरण में है।</p> <p>इंडियन ओवरसीज बैंक द्वारा एमएसटीसी के खाते से त्रुटिवश रु. 3655 लाख के डेबिट की पुनर्प्राप्ति की मांग हेतु एमएसटीसी ने इंडियन ओवरसीज बैंक के खिलाफ कोलकाता के माननीय उच्चन्यायालय में सिविल मामला सं.76 ऑफ 2012 भी दायर किया है। माननीय न्यायालय द्वारा जारी समन के खिलाफ, बैंक ने अपने अधिवक्ता के जरिए वकालतनामा दायर किया है। बैंक को दिनांक 21.03.14 से तीन सप्ताह के अंदर अपना लिखित जवाब/विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया, जिसे दाखिल करने में बैंक विफल रही। दिनांक 07.07.2014 को न्यायालय ने निर्देश दिया कि मामले लड़ने के लिए “अनडिफेंडेन्ट सूट” होगा, जिसका अर्थ है बैंक द्वारा मामला लड़ने के अधिकार पर रोक लगा दिया गया है। दिनांक 04/08/2014 को मामले पर सुनवाई के दौरान आई.ओ.बी ने मामले को पुनर्जीवित करने का आवेदन किया। इसके उपरांत मामला सूची में नहीं दिखाया गया।</p> <p>हालांकि, बकाया राशि के पुरानी हो जाने की वजह से, पंचाट/सिविल मामले में लंबित रकम की प्राप्ति, वित्त वर्ष 2013-14 के खाते में रु. 3000 लाख की रकम का प्रावधान किया गया है।</p>	<p>In view of Note No. 15 (c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6055 lacs from Sesa International for supply of materials during the F.Y. 2008-09 against which arbitration proceeding has been initiated by the Company and is in progress. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per court order. However, the Company has made a provision for ₹ 3000 lacs during the year. Since no provision has been made in respect of the balance amount of ₹ 2953 lacs, the net loss of the Company has been understated and provision has also been understated to that extent.</p>	<p>MSTC has taken all necessary steps for recovery of the above stated amount in terms of the scope of the Memorandum of Agreement with the party. Arbitration proceeding was invoked against the party in September' 09. Proceedings started but were temporarily held up by reason of the death of the Sole Arbitrator. Arbitration proceedings restarted in 2012 before the Sole Arbitrator Mr. Shibadas Banerji, Bar-at-law/Sr. The matter is in advance stage of argument.</p> <p>MSTC has also filed Civil Suit No. 76 of 2012 against Indian Overseas Bank in the Hon'ble High Court at Kolkata seeking reversal of wrongful debits of ₹ 3655 Lacs made by Indian Overseas Bank to MSTC's Account. Against the Summons issued by the Hon'ble. Court, the Bank has filed Vakalatnama through their Advocate. Bank was directed to file their reply/ written statement within three weeks from 21.03.14 which the Bank failed to file. On 07.07.2014, the Court directed that the case to be listed as 'Undefended Suit ' which means the bank's right to defend the case has been struck down by the Court. During the hearing on the matter on 04/08/2014, I.O.B has prayed for revival of matter. Thereafter the matter has not appeared on the list.</p>	<p>However, since the dues have become old, pending receipt of award in arbitration/ civil suits, a provision amounting to ₹ 3000 Lacs has been made in the accounts of FY 2013-14 .</p>

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन प्रोग्य मत	प्रबंधन के उत्तर
	Comments/ observations QUALIFIED OPINION	Management's Replies
V.	<p>व्यापार प्राप्य में शामिल है फेसिलेटर मोड में खरीदे गए माल के लिए सर्वश्री तिरुपति फ्युएल्स प्राइवेट लिमिटेड (टीएफपीएल) से बकाया रु. 6568 लाख (संदर्भ लेखों के नोट सं. 15)। तथापि, वर्ष 2010-11 से उठाने का तरीका संतोषजनक नहीं रहा है। पार्टी ने नवम्बर, 2012 से रुग्ण होने के लिए बोर्ड फॉर इंडस्ट्रियल एण्ड फाइनेंसियल रीकंस्ट्रक्शन (बीआईएफआर) के पास आवेदन किया था। हालांकि, बीआईएफआर ने दिसम्बर, 2013 में टीएफपीएल के संदर्भ को खारिज कर दिया। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा एमएसटीसी को निर्देश दिए गए हैं कि बीआईएफआर से बगैर पूर्व अनुमोदन के टीएफपीएल के खिलाफ कोई बलप्रयोगी कार्रवाई न करें। एमएसटीसी ने दिनांक 26.02.2014 को कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष टीएफपीएल के खिलाफ एक समापन याचिका भी दायर किया। एमएसटीसी ने मार्च 2013 में दो बार नहीं उठाई गई सामग्रियों की ई-नीलामी का भी प्रयास किया, परंतु इस बिक्री में किसी भी भागीदार को आकर्षित करने में विफल रही। हमारी राय में, वर्तमान लेखा पद्धति के अनुसार रु. 1026 लाख की सुरक्षा जमा राशि के समायोजन के उपरांत रु. 2482 लाख की राशि हेतु प्रावधान करना चाहिए था तथा उपरोक्त रकम के लिए रु. 3060 लाख का एक प्रावधान किया गया। इसके फलस्वरूप रु. 2482 लाख हानि में कम एवं प्रावधान में भी कम दर्शाया गया है।</p> <p>Trade Receivable includes ₹ 6568 lacs (Refer Note No. 15 of Notes on Account) due from Tirupati Fuels Private Limited (TFPL) towards materials procured under facilitator mode. However, lifting pattern has not been satisfactory since 2010-11. The party had applied to Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) on becoming sick in November, 2012. BIFR, however dismissed the reference of TFPL in December 2013. MSTC has been directed by the Hon'ble High Court, Calcutta, on 19.03.2013 not to take any coercive action against TFPL without prior approval of BIFR. MSTC has also filed a winding up petition against TFPL on 26.02.2014 with Calcutta High Court. MSTC has also tried to E-auction of unlifted materials in two occasions in March 2013 but failed to attract any participant in such sale. In our opinion, as per prudent accounting practice, provision should have been made for the amount of ₹ 2482 lacs after adjusting security deposit of ₹ 1026 lacs and a provision held for ₹ 3060 lacs against the above amount. This has resulted in understatement of loss and also understatement of provision by ₹ 2482 lacs.</p>	<p>एमएसटीसी ने दिनांक 26.02.2014 को कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष टीएफपीएल के खिलाफ एक समापन याचिका सं. सी.पी. सं. 203/2014 दायर किया है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 12.06.2014 को दिए गए आदेश के अनुसार याचिका को रु. 7381 लाख की राशि के लिए स्वीकार कर दिया गया है, यह रकम टीएफपीएल को 04 जुलाई, 2014 से बीस मासिक किस्तों में एमएसटीसी को भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। न्यायालय के आदेश के खिलाफ पार्टी ने न्यायालय के आदेश के निरसन के लिए दोबारा एक आवेदन किया है तथा जो न्यायालय में विचाराधीन है। एमएसटीसी आवेदन के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।</p> <p>बकाया राशि के पुरानी हो जाने की वजह से, परिपूर्ण सतर्कता बरतते हुए पिछले वर्ष में किए गए रु. 5.60 लाख के प्रावधान के अलावा वित्त वर्ष 2013-14 के लेखा में रु. 2500 लाख की रकम का एक प्रावधान किया गया है।</p> <p>MSTC had filed a winding up petition no. C.P No203/2014 against TFPL on 26.02.14 in Calcutta High Court. By an order dated 12.06.14, passed by the Hon'ble High Court the petition was admitted for an amount of ₹ 7381 Lacs which TFPL has been directed to pay MSTC in twenty monthly Installments w.e.f 04 July 2014. Against the court order the party has made a recall application for reversal of the court order and same is under consideration of the court. MSTC is contesting the application.</p> <p>Since the outstanding has become old, an amount of ₹ 2500 Lacs has been provided in accounts of FY 2013-14 further to the provision of ₹ 5.60 lacs made in the previous year, as a measure of abundant precaution.</p>

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
VI	<p>आयात के मामले में, क्रय एवं बिक्री लेन-देन को बिल ऑफ लेडिंग की तारीख को प्रचलित विनिमय दर के बदले लेटर ऑफ क्रेडिट की तय तारीख के विनिमय दर पर लेखों में लेखाबद्ध किया जाता है। तथापि, कंपनी के लाभ पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, परन्तु बिक्री एवं खरीद के आंकड़े उस सीमा तक अधिक/कम दर्शाया जाता है, जितना लेखों में विदेशी मुद्रा हानि/लाभ की पहचान नहीं की जाती। हम रकम बताने में असमर्थ हैं; क्योंकि वह निर्धारणयोग्य नहीं है। यह लेखा मानक 11 “विदेशी मुद्रा दर में बदलाव का प्रभाव” का भी उल्लंघन है।</p> <p>In case of Imports, Purchases and Sales transaction are accounted for in the Books of Account at the exchange rates on the due dates of Letter of Credit instead of exchange rates prevailing on the date of Bill of Lading. However, there is no impact on the profitability of the Company but sales and purchases figures are over / under stated to that extent to which foreign exchange loss / gain is not recognized in the Books of Account. We are unable to quantify the amount as the same is not ascertainable.</p> <p>This is a violation of Accounting Standard 11 “Effect of changes in foreign exchange rate”</p>	<p>लेखा नीति सं.1.6, 1 एवं 2 के अनुसार, खरीद को वास्तविक भुगतान के आधार पर बुक किया जाता है तथा बिक्री को वास्तविक भुगतान जोड़ मार्क अप पर बुक किया जाता है। यदि अगले वित्त वर्ष में भुगतान करना हो, ऐसे मामले में बुकिंग वित्त वर्ष की आखिरी तारीख को प्रचलित स्पॉट विनिमय दर के आधार पर किया जाता है। पद्धति का अनुसरण वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। क्योंकि समस्त लेन-देन बैक-टू-बैक आधार पर किया जाता है, जिसका कंपनी के लेखों में विनिमय उतार-चढ़ाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।</p>
	<p><b>अन्य नियामक आवश्यकता</b></p> <p><b>OTHER REGULATORY REQUIREMENT</b></p>	
1बी.	<p>कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी स्थाई संपत्ति की भौतिक जांच नहीं की है। प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान कोई भी भौतिक जांच नहीं किए जाने की वजह से भौतिक जांच रिकार्ड के साथ पुस्तिका रिकार्ड के बीच किसी भी तरह की असंगति पाई जाने पर हम उस पर टिप्पणी करने में असमर्थ हैं।</p> <p>The Company has not physically verified its fixed assets during the year. We are unable to comment if any material discrepancies in book record with physical verification record as no physical verification have been conducted during the year by the management</p>	<p>स्थायी संपत्ति की भौतिक जांच के लिए कंपनी द्वारा सनदी लेखापाल के एक फर्म को नियुक्त किया गया है। रिपोर्ट अंतिम चरण में है।</p> <p>A firm of Chartered Accountant has been engaged by the company to carry out the physical verification of fixed assets. The report is under finalization.</p>
IV .1.0.	<p>विपणन विभाग <b>Marketing Department</b></p>	
1.0.1	<p>विपणन नीति :- निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 04.01.2013 को संशोधित जोखिम प्रबंधन नीति को अनुमोदित कर दिया गया है। जहां पर भी अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के अनुमोदन की जरूरत है, कुछ मामले में इसे कार्यांतर सम्पन्न किया गया है। हालांकि और उन्नति के लिए कंपनी अपनी नीतियों की समीक्षा की प्रक्रिया से गुजर रही है।</p>	<p>जब अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मौजूद नहीं थे, उस समय उनसे फोन पर चर्चा कर कुछ अत्यावश्यक मामले के निपटान किया गया एवं उसका कार्यांतर अनुमोदन प्राप्त किया गया। ऐसा पूर्ण रूप से एमएसटीसी के व्यावसायिक हित में तथा यह पूरी तरह से निरीक्षण और वित्तीय सहमति के उपरांत किया गया।</p>



लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	<p>Marketing Policy :- Revised Risk Management Policy was approved by the Board of Directors on 04.01.2013. Wherever approval of CMD was required it is done post facto in some cases. However the Company is in process of reviewing the policy for further improvement</p>	<p>When CMD was not in station some urgent cases were required to have been processed after discussion with him over phone and same were followed by post facto approval. This done purely in the interest of business of MSTC and after complete examination &amp; concurrence of Finance.</p>
1.0.2	<p>मूल करार के समाप्त होने से पूर्व करार का ज्ञापन, त्रिपक्षीय करार एवं विक्रय एजेंसी करार का नियमित रूप से नवीकरण नहीं किया गया है।</p>	<p>एमओए का नवीकरण नियमित आधार पर किया गया है। नवीकरण के समय, नए एवं नवीनतम दस्तावेज, प्रमाणपत्र, बैंक प्रतिवेदन, लेखा विवरण, क्रेडिट रिपोर्ट इत्यादि की जरूरत पड़ती है, जिसके लिए समय लगता है तथा उपरोक्त के आधार पर परिपूर्ण सजगता एवं सतर्कता के साथ यथोचित तत्परता के साथ कार्य किया गया। अगर किसी भी व्यवसाय को निष्पादित किया है, तो उसके लिए अंतरिम अवधि में ग्राहकों से सहमति पत्र प्राप्त करने के उपरांत संपन्न किया गया है। एमओए का एक स्पष्ट अनुच्छेद है कि एमओए की वैधता अवधि के अंदर प्राप्त सामग्रियां वर्तमान एमओए के समाप्त होने पर भी उठाने का कार्य पूर्ण होने तक तथा एमएसटीसी को सामग्री सौंपने तक प्रभावी रहेगी।</p>
	<p>Memorandum of Agreement, Tripartite Agreement and Selling Agency Agreement are not regularly renewed prior to the expiry of the original Agreement.</p>	<p>MOAs are renewed on a regular basis. At the time of renewal, new and latest documents, certificates, bank reports, account statement, credit reports etc. are needed which takes time and due diligence is done on the basis of above with utmost care and caution. The business if at all is done it is after taking consent letters from the customers in the interim period. The MOAs have a clear clause that materials procured under the validity period of MOA will remain enforced even after the expiry of current MOA till the lifting is completed and material paid for to MSTC.</p>
1.0.03	<p>गिरवी पर रखे स्टॉक के मामले में, एमएसटीसी ने संरक्षक मेसर्स फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (इसके पहले मेसर्स ट्रांससेफ सर्विसेज लिमिटेड) नियुक्त किया है जो अनुबंध के अनुसार नियमित आधार पर साप्ताहिक प्रतिवेदन (नियमानुसार आवश्यक) जमा नहीं करती है। न तो उस पर संज्ञान दिया गया है और न कंपनी द्वारा मिलान किया गया है।</p>	<p>विपणन विभाग द्वारा फोन पर तथा ई-मेल के जरिए भी साप्ताहिक स्टॉक की स्थिति एवं प्रतिवेदन ग्रहण किया जाता है। एमएसटीसी के अधिकारीगण स्टॉक यादों का नियमित तथा औचक निरीक्षण जांच करते हैं। जब कभी बुक स्टॉक एवं संरक्षक के प्रतिवेदन के बीच कोई असंगति देखी जाती है, तो भिन्नता मालूम करने के लिए उसका मिलान किया जाता है एवं समुचित कार्यवाई की जाती है।</p>
	<p>In case of pledged stock, MSTC appointed custodian M/S Ferro Scrap Nigam Ltd (prior to them M/s Transafe Services Ltd.) who does not submit Weekly Report (as required under the terms) on a regular basis as per agreement. Neither the same are given cognizance nor reconciled by the company.</p>	<p>Weekly stock position and reports are taken on phone by marketing department regularly and also through e-mails. MSTC officers also carry out regular and surprise inspection of the stockyards. Whenever differences are observed between book stock and custodian report, the same are reconciled to ascertain the difference followed by appropriate action.</p>
IV.2.0.	<p>क्षेत्रीय कार्यालय Regional Offices</p>	
2.01	<p>ई-नीलामी के सफलतापूर्वक समापन के मामले में, जहां पर क्रेता ने सिर्फ प्रिसिपलों के लिए बयाना राशि जमा (ईएमडी) का भुगतान कर चुके हैं, तथा तदुपरांत सामग्री उठाने में</p>	<p>प्रिसिपलों द्वारा ईएमडी के जब्त किए जाने के संबंध में सूचना पर नियंत्रण रखने के लिए कंपनी के पास परिपूर्ण प्रणाली है। उनसे स्पष्ट स्पष्टीकरण पाने के उपरांत, एक वित्तीय विषय होने की वजह से, एमएसटीसी संबंधित एमओए के नियमानुसार सेवा शुल्क बिलों को दाखिल करती है।</p>

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट पैरा सं. Auditors' Report Para No.	टिप्पणियाँ/अवलोकन योग्य मत Comments/ observations QUALIFIED OPINION	प्रबंधन के उत्तर Management's Replies
	<p>नकामयाब होते हैं, ऐसी स्थिति में ईएमडी राशि जब्त की गई है अथवा नहीं इस सूचना की कमी के चलते कंपनी अपने सेवा शुल्क बिल दाखिल करने की परिस्थिति में नहीं होती है। इसके अलावा वर्ष के दौरान जब्त की गई ईएमडी की संख्या तथा उसके बिल का हिसाब रखने का कोई भी नियंत्रित बिंदु नहीं है।</p> <p>In case of successfully completed E-Auction, wherein the buyers had made payment of Earnest Money Deposit (EMD) only to the principals, and thereafter defaulted in lifting of material, the Company is not in a position to raise its service charge bill due to lack of information as to whether EMD has been forfeited or not. Moreover there are no control points to track number of EMD's forfeited during the year and billing thereon.</p>	<p>Company has full fledged system of controlling the information regarding forfeiture of EMDs by Principals. After getting clear confirmation from them, being a financial issue, MSTC raises service charge bills as per terms of respective MoAs .</p>
2.02	<p>सेवा शुल्क के बिल क्रेता द्वारा सम्पूर्ण सामग्री के उठाए जाने की तारीख से काफी बाद दाखिल किया जाता है। इसके साथ ही बिलों का प्रेषण साधारणतः 2-3 महीने के बाद किया जाता है।</p> <p>Service Service Charge bills are raised at a date much latter than the date on which entire lifting of material had been done by the buyer. Also the bills are dispatched generally after a time lag of 2-3 months.</p>	<p>ज्यादातर मामले में, बिल मासिक आधार पर दाखिल किया जाता है, जो महीने के दौरान जारी डीओ पर आधारित होता है। परंतु लेखा परीक्षक द्वारा उठाया गया मुद्दा आयुध कारखाना से संबंधित है, जहां पर सामग्री उठाए जाने की प्रक्रिया परिपूर्ण होने पर विभिन्न इकाइयों द्वारा प्रेषित एसआरओ (स्टोर रिलिज्ड ऑर्डर) के आधार पर सेवा शुल्क बिल दाखिल किए जाते हैं। हालांकि, लेखा परीक्षक के विचार से, एमएसटीसी बिलों के दाखिल करने तथा उसके प्रेषण में होने वाली विलम्बता को कम करने हेतु आवश्यक कदम उठा रही है।</p> <p>In most of the cases, bills are raised on monthly basis, based on DOs issued during that month. But the cases cited by audit relate to Ordnance Factories, where service charge bills are raised based on SRO (Store release order) forwarded by various units on completion of lifting. However, as opined by Audit, MSTC is taking necessary steps to cut down delay in raising of bills and dispatch thereof.</p>
XI.	<p>हमारे द्वारा जाच किए गए कंपनी के रिकार्डों तथा हमें प्राप्त सूचना एवं व्याख्या के अनुसार लेखा टिप्पणी की टिप्पणी सं. 5 में उल्लेखित इंडियन ओवरसीज बैंक से प्राप्त रु. 138 लाख तथा स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से प्राप्त रु. 14,416 लाख के ऋण के अलावा कंपनी बैंकों के समक्ष बकाया राशि के पुनर्भुगतान में विफल नहीं हुई है।</p> <p>According to the records of the Company examined by us and the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in repayment of dues to banks except for the loan from Indian Overseas Bank ₹ 138 lacs and Standard Chartered Bank ₹ 14,416 lacs as mentioned in Note No. 5 of the Notes on Account.</p>	<p>दोनों मामले विचाराधीन है तथा लेखाओं की टिप्पणी की टिप्पणी सं. 5 में समुचित रूप से दर्शाया गया है।</p> <p>Both the matters are subjudice and have been adequately disclosed in note no 5 of the Notes on Accounts.</p>
		<p>निदेशक मंडल के लिए तथा उनकी ओर से For and on behalf of the Board of Directors</p> <p></p> <p>श्री ए. के. बसु, निदेशक (वित्त) A. K. Basu, Director (Finance)</p>

## स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

एमएसटीसी लिमिटेड के सदस्यों के प्रति,

### वित्तीय विवरणों पर प्रतिवेदन

हमने 31 मार्च, 2014 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लि. (कंपनी) के वित्तीय विवरणों का अंकेक्षण किया है, जिसमें उसी तारीख को समाप्त हुए वर्ष के तुलन-पत्र, लाभ-हानि खाता तथा नकद प्रवाह विवरण शामिल है तथा महत्वपूर्ण लेखा नीतियां एवं अन्य स्पष्टीकरण संबंधी सूचनाएं भी हैं।

### वित्तीय विवरणों पर प्रबंधन की जिम्मेदारी

भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों, कंपनी अधिनियम, 1956 (अधिनियम) की धारा 211 की उप-धारा (3सी) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के संबंध में निगमित विषयक मंत्रालय द्वारा 13 सितम्बर, 2013 को जारी साधारण परिपत्र 15/2013 के संदर्भ में लेखा मानकों सहित, के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, कार्यनिष्पादन तथा नकद प्रवाह का सही एवं स्वच्छ तस्वीर प्रस्तुत करने के लिए इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी प्रबंधन की है। इस जिम्मेदारी में शामिल है - वित्तीय विवरण तैयार करने एवं प्रस्तुत करने के लिए आंतरिक नियंत्रण की डिजाइन, क्रियान्वयन एवं रखरखाव, जो सही एवं साफ-सुथरी छवि देती है एवं ठोस झूठे वक्तव्यों से मुक्त हो, चाहे वह गलती से हो या धोखाधड़ी से।

### लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने अंकेक्षण के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपने विचार व्यक्त करें। हमने भारत के सनदी लेखापाल संस्थान द्वारा जारी अंकेक्षण मानक के अनुसार अपना अंकेक्षण किया है। उन मानकों में इस बात की जरूरत है कि हम नैतिक जरूरतों व प्लानों को पूरा करें, ताकि इस संबंध में उचित आश्वासन प्राप्त हो सके कि वित्तीय विवरण ठोस झूठे वक्तव्यों से मुक्त है।

एक ऑडिट में वित्तीय विवरणों का खुलासा तथा रकम के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य हासिल करने के लिए प्रक्रियाओं का कार्यनिष्पादन जुड़ा होता है। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करता है, जिसमें वित्तीय विवरणों व झूठे वक्तव्यों के जोखिम का आकलन भी शामिल है। चाहे वह धोखाधड़ी से हो या फिर गलती से। उन जोखिमों का आकलन करने में लेखा परीक्षक आंतरिक नियंत्रण पर विचार करता है, जो आंकेक्षण पद्धति की डिजाइन करने के लिए वित्तीय विवरणों का कंपनी द्वारा तैयार करना तथा साफ-सुथरा प्रस्तुत करना जुड़ा होता है, परंतु इसमें कंपनी के आंतरिक नियंत्रण को प्रभावशाली बनाने पर विचार व्यक्त करने के उद्देश्य के लिए नहीं। इस्तेमाल की गई लेखा नीतियों की

## INDEPENDENT AUDITORS' REPORT

To the Members of MSTC LIMITED

### Report on the Financial Statements

We have audited the accompanying financial statements of MSTC LIMITED ("the Company") which comprise the Balance Sheet as at 31st March, 2014, the Statement of Profit and Loss and the Cash flow Statement for the year then ended and a summary of Significant Accounting Policies and other explanatory information.

### Management's Responsibility for the Financial Statements :

Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Company in accordance with the Accounting Standards referred to in sub-section (3C) of section 211 of the Companies Act, 1956 ("the Act") read with the General Circular 15/2013 dated 13 September 2013 of the Ministry of Corporate Affairs in respect of Section 133 of the Companies Act, 2013. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

### Auditor's Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risks assessments, the auditor considers internal control relevant to the Company's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the Company's internal control. An audit

उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा किए गए लेखा अनुमान का औचित्य और साथ ही साथ वित्तीय विवरणों के समय प्रस्तुतकरण का मूल्यांकन भी अंकेक्षण में शामिल होते हैं।

हमें विश्वास है कि हमें जो अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त हुआ है वह हमारे अंकेक्षण मत के लिए पर्याप्त और उचित आधार प्रदान करता है।

### योग्य राय के आधार

- लेखा पर द्रष्टव्यों की नोट सं. 15 (क) की ओर संदर्भ आमंत्रित किया जाता है, निर्यात पर विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि एएस-11 के अनुसार लेखांकित नहीं किया गया है। यदि कंपनी एएस-11 का पालन करती तो वर्ष का विनियम लाभ ₹ 7741 लाख बढ़ जाता (दिनांक 31.03.2014 तक संचयी ₹ 22519 लाख)। फलस्वरूप व्यापार प्राप्त ₹ 22519 लाख कम दिखाया गया है। करार के अनुसार, उपर्युक्त के संबंधित विनियम लाभ/हानि को सहयोगी आपूर्तिकर्ता को उन्हें देय रकम तक पास कर दिया जाता है। इस प्रकार व्यापार देय ₹ 22181 लाख कम दिखाया गया और उपर्युक्त लाभ का शुद्ध प्रभाव से कंपनी के शुद्ध हानि वर्ष के लिए ₹ 116 लाख ज्यादा दिखाया गया है (दिनांक 31.03.2014 तक संचयी ₹ 338 लाख)।
- व्यापार से प्राप्य एवं व्यापार के लिए देय की शेष राशि के मिलान/लंबित पुष्टीकरण से संबंधित नोट सं. 28 तथा मिलान से उत्पन्न होने वाले अनुवर्ती समायोजन पर निर्भर है।
- लेखा पर द्रष्टव्यों की नोट सं. 15(ख) के उल्लेखानुसार, वर्ष 2008-09 में किए गए स्वर्ण अलंकार के निर्यात के लिए ₹ 59863 लाख की राशि व्यापार से प्राप्य के रकम में शामिल है, जिसमें 46 पार्टियां शामिल हैं तथा उस रकम की वसूली मुकदमा के विभिन्न स्तर के अधीन है। सीबीआई एवं ईडी दिनांक 26.10.2010 से मामले की जांच कर रही है। ईसीजीसी के पास ₹ 45075 लाख का दावा पेश किया गया है, परंतु उस दावे को ईसीजीसी द्वारा अस्वीकार कर दिया गया। कंपनी ने ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं से बकाया राशि प्राप्ति के लिए ईसीजीसी के खिलाफ नेशनल कंजूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमिशन (एनसीडीआरसी) में मामला दर्ज किया, जिन्होंने कंपनी को दिनांक 16.04.2014 को जारी आदेश में आवश्यक कार्रवाही के लिए इस मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य उपयुक्त फोरम में दायर करने को कहा।

कंपनी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के खिलाफ 46 मुकदमा दर्ज किया है। इनमें से 45 मामलों का निपटारा एमएसटीसी के पक्ष में हो चुका है, जिसके निष्पादन के लिए समुचित न्यायालयों का दरवाजा खटखटाया जा रहा है। परंतु अब तक इन अवाडों के विरुद्ध कोई भी रकम की वसूली नहीं हुई है।

also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

### Basis for Qualified Opinion

- Reference is invited to Note No. 15 (a) of Notes on Account, Gain/Loss on Foreign Exchange Fluctuation on exports are not accounted for as per AS-11. Had the Company complied with AS-11, exchange gain would have increased by ₹ 7741 lacs for the year (cumulative ₹ 22519 lacs upto 31.03.2014). Consequently Trade Receivables are understated by ₹ 22519 lacs. As per agreement, exchange gain / loss relating to above is passed on to associate suppliers upto the amount payable to them. Thus, Trade payables are understated by ₹ 22181 lacs and net effect of the above gain leads to overstatement of net loss of the Company ₹116 lacs for the year (cumulative ₹ 338 lacs upto 31.03.2014).
- Note no. 28 relating to pending confirmation / reconciliation of balances of Trade Receivables and Trade Payables and subject to consequential adjustment that may arise on reconciliation.
- As stated in Note no. 15(b) of Notes on Account, Trade Receivable includes ₹ 59863 lakhs for export of gold jewellery done in the year 2008-09 involving 46 parties and recovery of which are under litigation at various levels. CBI and ED have been investigating the matter since 26.10.2010. Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs but the claims have been repudiated by the ECGC. The Company has initiated the cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) who has ordered the Company vide order at 16.04.2014 to refer the matter to Civil Court or in other appropriate forum for necessary action.

The Company has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. Already 45 judgements have been awarded in favour of MSTC for which the appropriate Courts are being approached for execution. But till now no money has been recovered against these awards.

मेसर्स उशमा ज्वेलरी एंड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. नामक एक सहयोगी ने ₹ 12400 लाख कीमत की भूमि संपत्ति (सरकारी पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) गिरवी रखी है। मुंबई उच्च न्यायालय में गिरवी रखी गई उक्त संपत्ति की बिक्री/हस्तांतरण के लिए एक रिट याचिका दायर की गई है। सीबीआई एवं ईडी ने मामले की जांच कर रही एवं ₹ 24040 लाख (इसमें भूमि मूल्य ₹ 12400 लाख एवं चल सम्पत्ति ₹ 3979 लाख शामिल है) की संपत्तियां एवं परिसंपत्तियां जब्त की है। वर्ष के दौरान ₹ 900 लाख की रकम के हस्तांतरण की अनुमति के लिए एमएसटीसी ने सीबीआई न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। ₹ 3079 लाख की चल सम्पत्ति के रूप में सीबीआई/ईडी द्वारा जब्त की शेष राशि के हस्तांतरण के लिए आवेदन दाखिल किया जा रहा है।

हालांकि, पिछले वर्ष के दौरान किए गए ₹ 900 लाख के प्रावधान के अलावा इस वर्ष के दौरान अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में ₹ 22678 लाख की राशि का प्रावधान किया गया है। हमलोग उन व्यापार से प्राप्य रकम की वसूली के प्रति संदिग्ध हैं जो 5 वर्षों से भी ज्यादा अवधि से बकाया है तथा हमारे विचार से ₹ 35385 लाख का और एक प्रावधान किया जाना चाहिए। इसके फलस्वरूप, हानि कम दिखाई गई एवं रु. 35385 लाख का भी प्रावधान कम दिखाया गया।

- iv. व्यापार प्राप्यों से संबंधित लेखों पर द्रष्टव्य के नोट सं. 15 (सी) के मद्देनजर, जो कि वित्त वर्ष 2008-09 के दौरान सामानों की आपूर्ति के लिए ₹ 6055 लाख की रकम शेसा इंटरनेशनल से बकाया है, जिसके खिलाफ कंपनी द्वारा पंचाट प्रक्रिया शुरू की गयी है वह प्रगति पर है। बंदरगाह में पड़े हुए सम्पूर्ण माल ₹ 102 लाख में बिक्री किया गया, न्यायालय के आदेशानुसार स्टॉक को रीसिवर के पास रखी गई है। यद्यपि, कंपनी ने वर्ष के दौरान ₹ 3000 लाख का एक प्रावधान किया है। चूंकि ₹ 2953 लाख की शेष रकम का कोई प्रावधान नहीं किया गया है, कंपनी का शुद्ध हानि कम दिखाया गया है तथा उसी सीमा तक प्रावधान भी कम दिखाया गया है।
- v. सुविधादाता मोड के अधीन खरीदी गई सामग्री की दिशा में मेसर्स तिरुपति फ्युएल्स प्रा. लि. (टीएफपीएल) से बकाया (लेखा द्रष्टव्य के नोट सं. 15 देखें) ₹ 6568 लाख व्यापार प्राप्य में शामिल है। तथापि, वर्ष 2010-11 से उठाने की पद्धति संतोषजनक नहीं रही है। पार्टी ने औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बीआईएफआर) के पास नवम्बर, 2012 में रुग्ण होने पर आवेदन दाखिल किया है। हालांकि, बीआईएफआर ने दिसम्बर 2013 में टीएफपीएल के संदर्भ को खारिज कर दिया। माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता द्वारा एमएसटीसी को दिनांक 19.03.2013 को निर्देश दिया गया कि बीआईएफआर से पूर्व अनुमोदन प्राप्त किए बगैर टीएफपीएल के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई न करे। एमएसटीसी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में दिनांक 26.02.2014 को टीएफपीएल के खिलाफ एक वाइडिंग अप याचिका भी दायर की है। एमएसटीसी ने मार्च, 2013 में दो बार नहीं उठाई गई सामग्रियों की ई-नीलामी करने का

One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd. has mortgaged landed property worth ₹12400 lacs (valuation in 2014 by Govt. Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which has been received during the year. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs.

However, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts during the year in addition to ₹ 900 lacs provisions made during previous years. We are doubtful about the recovery of the above Trade Receivables which are due for more than 5 years and in our opinion, a further provision should be made for ₹ 35385 lacs. This has resulted in understatement of loss and also understatement of provision by ₹ 35385 lacs.

- iv. In view of Note No. 15(c) of Notes on Account relating to Trade Receivables amounting to ₹ 6055 lacs from Sesa International for supply of materials during the F.Y. 2008-09 against which arbitration proceeding has been initiated by the Company and is in progress. Stock of entire material lying at port was sold at ₹ 102 lacs which are kept with the receiver as per court order. However, the Company has made a provision for ₹ 3000 lacs during the year. Since no provision has been made in respect of the balance amount of ₹ 2953 lacs, the net loss of the Company has been understated and provision has also been understated to that extent.
- v. Trade Receivable includes ₹ 6568 lacs (Refer Note No. 15 of Notes on Account) due from Tirupati Fuels Private Limited (TFPL) towards materials procured under facilitator mode. However, lifting pattern has not been satisfactory since 2010-11. The party has applied to Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) on becoming sick in November, 2012. BIFR, however, dismissed the reference of TFPL in December 2013. MSTC has been directed by the Hon'ble High Court, Calcutta, on 19.03.2013 not to take any coercive action against TFPL without prior approval of BIFR. MSTC has also filed a winding up petition against TFPL on 26.02.2014 with Calcutta High Court. MSTC has also tried

भी प्रयास किया है, परंतु इस बिक्री में किसी भी भागीदार को आकर्षित करने में असफल रही। हमारी राय में, वर्तमान लेखा पद्धति के अनुसार ₹ 1026 लाख की सुरक्षा राशि के समायोजन के उपरांत ₹ 2482 लाख की रकम का प्रावधान एवं उपरोक्त राशि के लिए ₹ 3060 लाख का प्रावधान किया जाना चाहिए था। इसके फलस्वरूप हानि में प्रावधान में भी ₹ 2482 लाख कम दिखाया गया है।

- vi. आयात, खरीद एवं बिक्री के मामले में लेन-देन लेखा पुस्तक में बिल ऑफ लेडिंग की तारीख को प्रचलित दर के बजाय लेटर ऑफ क्रेडिट की निर्धारित-तारीख को विनिमय दर पर लेखा बद्ध किया जाता है, बहरहाल, कंपनी के लाभ पर प्रभाव नहीं पड़ा, परन्तु बिक्री एवं खरीद के आंकड़ों को उस सीमा तक अधिक/कम दिखाया गया, जिस सीमा तक विदेशी मुद्रा हानि/लाभ लेखों में विन्दित नहीं किया गया। हम रकम के बताने में असमर्थ हैं, क्योंकि वह निर्धारणयोग्य नहीं है।

यह लेखा मानक 11 “विदेशी मुद्रा विनिमय दर में परिवर्तन का प्रभाव” का उल्लंघन है।

#### योग्य राय

हमारी राय में तथा हमारे द्वारा प्राप्त सर्वोत्तम सूचनाओं एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त योग्य राय के आधार पर पैराग्राफ (i) से (vi) की शर्तों के अधीन जिसके समग्र प्रभाव से रु. 40820 लाख कम दिखाया गया हानि (निश्चित योग्य सीमा तक), अधिनियम में वांछित सूचना के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखा नीतियों की पुष्टि में वांछित तरीके से सही व साफ तस्वीर पेश की गयी है।

(क) तुलन-पत्र के विषय में 31 मार्च, 2014 को कंपनी के कार्यों की स्थिति,

(ख) लाभ व हानि विवरण के विषय में उसी तारीख को समाप्त वर्ष में कंपनी को हुए हानि की स्थिति, तथा

(ग) नकद प्रवाह विवरण के विषय में उसी तिथि को समाप्त हुए वर्ष में कंपनी का नकद प्रवाह विवरण।

#### बल देने वाले मामले

क) कुल बयाना राशि जमा की रकम रु. 41316 लाख (संदर्भ नोट सं. 7) में से, जो कि कंपनी द्वारा संविदा/नीलामी पूरा होने पर पुनर्भुगतानयोग्य देयताओं का प्रतिनिधित्व करती है, रु. 204 लाख की पार्टीवार विवरण तथा रु. 41316 लाख वर्षवार का विवरण कंपनी द्वारा हमें उपलब्ध नहीं कराया गया।

ख) व्यापार से प्राप्त में मेसर्स जय बालाजी इंडस्ट्रिज लिमिटेड (जेबीआईएल) से प्राप्त होने वाली रु. 14380 लाख शामिल है, जिसके लिए सामग्रियां बिना उठाए दो वर्षों से पड़ी हुई है। उनके

to E-auction of unlifted materials in two occasions in March 2013 but failed to attract any participant in such sale. In our opinion, as per prudent accounting practice, provision should have been made for the amount of ₹ 2482 lacs after adjusting security deposit of ₹1026 lacs and a provision held for ₹ 3060 lacs against the above amount. This has resulted in understatement of loss and also understatement of provision by ₹ 2482 lacs.

- vi. In case of imports, Purchases and Sales transaction are accounted for in the Books of Account at the exchange rates on the due dates of Letter of Credit instead of exchange rates prevailing on the date of Bill of Lading. However, there, is no impact on the profitability of the Company but sales and purchases figures are over / under stated to that extent to which foreign exchange loss / gain is not recognized in the Books of Account. We are unable to quantify the amount as the same is not ascertainable.

This is a violation of Accounting Standard 11 “Effect of changes in foreign exchange rate”.

#### Qualified Opinion

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, subject to the paragraph (i) to (vi) of Basis for Qualified Opinion, the overall effect of which is understatement of loss of ₹ 40820 lacs (to the extent ascertainable) the aforesaid financial statements give the information required by the Act, in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

(a) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Company as at 31st March 2014.

(b) In the case of the Statement of Profit and Loss, of the loss for the year ended on that date; and

(c) In the case of the Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended on that date.

#### Emphasis of Matter

a) Out of total Earnest Money Deposits amounting to ₹ 41316 lacs (refer Note No. 7) which represent a liability repayable on completion of a contract / auction by the Company, party-wise detail for ₹ 204 lacs and age-wise analysis for ₹ 41316 lacs could not be provided to us by the Company.

b) Trade Receivable includes ₹ 14380 lacs due from M/s. Jai Balaji Industries Limited (JBIL) for which material lying unlifted for last two years. The Volumetric Analysis of Stock

दुर्गापुर साइट पर 5 एवं 6 फरवरी, 2014 को किए गए कोक, स्टीम कोल, कोल ब्रिज एवं एमएम ओर के अनुमापी आंकलन में रु.663 लाख की कमी पाई गई। एमएमटीसी द्वारा बारम्बार स्मरण करवाए जाने के बावजूद, जेबीआईएल ने कम हो चुकी सामग्री की कीमत का भुगतान नहीं किया है। इसके अलावा, जेबीआईएल द्वारा जमानत के तौर पर दिए गए पीडीसी भी बैंक द्वारा बगैर भुगतान के वापस कर दिया गया। एमएसटीसी ने एन.आई. अधिनियम की धारा 138 के तहत मांग सूचना जारी की। एमएसटीसी द्वारा सितम्बर 2013 में माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में समापन (वाइंडिंग अप) की याचिका दायर किया, जिस पर न्यायालय द्वारा दिनांक 04.06.2014 को सुनवाई की गई, जिसमें न्यायालय द्वारा जेबीआईएल को और एक सप्ताह का समय दिया गया। उपरोक्त के मद्देनजर, मूल राशि की वसूली की उम्मीद कम हो चुकी है। इसलिए, लेखा में वर्ष के लिए उपचित ब्याज रु. 1638 लाख समुचित नहीं था। कंपनी के पास बकाया मूल रकम के साथ दिनांक 31.03.2013 तक ब्याज के भुगतान सहित सौहार्दपूर्ण निपटान के लिए कंपनी द्वारा दायर वाइंडिंग अप याचिका के खिलाफ माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता ने दिनांक 14.07.2014 को अपनी राय दी। जिसके तहत वर्ष 2017-18 तक वार्षिक किस्त में रकम का भुगतान तथा तदुपरांत उस पर ब्याज का किस्तों में भुगतान करने का आदेश दिया गया। हालांकि मामले के निपटाने की तय शर्तों के अनुसार पार्टी ने जुलाई 2014 में रु. 50 लाख का भुगतान किया।

- ग) व्यापार से प्राप्य में मेसर्स एसपीएस मेटल कॉस्ट एलॉयज लिमिटेड से बकाया रु. 5262 लाख की रकम शामिल है, जो डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से रु. 4005 लाख मूल्य का नहीं उठाई गई सामग्रियां को दर्शाती है। कई बार स्मरण कराए जाने के बावजूद एसपीएस मेटल ने उसके लिए कोई भुगतान नहीं किया। एमएसटीसी के पास रु. 824 लाख की सुरक्षा जमा राशि है। समुचित कोष नहीं होने के चलते पीडीसी भी बैंक द्वारा बगैर भुगतान के वापस कर दिया गया। एन.आई. अधिनियम की धारा 138 के तहत कार्रवाई की गई है। हमें यह सूचित की गई है कि पार्टी ने एमएसटीसी को दिनांक 31.3.2014 को स्टॉक के आयतनी आंकलन करने की अनुमति नहीं दी।
- घ) व्यापार से प्राप्य में मेसर्स एसपीएस स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड से बकाया रु. 27912 लाख की रकम शामिल है, दिनांक 10.06.2013 को एक स्वतंत्र सर्वेक्षक के जरिए आयतनी आंकलन के माध्यम से स्टॉक/मालों के आंकलन करने के लिए मामला दायर किया गया तथा न्यायालय ने गोदाम में पड़े हुए मालों के संबंध में वर्तमान स्थिति को कायम रखने का निर्देश पार्टियों को दिया तथा निर्देश वर्तमान में भी प्रभावी है। उपरोक्त विषय का हवाला देते हुए, पार्टी ने दिनांक 28.10.2013 के पत्र के माध्यम से आयतनी जांच करवाने से अस्वीकार कर दिया। समुचित कोष नहीं होने के चलते चार चेक्स (पीडीसी) मूल्य रु. 3124 लाख बैंक द्वारा दिनांक 22.02.2014 को अस्वीकृत कर दिया गया। एन.आई. अधिनियम की धारा 138 के तहत कार्रवाई की गई है। हमें यह सूचित की गई है कि पार्टी ने एमएसटीसी को दिनांक 31.3.2014 को स्टॉक के आयतनी आंकलन करने की अनुमति नहीं दी।

of Coke, Steam Coal, Coke breeze and MN. ore. found shortage valuing ₹ 663 lakhs conducted on 5th & 6th February 2014 at their Durgapur site. In spite of repeated reminders by MSTC, JBIL did not pay the value of shortfall material. Moreover, the PDCs' for securities issued by JBIL were also returned unpaid by the bank. MSTC issued demand notice u/s 138 of N.I. Act. Winding up petition has been filed with Hon'ble High Court, Calcutta by MSTC in September 2013 which has been taken up by the Court on 04.06.2014 where Court had granted one week's further time to JBIL. In view of above, the chances of recovery of principal amount have become remote. Hence the accounting of accrued interest for the year amounting to ₹ 1638 lacs was not prudent. The Hon'ble High Court, Calcutta has given judgment on 14.07.2014 against winding up petition filed by the Company for amicable settlement with payment of principal alongwith interest till 31.03.2013 due to the Company in annual installments payable upto 2017-18 and further interest to be paid in installments thereafter. The party has however, paid ₹ 50 lacs as initial payment in July 2014 as per the agreed terms of settlement.

- c) Trade Receivable includes ₹ 5262 lacs due from M/s SPS Metal Cast Alloys Ltd. represents unlifted materials valued for ₹ 4005 lacs for more than one and half years. In spite of several reminders SPS Metal did not make any payment for the same. Security Deposit is held by MSTC for ₹ 824 lacs. PDC for ₹ 325 lacs was returned by the bank due to insufficient fund. Action under section 138 of N.I. Act, was initiated. We have been informed that the party did not allow MSTC for volumetric analysis of stock as on 31.03.2014.
- d) Trade Receivable includes ₹ 27912 lacs due from M/s SPS Steel Rolling Mills Ltd, Title suit filed for conducting assessment of stock / goods by way of volumetric analysis through an independent surveyor on 10.06.2013 and Court order was passed directing the parties to maintain status quo in respect of the goods lying in the godown and the order is still in force. Citing the above ground, volumetric analysis was refused by the party through letter dated 28.10.2013. Four cheques (PDC) amounting to ₹ 3124 lacs were dishonored by the bank on 22.02.2014 due to insufficient fund. Action under section 138 of N.I. Act was initiated. We have been informed that the party did not allow MSTC for volumetric analysis of stock as on 31.03.2014.

### अन्य विधिक एवं नियामक जरूरतों पर रिपोर्ट

1. कंपनीज (आडिटरर्स रिपोर्ट) आर्डर 2003 (आदेश) यथा वांछित भारत सरकार द्वारा जारी यथा संशोधित अधिनियम की धारा 227 की उपधारा (4ए) की शर्तों के अधीन आदेश के पारा 4 एवं 5 में उल्लिखित मामलों जारी यथा संशोधित पर वक्तव्य हम अनुलग्नक में दे रहे हैं।
2. अधिनियम की धारा 227 (3) में यथा वांछित हम रिपोर्ट देते हैं कि
  - (क) योग्य राय के पैराग्राफ (II) के लिए आधार में यथा वर्णित मामले के प्रभाव को छोड़कर हमने वे सभी स्पष्टीकरण एवं सूचनाएं प्राप्त की हैं, जो हमारे सर्वोत्तम जानकारी तथा विश्वास के अनुसार हमारी लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक थे।
  - (ख) हमारी राय में कंपनी द्वारा उचित लेखा अभिलेख रखा गया है जैसे कानून आवश्यक है तथा उन लेखों की हमारी परीक्षा से जैसा प्रतीत होता है।
  - (ग) इस रिपोर्ट के साथ संव्यवहृत तुलन-पत्र, लाभ व हानि खाता तथा नकद प्रवाह लेखों के अनुरूप हैं।
  - (घ) योग्य राय के पैराग्राफ (i) एवं (vi) के लिए आधार में यथा वर्णित मामलों के प्रभाव छोड़कर तुलन-पत्र लाभ एवं हानि विवरण तथा नकद प्रवाह विवरण कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 की उपधारा (3सी) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के संबंध में निगमित विषयक मंत्रालय की दिनांक 13 सितम्बर, 2013 को जारी जनरल सर्कुलर 15/2013 में संदर्भित मानकों के अनुसार है; तथा
  - (ङ) कंपनी मामलों के विभाग की अधिसूचना एवं जीएसआर-829 (ई) दिनांक 21 अक्टूबर 2003 की शर्तों के अनुसार सरकारी कंपनी होने के नाते कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 274 (1) (जी) के प्रावधान जो निदेशक के अयोग्यता से संबंधित है, इस पर लागू नहीं है।

कृते राय एंड कं.  
सनदी लेखापाल  
फर्म पंजीकरण सं. 313124ई

स्थान : कोलकाता  
तारीख : 01.08.2014

(सीए एस पी बसु)  
साझेदार  
एम नं. 050209

### Report on Other Legal and Regulatory Requirements :

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2003 ("the Order") as amended, issued by the Central Government of India in terms of sub-section (4A) of section 227 of the Act, we give in the Annexure a statement on the matters specified in paragraphs 4 & 5 of the Order.
2. As required by section 227 (3) of the Act, we report that :
  - a. **Except for the effects of the matter as described in the basis for Qualified opinion paragraph (ii)** we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
  - b. In our opinion proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as it appears from our examination of those books;
  - c. The Balance Sheet, Statement of Profit & Loss and Cash Flow Statement dealt with by this report are in agreement with the books of account;
  - d. **Except for the effects of the matter as described in the basis for Qualified opinion paragraph(i) & (vi),** in our opinion the Balance Sheet, Statement of Profit & Loss and Cash Flow Statement Company comply with the Accounting Standards referred to in sub-section (3C) of section 211 of the Companies Act, 1956 read with the General Circular 15/2013 dated 13 September 2013 of the Ministry of Corporate Affairs in respect of Section 133 of the Companies Act, 2013; and
  - e. Being a Government Company the provisions of section 274(1)(g) of the Companies Act, 1956 relating to the disqualification of directors are not applicable to the Company in terms of notification no. GSR 829E dated 21.10.2003 issued by Ministry of Finance, Government of India.

For Ray & Co.  
Chartered Accountants  
FRN. 313124E

Place : Kolkata  
Dated : 01.08.2014

(CA, S P. Basu)  
Partner  
M no. 050209



## लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन का अनुलग्नक

(हमारे समदिनांक प्रतिवेदन के अन्य विधिक एवं नियंत्रकों की अपेक्षाओं शीर्षक के अधीन पैराग्राफ 1 के संदर्भ में)

- I. स्थायी परिसंपत्तियों के संदर्भ में
  - (क) कंपनी ने उचित अभिलेख रखे हैं जिसमें इसकी स्थाई परिसंपत्तियों की स्थिति एवं मात्रात्मक विवरण सहित पूरे विवरण दर्शाए गए हैं।
  - (ख) वर्ष के दौरान कंपनी ने स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया है। यदि पुस्तक अभिलेख से कोई ठोस बिसंगतियाँ पायी जाती हैं हम कोई टिप्पणी करने में असमर्थ हैं, क्योंकि प्रबंधन द्वारा वर्ष के दौरान स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन नहीं किया गया।
  - (ग) वर्ष के दौरान कंपनी ने स्थायी परिसंपत्तियों का कोई ठोस भाग की बिक्री नहीं की है, जो कंपनी के चालू स्थिति को प्रभावित करे।
- II. (क) वर्ष के दौरान प्रबंधन द्वारा पर्याप्त अंतराल में वस्तु सूचियों की भौतिक सत्यापन किया गया।
  - (ख) हमारी राय में तथा हमें दी गई सूचना के अनुसार प्रबंधक द्वारा वस्तु सूचियों के भौतिक सत्यापन के लिए अपनाई गयी प्रक्रियाएं कंपनी के आकार एवं व्यापार के संदर्भ में उचित एवं पर्याप्त है।
  - (ग) कंपनी ने वस्तु सूचियों का उचित अभिलेख रखा है तथा वस्तु सूचियों के भौतिक सत्यापन से कोई ठोस विसंगति ध्यान में नहीं आई है।
- III. कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 के अधीन रखे गए रजिस्टर में सूचीबद्ध कंपनियों, फर्मों तथा अन्य पार्टियों से तथा पार्टियों को सुरक्षित अथवा गैर सुरक्षित ऋण न तो दिया और न ही लिया है। इसके परिणामस्वरूप आर्डर के क्लॉज 4 (III) (बी) से 4 (III) (जी) प्रावधान लागू नहीं है।
- IV. कंपनी के पास लिखित आंतरिक नियंत्रण मैनुअल उपलब्ध नहीं है। हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार एवं लेखों तथा अभिलेखों की जाँच के आधार पर कंपनी द्वारा अपनाई गयी आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया पर्याप्त है, सिवाए नीचे उल्लिखित क्षेत्रों के :

### 1.0 विपणन प्रभाग

- 1.0.1 विपणन नीति, संशोधित जोखिम प्रबंधन नीति को निदेशक मंडल द्वारा दिनांक 04.01.2013 को अनुमोदित किया गया। जहां पर भी सीएमडी के अनुमोदन की जरूरत थी, कुछ

## ANNEXURE TO THE AUDITORS' REPORT

(REFERRED TO IN PARAGRAPH 1 UNDER "REPORT ON OTHER LEGAL AND REGULATORY REQUIREMENTS" SECTION OF OUR REPORT OF EVEN DATE)

- I. In respect of its Fixed Assets :
  - a. The Company has maintained proper records showing full particulars, including quantitative details and situation of Fixed Assets.
  - b. **The Company has not physically verified its Fixed Assets during the year. We are unable to comment on material discrepancies, if any, in book record with physical verification record as no physical verification have been conducted during the year by the management.**
  - c. During the year the Company has not discarded or disposed off any substantial part of its Fixed Assets so as to affect its going concern status of the Company.
- II.
  - a. The inventories were physically verified during the year at reasonable interval by the Management.
  - b. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the procedures of physical verification of inventories followed by the Management are reasonable and adequate in relation to the size of the Company and nature of its business.
  - c. The Company has been maintaining proper records of inventory and no material discrepancies were noticed on physical verification of inventory.
- III. The Company has neither granted nor taken any loan, secured or unsecured to and from companies, firms or other parties covered in the register maintained under section 301 of the Companies Act, 1956. Therefore, the provisions of clauses 4(iii) (b) to 4(iii)(g) of the Order are not applicable.
- IV. **There is no written Internal Control manual available with the Company.** However, in our opinion and according to the information and explanations given to us and on the basis of examination of the books and records, the Internal Control procedures adopted by the Company are adequate except in the areas as mentioned below :

### 1.0 Marketing Department

- 1.0.1 Marketing Policy, Revised Risk Management Policy was approved by the Board of Directors on 04.01.2013. Wherever approval of CMD was required it was done

- मामले में अनुमोदन कार्यांतर दिया गया। यद्यपि, और उन्नत बनाने के लिए कंपनी नीति की समीक्षा करने की प्रक्रिया में है।
- 1.0.2 करार ज्ञापन, त्रिपक्षीय करार एवं बिक्री एजेंसी करार को मूल करार की समाप्ति के पहले नियमित रूप से नवीकृत नहीं किया गया।
- 1.0.3 बंधक स्टॉक के मामले में एमएसटीसी ने सर्वश्री फेरोस्क्रैप निगम लि. (इससे पहले ट्रानसेफ सर्विसेस लि.) को कस्टोडियन नियुक्त किया, जिनसे करार के अनुसार नियमित आधार पर साप्ताहिक रिपोर्ट (शर्तों के अनुसार यथा वांछित) जमा नहीं किया। कंपनी द्वारा ना तो संज्ञान लिया गया और न ही फिर से मिलान किया गया।

## 2.0 क्षेत्रीय कार्यालय

- 2.0.1 सफलतापूर्वक की गई ई-नीलामी के मामले में जिसमें खरीददार ने बयाना राशि जमा (ईएमडी) का भुगतान सिर्फ प्रिंसिपल को किया है और उसके बाद माल उठाने में नकाम रहे हैं, कंपनी इस सूचना के अभाव में कि बयाना राशि जब्त कर लिया गया है कि नहीं, सर्विसेस चार्ज का बिल बनाने में असमर्थ है। तथापि, वर्ष के दौरान कितनी संख्या में बयाना राशि जब्त की गई है और उस पर बिल बनाया गया है उसे जानने के लिए कोई नियंत्रण प्वाइंट नहीं है।
- 2.0.2 सेवा प्रभार बिल उस तारीख के बहुत बाद की तारीख में बनाए जाते हैं, जिसतारीख को खरीददार द्वारा पूरा माल उठा लिया गया हो। बिल आम तौर पर 2 से 3 महीने के बाद प्रेषित किया जाता है।
- V. हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी राय है कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 301 में संदर्भित कंपनी का कोई लेन-देन नहीं है, जिसकी जरूरत इस धारा के अधीन रखे गए रजिस्टर में दाखिल करने की है। इसलिए, आदेश की अनुच्छेद 4(V) (ख) के प्रावधान लागू नहीं है।
- VI. हमारी राय में तथा हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई भी जमा आम जनता से स्वीकार नहीं की है अतः कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 58ए तथा 58एए का प्रावधान एवं उसके अधीन बताए गए नियम लागू नहीं है।
- VII. हमारी राय में कंपनी के पास आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है, जो कंपनी के आकार एवं व्यवसाय की प्रवृत्ति के अनुरूप है।
- VIII. जैसा हमें सूचित किया गया अधिनियम की धारा 209 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (घ) के अधीन लागत का रिकार्ड रखना कंपनी के लिए लागू नहीं है।

post facto in some cases. However, the Company is in process of reviewing the policy for further improvement.

- 1.0.2 Memorandum of Agreement, Tripartite Agreement and Selling Agency Agreement are not regularly renewed prior to the expiry of the original Agreement.
- 1.0.3 In case of pledged stock, MSTC appointed custodian M/s. Ferro Scrap Nigam Ltd. (Prior to them M/s Transafe Services Ltd.) who does not submit Weekly Report (as required under the terms) on a regular basis as per agreement. Neither the same are given congizance nor reconciled by the company.

## 2.0 Regional Offices

- 2.0.1 *In case of successfully completed e-Auction, wherein the buyers had made payment of Earnest Money Deposit (EMD) only to the principals, and thereafter defaulted in lifting of material, the Company is not in a position to raise its service charge bill due to lack of information as to whether EMD has been forfeited or not. Moreover there are no control points to track number of EMDs forfeited during the year and billing thereon.*
- 2.0.2 *Services Charge bills are raised at a date much latter than the date on which entire lifting of material had been done by the buyer. Also the bills are dispatched generally after a time long of 2-3 months.*
- V. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, there have been no transactions during the year that need to be entered in the register maintained u/s 301 of the Companies Act, 1956. Therefore, the provisions of clauses 4(v)(b) of the Order is not applicable.
- VI. In our opinion and according to the best of our information and explanations given to us, the Company has not accepted any deposits from public during the year and as such provisions of Sections 58A, and 58AA of the Companies Act, 1956 and the rules made there under are not applicable.
- VII. In our opinion, the Company has an internal audit system commensurate with the size and nature of its business.
- VIII. As informed to us, the maintenance of cost records under clauses (d) of sub-section(1) of Section 209 of the Act is not applicable to the Company.

- IX. (क) जैसा कि हमें सूचना तथा स्पष्टीकरण दी गयी तथा हमारे द्वारा कंपनी के अभिलेख की जांच की गयी वर्ष के दौरान कंपनी अविवादित सांविधिक जमा उचित प्राधिकारी को जमा करने में नियमित रही, जिनमें शामिल है - भविष्य निधि, निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि, आयकर, बिक्रीकर, संपद कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, सेस तथा लागू कोई आम सांविधिक कर शामिल है। कोई भी ऐसा बकाया नहीं है, जो उक्त सांविधिक बकाए के देय होने की तारीख से 6 महीने से अधिक समय से बकाया है।
- (ख) बिक्री कर, सेवा कर, उत्पाद शुल्क, प्रवेश कर, आयकर एवं सीमा शुल्क के विवादित बकाया राशि रु. 4025.99 लाख जमा नहीं किए गए, इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक ए में उल्लेखित हैं।
- X. कंपनी ने 31 मार्च, 2014 को कोई संचित हानि नहीं की है। इसने चालू वित्त वर्ष में तथा इसके ठीक पहले वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं की है।
- XI. हमारे द्वारा कंपनी के अभिलेखों की जांच-पड़ताल एवं हमें दी गई जानकारी एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने लेखे पर टिप्पणी के नोट संख्या 5(क) एवं 5(ख) में उल्लेखित इंडियन ओवरसीज बैंक से ऋण रु. 138 लाख एवं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से ऋण रु. 14416 लाख को छोड़कर वित्तीय प्रतिष्ठानों या बैंकों को बकाया राशि के भुगतान में कोई चूक नहीं की है। कंपनी के पास वित्तीय प्रतिष्ठानों तथा डिबेंचर धारकों के प्रति कोई भी रकम बकाया नहीं है।
- XII. हमारी राय में एवं हमें उपलब्ध कराई गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार कंपनी ने शेयरों, डिबेंचर एवं अन्य प्रतिभूतियों को जमानत के रूप में गिरवी रखकर उनके आधार पर किसी को ऋण या अग्रिम राशि स्वीकृत नहीं की है।
- XIII. हमारी राय में कंपनी चिटफंड/निधि/म्यूचल बेनिफिट फंड/सोसाइटी नहीं है। इसलिए आदेश के अनुच्छेद 4 (xiii) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है।
- XIV. हमारी राय में, कंपनी किसी शेयर, प्रतिभूति, डिबेंचर तथा अन्य निवेशों की डीलिंग अथवा लेन-देन नहीं करती है। तदनुसार, आदेश के अनुच्छेद 4(xiv) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं है।
- XV. हमारी राय में एवं हमें उपलब्ध कराई गई सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार किसी अन्य के द्वारा बैंक अथवा वित्तीय संस्थानों से लिए गए ऋणों के लिए किसी प्रकार की गारंटी कंपनी ने नहीं दी है।
- IX. a. According to the information and explanations given to us and the records of the Company examined by us, the Company has been regular in depositing during the year, all undisputed statutory dues including Provident Fund, Investor Education & Protection Fund, Income Tax, Sales Tax, Wealth Tax, Service Tax, Custom Duty, Cess and any other statutory dues as applicable, with the appropriate authorities. There has been no outstanding for a period of more than 6 months from the date the aforesaid statutory dues become payable.
- b. The details of disputed dues of Sales Tax, Service Tax, Excise Duty, Entry Tax, Income Tax and Custom Duty, which have not been deposited amounting to ₹ 4025.99 lacs, are given in **ANNEXURE A** to this report.
- X. The Company does not have any accumulated losses as at 31st March, 2014. The Company has not incurred cash losses during the financial year as well as in the immediately preceding financial year.
- XI. According to the records of the Company examined by us and the information and explanations given to us, the Company has not defaulted in repayment of dues to banks **except for the loan from Indian Overseas Bank ₹ 138 lacs and Standard Chartered Bank ₹ 14416 lacs as mentioned in Note No. 5(a) and 5(b) of the Notes on Account.** The Company did not have any amount outstanding to financial institution and debenture holders.
- XII. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has not granted loans and advances on the basis of security by way of pledge of shares, debentures and other securities.
- XIII. In our opinion, the Company is not a chit fund/nidhi/mutual benefit fund/society. Therefore, the provision of the clause 4(xiii) of the Order is not applicable to the Company.
- XIV. In our opinion, the Company is not dealing in or trading in shares, securities, debentures and other investments. Accordingly, the provision of clause 4(xiv) of the Order are not applicable to the Company.
- XV. In our opinion and according to the information and explanations given to us, the Company has not given any guarantee for loans taken by others from bank or other financial institutions.

- XVI. हमारे द्वारा जांच किए गए कंपनी के अभिलेखों एवं हमें दी गई सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार वर्ष के दौरान कोई आवधिक ऋण नहीं लिया गया है।
- XVII. हमारे द्वारा कंपनी के समग्र तुलन पत्र की जाँच तथा हमारी राय में एवं हमें दी गई सूचनाओं एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार अल्पकालीन आधार पर किसी राशि की उगाही नहीं की गयी, जिसका उपयोग दीर्घकालीन निवेशों के लिए किया हो।
- XVIII. कंपनी ने अधिनियम की धारा 301 के अधीन रखरखाव किए गए रजिस्टर में आवृत होने वाली कंपनियों तथा पार्टियों को शेयर का किसी अधिमान्य आवंटन नहीं किया है।
- XIX. कंपनी ने कोई डिबेंचर जारी नहीं किया है, अतः कोई प्रतिभूति अथवा शुल्क बनाए नहीं गए।
- XX. कंपनी ने वर्ष के दौरान आम जनता से किसी भी रकम की उगाही नहीं की है।
- XXI. कंपनी के लेखों एवं अभिलेखों की हमारी जांच के दौरान, जो भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखा परीक्षा पद्धति के अनुसार किया गया एवं हमें दी गयी सूचनाओं एवं स्पष्टीकरण के अनुसार वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा अथवा उस पर किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी का उदाहरण हमारी नजर में नहीं आई है और न ही प्रबंधन द्वारा इस तरह के किसी मामले की जानकारी दी गई है।
- XVI. According to the records of the Company examined by us and information and explanations given to us, no term loan was obtained during the year.
- XVII. On the basis of an overall examination of the Balance Sheet of the Company, in our opinion and according to the information and explanations given to us, there are no funds raised on short term basis which have been used for long term investment.
- XVIII. The Company has not made any preferential allotment of shares to parties and companies covered in the register maintained under section 301 of the Act.
- XIX. The Company has not issued any debentures and hence no securities or charge has been created.
- XX. The Company has not raised any money by way of public issue during the year.
- XXI. During the course of our examination of the books and records of the Company, carried out in accordance with the generally accepted auditing practices in India and according to the information and explanations given to us, we have neither come across any instance of material fraud on or by the Company noticed or reported during the year, nor have we been informed of any such case by the management.

कृते राय एंड कं.  
सनदी लेखापाल  
फर्म पंजीकरण सं. 313124ई

For Ray & Co.  
Chartered Accountants  
FRN. 313124E

स्थान : कोलकाता  
तारीख : 01.08.2014

(सीए एस पी बसु)  
साझेदार  
एम नं. 050209

Place : Kolkata  
Dated : 01.08.2014

(CA S P. Basu)  
Partner  
M no. 050209

अनुलग्नक-ए  
**ANNEXURE – A**

कर मामले में विवादित बकाया राशि का विवरण  
Details of Disputed Dues of Tax Cases

संविधि का नाम	बकाया राशि की प्रकृति	राशि रु.लाख में	जिस फोरम में विवाद लंबित	Name of the Statute	Nature of the dues	Amount ₹ in Lacs	Forum where dispute is pending
उत्तर प्रदेश बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	46.71	उच्च न्यायालय/बिक्री कर न्यायाधिकरण/बिक्री कर प्राधिकारी के पास लंबित	Uttar Pradesh Sales Tax	Claim by ST Authority	46.71	Pending before HC/ST Tribunal/ST Authority
जम्मू कश्मीर बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	2.56	बिक्री कर प्राधिकारी के पास लंबित	Jammu & Kashmir Sales Tax	Claim by ST Authority	2.56	Pending before ST Authority
पश्चिम बंगाल बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	2.79	बिक्री कर प्राधिकारी के पास लंबित	West Bengal Sales Tax	Claim by ST Authority	2.79	Pending before ST Authority
आंध्र प्रदेश बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	175.17	बिक्री कर न्यायाधिकरण/ बिक्री कर प्राधिकारी के पास लंबित	Andhra Pradesh Sales Tax	Claim by ST Authority	175.17	Pending before ST Tribunal/ST Authority
उड़ीसा बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	269.00	उच्च न्यायालय के पास लंबित	Odhisa Sales Tax	Claim by ST Authority	269.00	Pending before High Court
तमिलनाडु बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	13.41	बिक्री कर प्राधिकारी के पास लंबित	Tamil Nadu Sales Tax	Claim by ST Authority	13.41	Pending before ST Authority
गुजरात बिक्री कर	बिक्री कर प्राधिकारी द्वारा किया गया दावा	917.47	बिक्री कर प्राधिकारी के पास लंबित	Gujarat Sales Tax	Claim by ST Authority	917.47	Pending before ST Authority
सीमा शुल्क	सीमा शुल्क विभाग द्वारा किया गया दावा	240.00	विवाद निपटान समिति, मंत्रिमंडल सचिवालय के पास लंबित	Customs	Claim by Customs Dept.	240.00	Pending before Committee of Disposal of Disputes, Cabinet Secretariat
	सीमा शुल्क विभाग द्वारा किया गया दावा	203.81	उच्च न्यायालय के पास लंबित		Claim by Customs Dept.	203.81	Pending before High Court
	आयकर मांग आंकलन वर्ष 1990-91	19.18			Income Tax Demand AY 1990-91	19.18	
	आयकर मांग आंकलन वर्ष 2005-06	19.05			Income Tax Demand AY 2005-06	19.05	
आयकर	आयकर मांग आंकलन वर्ष 2006-07	31.44	अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित	Income Tax	Income Tax Demand AY 2006-07	31.44	Pending with Appellate Authority
	आयकर मांग आंकलन वर्ष 2009-10	67.62			Income Tax Demand AY 2009-10	67.62	
	आयकर मांग आंकलन वर्ष 2010-11	278.39			Income Tax Demand AY 2010-11	278.39	
	आयकर मांग आंकलन वर्ष 2011-12	40.39			Income Tax Demand AY 2011-12	40.39	
सेवा कर	सेवा कर मांग (वित्तीय वर्ष 2002-03 से वित्तीय वर्ष 2009-10)	1,699.00	अपीलीय प्राधिकारी के पास लंबित	Service Tax	Service Tax Demand (FY 2002-03 to FY 2009-10)	1,699.00	Pending with Appellate Authority
		<b>4,025.99</b>				<b>4,025.99</b>	

## एमएसटीसी लिमिटेड, कोलकाता के 31 मार्च, 2014 को समाप्त हुए वर्ष के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट वित्तीय प्रतिवेदन के अधीन प्रदान रूपरेखा के अनुसार 31 मार्च, 2014 को समाप्त हुए वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड का वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्ति किए गए सांविधिक लेखा परीक्षक उनके वृत्तिमूलक निकाय इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउण्टेंट ऑफ इंडिया द्वारा विनिर्धारित लेखांकन मानदण्डों के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षा के आधार पर कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अंतर्गत इन वित्तीय विवरण पर विचार प्रकट करने के लिए उत्तरदायी हैं। यह उनकी ऑडिट रिपोर्ट दिनांक 01.08.2014 के अनुसार उनके द्वारा कर दिया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की ओर से 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए एमएसटीसी लिमिटेड के वित्तीय विवरणों का कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3)(ख) के अंतर्गत अनुपूरक लेखा परीक्षा का संचालन किया है। सांविधिक लेखा परीक्षक के कार्यकारी कागजात को देखे बगैर यह अनुपूरक लेखा परीक्षा स्वतंत्र रूप से की गई है और मुख्यतः सांविधिक लेखा परीक्षकों एवं कंपनी के कार्मिकों की पूछताछ और कुछ लेखांकन अभिलेखों की चुनिंदा परीक्षा तक सीमित है। मेरे लेखा परीक्षा के आधार पर मेरे संज्ञान में कोई भी महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया, जिससे कि कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अंतर्गत सांविधिक लेखा परीक्षक प्रतिवेदन पर कोई टिप्पणी अथवा पूरक प्रदान किया जा सके।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक  
और उनकी ओर से

(प्रमोद कुमार)

वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के प्रधान निदेशक और

स्थान : कोलकाता

पदेन सदस्य, लेखा परीक्षा पार्षद-1

दिनांक : 12.08.2014

कोलकाता

## COMMENT OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 619(4) OF THE COMPANIES ACT, 1956 ON THE ACCOUNTS OF MSTC LIMITED, KOLKATA FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 2014

The preparation of Financial Statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2014 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 1956 is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 619(2) of the Companies Act, 1956 is responsible for expressing opinion on these financial statements under Section 227 of the Companies Act, 1956 based on independent audit in accordance with the Standards on Auditing prescribed by their professional body. The Institute of Chartered Accountants of India. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 01.08.2014.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 619(3)(b) of the Companies Act, 1956 of the financial statements of MSTC Limited for the year ended 31st March, 2014. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records. On the basis of my audit, nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to Statutory Auditors' Report under Section 619(4) of the Companies Act, 1956.

For and on behalf of the  
Comptroller & Auditor General of India

(Pramod Kumar)

Principal Director of Commercial Audit  
& Ex-officio Member, Audit Board-I

Place : Kolkata

Date : 12.08.2014

Kolkata



# वार्षिक लेखा ANNUAL ACCOUNTS



एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

तुलन पत्र : 31 मार्च 2014 BALANCE SHEET AS AT 31 MARCH, 2014

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	As at 31.03.2014 को	As at 31.03.2013 को
<b>I. ईक्विटी एवं देयताएं</b>	<b>I. EQUITY AND LIABILITIES</b>			
<b>1. शेयरधारकों की निधियां</b>	<b>1. Shareholders' funds</b>			
(क) शेयर पूंजी	(a) Share Capital	2	880	880
(ख) आरक्षित एवं अधिशेष	(b) Reserves and Surplus	3	61,721	68,717
<b>2 अप्रचलित देयताएं</b>	<b>2. Non-current liabilities</b>			
(क) अन्य दीर्घावधि देयताएं	(a) Other Long term liabilities	4	696	953
<b>3 चालू देयताएं</b>	<b>3. Current Liabilities</b>			
(क) अल्पावधि ऋण	(a) Short-term Borrowings	5	86,218	1,01,763
(ख) व्यापारगत देय	(b) Trade Payables	6	3,18,547	3,61,452
(ग) अन्य चालू देयताएं	(c) Other Current Liabilities	7	52,055	54,845
(घ) अल्पावधि प्रावधान	(d) Short-term Provisions	8	1,521	4,623
<b>कुल</b>	<b>TOTAL</b>		<b>5,21,638</b>	<b>5,93,233</b>
<b>II. परिसंपत्तियां</b>	<b>II. ASSETS</b>			
<b>1. गैर मौजूदा परिसंपत्तियां</b>	<b>1. Non-Current Assets</b>			
(क) अचल परिसंपत्तियां	(a) Fixed Assets	9		
(i) भौतिक परिसंपत्तियां	(i) Tangible Assets		1,538	1,696
(ii) अमूर्त परिसंपत्तियां	(ii) Intangible assets		-	-
(iii) पूंजी कार्य जारी	(iii) Capital Work-in-Progress		84	34
(ख) अप्रचलित निवेश	(b) Non-Current Investments	10	1,581	1,581
(ग) आरथगित कर परिसंपत्तियां (शुद्ध)	(c) Deferred Tax Assets (Net)	11	13,507	2,341
(घ) दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Long-term Loans and Advances	12	1,373	1,096
(ङ) अन्य गैर मौजूदा परिसंपत्तियां	(e) Other Non-Current Assets	13	10	15
<b>2. चालू परिसंपत्तियां</b>	<b>2. Current Assets</b>			
(क) स्टॉक	(a) Inventories	14	3,605	7,375
(ख) व्यापारगत प्राप्य	(b) Trade Receivables	15	3,82,997	4,50,180
(ग) नकद एवं नकदी समतुल्य	(c) Cash and Cash Equivalents	16	1,09,604	1,27,457
(घ) अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम	(d) Short-term Loans and Advances	17	6,414	434
(ङ) अन्य चालू परिसंपत्तियां	(e) Other Current Assets		925	1,024
<b>कुल</b>	<b>TOTAL</b>		<b>5,21,638</b>	<b>5,93,233</b>
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes are an integral part of the Financial Statements.  
यह तुलन पत्र सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Balance Sheet referred to in our report of even date.

कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

कृते राय एंड कं.  
सनदी लेखापाल  
पंजीकरण सं. 313124ई  
सीए एस पी बसु  
साझेदार  
एम नं. 050209  
तारीख : 01-08.2014  
स्थान : कोलकाता

For Ray & Co.  
Chartered Accountants  
Regn. No. 313124E  
CA, S P. Basu  
Partner  
M no. 050209  
Dated : 01.08.2014  
Place : Kolkata

(एस के त्रिपाठी)  
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक  
(S. K. Tripathi)  
Chairman-cum-Managing Director  
(आर के चौधरी)  
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)  
(R. K. Chaudhuri)  
General Manager (Finance & Accounts)

(ए के बसु)  
निदेशक (वित्त)  
(A. K. Basu)  
Director (Finance)  
(सुब्रत कुमार राय)  
कंपनी सचिव  
(Subrata Kumar Ray)  
Company Secretary



**एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED**

31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि का विवरण

**STATEMENT OF PROFIT & LOSS FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH, 2014**

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	टिप्पणी सं. Note No.	2013-2014	2012-2013
I. परिचालन से राजस्व	I. Revenue from Operations	18	5,23,030	6,36,603
II. अन्य आय	II. Other Income	19	9,997	8,922
III. <b>कुल राजस्व (I+II)</b>	III. <b>Total Revenue (I + II)</b>		<b>5,33,027</b>	<b>6,45,525</b>
IV. <b>व्यय:</b>	IV. Expenses :			
व्यापारगत माल की खरीददारी	Purchases of Stock-in-Trade	20	4,89,424	6,11,460
स्टॉक में बदलाव	Changes in Inventories	14	3,770	(7,375)
कर्मचारी हितलाभ पर व्यय	Employee Benefits Expense	21	3,670	4,490
वित्तीय व्यय	Finance Costs	22	13,378	13,462
मूल्यहास एवं परिशोधन व्यय	Depreciation and Amortization Expense	9	195	245
अन्य व्यय	Other Expenses	23	10,649	3,903
<b>कुल व्यय</b>	<b>Total Expenses</b>		<b>5,21,086</b>	<b>6,26,185</b>
V. अतिविशिष्ट मद एवं कर से पूर्व लाभ (III-IV)	V. Profit before Exceptional Items and Tax (III – IV)		11,941	19,340
VI. अतिविशिष्ट मद	VI. Exception Item	35	22,678	–
VII. <b>कर पूर्व लाभ (V-VI)</b>	VII. <b>Profit before Tax (V – VI)</b>		<b>(10,737)</b>	<b>19,340</b>
कर व्यय:	Tax Expense :			
(1) चालू कर	(1) Current Tax		7,432	7,307
(2) आस्थगित कर	(2) Deferred Tax		(11,166)	(1,040)
IX. अवधि के लिए लाभ (हानि) (VII-VIII)	IX. <b>Profit (Loss) for the period (VII – VIII)</b>		<b>(7,003)</b>	<b>13,073</b>
X. प्रति इक्विटी शेयर अर्जन:	X. Earnings per Equity Share :			
(i) बेसिक	(1) Basic		(80)	149
(ii) डायल्यूटेड	(2) Diluted		(80)	149
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	Significant Accounting Policies	1		

संलग्न टिप्पणियां वित्तीय विवरण के अभिन्न अंग हैं। The accompanying notes are an integral part of the Financial Statements.  
यह लाभ-हानि लेखा सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है। This is the Profit and Loss referred to in our report of even date.

**कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited**

**कृते राय एंड कं.**  
सनदी लेखापाल  
पंजीकरण सं. 313124ई  
सीए एस पी बसु  
साझेदार  
एम नं. 050209  
तारीख : 01-08.2014  
स्थान : कोलकाता

**For Ray & Co.**  
Chartered Accountants  
Regn. No. 313124E  
CA, S P. Basu  
Partner  
M no. 050209  
Dated : 01.08.2014  
Place : Kolkata

**(एस के त्रिपाठी)**  
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक  
**(S. K. Tripathi)**  
Chairman-cum-Managing Director  
**(आर के चौधरी)**  
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)  
**(R. K. Chaudhuri)**  
General Manager (Finance & Accounts)

**(ए के बसु)**  
निदेशक (वित्त)  
**(A. K. Basu)**  
Director (Finance)  
**(सुब्रत कुमार राय)**  
कंपनी सचिव  
**(Subrata Kumar Ray)**  
Company Secretary

## 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियां

### 1. महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

#### 1.1 लेखा का आधार

कंपनी ने अपना लेखा भारत सरकार द्वारा निर्धारित कंपनियों के (लेखा मानक) नियम, 2006 (संशोधित साथ में नई कंपनी अधिनियम, 2013 की लागू धारा) में निर्धारित लेखा मानकों तथा नई कंपनी अधिनियम, 2013 की लागू धारा के साथ कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुरूप साधारण रूप से स्वीकृत लेखा नीतियों (जीएएपी) के अनुसार पारंपरिक पद्धति के अनुसार तैयार किया है।

#### 1.2 आंकलन का उपयोग

गैप (जीएएपी) के अनुकूल वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए जरूरत है कंपनी के प्रबंधन द्वारा लिए गए निर्णय, आंकलन एवं अनुमानों, जो आस्तियों और देयताओं के उल्लिखित राशि को तथा वित्तीय विवरणों की तिथि को संभावित आस्तियों और दायित्व से संबंधित उद्घोषणाओं को तथा उल्लिखित आय और व्यय की उल्लिखित राशि को प्रभावित करता है। वास्तविक परिणाम एवं आंकलन के अंतर को उसी अवधि में स्वीकृत किया गया है, जिस अवधि में वह ज्ञात/कार्यान्वित हुआ है।

#### 1.3 आस्तियां एवं मूल्यहास

स्थाई आस्तियों को क्रय मूल्य से संचित मूल्यहास को घटाकर दिखाया गया है।

लीज पर ली गई जमीन को लीज अवधि तक दिखाया गया है।

सॉफ्टवेयर को, जहां यह संभावित है कि वह भविष्य में आर्थिक लाभ देगा, पूंजी में परिणत किया गया है तथा उसे अमूर्त आस्तियों के रूप में दिखाया गया है। पूंजीकरण की लागत में लाइसेंस फीस तथा अनुपालन की लागत/सिस्टम अनुकूलन सेवा का खर्च शामिल है। पूंजीकरण की लागत उस वर्ष में ही दिखाया गया है, जिस वर्ष में संबंधित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल आरम्भ किया गया।

कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची 14 में निर्धारित दर से मूल्यहासित मूल्य पद्धति के आधार पर मूल्यहास का आंकलन किया गया है।

#### 1.4 निवेश

जो निवेश एक वर्ष से अधिक लिए हैं/किए जाने हैं, उन्हें दीर्घकालीन निवेश माना जाता है। निवेशों की गणना लागत के अनुसार की जाती है। लाभ-हानि को केवल बिक्री के वक्त आय/खर्च के रूप में जोड़ा जाता है। वर्तमान निवेश की लागत कम आंका जाता है तथा उचित मूल्य का निर्धारण व्यक्तिगत निवेश के आधार पर किया जाता है।

#### 1.5 स्टॉक

मार्गस्थ सामान सहित व्यापारगत स्टॉक की मूल्य गणना उसके लागत मूल्य या अनुमानित शुद्ध प्राप्य कीमत, दोनों में जो भी कम हो, के आधार पर की जाती है। लागत में क्रय मूल्य और अन्य प्रत्यक्ष खर्च शामिल होते हैं।

## NOTES TO FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH, 2014

### 1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

#### 1.1 BASIS OF ACCOUNTING

The Company maintains its accounts on accrual basis following the historical cost convention in accordance with generally accepted accounting principles ["GAAP"], in compliance with the provisions of the Companies Act, 1956 including applicable sections of New Companies Act, 2013 and the Accounting Standards as specified in the Companies (Accounting Standard) Rules, 2006 (As amended including applicable sections of New Companies Act, 2013), prescribed by the Central Government.

#### 1.2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements in conformity with "GAAP" requires that the management of the Company make judgements, estimates and assumptions that affect the reported amount of assets and liabilities and the disclosures relating to contingent assets & liabilities as of the date of the financial statements and reported amount of income and expenses during the period. Difference between the actual results and estimates are recognised in the period in which the results are known / materialised.

#### 1.3 ASSETS AND DEPRECIATION

Fixed Assets are stated at cost of acquisition less accumulated depreciation.

Leasehold land is amortised over the lease period.

Software is capitalized where it is expected to provide future enduring economic benefits and same is shown under Intangible Assets. Capitalisation cost includes Licence fees and cost of implementation / system integration services. The cost is capitalized in the year in which the relevant software is put to use.

Depreciation is charged on written down value method at the rates prescribed in Schedule XIV of the Companies Act, 1956.

#### 1.4 INVESTMENTS

Investments held / intended to be held for a period exceeding one year are classified as long term investments and the same are stated at cost. Gains / losses on long term investments are considered as income/expenditure at the time of sale only. Current investments are stated at lower of cost and fair value determined on an individual investment basis.

#### 1.5 INVENTORIES

Stock in trade including Material-in-transit is valued at cost or estimated net realisable value whichever is less. The cost includes purchase cost and other direct expenses.

## 1.6 राजस्व गणना

### क्रय, विक्रय एवं सेवा शुल्क

राजस्व की गणना यह मान कर की जाती है कि आर्थिक लाभ का प्रवाह कंपनी को होगा एवं राजस्व का समुचित आंकलन संभव है।

#### (1) क्रय

- i) आयातित सामग्री को लदान-बिल की तारीख के आधार पर क्रय के रूप में लेखा में शामिल किया जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, की गई खरीद को वास्तविक प्रेषण के आधार पर एवं जहां इस तरह का प्रेषण वित्त वर्ष के अंत तक नहीं हुआ हो, पर माल बुक किया गया हो वहां पहले से तह अग्रेषण विनिमय दरों या अगर अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया हो तो वित्त वर्ष के आखिरी दिन को लागू तत्कालीन विनिमय दरों पर, यथास्थिति, लेखा में सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ दर्ज किया जाता है एवं तत्पश्चात अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में वास्तविक भुगतान पर किया जाता है।
- ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, खरीददारी को परिवहन दस्तावेज एवं विक्रेता के चालान की तारीख के आधार पर लेखा में डाला जाता है। जहां तक मूल्य का संबंध है, चालानों पर अंकित मूल्य को ही खरीद मूल्य माना जाता है।
- iii) निर्यात के लिए खरीदी गई सामग्री के मामले में, खरीददारी को विक्रेता के चालान की तारीख के आधार पर खाते में दर्ज किया जाता है।

#### (2) विक्रय

- i) हाई-सी बिक्री को हाई-सी विक्रय पत्र निर्गत होने की तारीख के आधार पर लेखे में बुक किया जाता है। जहां तक लागत का संबंध है, यदि माल बुक किया गया हो तो, पहले से तय अग्रेषण-विनिमय दरों पर या अनंतिम रूप से बुक किया गया हो तो वित्त वर्ष के समापन की तारीख पर प्रचलित उपलब्ध विनिमय दरों पर, जहां अग्रेषण पत्र नहीं लिया गया है, मूल्य की गणना सी एंड एफ/सीआईएफ के साथ की जाती है तथा अंतिम समायोजन अगले वित्त वर्ष में भुगतान की तय तारीख पर कर दिया जाता है।
- ii) स्वदेशी सामग्री के मामले में, की गई बिक्री को विक्रेता से प्राप्त चालान के मूल्य के आधार पर एवं जूट के मामले में बिल की रसीद नोट के आधार पर लेखा में शामिल किया जाता है।
- iii) निर्यात के मामले में बिक्री को शिपमेंट की तारीख के आधार पर लेखा दर्ज किया जाता है। जहां तक मूल्यों का संबंध है, बिक्री या तयशुदा विनिमय दरों पर यदि बुक की गई है, या माल की निकासी दस्तावेज के अनुसार शिपमेंट की तारीख पर दरों में निर्यात के वास्तविक वसूली पर अंतिम समायोजन के बाद लेखे में लिया जाता है।

#### (3) सेवा शुल्क

फेसिलिटेटर मोड के माध्यम से विपणन विभाग में लेनदेन के लिए, प्रिंसिपलों की ओर से स्क्रेप का बिक्री कार्य करने के वास्ते अथवा-नीलामी, निविदा या अन्य विधियों से सरकारी उपकरणों और इस्पात संयंत्रों के लिए स्क्रेप के आवंटन या प्रेषण कार्य के वास्ते प्राप्त पारिश्रमिक को सेवा-शुल्क के रूप में लेखा में लिया जाता है।

## 1.6 REVENUE RECOGNITION

### PURCHASES, SALES AND SERVICE CHARGES

Revenue is recognized to the extent it is probable that the economic benefits will flow to the Company and the revenue can be reasonably measured.

#### (1) Purchases

- i) Imported materials are accounted for as purchase on the basis of date of bill of lading. As regards value, purchase are booked on the basis of actual remittance and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates, if booked, or spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, in case forward cover was not taken, as the case may be, which includes C&F / CIF price and usance interest followed by final adjustments on actual payment in subsequent financial year.
- ii) In case of indigenous materials, purchases are booked on the basis of transport documents & date of sellers' invoices. As regards value, purchases are booked based on the value of invoices.
- iii) In case of purchase of material for export, purchases are booked on the basis of date of sellers' invoices.

#### (2) Sales

- i) High sea sales are booked on the basis of date of issuance of high sea sale letter. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or provisionally on the basis of spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, where forward cover was not taken, which includes C&F / CIF price, usance interest followed by final adjustment on due date of payment in subsequent financial year.
- ii) In case of indigenous material, sales are accounted for on the basis of value of invoices received from the seller and on the basis of bills receipt note in the case of jute.
- iii) In case of export, sales are accounted for on the basis of date of shipment. As regards value, sales are booked either at contracted forward exchange rates, if booked, or at the rate on the date of shipment as per custom clearance document, followed by final adjustment on actual realization of export proceeds.

#### (3) Service Charges

Remuneration for transaction in Marketing Department through facilitator mode, conducting sales on behalf of Principals, allotment or despatches of scrap of Public Sector Undertakings and steel plants, whether by way of auctions, tenders, or any other means, are accounted for as service charges.

## सेवा शुल्क

- (क) सेवा शुल्क को तयशुदा दरों पर आय के रूप में निम्नलिखित रूप से लेखा में शामिल किया जाता है :
- (i) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा एवं अन्य सरकारी विभागों की ओर से की गई नीलामी-बिक्री निविदाओं के मामले में, बिक्री आदेशों/डिलीवरी आदेशों के जारी होने पर।
- (ii) ई-विक्रय की संतोषजनक समाप्ति पर।  
उपरोक्त (i) एवं (ii) के संबंध में ऑक्शन के बोली मूल्य पर सेवा शुल्क लेखे में लिया जाता है समायोजन के साथ, अगर है, प्रिंसिपल द्वारा वास्तविक प्रेषण के आधार पर।
- (iii) कार्यक्रम होने पर, अगर कार्यक्रम के आधार पर सेवा संविदा है।
- (iv) ई-प्रोक्योरमेंट के मामले में सेवा शुल्क निम्न रूप में गणना की जाती है:  
पुराने संस्करण में, कार्यक्रम सम्पूर्ण होने पर, प्रिंसिपल से सेवा शुल्क संग्रहणीय है तथा नए संस्करण में बोलीदाताओं से प्राप्त रसीद पर लेन देन शुल्क लेखादेय है।
- (ख) कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संचालन पर ई प्रोक्योरमेंट लेनदेन शुल्क गणना की जाती है।
- (ग) मध्यस्थ के रूप में क्रय से प्राप्त सेवा शुल्क को तयशुदा दर पर लदान बिल की/रेलवे रसीद/लॉरी रसीद की तारीख के आधार पर, यथा स्थिति, लेखा में लिया जाता है। आयातित सामग्री के लिए मूल्य-निर्धारण या तो अग्रेषण आवरणपत्र में अंकित दर या वित्तीय वर्ष के अंतिम तारीख को प्रचलित स्पॉट दर पर किया जाता है। अंतिम समायोजन वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है। स्वदेशी सामान के मामले में, मूल्य निर्धारण तयशुदा दर पर किए गए वास्तविक भुगतान के आधार पर किया जाता है।

## ई-नीलामी पंजीकरण

ई-नीलामी पंजीकरण के लिए क्रेताओं से पंजीकरण शुल्क लिया जाता है। अगर पंजीयन की वैधता एक वर्ष के लिए तो इसे चालू वर्ष की आय के रूप में माना जाता है। अगर पंजीकरण आजीवन अवधि के लिए है तो पंजीयन शुल्क की प्राप्त राशि को समान रूप से पांच वर्षों में बांट दिया जाता है।

## अन्य आय

- (i) ग्राहकों से विलम्बित उगाही, यदि कोई हो, जिसकी उगाही अनिश्चित है, उस पर ब्याज को छोड़कर संग्रहण पर आधारित ब्याज आय को लेखे में लिया जाता है।
- (ii) लाभांश आय को तभी स्वीकृत किया जाता है जब लाभांश प्राप्त करने का अधिकार प्रमाणित होता है।
- (iii) किराए आय को संग्रहण के आधार पर स्वीकृत किया जाता है।

## 1.7 आय पर कर

कर खर्चों में वर्तमान और आस्थगित कर शामिल हैं। भारतीय आयकर अधिनियम के अनुसार कर प्राधिकरण को संभावित भुगतान राशि को चालू आयकर में मापा जाता है। आस्थगित कर की स्वीकृति निर्भर करता है, समय के अंतर के विवेचना से एक ही अवधि के कर योग्य आय और लेखा आय के भेद पर एवं एक या अधिक अवधि में पलटने में संक्षम है।

## SERVICE CHARGES

- (a) Service charges are accounted for as income at contracted rates on :
- i) Tender/Auction sale on behalf of Public Sector Undertakings, Defence and other Government Departments on issuance of sale orders / delivery orders.
- ii) On satisfactory completion of e-sales.  
In respect of (i) & (ii), service charges are accounted for on bid price of auction with adjustments, if any, on the basis of actual delivery by the Principals.
- iii) On occurrence of event , in case of service contract on event basis.
- iv) In case of E Procurement Service charges are booked :  
In Old Version, on completion of event, service charges collectable from the Principal and in the new version, transaction fee are accountable on receipt from the bidders.
- (b) E Procurement transaction fees are accounted on successful conduct of event.
- (c) Service charges accrued in respect of purchase as facilitator are accounted for at the contracted rate on the basis of date of bill of lading / railway receipt / lorry receipt as the case may be. For imported materials, value is ascertained either at forward cover rate or at spot rate prevailing on the last date of the Financial Year. Final adjustment is made on actual payment. In case of indigenous materials, value is ascertained on the basis of actual payment at contracted rate.

## E-AUCTION REGISTRATION

E-auction Registration fees collected from buyers is considered as income of the current year if the validity of registration is upto one year. In case of life long registration, the amount so collected is distributed in five years equally.

## OTHER INCOME

- (i) Interest income is accounted for on accrual basis except interest on overdue recoverable from customers, if any, where realization is uncertain.
- (ii) Dividend income is recognized when right to receive dividend is established.
- (iii) Rental Income is recognized on accrual basis.

## 1.7 TAXES ON INCOME

Tax expenses comprises of current and deferred tax. Current income tax is measured at the amount expected to be paid to the tax authorities in accordance with the Indian Income Tax Act. Deferred tax is recognized, subject to consideration of prudence on timing differences representing the difference between the Taxable income and Accounting income that originate in one period and are capable of reversal in one or more subsequent periods.

### 1.8 दावा

कंपनी द्वारा भेजे गए दावे को पार्टी द्वारा स्वीकार करने के साथ लेखे में शामिल किया जाता है। कंपनी पर किए गए दावे को कंपनी की स्वीकृति के बाद लेखे में शामिल किया जाता है। संविदानुसार टेकों का निष्पादन करने में विफल होने पर सप्लायरों से वसूली गई रकम को केवल प्राप्तकर्ताओं के बीच आनुपातिक बंटवारे के समय विविध आय के रूप में लेखे में शामिल किया जाता है।

### 1.9 पूर्व-अवधि समायोजन

पूर्व वर्षों से संबंधित आय और व्यय को, जो गलती या चूक से हिसाब में नहीं लिए गए थे, पूर्व-अवधि समायोजन के रूप में लेखा में लिया गया है। परंतु, किसी विशेष वर्ष में लिए गए निर्णय के फलस्वरूप हुए आय और व्यय को यद्यपि वे पिछले वर्षों से संबंधित रहे हों, उस विशेष वर्ष के लेनदेन के रूप में लेखा में शामिल किया जाता है, जिसमें निर्णय लिया गया।

### 1.10 प्रावधान एवं आकस्मिक देयताएं

मात्रा के आंकलन का पर्याप्त डिग्री जिसे तब रेखांकित किया गया है जब वर्तमान दायित्व गत घटना का परिणाम है, को प्रावधान में शामिल किया गया है एवं संभव है कि संसाधन का बहिर्वाह होगा एवं दायित्व राशि के आधार पर एक विश्वसनीय आंकलन किया जा सके। इन सबों पर पुनर्विचार प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर किया गया है और वर्तमान उचित आंकलन के सामने इसका समायोजन किया गया है। प्रबंधन/स्वतंत्र विशेषज्ञ के निर्णय के आधार पर आकस्मिक देयताओं का निर्णय किया जाता है। इन सबों पर प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख पर विचार किया गया और प्रबंधन के वर्तमान आंकलन के सामने समायोजन किया गया।

### 1.11 संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान

साधारण तौर पर, बकाया राशि की अवधि की अपेक्षा किए बिना जहां पर वसूली की अनिश्चितता होती है संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों के लिए प्रावधान किया जाता है।

विपणन ग्राहकों के लिए जहां पर बकाया राशि को साधारणतः बंधक स्टॉक द्वारा सुरक्षित किया जाता है, वहां उनकी वसूली के मद्देनजर प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया शेष राशि की वार्षिक समीक्षा की जाती है एवं तदनुसार पर्याप्त प्रावधान किया जाता है।

ई-कॉमर्स ग्राहकों के लिए जिसमें मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा सरकारी विभाग शामिल होते हैं, जहां वसूली में साधारणतः अधिक समय लगता है। यद्यपि डिलीवरी आर्डरों के जारी होने पर बिल जमा किया जाता है परंतु वास्तविक रूप से डिलीवरी के समापन होने पर भुगतान किया जाता है। इस तरह के देनदारों के लिए तीन वर्षों से अधिक समय के बकाया के लिए पूरा प्रावधान किया जाता है जब तक न रकम को वसूली योग्य माना जाता है।

### 1.12 कर्मचारी का हित

#### लघु अवधि लाभ

लघु अवधि कर्मचारी हित का लेखा उनके अनडिस्काउंटेड राशि के लिए उस वर्ष में ही किया जाता है, जिस वर्ष में सेवाएं प्रदान की गई हैं।

### 1.8 CLAIMS

Claims preferred by the Company are accounted for as and when accepted by the party. Claims against the Company are accounted for on acceptance by the Company. Amount realised from suppliers for non-performance of contract is accounted as miscellaneous income only at the time of proportionate disbursement amongst the receivers.

### 1.9 PRIOR PERIOD ADJUSTMENT

Due to error/omission in the earlier years, income and expenditure relevant to those years are accounted as prior period adjustment in the account. But income and expenditure arising out of decisions taken in a particular year, though pertaining to earlier years, are accounted as transactions during that particular year in which decision is taken.

### 1.10 PROVISIONS AND CONTINGENT LIABILITIES

Provisions involving substantial degree of estimation in measurement (without being discounted to its present value) are recognized when there is a present obligation as a result of past events and it is probable that there will be an outflow of resources and a reliable estimate can be made of the amount of the obligation. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current best estimate. Contingent liabilities are disclosed on the basis of judgement of the management / independent experts. These are reviewed at each balance sheet date and are adjusted to reflect the current estimate of management.

### 1.11 PROVISIONS FOR DOUBTFUL DEBTS/ADVANCES

In general, provision for doubtful debts/advances is made where there is uncertainty of realization irrespective of the period of its dues.

For Marketing customers where dues are generally secured by pledged stock, outstanding balances are reviewed annually towards the end of each financial year with respect to their realisability and accordingly adequate provisions are made in the books.

For E-Commerce customers which mainly comprise of public sector undertakings and Govt. departments, the realization normally takes more time since although bills are raised on issuing delivery orders but payments are made on completion of actual delivery. For such debtors outstanding over three years full provision is made unless the amount is considered recoverable.

### 1.12 EMPLOYEE BENEFITS

#### Short term benefits

Short term employee benefits are accounted for at their undiscounted amount in the accounting period which the services are rendered.

### नियोजन पश्चात हित एवं अन्य दीर्घ अवधि कर्मचारी हित

कंपनी में सेवानिवृत्ति लाभ की कई योजनाएं जैसे कि भविष्य निधि, आनुतोषिक योजना, सेवापरांत चिकित्सा लाभ, छुट्टी नकदीकरण आदि लागू हैं।

आनुतोषिक निधि में अंशदान भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना की शर्तों के अनुसार ट्रस्ट के माध्यम से किया जाता है।

भविष्य निधि का संचालन स्वतंत्र रूप से गठित न्यास द्वारा किया जाता है। भविष्य निधि में किए गए मासिक अंशदान को राजस्व के रूप में लिया जाता है। भविष्य निधि ट्रस्ट को देय निश्चित ब्याज (सरकारी अधिसूचना के अनुसार) के लिए डेफिसिट (कमी) यदि कोई हो, को वास्तविक के आधार पर लेखा में शामिल किया गया है।

अस्पताल में दाखिला जैसी सेवानिवृत्ति के पश्चात चिकित्सा सुविधाएं भारतीय यूनिट ट्रस्ट और न्यू इंडिया ऐसुरेंस तथा यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड की बीमा पॉलिसी के तहत रखी गई हैं।

अवकाश प्राप्ति के पश्चात डोमिसिलीयरी चिकित्सा के लिए समय-समय पर निर्धारित अधिकार के अनुसार वास्तविक भुगतान पर चिकित्सा खर्च लेखे में लिया गया है।

अवकाश प्राप्ति पर छुट्टियों का नकदीकरण भारतीय जीवन बीमा निगम के ग्रुप लीव इंकेशमेंट स्कीम पॉलिसी के तहत रक्षित है।

#### 1.13 संपत्तियों की हानि

आय स्रोत एवं संपत्तियों की लागत पर हानि का मूल्यांकन वर्ष के अंत में किया जाता है। हानि को तभी माना जाता है जब प्राप्त राशि की तुलना में मूल लागत अधिक हो। शुद्ध प्राप्त राशि अथवा वर्तमान मूल्य में जो भी अधिक है वही प्राप्य राशि है।

#### 1.14 विदेशी मुद्रा अंतरण

विदेशी मुद्रा में लेनदेन को या तो वादया बुकिंग दर या हाजिर दर के अनुसार लेखे में लिया जाता है, एवं जहां वर्ष के समापन के वक्त ऐसी रकम (प्रेषणाधीन) बकाया है वहां तयशुदा वायदा विनिमय दरों पर या फिर वित्त वर्ष की आखिरी तारख को प्रचलित हाजिर विनिमय दरों के आधार पर, यथास्थिति, लेखा में लिया जाता है। निर्यात के मामले में विदेशी मुद्रा में लेनदेन को फॉरवर्ड बुकिंग दर के आधार पर अथवा कस्टम के क्लीयरेंस प्रमाणपत्र के अनुसार शिपमेंट की तारीख को हाजिर दर पर रिकॉर्ड किया जाता है और वर्ष के अंत में अगर इस तरह की राशि बकाया है तो अगले वर्ष निर्यात के लिए वास्तविक रूप से मिली राशि का समायोजन किया जाता है।

#### 1.15 कर्ज की लागत

(i) अधिग्रहण और विशेष आस्तियों के निर्माण के लिए ली गई निधि का पूंजीकरण उस आस्तियों को इस्तेमाल करने की तिथि तक तथा (ii) अन्य उद्देश्यों से ली गयी निधि से संबंधित ऋण लागत को लाभ एवं हानि लेखा में दिखाया गया है।

### Post employment benefits and other long term employee benefits

The company has various schemes of retirement benefit such as Provident Fund, Gratuity Schemes, Post - retirement medical benefits, Leave Encashment, etc.

Contributions to Gratuity Fund are made in accordance with the terms of the Schemes of the Life Insurance Corporation of India through trust.

The Provident Fund is administered by an independently constituted trust. Monthly contributions to the funds are charged to revenue. Deficit if any for guaranteed interest due (as per Government Notification) to Provident Fund Trust are accounted for on actual basis.

Post Retirement medical benefit for hospitalisation is covered by Insurance Policy from Unit Trust of India, New India Assurance Co. Ltd and United India Insurance Co Ltd. Medical expenses are booked on actual payment basis as per entitlement fixed from time to time for post retirement domiciliary treatment.

Leave Encashment on retirement are covered by Group Leave Encashment Scheme Policy from Life Insurance Corporation of India.

#### 1.13 IMPAIRMENT OF ASSETS

Carrying amount of cash generating units / assets is reviewed for impairment at the end of year. Impairment, if any, is recognized where the carrying amount exceeds the recoverable amount, the latter being the higher of net realizable price and value in use.

#### 1.14 FOREIGN CURRENCY TRANSLATION

Transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate and where such remittance are outstanding at the close of the year, on the basis of contracted forward exchange rates or spot exchange rates prevailing on the last date of the financial year, as the case may be. In case of export, transaction in foreign currency are recorded either on forward booking rate or on spot rate on shipment date as per custom clearance document and where such remittance are outstanding at the close of the year, it is adjusted in the subsequent year on actual realization of export proceeds.

#### 1.15 BORROWING COST

Borrowing Cost relating to (i) funds borrowed for acquisition/construction of qualifying assets are capitalized upto the dates the assets are put to use, and (ii) funds borrowed for other purposes are charged to Profit & Loss Account.

**टिप्पणी 2 : शेयर पूंजी**

**Note 2 : Share Capital**

(₹ in Lacs) / (रु. लाख में)

शेयर पूंजी Share Capital	मार्च, 2014 को As at 31 March 2014		मार्च, 2013 को As at 31 March 2013			
	संख्या Number	₹	संख्या Number	₹		
<b>प्राधिकृत</b> प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	<b>Authorised</b> Equity Shares of ₹10/- each		5,00,00,000	5,000	5,00,00,000	5,000
<b>जारी, अभिदत्त एवं पूर्णतः प्रदत्त</b> प्रत्येक रु. 10/- के इक्विटी शेयर	<b>Issued, Subscribed &amp; fully Paid up</b> Equity Shares of ₹ 10/- each		88,00,000	880	88,00,000	880
<b>कुल</b>	<b>Total</b>		<b>88,00,000</b>	<b>880</b>	<b>88,00,000</b>	<b>880</b>

**टिप्पणी 2(ए) :** प्रतिवेदित अवधि के आरम्भ और समाप्ति पर बकाया शेयरों की संख्या के मिलान का प्राधिकृत विवरण

**Note 2(a) :** Reconciliation of the number of shares outstanding at the beginning and at the end of the reporting period :

विवरण Particulars	मार्च, 2014 को As at 31 March 2014		मार्च, 2013 को As at 31 March 2013		
	संख्या Number	₹	संख्या Number	₹	
वर्ष के आरम्भ में बकाया शेयर	Shares outstanding at the beginning of the year	88,00,000	880	22,00,000	220
सामान्य आरक्षित से 1:3 अनुपात में बोनस शेयर जारी	Bonus shares issued in the ratio 1:3 out of General Reserve	0	0	66,00,000	660
वर्ष की समाप्ति पर बकाया शेयर	Shares outstanding at the end of the year	88,00,000	880	88,00,000	880

**टिप्पणी 2 (बी) :** कंपनी में केवल एक ही श्रेणी का सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) है, जिसकी कीमत प्रति शेयर रु. 10/- है। सामान्य शेयर (ईक्विटी शेयर) के प्रत्येक धारक प्रति शेयर के लिए एक वोट के हकदार और लाभांश के हकदार हैं तथा बंद किए जाने की स्थिति में अधिशेष यदि है, के भागीदार हैं।

**Note 2(b) :** The Company has only one class of ordinary shares ('Equity Shares') having a par value of ₹10 each. Each holder of ordinary shares ('Equity Shareholders') is entitled to one vote per share and are entitled to dividend and to participate in surplus, if any, in the event of winding up.

**टिप्पणी 2 (सी) :** कंपनी के शेयरों की कुल मात्रा का 5 प्रतिशत से ज्यादा शेयर रखने वाले शेयर धारक:

**Note 2(c) :** Shares in the company held by each shareholder holding more than 5 percent shares:

शेयरधारक का नाम Name of Shareholder	मार्च, 2014 को As at 31 March 2014		मार्च, 2013 को As at 31 March 2013	
	धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding	धारित शेयरों की संख्या No. of Shares held	धारण का % प्रतिशत % of Holding
भारत के राष्ट्रपति President of India	79,06,400	89.85%	79,06,400	89.85%

**टिप्पणी 2(डी) :** वर्ष 2012-13 के दौरान 3:1 के अनुपात में 66,00,000 बोनस शेयरों को जारी किया गया।

**Note 2(d) :** 66,00,000 bonus shares has been issued during 2012-13 in the ratio of 3:1.

टिप्पणी 3 : आरक्षित एवं अधिशेष :

Note 3 : Reserves and Surplus :

(रु. लाख में)/(₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
<b>ए. सामान्य आरक्षित</b>	<b>a. General Reserve</b>		
आरम्भिक जमा	Opening Balance	68717	59386
(+) वर्तमान वर्ष का अंतरण	(+) Current Year Transfer	(7003)	9985
(-) 3:1 अनुपात में बोनस शेयर जारी हेतु शेयर पूंजी में अंतरण	(-) Transferred to Share Capital towards issue of Bonus shares in the ratio 3:1	-	660
(+) रिटेन बैक डीडीटी के लिए अतिरिक्त प्रावधान	(+) Excess provision for DDT written back	7	6
<b>अंतिम शेष</b>	<b>Closing Balance</b>	<b>61721</b>	<b>68717</b>
<b>बी. अधिशेष</b>	<b>b. Surplus</b>		
आरम्भिक जमा	Opening balance	-	-
चालू वर्ष के लिए (+) शुद्ध लाभ/शुद्ध हानि	(+) Net Profit/(Net Loss) For the current year	(7003)	13073
(-) प्रस्तावित लाभांश	(-) Proposed Dividends	-	2640
(-) लाभांश वितरण कर	(-) Dividend Distribution Tax	-	448
(-) आरक्षित में अंतरण	(-) Transfer to Reserves	(7003)	9985
<b>अंतिम शेष</b>	<b>Closing Balance</b>	<b>-</b>	<b>-</b>
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>61721</b>	<b>68717</b>

टिप्पणी 4: अन्य दीर्घावधि देयताएं

Note 4 : Other Long Term Liabilities:

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
(ए) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम प्राप्त आय	(a) Income received in advance - E auction Registration	286	326
(बी) व्यापारगत देय	(b) Trade Payable	2	2
(सी) अर्बिट्रेशन के लिए जमा	(c) Deposit for arbitration	-	223
(डी) कर्मचारी हित के लिए देयताएं	(d) Liability for staff benefit	123	117
(ई) ग्राहकों से जमा	(e) Deposit from customers	259	259
(एफ) अन्य	(f) Others	26	26
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>696</b>	<b>953</b>

दिनांक 31.03.2014 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों से कोई भी बकाया नहीं है (पिछला वर्ष कुछ नहीं)।

There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.14.(Pervious year Nil).

टिप्पणी 5 : अल्पावधि कर्ज :

Note 5 : Short Term Borrowings :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
<b>प्रतिभूत</b>	<b>Secured</b>		
<b>मांग पर ऋण प्रतिदेय</b>	<b>Loans repayable on demand</b>		
बैंकों से	From Banks	31570	48185
(मियादी जमा रसीद पर लियेन द्वारा प्रतिभूत रु. 76354 लाख, गत वर्ष रु. 91,079 लाख)	(Secured by lien on FDR ₹ 76354 Lacs, Previous year ₹ 91,079 Lacs)		
कार्यशील पूंजी ऋण (चालू आस्तियों के बदले में प्रतिभूत) टिप्पणी (ए)	Working Capital loan (Secured against Current Assets) Note(a)	40232	29162
		<b>71802</b>	<b>77347</b>
<b>अप्रतिभूत</b>	<b>Unsecured</b>		
<b>मांग पर ऋण प्रतिदेय</b>	<b>Loans repayable on demand</b>		
बैंकों से टिप्पणी (बी)	From Bank Note(b)	14416	24416
		<b>14416</b>	<b>24416</b>
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>86218</b>	<b>101763</b>



**उपरोक्त में शामिल है :**

**क) इंडियन ओवरसिज बैंक (आईओबी) से ऋण राशि रु. 138 लाख (दिनांक 19.9.2011 से पड़ा हुआ)**

यह राशि बैंक अपने दावे की प्रतिरक्षा के लिए कानूनी कार्यवाही शुल्क के रूप में भुगतान किया है। यह कंपनी इसका बैंक के समक्ष प्रतिवाद कर रही है। इसके अतिरिक्त एमएसटीसी ने माननीय कोलकाता उच्च न्यायालय के पास आईओबी के विरुद्ध रु. 3656 लाख (जिसमें रु. 2798 लाख एलसी मूल्य डेबिट हेतु एवं रु. 858 लाख कानूनी खर्च के लिए डेबिट शामिल है) के लिए मामला किया है।

**ख) स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक से रु. 14416 लाख का ऋण :**

वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान स्वर्ण आभूषण के निर्यात का कुल प्राप्य रु. 63821 लाख में से स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने रिसिवल परचेज एग्रीमेंट के तहत रु. 18466 लाख का प्राप्य खरीदा था। इस खाते में बकाया राशि रु. 16916 लाख के तहत, एससीबी ने रु. 2500 लाख का समायोजन किया तथा दिनांक 31.03.2014 को बकाया शेष राशि रु. 14416 लाख है। एससीबी ने विदेशी ग्राहकों से इस राशि को डेबिट किया एवं प्रारंभिक रूप से प्रत्येक ग्राहकों के लेख के विरुद्ध एमएसटीसी में क्रेडिट किया है एवं ग्राहकों से प्राप्त भुगतान डेबिट के विरुद्ध है। वर्ष 2009 में इन सभी भुगतान की देय तिथि समाप्त है। चूंकि तब से ग्राहकों से भुगतान नहीं आ रहा था, मार्च, 2012 में एससीबी ने कुल शेष को बकाया बीजक में अंतरण किया है। ब्याज सहित कुल रु.19,158.00 लाख एमएसटीसी का ऋण है एवं एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी मुंबई में मामला दर्ज किया है। एससीबी ने खरीदारों द्वारा भुगतान करने में असमर्थ होने के लिए आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के साथ प्राप्य क्रय करार के तहत उनके द्वारा कुल खरीदी गई राशि के तहत बीमा किया है। हालांकि, एससीबी ने तदुपरांत बीमा कंपनी आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध बम्बई उच्च न्यायालय में मामला दायर किया है।

बहरहाल, बीमा कंपनी ने ऊपर उल्लिखित बकाया प्राप्य के लिए उनके दावे को इंकार किया है। आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड के विरुद्ध मामला दर्ज करने के बदले एससीबी ने पहले अवैध रूप से बकाया को एससीबी के पास एमएसटीसी के ऋण में अंतरण किया है और जैसे कि ऊपर में बताया गया है कि एमएसटीसी के विरुद्ध डीआरटी में प्रक्रिया किया है। एमएसटीसी ने इसको डीआरटी में आपत्ति की एवं आईसीआईसीआई लॉम्बार्ड एवं एससीबी के विरुद्ध अलीपुर कोर्ट में मामला दर्ज किया है कि उनके प्राप्य को एससीबी द्वारा ऋण में परिवर्तन करने की रोकथाम में तथा एससीबी को बीमाकर्ता से उनके दावे को प्राप्त करने के लिए लगे रहना चाहिए।

कंपनी ने इसके बुक में एससीबी के रु. 24574 लाख (चालू खाते में कुल शेष राशि रु. 54 लाख) के कुल दावे के विरुद्ध ब्याज सहित रु. 22304 लाख देयताओं में दर्शाया है। रु. 2270 लाख शेष दावे को आकस्मिक देयताओं में दर्शाया गया है, कानूनी मामले का निर्णय लंबित है।

**Above includes :**

**a) Loan from Indian Overseas Bank (IOB) amounting to ₹138 lacs: (lying since 19.9.2011)**

This amount represents legal fees paid by the bank in defending their claims to which the Company has lodged its protest with the Bank. Apart from these, MSTC has also preferred case in Hon. High Court of Calcutta against IOB for ₹ 3656 lacs (which includes ₹ 2798 lacs towards debit of LC value & ₹ 858 lacs as debit towards legal expenses).

**b) Loan from Standard Chartered Bank of ₹ 14416 lacs :**

Out of the total export of ₹ 63821 lacs on account of export of gold jewellery during FY 2008-09, Standard Chartered Bank (SCB) had purchased receivables amounting to ₹ 18466 lacs under a Receivable Purchase Agreement. Against amount outstanding ₹ 16916 lacs on this account, SCB has adjusted ₹ 2500 lacs and balance amount of ₹14416 lacs remains outstanding as on 31.3.2014. SCB had debited this amount to the foreign buyer and credited the amount to MSTC against each individual buyer's account initially and set off the payments received from the buyers against the debit. The due dates of all these payments expired by 2009. As payments were not forthcoming from the buyers since then, in March 2012, SCB converted the total balance against the outstanding invoices including interest aggregating to ₹ 19158 lacs into debt of MSTC and filed a case against MSTC in DRT, Mumbai. SCB had also insured the total amount purchased by them against the Receivables Purchase Agreement with ICICI Lombard for default in payment by the buyers. However, SCB has subsequently filed a suit against ICICI Lombard, the Insurance Co. in Bombay High Court.

However, their claim for the outstanding receivables mentioned above was repudiated by the Insurance Company. Instead of initiating a legal case against ICICI Lombard, SCB first illegally converted the outstanding as debt of MSTC to SCB and proceeded in DRT against MSTC as stated above. MSTC challenged this in DRT and also filed a case against SCB and ICICI Lombard in Alipore Court to stop giving effect of converting their receivables into debt by SCB and also that SCB should pursue its claim with the insurer.

Against the total claim of ₹ 24574 lacs (Net of balance in current account ₹ 54 lacs) of SCB, the Company has already shown as liability in its books for ₹ 22304 lacs inclusive of interest. Balance claim of ₹ 2270 lacs has been shown as contingent liability, pending the outcome of the legal cases.

**टिप्पणी 6 :** व्यापारगत देयताएं :

**Note 6 :** Trade Payables :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण Particulars	31 मार्च, 2014	31 मार्च, 2013
	31 March 2014	31 March 2013
व्यापारगत देय	318547	361452
<b>कुल</b>	<b>318547</b>	<b>361452</b>

दिनांक 31.03.2014 तक (पिछला वर्ष कुछ नहीं) ऐसा कोई भी माइक्रो, छोटे एवं मझले इंटरप्राइजेज के पास कोई राशि बकाया नहीं है।

There are no outstanding with Micro, Small and Medium Enterprises as at 31.03.14.(Previous year Nil).

**टिप्पणी 7 :** अन्य चालू देयताएं :

**Note 7:** Other Current Liabilities :

विवरण Particulars	31 मार्च	31 मार्च	
	31 March 2014	31 March 2013	
(ए) ब्याज प्रदभूत लेकिन उधार पर देय नहीं	(a) Interest accrued but not due on borrowings	7889	5954
(बी) ब्याज प्रदभूत एवं उधार पर देय	(b) Interest accrued and due on borrowings	-	8
(सी) ई-नीलामी पंजीकरण से अग्रिम आय प्राप्ति	(c) Income received in advance - E auction Registration	204	209
(डी) अप्रदत्त लाभांश	(d) Unpaid dividends	68	59
(ई) अन्य देय	(e) Other payables		
i) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	i) Auditor's Remuneration	4	4
ii) देय बिक्री कर	ii) Sales Tax Payable	273	49
iii) देय टीडीएस	iii) TDS Payable	547	465
iv) पार्टियों से अग्रिम	iv) Advance from parties	269	338
v) ईएमडी/सुरक्षा जमा	v) EMD/Security Deposit	41316	46762
vi) अन्य*	vi) Others*	1485	997
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>52055</b>	<b>54845</b>

\* पार्टियों से प्राप्त की गई राशि, बकाया खर्च आदि शामिल हैं।

\* Includes amount received from Parties, Outstanding Expenses etc.

**टिप्पणी 8 :** अल्पावधि प्रावधान :

**Note 8 :** Short Term Provisions :

विवरण Particulars	31 मार्च	31 मार्च	
	31 March 2014	31 March 2013	
(ए) कर्मचारी हित के लिए प्रावधान	(a) Provision for employee benefits	1521	1535
(बी) अन्य-	(b) Others -		
i) लाभांश पर कर के लिए प्रावधान	i) Provision for Tax on Dividend	-	448
ii) प्रस्तावित लाभांश	ii) Proposed Dividend	-	2640
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>1521</b>	<b>4623</b>

**टिप्पणी 9 : अचल सम्पत्तियाँ**  
**Note 9 : Fixed Assets**

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

अचल सम्पत्तियाँ Fixed Asset	सकल सम्पत्ति Gross Block			संचित मूल्यह्रास Accumulated Depreciation				शुद्ध सम्पत्ति Net Block	
	1 अप्रैल 2013 को शेष Balance as at 1 April 2013	जोड़/ (निपटान) Addition/ (Disposals)	31 मार्च 2014 को शेष Balance as at 31 March 2014	1 अप्रैल 2013 को शेष Balance as at 1 April 2013	वर्ष के लिए मूल्यह्रास Depreciation Charge for the year	निपटान पर On disposals	31 मार्च 2014 को शेष Balance as at 31 March 2014	31 मार्च 2014 को शेष Balance as at 31 March 2014	31 मार्च 2013 को शेष Balance as at 31 March 2013
<b>गैर भौतिक सम्पत्तियाँ</b> <b>Intangible Asset</b>									
ई-कॉमर्स एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर e-Commerce Application Software	0	0	0	0	0	0	0	0	0
<b>भौतिक सम्पत्तियाँ</b> <b>Tangible Assets</b>									
पट्टे वाली भूमि एवं बिल्डिंग Leasehold Land & Buildings	1258		1258	118	52	—	170	1088	1140
कंपनी के फ्लैट्स Company Flats	170		170	118	2	—	120	50	52
एयर कंडीशनर एवं वाटर कूलर Air Conditioner & Water Cooler	72	3	75	43	5	—	48	27	29
फर्निचर एवं फिक्सचर Furniture and Fixtures	320	4	324	204	22	—	226	98	116
कार्यालय के साज-सामान Office equipment	184	6	190	124	9	—	133	57	60
पार्टिशन एवं क्यूबिकल्स Partition & Cubicles	235		235	155	15	—	170	65	80
मोटर वाहन Motor vehicles	22	(6)	16	9	2	4	7	9	13
ईडीपी EDP	742	26	768	536	88	—	624	144	206
<b>कुल</b> <b>Total</b>	<b>3003</b>	<b>33</b>	<b>3036</b>	<b>1307</b>	<b>195</b>	<b>4</b>	<b>1498</b>	<b>1538</b>	<b>1696</b>
विगत वर्ष Previous Year	2978	25	3003	1062	245		1307	1696	—
<b>पूंजी डब्ल्यूआईपी</b> <b>Capital WIP</b>	34	50	84					84	34
विगत वर्ष Previous Year	0	34	34					34	—

(ए) : पट्टेवाली भूमि एवं भवन का परिशोधन 2010-11 से प्रारंभ हुआ, जो भूमि एवं भवन के उपयोग पर पट्टे की शेष अवधि तक चलेगा।

(बी) : जारी पूंजीगत कार्य प्रस्तावित स्क्रेप श्रेडिंग संयंत्र परियोजना के लिए परामर्श के खाते में हुए खर्च के दर्शाता है।

(a) : Amortisation of leasehold land and building has started w.e.f. 2010-11 on use of land and building over the remaining period of lease.

(b) : Capital Work in Progress represents expenditure incurred on account of consultancy for proposed Scrap Shredding Plant Project.

**टिप्पणी 10 :** गैर-पारंपरिक निवेश :

**Note 10:** Non- Current Investment :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण Particulars	31 मार्च 31 March	31 मार्च 31 March
	2014	2013
व्यापार निवेश (निम्नांकित संदर्भ में)		
इक्विटी इंस्ट्रूमेंट में निवेश	1581	1581
<b>कुल</b>	<b>1581</b>	<b>1581</b>

व्यापार निवेश का विवरण

Details of Trade Investments

कारपोरेट बॉडी का नाम Name of the Body Corporate	शेयरों की सं. No. of Shares	रकम (रु लाख में) Amount ( ₹ in lacs)		क्या लागत बताया गया है Whether stated at Cost
	2014	2013		
पूर्व प्रदत्त, अनकोटेड, पूर्ण निजी सहायक कंपनी के इक्विटी शेयर में निवेश Investment in Equity Shares of Wholly Owned Subsidiary Company, Unquoted, Fully paid up				
फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड (अंकित मूल्य रु. 1000/- प्रत्येक) Ferro Scrap Nigam Limited Face Value ₹1000/- each)	20000	20000	1581 1581	Yes
<b>कुल / Total</b>			<b>1581 1581</b>	

**टिप्पणी 11 :** आस्थिगत कर परिसंपत्तियों (देयताओं) निम्न हैं : (रु. लाख में)

**Note 11 :** Deferred Tax Assets/(Liabilities) are as under: ( ₹ in lacs) :

विवरण Particulars	31.03.2013 को As on 31.03.2013		वर्ष के लिए प्रभावी कर / Tax effect for the year	31.03.2014 को As on 31.03.2014	
	संदिग्ध व्यापारगत प्राप्य के लिए प्रावधान	1789		10473	10473
अन्य व्यय 40(ए), 43बी के तहत प्रावधान	573	685	685	1258	
मूल्यहास में अंतर	(21)	8	8	(13)	
<b>कुल / Total</b>	<b>2341</b>	<b>11166</b>	<b>11166</b>	<b>13507</b>	

**टिप्पणी 12 :** दीर्घावधि ऋण एवं अग्रिम :

**Note 12 :** Long Term Loans and Advances :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
<b>ए. जमा</b>	<b>a. Deposits</b>		
अनारक्षित असंदेहात्मक*	Unsecured, considered good *	662	646
<b>बी. अन्य ऋण एवं अग्रिम</b>	<b>b. Other loans and advances</b>		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम	Secured, considered good - Staff advances	453	358
आयकर एवं टीडीएस का अग्रिम भुगतान (शुद्ध प्रावधान)	Advance Payment of Income Tax & TDS (net of provisions)	153	44
अनारक्षित, असंदेहात्मक - पूर्व भुगतान व्यय	Unsecured, considered good - prepaid expenses	92	25
अनारक्षित, असंदेहात्मक - पार्टी को अग्रिम	Unsecured, considered good - Advance to parties	13	23
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>1373</b>	<b>1096</b>

\* बिक्री पर प्राधिकरण के पास जमा रु. 463 लाख (रु. 462 लाख) शामिल है। यह जमा उनके द्वारा उठाए गए दावे के विरुद्ध है। लेकिन कंपनी ने इसका विरोध किया है।

\* Includes ₹463 lac (₹462 lacs) deposit with Sales Tax Authorities against demand raised by them which is contested by the Company.

**टिप्पणी 13 :** अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां :

**Note 13 :** Other Non-Current Assets :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
अन्य (प्रतिभूत असंदेहात्मक)	Others (Secured, considered good)		
कर्मचारी ऋण पर बकाया ब्याज	Interest due on employee loans	10	15
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>10</b>	<b>15</b>

टिप्पणी 14 : स्टॉक :

Note 14 : Inventories :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
भंडारगत-माल (लागत मूल्य)	Stock-in-trade (Valued at cost)		
मार्गस्थ सामग्री	Goods-in transit		
प्रारम्भिक शेष	Opening Balance	7375	0
(-) अंतिम शेष	(-) Closing Balance	3605	7375
<b>स्टॉक में बदलाव</b>	<b>Changes in Inventories</b>	<b>3770</b>	<b>(7375)</b>

टिप्पणी 15 : व्यापार प्राप्य :

Note 15 : Trade Receivables :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
भुगतान की देय तिथि से छह महीने से ज्यादा अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	73180	119696
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	66964	59695
अनारक्षित, संदेहात्मक	Unsecured, considered doubtful	36074	5514
घटाएं : संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Less: Provision for doubtful debts	36074	5514
		140144	179391
भुगतान की देय तिथि से छह महीने कम अवधि के लिए बकाया व्यापार प्राप्त	Trade receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment		
प्रतिभूत, असंदेहात्मक	Secured, considered good	241316	259881
अनारक्षित, असंदेहात्मक	Unsecured, considered good	1537	10908
		242853	270789
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>382997</b>	<b>450180</b>

**15 (ए) :** 31 मार्च, 2014 को वर्ष समाप्ति पर अप्राप्त निर्यात ऋण यूएस डॉलर 137,498,823.73 (वित्तीय वर्ष 2008-09 के दौरान रु. 59863 लाख के बराबर) था, इतना ही वित्त वर्ष की शुरुआत में था। वित्त वर्ष के अंतिम दिन पर व्याप्त विनिमय दर (यूएसडी 1 = रु. 59.9150) को लेते हुए ऋण का वर्षांत शेष रु. 22519 लाख बढ़ कर रु.82382 लाख हो गया होता तथा लेनदारी में रु. 22181 लाख का इजाफा होता। इस खाते में अनुमानित रु. 338 लाख की आय होती जिसमें स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक द्वारा क्रय किए गए प्राप्यों के खाते में रु.96 लाख शामिल है। विचाराधीन होने के चलते बकाया राशि की वसूली में अनिश्चितता के कारण शुद्ध लाभ रु. 242 लाख का लेखा नहीं किया गया है।

**15 (बी) :** वित्त वर्ष 2008-09 में कुल निर्यात राशि यूएस डॉलर 146,971,624.00 (रु. 63821 लाख के बराबर) में से 31.03.2013 को बकाया राशि यूएसडी 137,498,823.73 (रु. 74641 लाख के बराबर) था एवं इस वर्ष के लिए लेखाबंद तारीख यानी 31.03.2014 को वही है। (दिनांक 31.03.2014 को व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 59.9150 में रु. 82382 लाख के बराबर है)। ईसीजीसी के पास रु. 45075 लाख का दावा किया गया है। इसी प्रकार स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक ने आईसीआईसीआई लॉम्बर्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी के पास यूएसडी 36762828.14 (वित्त वर्ष के अंतिम दिन व्याप्त विनिमय दर यूएसडी 1 = रु. 59.9150 में रु. 22026 लाख के बराबर है)। निर्दिष्ट इंश्योरेंस कंपनी द्वारा दोनों दावाएं इंकार कर दिए गए हैं। एमएसटीसी ने क्रेताओं के ऋण के लिए ईसीजीसी द्वारा बीमाकृत क्रेताओं के लिए ईसीजीसी के विरुद्ध 36 मामले राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) के पास आरम्भ किए हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, दिल्ली (एनसीडीआरसी) द्वारा दिनांक 16.4.2014 को दिए गए आदेश के अनुसार मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य उपयुक्त फोरम में जाने को कहा गया है। एमएसटीसी ने इस आदेश के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में एक अपील करने का विचार कर रही है।

एमएसटीसी ने यूएई, सिंगापुर एवं कुवैत में विदेशी क्रेताओं के विरुद्ध 46 कानूनी मामले दायर किए हैं। एमएसटीसी के पक्ष में 45 निर्णय दिए गए हैं, जिसके लिए उक्त अदालतों को निष्पादन के लिए आग्रह किया गया है।

एशोसिएट्स सप्लायर्स द्वारा नामित विदेशी क्रेताओं के बकाया भुगतान की क्षतिपूर्ति के लिए सभी छह एशोसिएट सप्लायर्स के विरुद्ध पंचाट कार्रवाही भी जारी है। बाद में ईसीजीसी एवं आईसीआईसीआई लॉम्बर्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा अनुमोदित है। तीन मामले में, एमएसटीसी के पक्ष में अWARD मिला है, जो निष्पादन की प्रक्रिया में है।

एशोसिएट्स में से एक मेसर्स उस्मा ज्वेलरी एण्ड पैकेजिंग एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि. ने रु. 12400 लाख (सरकार पंजीकृत मूल्यांकनकर्ता द्वारा वर्ष 2014 में मूल्यांकन) मूल्य का स्थावर संपत्ति गिरवी रखा है। उक्त गिरवी संपत्ति के विक्रय/हस्तांतरण के लिए मुंबई उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई है। सीबीआई एवं ईडी विषय की जांच कर रहे हैं तथा रु. 24040 लाख (रु. 12400 लाख मूल्य

**15 (a) :** At the year end 31.03.2014 unrealized export debtors remains USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 59863 lacs during the FY 2008-09) which were the same as were at the beginning of the financial year. Considering the exchange rate (i.e. USD 1 = ₹ 59.9150) prevailing on the last day of the financial year, the closing balance of debtors would have been increased by ₹ 22519 lacs to ₹ 82382 lacs and the creditors would have increased by ₹ 22181 lacs. There would have been a notional gain of ₹ 338 lacs on this account which includes an amount of ₹ 96 lacs on account of receivables purchased by Standard Chartered Bank. The net gain of ₹ 242 lacs has not been accounted for due to uncertainty in realisation of the dues which are also sub-judice.

**15 (b) :** Out of total export of USD 146971624.00 (equivalent to ₹ 63821 lacs) during the financial year 2008-09, there was an outstanding balance of USD 137498823.73 (equivalent to ₹ 74641 lacs) as on 31.3.2013 and the same is continued for this year on closing date i.e 31.3.2014 (equivalent to ₹ 82382 lacs at the exchange rate of USD 1 = ₹ 59.9150 prevailing on 31.03.2014). Claims have been lodged with ECGC for ₹ 45075 lacs. Similarly Standard Chartered Bank has also lodged claims with ICICI Lombard General Insurance Company for USD 36762828.14 (equivalent to ₹ 22026 lacs considering the exchange rate as USD 1 = ₹ 59.9150 prevailing on the last day of the financial year). Both the claims have been repudiated by the respective Insurance Companies. MSTC has initiated 36 cases against ECGC for the dues against buyers insured by them with National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC), Delhi. National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) by an order dated 16.04.2014 has referred the matter to Civil Court or in other appropriate forum. MSTC is contemplating an appeal to Supreme Court against this order.

MSTC has filed 46 legal cases against the foreign buyers in UAE, Singapore and Kuwait. Already 45 judgments have been awarded in favour of MSTC for which the appropriate Courts are being approached for execution.

Arbitration proceedings have also been initiated against all the six associate suppliers for indemnifying against the failure in payment by the foreign buyers nominated by them and later on approved by ECGC and ICICI Lombard General Insurance Co. Award has been received in favour of MSTC in three cases, which is also in the process of execution.

One of the Associates, namely, M/s Ushma Jewellery & Packaging Exports (P) Ltd has mortgaged landed property worth ₹ 12400 lacs (valuation In 2014 by Govt Registered valuer). A writ petition for sale/transfer of the said mortgaged property has been filed at the Mumbai High Court. CBI and ED investigating the matter have seized assets and

की जमीन एवं रु. 3979 लाख की चल संपत्ति सहित) की परिसंपत्तियां तथा संपत्तियां जब्त कर लिया है। एमएसटीसी ने रु. 900 लाख मूल्य को अपने पक्ष में हस्तांतरण की अनुमति के लिए सीबीआई कोर्ट में अनुरोध किया, यह रकम वर्ष के दौरान प्राप्त हो गई। सीबीआई/ईडी द्वारा जब्त की गई रु. 3079 लाख मूल्य की चल संपत्ति की शेष रकम के हस्तांतरण के लिए आवेदन किया जा रहा है।

प्रबंधन विदेशी क्रेताओं/इंश्योरेंस कंपनियों/एशोसिएट सप्लायरों से यथासंभव ब्याज, कानूनी खर्च सहित कर्ज वसूली के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। तथापि, बकाया राशि के पांच वर्ष पुरानी हो जाने की वजह से वास्तव रूप में वसूली के लिए लंबित अशोध्य एवं संदिग्ध कर्ज के रूप में रु. 22678 लाख रकम के लिए प्रावधान किया गया है। टिप्पणी सं. 35 में भी संदर्भ दिया गया है।

**15 (सी) :** व्यापार प्राप्त में शामिल रु. 6055 लाख, जो सेसा इंटरनेशनल के पास बकाया है। पार्टी ने दस्तावेज में विसंगतियों के कारण इसको स्वीकार करने से इंकार किया है। एमएसटीसी द्वारा तदनु रूप इंडियन ओवरसीज बैंक (बैंक) को सूचित किया गया है। बैंक पर विदेशी अदालतों के आदेश अनुसार विभिन्न तिथियों पर बैंक ने आदेश के तहत एमएसटीसी खाते से डेबिट कर सप्लायर्स के बैंक को रकम भेज दी है। चूंकि यह समझौता ज्ञापन की शर्तों के अनुसार अदालत के आदेश के विरुद्ध है, सेसा इंटरनेशनल एमएसटीसी की क्षतिपूर्ति के लिए बाध्य है।

तदनुसार, एमएसटीसी ने सेसा इंटरनेशनल के विरुद्ध मध्यस्थम कार्रवाई शुरू किया है, जो प्रक्रियाधीन है। अतएवं प्रबंधन रकम वसूली के प्रति आशान्वित है। पोर्ट में स्थित सामग्रियों के निपटान के विरुद्ध कोर्ट ने रु. 223 लाख प्राप्त किए हैं, जिसे व्यापारगत प्राप्य के तहत समायोजित कर दिया गया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार रु. 102 लाख की शेष सामग्री की विक्रय प्रक्रिया प्रापक के पास मियादी जमा के रूप में रखा गया है।

एमएसटीसी ने आईओबी के विरुद्ध एमएसटीसी खाते में गलत डेबिट किए जाने के खिलाफ भी मामला दायर किया है। लंबित पंचाट/कानूनी मामले के निपटान के लिए रु. 3000 लाख का प्रावधान अशोध्य और संदिग्ध अग्रिम के रूप में खाते में प्रावधान किया गया है।

**15 (डी) :** कंपनी के पास गिरवी/कर्जदारों द्वारा प्रतिभूत स्टॉक, जहां जो लागू है, के लिए संबंधित पार्टियों के बकाया शेष राशि के आधार पर व्यापारगत प्राप्यों की सुरक्षा पर विचार किया गया है।

properties worth ₹ 24040 lacs (including land valued ₹ 12400 lacs & liquid assets worth ₹ 3979 lacs). MSTC have approached CBI Court requesting for permission to transfer of an amount of ₹ 900 lacs which has been received during the year. Applications are being made for transfer of remaining amount seized by CBI/ED in the form of liquid assets worth ₹ 3079 lacs .

The Management is taking all possible steps to recover the dues as much as possible along with interest, legal expenses, etc. from the foreign buyers/Insurance Cos/Associate suppliers. However, since the dues have become five year old, a provision has been made for an amount of ₹ 22678 lacs as bad and doubtful debts pending actual realisation. Reference may also be made to Note No 35.

**15 (c) :** Trade Receivables includes ₹ 6055 lacs due from Sesa International. The party has refused to accept the documents due to discrepancy therein, which have been intimated to Indian Overseas Bank ('Bank') accordingly by MSTC. But pursuant to Foreign Court order on Bank, they have remitted to supplier's Bank by debiting MSTC's account on various dates. As it is against Court order, as per MOA terms Sesa International is bound to indemnify MSTC.

Accordingly, MSTC have invoked arbitration proceeding against Sesa International which is under process and the management is hopeful to recover the amount. Against disposal of goods lying at port through Court receiver an amount of ₹ 223 lacs has been received which has been adjusted against Trade Receivables. Sale proceeds for balance material amounting to ₹ 102 lacs is kept with the receiver as fixed deposit as per Court order. MSTC has also filed a suit against IOB for their wrong debit to MSTC account Pending disposal of arbitration/legal suit an amount of ₹ 3000 lacs has been provided in accounts as bad & doubtful advance.

**15(d) :** Security of Trade Receivables has been considered based on the balance outstanding of respective parties for the stock pledged with the company/secured by creditors wherever applicable.



**टिप्पणी 16 :** नकद एवं नकद समान :

**Note 16:** Cash & Cash equivalents :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
ए. बैंक शेष	a. Balances with banks		
चालू खाता में*	In Current Accounts*	23155	21585
लाभांश लेखा में	In Dividend Accounts	68	59
सावधि जमा खाता में	In Term Deposit Accounts		
स्थायी जमा	Fixed Deposit	86380	105812
समाहित :	This includes:		
ऋण के विरुद्ध सिक्योरिटी	Security against borrowings	76354	91079
गारंटी	Guarantees	906	2
12 महीने से अधिक अवधि की परिपक्वता हेतु बैंक में जमा	Bank deposits with more than 12 months maturity	17352	15536
बी. नकद राशि हाथ में	b. Cash In hand	1	1
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>109604</b>	<b>127457</b>

\* उपरोक्त में स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के पास शेष जमा रु. 54 लाख (विगत वर्ष रु. 54 लाख) शामिल है, जिसे कंपनी से बकाया ऋण के विरुद्ध बैंक ने गृहित किया। इसके खिलाफ कंपनी ने न्यायालय में प्रतिवाद किया है। टिप्पणी सं. 5(बी) में संदर्भ दिया गया है।

\*The above includes balance with Standard Chartered Bank ₹ 54 lacs (previous year ₹54 lacs) which has been appropriated by the bank against loan due from the company. The company has contested the same in the Court. Reference may be made to note no 5(b).

**टिप्पणी 17 :** अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम :

**Note 17:** Short-term loans and advances :

विवरण	Particulars	31 मार्च 31 March 2014	31 मार्च 31 March 2013
प्रतिभूत, असंदेहात्मक - कर्मचारी अग्रिम*	Secured, considered good - Staff advances*	172	146
अनारक्षित, असंदेहात्मक - अन्य	Unsecured, considered good - Others	948	110
बिक्री कर एवं वैट पर अग्रिम भुगतान	Advance Payment of Sales Tax & VAT	25	25
जमानत जमा	Security Deposits	5261	153
आगत सेवा कर	Input Service Tax	8	0
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>6414</b>	<b>434</b>

\* केएमपी से बकाया रकम रु. 1 लाख (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।

\*Amount due from KMP ₹ 1lac (previous year ₹ 1lac).

**टिप्पणी 18 :** परिचालन से राजस्व :

**Note 18 :** Revenue from operations :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2013-2014	2012-2013
सामग्री की बिक्री	Sale of Goods	497311	611129
सेवा शुल्क	Service Charges	16942	17799
अन्य परिचालित राजस्व	Other Operating Revenues	8777	7675
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>523030</b>	<b>636603</b>

(ए) वर्ष के दौरान ई-नीलामी पंजीकरण हेतु रु. 205 लाख (विगत वर्ष रु. 259 लाख) संग्रह किया गया था। चालू वर्ष के समय संग्रह से रु. 164 लाख (विगत वर्ष रु. 201 लाख) देयताओं के पास रखा गया है, जो चार वर्षों में वितरित किया जाएगा, क्योंकि यह पंजीकरण आजीवन वैध है। अतिरिक्त शेषों का संचयन 31.03.2014 को रु. 490 लाख (विगत वर्ष रु. 535 लाख) है। शेष राशि, जिसके लिए पंजीकरण एक वर्ष के लिए वैध है उसको चालू वर्ष के आय के रूप में लिया जाता है।

(बी) अन्य परिचालित राजस्वों में पार्टियों से ब्याज रु. 8364 लाख (विगत वर्ष रु. 6457 लाख) शामिल है।

(सी) सेवा शुल्क पर कर की कटौती एवं ब्याज आय रु. 1585 लाख (विगत वर्ष रु. 1135 लाख) है।

(a) During the year, an amount of ₹ 205 lacs (previous year ₹ 259 lacs) was collected towards E-auction Registration. Out of total collection of current year, an amount of ₹164 lacs (previous year ₹ 201 lacs) has been kept in liabilities to be distributed in subsequent four years, since that registration is valid for life long. Accumulated undistributed balance standing as on 31.03.2014 is ₹ 490 lacs (previous year ₹ 535 lacs). Balance amount for which registration is valid upto one year is accounted for as income during the current year.

(b) Other Operating Revenues includes Interest from parties ₹ 8364 lacs (previous yr. ₹ 6457 lacs).

(c) Tax deducted at source on Service Charge and Interest income amounts to ₹1585 lacs (previous year ₹ 1135 lacs).

**टिप्पणी 19 :** अन्य आय

**Note 19 :** Other Income :

विवरण	Particulars	2013-2014	2012-2013
ब्याज से आय	Interest Income		
i) स्थायी जमा पर ब्याज	i) Interest on fixed deposit	8841	8687
ii) कर्मचारी द्वारा लिए गए अग्रिम पर ब्याज	ii) Interest on Employee Advances	28	23
iii) अन्य ब्याज	iii) Interest others	3	1
लाभांश आय	Dividend Income	40	40
विविध आय	Miscellaneous Income	1085	171
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>9997</b>	<b>8922</b>

बैंक जमा के ऊपर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती रु. 856 लाख (विगत वर्ष रु. 622 लाख)।

Tax deducted at source from interest on bank deposits amounted to ₹ 856 lacs (previous year ₹ 622 lacs).

टिप्पणी 20 : भंडारगत माल का क्रय :

Note 20 : Purchase of Stock-in-Trade:

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2013-2014	2012-2013
सामग्री की खरीद	Purchase of goods	488445	609897
अन्य सीधे आय	Other Direct Expenses		
बैंक शुल्क	Bank Charges	979	1563
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>489424</b>	<b>611460</b>

टिप्पणी 21 : कर्मचारी हितलाभ व्यय :

Note 21 : Employee Benefits Expense :

विवरण	Particulars	2013-2014	2012-2013
(ए) वेतन एवं इनसेंटिव	(a) Salaries and incentives	2970	3836
(बी) पीएफ में नियोजित का अंशदान	(b) Employer Contribution to PF	216	193
(सी) ग्रेच्युटी निधि में अंशदान	(c) Gratuity fund contributions	40	38
(डी) कर्मचारी कल्याण पर व्यय	(d) Staff welfare expenses	214	331
(ई) अवकाश नकदीकरण	(e) Leave encashment	230	92
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>3670</b>	<b>4490</b>

ऊपरोक्त में कर्मचारियों के लिए आगामी वेतन संशोधन के लिए प्रावधान के तहत रु. 142 लाख (विगत वर्, रु. 165 लाख) शामिल है।

लेखा मानक 15 (संशोधित 2005) में परिभाषित हित दायित्वों के संदर्भ में कर्मचारी हितों के लिए अपेक्षित घोषणाएं -

तालिका 31.03.2014 तक के दायित्व के सं. की वर्तमान स्थिति में परिवर्तन को प्रकट कर रही है।

The above includes ₹142 lacs (previous year ₹165 lacs) towards provision for ensuing wage revision of employees.

Disclosure as required under Accounting Standard – 15 (Revised 2005) on “Employees Benefits” in respect of Defined Benefit obligations:-

Table showing changes in present value in ₹ (in lacs) of obligation as on 31.03.14

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षारंभ में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at beginning of year	1273	982
ब्याज लागत	Interest cost	102	79
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	32	52
चुकाए गए हित	Benefits paid	(129)	(118)
दायित्व पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Actuarial (Gain)/Loss on obligations	9	55
वर्षांत में दायित्व की वर्तमान स्थिति	Present value of obligations as at end of year	1287	1050

तालिका 31.03.2014 तक की योजना संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन को प्रकट कर रही है।

Table showing changes in the fair value of plan assets as on 31.03.14

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्ष के प्रारम्भ में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at beginning of year	1407	955
योजना संपत्ति पर संभावित आय	Expected return on plan assets	122	87
अंशदान	Contributions	32	103
चुकाए गए हित	Benefits paid	(129)	(118)
योजना संपत्ति पर बीमांकिक (लाभ/हानि)	Actuarial gain/(loss) on plan assets	-	-
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets at the end of year	1432	1027
निधिक स्थिति	Funded status	145	(23)

31.03.2014 को बीमांकित लाभ/हानि के रूप में पहचान।  
Actuarial Gain/Loss recognized as on 31.03.14

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
दायित्व पर बीमांकित (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	(9)	(55)
वर्ष की योजना संपत्ति के लिए बीमांकित (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss for the year – plan assets	–	–
दायित्व पर बीमांकित (लाभ)/हानि	Actuarial (gain)/loss on obligations	9	55
वर्ष में बीमांकित (लाभ)/हानि के रूप में पहचान	Actuarial (gain)/loss recognized in the year	9	55

तुलन-पत्र एवं लाभ हानि लेखा के विवरण में स्वीकृत राशि।

The amounts to be recognized in the balance sheet and statements of profit and loss.

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्षांत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	Present value of obligations as at the end of year	1287	1050
वर्षांत में योजना संपत्ति का उचित मूल्य	Fair value of plan assets as at the end of the year	1432	1027
निधिक स्थिति	Funded status	145	(23)
तुलन-पत्र में स्वीकृत निवल आस्तियां (देयताएं)	Net asset/(liability) recognized in balance sheet	145	23

लाभ एवं हानि लेखा विवरण में स्वीकृत खर्च

Expenses recognized in statement of Profit and loss.

विवरण	Particulars	उपदान Gratuity	छुट्टी वेतन Leave Salary
वर्तमान सेवा लागत	Current service cost	32	52
ब्याज लागत	Interest cost	102	79
योजना संपत्तियों पर संभावित आय	Expected return on plan assets	(122)	(87)
वर्ष में बीमांकित निवल (लाभ)/हानि	Net actuarial (gain)/loss recognized in the year	9	55
स्वीकृत खर्च लाभ-हानि लेखा विवरण में	Expenses recognized in statement of profit and loss	21	99

टिप्पणी : 22 : वित्त लागत :

Note 22 : Finance Costs :

विवरण	Particulars	2013-2014	2012-2013
ब्याज व्यय	Interest expense	13378	13462
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>13378</b>	<b>13462</b>

टिप्पणी : 23 : अन्य व्यय :

Note 23 : Other Expenses :

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2013-2014	2012-2013
मरम्मत एवं रखरखाव	Repairs and Maintenance	272	250
बीमा	Insurance	2	2
किराया	Rent	296	270
दर एवं कर	Rates and Taxes	28	28
बैंक शुल्क	Bank Charges	12	7
यात्रा व्यय	Travelling Expenses	419	380
बैठक एवं सम्मेलन	Meeting and Conference	121	30
प्रशिक्षण	Training	12	9
निदेशक बैठक शुल्क	Directors' Sitting Fees	3	4
लेखा परीक्षा शुल्क*	Audit Fees*	4	6
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (सांविधिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Statutory Auditor)	8	4
स्टॉक यार्ड व्यय	Stock Yard Expenses	119	13
टेलेक्स, पोस्टेज एवं टेलीग्राम	Telex, Postage and Telegram	48	39
इलेक्ट्रिसिटी	Electricity	104	100
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	Printing and Stationery	45	40
मनोरंजन	Entertainment	16	18
टेलीफोन शुल्क	Telephone Charges	39	38
विज्ञापन	Advertisement	164	72
सांविधिक व्यय**	Legal Expenses **	399	652
कंसलटेंसी शुल्क	Consultancy Charges	62	47
आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	Internal Audit fees	2	24
आउट ऑफ पॉकेट व्यय (आंतरिक लेखा परीक्षक)	Out-of-Pocket Expenses (Internal Auditor)	3	5
विविध व्यय	Miscellaneous Expenses	16	33
कर्मचारी नियुक्ति व्यय	Staff Recruitment Expenses	12	10
समाचारपत्र, किताब एवं पत्रिकाएं	Newspaper, Books and Periodicals	4	3
नैगमिक सामाजिक दायित्व	Corporate Social Responsibility	228	169
दान	Donation	260	0
नीलामी/निविदा व्यय	Auction/Tender Expenses	68	118
संदेहात्मक ऋण के लिए प्रावधान	Provision for Doubtful Debts	7882	1528
पूर्व अवधि उत्पाद	Prior Period Items	-	4
परिसंपत्ति की बिक्री से हानि	Loss on sale of Assets	1	0
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>10649</b>	<b>3903</b>

\*कर लेखा परीक्षा शुल्क रु. 1 लाख शामिल है (विगत वर्ष रु. 1 लाख)।

\*\*स्वर्ण आभूषण निर्यात से संबंधित मामले के लिए रु. 147 लाख (लगभग) शामिल है। विगत वर्ष के लिए रु. 457 लाख (लगभग) है।

\* Includes Tax Audit fees of ₹ 1 lac (previous yr. ₹ 1 lac)

\*\* Includes ₹ 147 lacs (approx.) prev.yr ₹ 457 lacs (approx.) pertains to cases relating to Gold Jewellery Export.

टिप्पणी : 24 : विदेशी मुद्रा में व्यय :

Note 24 : Expenditure incurred in Foreign Currency :

विवरण	Particulars	2013-2014	2012-2013
सामग्री का आयात	Import of Goods	314580	660870
यात्रा व्यय	Travelling Expenses	14	24
अन्य	Others	-	397
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>314594</b>	<b>661291</b>

**टिप्पणी : 25 :** प्रबंधकीय पारिश्रमिक :

**Note 25 : Managerial Remuneration :**

(ए) (a)

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2013-2014	2012-2013
निदेशकों के वेतन एवं भत्ते	Director's Salaries & Allowances	89	80
वर्ष के दौरान भुगतान किए गए पीआरपी	PRP paid during the year	47	46
भविष्य निधि में कंपनी का योगदान	Company's Contribution to Provident Fund	6	6
चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति	Reimbursement of Medical expenses	1	1
निदेशकों की बैठक का शुल्क	Directors' Sitting Fees	3	4

बी) चूंकि निदेशकों को कंपनी द्वारा लिमिटेड माइलेज के लिए कार के निजी व्यवहार की सुविधा प्रदान किए गए हैं, उस सुविधा को हित लाभ/अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है।

सी) ग्रुप इश्योरेंस/ग्रुप ग्रेच्युटी स्कीम की माॅस्टर पॉलिसी के लिए प्रीमियम का भुगतान किया है, जो निदेशकों के लिए भी किया जाता है, अनुलाभ के रूप में नहीं लिया गया है क्योंकि यह अनिश्चित है।

b) Since the facility of private use of car for limited mileage is provided by the Company to Directors, such facility has not been considered as benefit / perquisite.

c) Premium paid for Master policy of Group Gratuity Scheme / Group Insurance which also covers Directors has not been considered as perquisite since it is unascertainable.

**टिप्पणी : 26 :** संबंधित पार्टी का प्रकटीकरण (एएस 18 के संदर्भ में) :

**Note 26 : Related party disclosure (in terms of AS 18)**

कंपनी राज्य नियंत्रित उपक्रम है एवं एएस-18 के अनुसार अन्य राज्य नियंत्रित उपक्रमों के साथ लेनदेन प्रकट करने की जरूरत नहीं है।

The Company is a State controlled enterprise and the transactions with other State controlled enterprises are not required to be disclosed as per AS - 18.

ए) शीर्ष प्रबंधकीय कार्मिक -

श्री एस के त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री ए के बसु, निदेशक (वित्त)

श्री बी बी सिंह, निदेशक (वाणिज्य)

a) Key Managerial Personal (KMP) :

Shri S K Tripathi – Chairman-cum-Managing Director

Shri A.K.Basu – Director (Finance)

Shri B.B. Singh – Director (Commercial)

बी) वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों से लेनदेन :

b) Transaction with related party during the year :

लेनदेन की प्रकृति

केएमपी

Nature of Transaction

KMP

प्रदत्त प्रबंधकीय पारिश्रमिक

143 लाख

Manegerial Remuneration Paid

₹ 143 lacs

133 लाख

(₹ 133 lacs)

सी) शेष बकाया

1 लाख

c) Balance outstanding:

₹ 1 lac

(1लाख)

(₹ 1 lac)

**टिप्पणी : 27 :** एएस-17 के अनुसार विभाजित रिपोर्टिंग :

**Note 27:** Segmental Reporting as per AS – 17:

कंपनी ने एएस-17 की शर्तों के अनुसार ई-कॉमर्स एवं विपणन को अपने दो प्राथमिक व्यवसाय प्रभाग के रूप में चिन्हित किया है। यहां कोई गौण क्षेत्र नहीं है।

In terms of AS-17 the Company has identified Marketing and E-Commerce as its two Primary Reportable Business Segments. There is no Secondary Segment

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs) / (विगत वर्ष) / (previous year)

विवरण Particulars	विपणन Marketing	ई-कॉमर्स E-Commerce	अन्य (अनाबंटित) Others (unallocated)	कुल Total
कुल राजस्व Total Revenue	519495 (633420)	12367 (11012)	1165 (1093)	533027 (645525)
कुल व्यय Total Expenses	507768 (617651)	208 (252)	35788 (8282)	543764 (626185)
परिणाम (कर पूर्व लाभ/हानि (-) Result (Profit/Loss(-) before Tax)	11727 (15769)	12159 (10760)	-34623 (-7189.00)	-10737 (19340)
कर व्यय Tax expenses				-3734 (6267)
अवधि के लिए लाभ/हानि (-) Profit/ Loss(-) for the period				-7003 (13073)

आस्तियों एवं देयताओं के अनाबंटित प्रकृति के कारण विभाजित नहीं किया जा सका।

Assets & liabilities could not be segmented due to their unallocable nature.

**टिप्पणी : 28 :** व्यापार से प्राप्त का शेष, व्यापारगत भुगतान एवं अग्रिमों में शामिल शेष पुष्टिकरण/मिलान एवं परिणाम स्वरूप समायोजन का विषय है। यदि कोई हो, मिलान को जारी आधार पर लिया गया है। प्रावधान, जहां पर जरूरी है, किया गया है।

**Note 28 :** Balances of Trade Receivables, Trade Payables and Advances include balances subject to confirmation/reconciliation and consequential adjustment, if any. Reconciliations check spell are carried out on on-going basis. Provisions, wherever considered necessary, have been made.

**टिप्पणी : 29 :** प्रति शेयर आय की गणना निम्नानुसार किया है:-

**Note 29 :** Earning per share has been computed as under :-

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण Particulars	2013-2014	2012-2013
करोपरान्त-लाभ (रु. लाख में) Profit after Tax (₹ in lacs)	(7003)	13073
शेयरों की संख्या (अदद) No. of shares (Nos.)	8800000	8800000
करोपरान्त लाभ पर प्रति शेयर आय (प्रति शेयर अंकित मूल्य रु.10/-) बेसिक/डाइल्यूटेड (रु.)*	(80) (face value ₹ 10/- per share) – Basic/Diluted ( ₹ )*	149

**टिप्पणी : 30 :** कंपनी ने कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 441ए के तहत देय सेस के लिए प्रावधान नहीं किया है। चूंकि अधिसूचना प्रयोज्यता की तिथि के संबंध में एवं निश्चित दर देना है, जो अभी तक बताया नहीं गया है।

**Note 30 :** The Company has not made provision for Cess payable under section 441A of the Companies Act, 1956 as the notification as regards the date of applicability and the exact rate to be applied has not yet been issued.

**टिप्पणी : 31 :** एएस-21 के अनुसार समेकित वित्तीय विवरण की तैयारी की जरूरत नहीं है, चूंकि कंपनी लिस्टेड नहीं है, पहले भी इस तरह का विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही कोई सांविधिक जरूरतों के अनुपालन के लिए दायबद्ध है।

**Note 31 :** Preparation of consolidated financial statements as per AS – 21 is not required as the Company, not being a listed Company, has neither presented such statement previously nor is liable to comply with the requirements of any statute.

**टिप्पणी : 32 :** आकस्मिक देयताओं में शामिल कंपनी के विरुद्ध दावे को ऋण के रूप में नहीं लिया गया :

**Note 32 :** Contingent Liabilities include claims against the Company not acknowledged as debt : -

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

विवरण	Particulars	2013 - 2014	2012 - 2013
बिक्री कर एवं सीमा शुल्क	Sales Tax & Customs	1871	1853
धन संबंधी वाद	Money Suits	8750	3277
नौवहन वाद	Admiralty Suits	–	37
विवाचन	Arbitration	2178	3369
विधि व्यय	Legal Expenses	325	325
आयकर	Income Tax	456	602
सेवा कर	Service Tax	1711	1713
<b>कुल</b>	<b>Total</b>	<b>15291</b>	<b>11176</b>

**टिप्पणी : 33 :** रु. 5231 लाख (विगत वर्ष रु. 5231 लाख) को कंपनी द्वारा कानूनी कार्रवाई के माध्यम से किए गए दावे को वित्तीय विवरण में नहीं लिया गया है।

**Note 33 :** Claims lodged by the Company through legal processes not recognized in financial statements are ₹ 5231 lacs (previous year ₹ 5231lacs).



टिप्पणी : 34 : 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष के लिए शुरुआती स्टॉक, क्रय, विक्रय एवं समाप्त स्टॉक का विवरण :

Note 34 (a) : Statement of Opening Stock, Purchases, Sales and Closing Stock for the year ended 31st March, 2014

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण Description of material	शुरुआती स्टॉक Opening Stock		क्रय Purchases		विक्रय Sales		बंद स्टॉक Closing Stock	
	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value	मात्रा Qty.	मूल्य Value
	मेल्टिंग स्क्रैप Melting Scrap	0	0	(3)	(800)	(3)	(825)	0
कूड ऑयल Crude Oil	0	0	1002	69777	1002	70650	0	0
नेप्था Naptha	0	0	127	70256	127	71508	0	0
	0	0	(317)	(162567)	(317)	(164924)	0	0
कोक/कोल Coke / Coal	194	7375	6670	335102	6778	341529	86	3605
			(6436)	(382016)	(6242)	(379587)	(194)	(7375)
जूट Jute	0	0	10	2894	10	2916	0	0
	0	0	(218)	(5782)	(218)	(5825)	0	0
आयरन ओर Iron Ore	0	0	(584)	(44257)	(584)	(45076)	0	0
एच आर क्वायल H. R. Coils	0	0	(30)	(12990)	(30)	(13202)	0	0
				478029		486603		
जोड़ : Add :		अंतिम बिल समायोजन Final Bill Adj.		(608412)		(609439)		
				10416		10708		
				(1485)		(1690)		
				488445		497311		
				(609897)		(611129)		

**टिप्पणी 34 (बी) :** ऊपर के अलावा कंपनी ने फेसिलेटर के रूप में निम्नोक्त के अनुसार सामग्री खरीदी है :

**Note 34 (b) :** In addition to above the Company have also purchased material as facilitator as per details below :

(विगत वर्ष) / (previous year) / (मात्रा '000 टन) / (Qty '000 Tonnes) / (रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

सामग्री का विवरण Description of material	मात्रा Qty	खरीद मूल्य Purchase Value	अर्जित सेवा प्रभार Service Charges Earned
एच आर क्वायल्स H R Coils	60 (226)	22300 (17238)	492 (274)
कोक/कोल Coke / Coal	1094 (601)	114568 (62779)	2291 (1714)
बिलेट्स Billets	25 (93)	9113 (27430)	173 (625)
पिलेट्स Pellets	(4)	(367)	(7)
कॉपर वायर रॉड Copper Wire Rods	(1)	(3535)	(65)
नेफ्था Naptha	142 (389)	96712 (221521)	1647 (3273)
कैपिटल आईटम / Capital Items			(17)
स्क्रेप / Scrap	(1)	(347)	(6)
आयरन ओर Iron Ore	102 (291)	5726 (20482)	114 (417)
मैंगेनीज ओर Manganese Ore	26 (71)	3093 (6616)	93 (150)
सी आर क्वायल C R Coil	(9) 55	(3339) 6984	(50) 133
पिग आयरन / Pig Iron	(49)	(14400)	(266)
स्पंज आयरन / Sponge Iron	(53)	(14013)	(259)
फेरो स्क्रेप / Ferro scrap		1874	35
एचएमएस / HMS	(1)	(456)	(23)
<b>कुल / Total</b>	<b>1504</b>	<b>260370</b>	<b>4978</b>
	<b>(1789)</b>	<b>(392523)</b>	<b>(7147)</b>

**टिप्पणी 35 :** वर्ष 2008-09 में स्वर्ण आभूषण के निर्यात के खाते में कुल प्राप्य रु. 59863 लाख है। सहायकों से कुल रु. 2990 लाख रखी गई साथ में क्रेताओं से वसूली नहीं की स्थिति में उपरोक्त बकाया के लिए समायोजन हेतु ईएमडी उपलब्ध है। सीबीआई/ईडी ने सहायकों से रु. 3979 लाख कीमत की चल संपत्ति जब्त की है। इसके अंतरण के लिए एमएसटीसी ने सीबीआई न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है तथा इसके एवज में दिनांक 31.03.2014 तक रु. 900 लाख की रकम प्राप्त हो चुकी है। प्राप्य क्रय करार के तहत स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक (एससीबी) के पास प्राप्य रु. 16916 लाख बिक्री कर दी गई है, जिसके लिए एससीबी के पास एमएसटीसी के प्रति कोई वैध दावा नहीं है। इसके अलावा, उस्मा ज्वेलर्स, एक सहायिकी, ने विदेशी क्रेताओं से अप्राप्ति को भरने के लिए एमएसटीसी के पास भू संपत्ति गिरवी पर रखी है, जिसका वर्तमान मूल्य रु. 12400 लाख है। संबंधित संपत्ति की बिक्री की जा सकती है तथा उससे प्राप्त रकम को विदेशी क्रेताओं के उक्त बकाया राशि में समायोजित किया जा सकता है।

उपरोक्त परिस्थितियों पर विचार किए जाने के उपरांत, बकाया कुल अपूरित राशि रु. 23578 लाख है। एमएसटीसी द्वारा ईसीजीसी के पास किया गया दावा (उन मामलों के संबंध में जिसे वसूली के लिए एनसीडीआरसी में दायर किया गया है) ऊपर उल्लेखित रकम रु. 23578 से कहीं अधिक है। अब एनसीडीआरसी द्वारा दिनांक 16.4.2014 को दिए गए निर्णय में संबंधित मामले को सिविल कोर्ट अथवा अन्य समुचित फोरम में दायर करने का आदेश दिया गया, जिसके लिए समय की जरूरत है। इस खाते में पुस्तिका में पहले से किए गए रु. 900 लाख के प्रावधान के अलावा इसे स्वाभाविक एवं महत्वपूर्ण मान कर एक अतिविशिष्ट मद के रूप में रु.22678 लाख का प्रावधान किया गया है।

**Note 35 :** There is total receivable of ₹ 59863 lacs on account of export of gold jewellery in the year 2008-09. A total amount of ₹ 2990 lacs retained from Associates including EMD is available for adjustment against above dues in case of ultimate non-realisation from buyers. CBI/ED inter alia recovered liquid assets worth ₹ 3979 lacs from the Associates for transfer of which MSTC has approached CBI court and against this an amount of ₹ 900 lacs has been received within 31.03.2014. Receivables worth ₹16916 lacs have already been sold to Standard Chartered Bank (SCB) under a Receivable Purchase Agreement and for which SCB do not have any valid claim on MSTC. Further, Ushma Jewellers, one of the associates have mortgaged landed properties to MSTC to cover the default against the foreign buyers, the present value of which is ₹12400 lacs. The said properties can be sold and proceeds there from can be adjusted against aforesaid dues of foreign buyers

After considering above, the net amount of dues remaining uncovered is ₹ 23578 lacs. MSTC's claim with ECGC (for recovery of which cases had been filed in NCDRC) is much more than aforesaid amount of ₹ 23578 lacs. Now that NCDRC in its judgment dated 16.4.2014 has referred the matter to Civil Court or any other appropriate forum which will be time consuming, provision has been made as an exceptional item considering its very nature and magnitude for an amount of ₹ 22678 lacs in addition to the provision of ₹ 900 lacs already existing in books on this account.

**टिप्पणी 36 :** विगत वर्ष के आकड़ों को जहां जरूरत है वहां पुनर्व्यवस्थित एवं पुनः समूहित किया गया है।

**Note 36 :** Figures for the previous year have been rearranged and regrouped wherever necessary.

#### कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited

**कृते राय एंड कं.**  
सनदी लेखापाल  
पंजीकरण सं. 313124ई  
  
सीए एस पी बसु  
साझेदार  
एम नं. 050209  
  
तारीख : 01-08.2014  
स्थान : कोलकाता

**For Ray & Co.**  
Chartered Accountants  
Regn. No. 313124E  
  
CA, S P. Basu  
Partner  
M no. 050209  
  
Dated : 01.08.2014  
Place : Kolkata

**(एस के त्रिपाठी)**  
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक  
**(S. K. Tripathi)**  
Chairman-cum-Managing Director  
  
**(आर के चौधरी)**  
महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)  
**(R. K. Chaudhuri)**  
General Manager (Finance & Accounts)

**(ए के बसु)**  
निदेशक (वित्त)  
**(A. K. Basu)**  
Director (Finance)  
  
**(सुब्रत कुमार राय)**  
कंपनी सचिव  
**(Subrata Kumar Ray)**  
Company Secretary

एमएसटीसी लिमिटेड MSTC LIMITED

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह विवरण

CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2014

(रु. लाख में) / (₹ in Lacs)

		2013-14	2012-13
<b>परिचालन गतिविधियों से नकद प्रवाह</b>	<b>Cash Flow from Operating Activities :</b>		
कराधन एवं असाधारण मद पूर्व निवल लाभ	Net Profit before Taxation and Extraordinary items	(10737)	19340
मूल्यहास हेतु समायोजन	Adjustment for Depreciation	195	245
लाभांश से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Dividend Income	(40)	(40)
संपत्तियों की बिक्री से हानि हेतु समायोजन	Adjustment for loss on sale of assets	1	0
ब्याज से आय हेतु समायोजन	Adjustment for Interest Income	(8869)	(8710)
<b>कार्यकारी पूंजी परिवर्तन से पूर्व परिचालन लाभ</b>	<b>Operating Profit before Working Capital Changes</b>	<b>(19450)</b>	<b>10835</b>
व्यापार प्राप्य में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Trade Receivables	67183	(142516)
अन्य चालू / गैर चालू आस्थियों में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Other Current/Non Current Assets	104	(126)
दीर्घावधि/अल्पावधि ऋण एवं अग्रिम में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Long term/Short term Loans & Advances	(6148)	1064
स्टॉक/इनवेंटरी में (वृद्धि)/कमी	(Increase)/Decrease in Stock/Inventories	3770	(7375)
विविध लेनदार/व्यापार देय/चालू, गैर चालू देयताएं/प्रावधानों में (वृद्धि)/कमी	Increase/(Decrease) in Sundry Creditors/Trade Payables/Current/Non Current Liabilities/Provisions	(45975)	144013
प्रचालन से नकद प्राप्ति	Cash Generated from Operation	(516)	5895
अग्रिम आयकर भुगतान	Advance Income Tax Paid	(7541)	(6358)
प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नकद प्रवाह (ए)	Net Cash Flow from Operating Activities : (A)	(8057)	(463)
<b>निवेश गतिविधियों से नकद प्रवाह</b>	<b>Cash Flow from Investing Activities :</b>		
अचल परिसम्पत्तियों/सीडब्ल्यूआईपी की खरीद	Purchase of Fixed Assets/CWIP	(88)	(59)
प्राप्त लाभांश	Dividend Received	40	40
प्राप्त ब्याज	Interest Received	8869	8710
निवेश गतिविधियों से निवल नकद प्राप्ति (बी)	Net Cash generated from Investing Activities (B)	8821	8691
<b>वित्तीय गतिविधियों से नकद प्रवाह</b>	<b>Cash Flow from Financing Activities :</b>		
अल्पावधि उधार से प्राप्ति	Proceeds from Short Term Borrowings	(15545)	28503
प्रदत्त लाभांश	Dividend Paid	(2631)	(609)
लाभांश पर कर	Tax on Dividend	(441)	(93)
वित्तीय गतिविधियों में लगा निवल नकद (सी)	Net Cash used in Financing Activities (C)	(18617)	27801
नकद एवं नकद समानक में निवल वृद्धि (ए+बी+सी)	Net Increase in Cash & Cash Equivalent (A+B+C)	(17853)	36029
नकद एवं नकद समानक-प्रारम्भिक	Cash & Cash Equivalent – Opening	127457	91428
नकद एवं नकद समानक-अंतिम	Cash & Cash Equivalent – Closing	109604	127457
टिप्पणी 16 के अनुसार नकद एवं नकद समानक	Cash & Cash Equivalent as per Note 16		
नकद एवं स्टैम्प हाथ में	Cash and Stamp on hand	1	1
चालू खाता	Current Accounts	23155	21585
लाभांश खाता	Dividend Accounts	68	59
जमा खाता	Deposit Accounts	80380	105812
		109604	127457

**टिप्पणी :** दावा एवं स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के पास रु. 54 लाख का चालू खाता शेष, जो कंपनी के प्रयोग के लिए उपलब्ध नहीं है, के विरुद्ध अवधि के अंत में नकदी एवं नकदी समानक में शामिल दावा नहीं किए गए लाभांश रु. 68 लाख एवं सावधि जमा रु. 906 लाख प्रतिभूति (गारंटी) स्वरूप रखे गए हैं।

**Note :** Cash and Cash equivalents at the end of the period include Unclaimed Dividend of ₹ 68 lakh Term Deposit of ₹ 906 lakh furnished as guarantee against claims and ₹ 54 lakh current account balance with Standard Chartered Bank which are not available for use to the Company.

सम तारीख के हमारे प्रतिवेदन के संदर्भ में है।

In terms of our report of even date.

**कृते एमएसटीसी लिमिटेड For MSTC Limited**

**कृते राय एंड कं.**

सनदी लेखापाल  
पंजीकरण सं. 313124ई

सीए एस पी बसु  
साझेदार  
एम नं. 050209

तारीख : 01-08.2014

स्थान : कोलकाता

**For Ray & Co.**

Chartered Accountants  
Regn. No. 313124E

CA S P. Basu  
Partner  
M no. 050209

Dated : 01.08.2014

Place : Kolkata

**(एस के त्रिपाठी)**

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक

**(S. K. Tripathi)**

Chairman-cum-Managing Director

**(आर के चौधरी)**

महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

**(R. K. Chaudhuri)**

General Manager (Finance & Accounts)

**(ए के बसु)**

निदेशक (वित्त)

**(A. K. Basu)**

Director (Finance)

**(सुब्रत कुमार राय)**

कंपनी सचिव

**(Subrata Kumar Ray)**

Company Secretary

**कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 (3) के अनुरूप सहायक कंपनी के संबंध में  
31 मार्च, 2014 तक के तुलन पत्र में संलग्न विवरण**

- |   |   |  |
|---|---|--|
| 1. सहायक कंपनी का नाम   | : | फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड  |
| 2. वित्तीय वर्ष का अंत  | : | 31 मार्च, 2014   |
| 3. ईक्विटी शेयर में नियंत्रि कंपनी का ब्याज   | : | 100% (पूर्णत नकद प्रदत्त प्रत्येक रु. 1000/- में<br>20,000/- के ईक्विटी शेयर धारण करती है) |
| 4. सहायक कंपनी के लाभ/(हानि) की शुद्ध आंकलित राशि को, जहां तक उसका संबंध नियंत्रि कंपनी के सदस्यों से है। |   |  |
| (क) नियंत्रि कंपनी के खाते में शामिल नहीं किया गया है   |   |  |
| (i) 31.03.2014 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए करोत्तर लाभ  | : | ₹ 8,42,28,000/-  |
| (ii) 31.03.2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए करोत्तर लाभ   | : | ₹ 1,96,06,000/-  |
| (ख) नियंत्रि कंपनी के खाते में शामिल किया गया है  |   |  |
| (i) 31.03.2014 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए करोत्तर लाभ  | : | शून्य  |
| (ii) 31.03.2013 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए करोत्तर लाभ   | : | शून्य  |

**Statement attached to the Balance Sheet as at 31st March 2014 regarding Subsidiary Company,  
Pursuant to Sec. 129 (3) of the Companies Act, 2013**

- |  |   |   |
|--|---|---|
| 1. Name of the Subsidiary Company  | : | Ferro Scrap Nigam Limited   |
| 2. Financial Year ending   | : | 31st March, 2014  |
| 3. Holding Company's interest in Equity Shares   | : | 100% (holding 20,000 equity Shares of<br>₹ 1000/- each fully paid up in cash) |
| 4. The net aggregate amount of Subsidiary Company's Profit/(Loss) so far it concerns the members of the Holding Company. |   |   |
| (A) Not dealt with in Holding Company's accounts :   |   |   |
| (a) Profit after Tax for the year ended 31.03.2014   | : | ₹ 8,42,28,000/-   |
| (b) Profit after Tax for the year ended 31.03.2013   | : | ₹ 1,96,06,000/-   |
| (B) Dealt with Holding Company's accounts :  |   |   |
| (a) Profit after Tax for the year ended 31.03.2014   | : | Nil   |
| (b) Profit after Tax for the year ended 31.03.2013   | : | Nil   |



**फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड**  
**Ferro Scrap Nigam Limited**  
**Annual Report 2013-2014**







# फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)

## Ferro Scrap Nigam Limited

(A Government of India Undertaking)

**35** वीं वार्षिक प्रतिवेदन  
**th ANNUAL REPORT 2013-2014**

### विषयसूची

### CONTENTS

* निदेशक का प्रतिवेदन	5	* Directors' Report	5
* लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन	32	* Auditors' Report	33
* भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ	44	* Comments of Comptroller and Auditor General of India (CAG)	45
* तुलन पत्र	46	* Balance Sheet	47
* लाभ व हानि विवरण	48	* Statement of Profit and Loss	49
* नगद प्रवाह विवरणी	50	* Cash Flow Statement	51

## निदेशक मण्डल

**श्री एस. के. त्रिपाठी**

अध्यक्ष एवं अतिरिक्त प्रभार  
-प्रबंध निदेशक

**श्री आर. रामाराजू**

(27.05.2013 तक)

**श्री बी. बी. सिंह**

**श्री एस. पी. भारद्वाज**

(06/06/2014 तक)

**श्री के. एस. समरेन्द्रनाथ**

(07/06/2014 से)

## BOARD OF DIRETORS

**Shri S. K. Tripathi**

Chairman and Additional Charge of  
Managing Director

**Shri R. Ramaraju**

(Up to 27.05.2013)

**Shri B. B. Singh**

**Shri S. P. Bhardwaj**

(Up to 06.06.2014)

**Shri K. S. Samarendranath**

(w.e.f. 07.06.2014)

### कम्पनी सचिव

श्री आदित्य प्रकाश शर्मा

### COMPANY SECRETARY

Shri Aditya Prakash Sharma

### लेखापरीक्षक

राजेन्द्र प्रसाद

सनदी लेखापाल

### AUDITORS

**M/S RAJENDRA PRASAD**

Chartered Accountants

### बैंकर्स

भारतीय स्टेट बैंक

बैंक ऑफ इंडिया

इंडियन बैंक

आंध्रा बैंक

बैंक ऑफ बड़ौदा

पंजाब नेशनल बैंक

यूको बैंक

कार्पोरेशन बैंक

### BANKERS

State Bank of India

Bank of India

Indian Bank

Andhra Bank

Bank of Baroda

Punjab National Bank

UCO Bank

Corporation Bank

### पंजीकृत कार्यालय

एफ. एस. एन. एल. भवन,

इक्विपमेन्ट चौक,

सेन्ट्रल एवेन्यू, पोस्ट बॉक्स नं. 37

भिलाई (छ.ग.)

फोन : (0788) 222-2474/2475

फैक्स : (0788) 222-0423/3884

### Registered Office :

F.S.N.L. Bhawan,

Equipment Chowk, Central Avenue,

Post Box No. 37,

Bhilai (C. G.)

Phone : (0788) 222-2474/2475

Fax : (0788) 222-0423/3884

E-mail : fsnl\_co@rediffmail.com

Visit us at : [///www.fsnl.nic.in](http://www.fsnl.nic.in)

## निदेशक का प्रतिवेदन

प्रति,

सदस्यवृन्द,

फेरो स्क्रेप निगम लिमिटेड

महानुभाव,

आपके निदेशकगण को नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ एवं 31/03/2014 को समाप्त वर्ष के लिए परीक्षित लेखाओं के साथ 35वीं वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए हर्ष है।

### निष्पादन मुख्यांश

#### भौतिकीय :

कम्पनी ने आईआईएल, डोलवी में दीर्घकालिक अनुबंधों के नवीनीकरण न होने जैसी बाधाओं के बावजूद सभी मूल संचालनीय क्षेत्रों में भौतिक लक्ष्यों को बेमिसाल कर एक बार फिर अत्यंत बढ़िया प्रदर्शन किया है। एफएसएनएल 25.19 लाख टन स्क्रेप का प्रेषण एवं 52.88 लाख टन स्लैग की दुलाई करने में सफलता हासिल की है। भौतिकीय निष्पादन वर्तमान उद्भवों के साथ-साथ पुराने लगे ढेरों से स्क्रेप के निविष्ट में काफी के बावजूद हासिल किया गया है। स्क्रेप तथा स्लैग की यह उपलब्धि वर्तमान गतिविधियों में बढ़ोतरी एवं वर्तमान संयंत्रों में पुराने स्कंध के निस्तारण से संभव हुआ। ऐसी उपलब्धियाँ उत्कृष्ट कार्य-संस्कृति टीम-भावना, कठोर परिश्रम तथा सभी कर्मचारियों की तल्लीनता के साथ - साथ ग्राहकों से प्राप्त सहयोग एवं मदद के कारण संभव हुई है।

इस्पात निर्माण में तकनीकी उन्नयन/आधुनिकीकरण ने इस्पात संयंत्रों में स्क्रेप का जनन कम किया है तथा परिणामस्वरूप स्लैग से स्क्रेप की उपलब्धता क्रमशः घटी है। विकास तथा लाभप्रदता बेहतर बनाने के लिए एफएसएनएल नए काम निरापद करने का अवसर तलाश रही है।

#### वित्तीय मुख्यांश :

	(₹ लाख में)	
ब्यौरा	2013-2014	2012-2013
कुल राजस्व	23,787.67	19,781.45
कर पूर्व लाभ/(हानि)	1,242.83	252.56
करोपरांत लाभ/(हानि)	842.28	196.06

कंपनी का कुल उपार्जन गत वर्ष के आँकड़े क्रमशः ₹19,781.45 लाख तथा ₹18,678.88 लाख की तुलना में ₹22,414.43 लाख के सेवा प्रभार सहित ₹23,787.67 लाख था। वर्ष के दौरान कंपनी का सकल मार्जिन तथा कर पूर्व लाभ गत वर्ष के आँकड़े क्रमशः ₹1,465.50 लाख तथा ₹252.56 लाख की तुलना में ₹2,652.79 लाख तथा ₹1,242.83 लाख था।

## DIRECTORS' REPORT

To,

The Members

FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

GENTLEMEN

Your Directors have the pleasure in presenting the 35<sup>TH</sup> Annual Report with the audited accounts for the year ended 31-03-2014 along with the comments of the Comptroller and Auditor General of India.

### PERFORMANCE HIGHLIGHTS

#### PHYSICAL :

The Company has once again performed exceedingly well by surpassing physical targets in all key operational areas, despite obstacles like Non-renewal of long term agreements at IIL, Dolvi. FSNL achieved a dispatch of 25.19 lakh tonnes of scrap and 52.88 lakh tones of slag haulage. The physical performance has been achieved despite reduction in input of scrap from current arisals and also from old dumps. This achievement of scrap and slag was possible by augmenting the present activities and liquidating the old stock in the existing plants. Such achievements have been possible due to the excellent work culture, team spirit, hard work and dedication of all the employees as well as cooperation and support received from customers.

The technological upgradation/modernization in steel making has brought down the generation of scrap in steel plants and as a result the availability of scrap from slag has gradually reduced. To improve the growth and profitability, FSNL is exploring opportunity to secure new jobs.

#### FINANCIAL HIGHLIGHTS :

	(₹ in lacs)	
Particulars	2013-2014	2012-2013
Total Revenue	23,787.67	19,781.45
Profit / (Loss) Before Tax	1,242.83	252.56
Profit / (Loss) After Tax	842.28	196.06

The total earnings of the company was ₹ 23,787.67 lakhs including service charges of ₹ 22,414.43 lakhs as compared to the previous year's figure of ₹ 19,781.45 lakhs and ₹ 18,678.88 lakhs respectively. The company's gross margin and the Profit Before Tax during the year was ₹ 2,652.79 lakhs and ₹ 1,242.83 lakhs as compared to the previous year's figure of ₹ 1,465.40 lakhs and ₹ 252.56 lakhs respectively.

कंपनी की लाभप्रदता में ₹990.27 लाख का सुधार हुआ है तथा यह (1) सेल इस्पात संयंत्रों में वर्ष के लिए 8.90 प्रतिशत की दर से सेवा प्रभार दरों में वृद्धि (2) लागत कटौती उपाय (3) उत्पादन में वृद्धि तथा उत्पादकता में समग्र वृद्धि के कारण हुआ है।

#### **सामान्य आरक्षितियाँ :**

कंपनियों के नियम , 1975 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 205 (2ए) (लाभों का आरक्षित निधि में अंतरण) के अनुसरण में ₹645.00 लाख की रकम लाभ एवं हानि खाता से सामान्य आरक्षित में अंतरित किया जाना प्रस्तावित है तथा ₹0.78 लाख का अधिशेष तुलन-पत्र में अग्रोनित किया जाना है।

#### **लाभांश :**

आपके निदेशकगण को इससे संबंधित डीपीई दिशा-निर्देश (डीपीई ओ.एम.नं. 15(10)/2004 डीपीई (जीएम), दिनांक 18 अक्टूबर, 2004 की सीमा के अनुरूप वर्ष 2013-2014 के लिए ₹168.45 लाख के समादत्त अंश पूंजी रकम पर 84.22 प्रतिशत की दर से लाभांश की अनुशंसा करते हुए हर्ष है।

#### **विदेशी मुद्रा उपार्जन तथा निर्गम :**

वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा उपार्जन शून्य है। हालाँकि, कंपनी भंडारण व कल-पूजा तथा यात्रा व्यय के परिप्रेक्ष्य में ₹9.64 लाख की विदेशी मुद्रा खर्च की है।

#### **उर्जा संरक्षण तथा प्रौद्योगिकी अवशोषण एवं नव-श्रृजन**

##### **उर्जा संरक्षण**

उर्जा का संरक्षण मूल क्षेत्रों का एक अंग होता है जहाँ कंपनी खपत को निरंतर अनुवीक्षण के द्वारा उर्जा की व्यर्थ न कर उसे बचाने के लिए प्रयासरत है।

कंपनी नियम, 1988 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(1) (ई) (निदेशक मण्डल के प्रतिवेदन में ब्योरा का प्रकटीकरण) के प्रावधानों के अन्तर्गत उर्जा के संरक्षण तथा तकनीकी अवशोषण से संबंधित अपेक्षित जानकारी को इस प्रतिवेदन के भागरूप संलग्नक-1 क्रमशः प्रपत्र-क तथा प्रपत्र-ख में दी गयी है।

##### **प्रौद्योगिकी अवशोषण एवं नव श्रृजन**

##### **प्रौद्योगिकी अवशोषण से संबंधित ब्योरा :**

##### **विकास तथा अभियांत्रिकी**

धात्विक स्क्रेप की रिकवरी तथा प्रक्रमण के लिए एफएसएनएल को प्रोसेसिंग प्लांट एवं मैटेरिअल हैंडलिंग इक्विपमेंट नामक दो प्रकार के उपस्करों की आवश्यकता है। जबकि एक्सकावेटोर, डम्पर, पेलोडर, डोजर आदि जैसे मैटेरिअल हैंडलिंग उपस्कर मूल उपस्कर निर्माताओं से खरीदे जा रहे हैं। मैगनेटिक सेपरेटर, स्लैग प्रोसेसिंग एंड ग्राइण्डिंग प्लांट, एफई-एनरिचमेंट

The profitability of the company has shown improvement of ₹ 990.27 lakhs and is attributable to (i) the increase in service charge rates at SAIL Steel Plants @ 8.90% for the year (ii) cost cutting measures (iii) increase in production and overall increase in productivity.

#### **GENERAL RESERVES :**

Pursuant to Section 205(2A) of the Companies Act, 1956, read with Companies (transfer of Profit to Reserve) Rules 1975 an amount of ₹ 645.00 lakhs is proposed to be transferred to General Reserve from Profit & Loss Account leaving a balance of ₹ 0.78 lakhs to be carried forward to the Balance Sheet.

#### **DIVIDEND :**

Your Directors are pleased to recommend a dividend @84.22 % on the paid up equity share capital amounting to ₹ 168.45 Lakhs for the year 2013-2014 in line with the DPE Guideline issued in this regard (DPE O.M. No.: 15(10) / 2004-DPE(GM) dated 18<sup>th</sup> October, 2004.

#### **FOREIGN EXCHANGE EARNING & OUTGO:**

Foreign exchange earning during the year is NIL. However, the company spent foreign exchange of ₹ 9.64 lakhs towards stores & spare parts and travelling expenses.

#### **ENERGY CONSERVATION & TECHNOLOGY ABSORPTION AND INNOVATION**

##### **ENERGY CONSERVATION**

The conservation of energy has been one of the key areas where company is striving for saving energy by avoiding waste through continuous monitoring of consumption.

Information as required under provisions of Section 217(1)(e) of the Companies Act, 1956, read with the Companies (Disclosure of Particular in the report of Board of Director) Rules 1988, regarding conservation of energy and Technology Absorption, are given in the Annexure-I "Form-A" and "Form-B" respectively forming part of this report.

##### **TECHNOLOGY ABSORPTION AND INNOVATION**

##### **PARTICULARS WITH RESPECT TO ABSORPTION OF TECHNOLOGY**

##### **DEVELOPMENT & ENGINEERING :**

For recovery and processing of metallic scrap, FSNL requires two types of equipments namely Processing Plants and Material Handling Equipment. while Material Handling Equipment such as Excavators, Dumpers, Payloaders, Dozers etc. are procured from OEMs, all the processing plants / units such as Magnetic Separators, Slag Processing & Grinding

प्लांट आदि जैसे प्रोसेसिंग प्लांट/इकाइयों को एफएसएनएल में स्वयं के द्वारा अभिकल्पित, विरचित, स्थापित तथा प्रतिष्ठापित किया जा रहा है। तदनुसार :-

1. भिलाई इकाई में सेपरेटर इकाई क्र. एस-4147 पर धूल दमन प्रणाली का विकास तथा संस्थापन पूर्ण।
2. बोकारो इकाई में 248ए आकार का विद्युतिकरण कार्य पूर्ण।
3. राउरकेला इकाई में स्लैग ग्राइंडिंग संयंत्र इकाई क्र. एसजी.4025 की विरचना तथा संस्थापन कार्य प्रगति में है।

### अनुसंधान व विकास :

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए जारी कार्यालय ज्ञापन सं. 3(9)2010-डीपीई(एमओयू), दिनांक 23.09.2011 के तहत अनुसंधान एवं विकास पर लोग उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों को कार्यान्वित किया गया है। 10 मि मी आकार से कम के स्क्रेप फाईन्स की एफई-एनरिचमेंट के लिए अनुसंधान व विकास परियोजना शुरू की गयी है। प्रयोगशाला स्तर पर प्रारंभिक मार्गदर्शन अध्ययन संचालित करने प्रायोगिक संयंत्र की आपूर्ति एवं स्थापना के लिए आदेश दे दिया गया है।

सीआरआरआई-नई दिल्ली, एनईईआरआई-रायपुर आदि जैसे अनुसंधान संस्थान को सड़क बनाने, रेल गिट्टी व मिट्टी अनुकूलन आदि में स्टील स्लैग के उपयोग के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने हेतु संपर्क किया गया है।

### प्रौद्योगिकी का उन्नयन तथा स्क्रेप की रिकवरी व स्लैग प्रक्रमण:

- \* इस्पात मंत्रालय द्वारा अनुमोदित टीम में इस्पात मंत्रालय, सेल, आरआईएनएल, एमएसटीसी तथा एफएसएनएल से वरिष्ठ अधिकारियों ने एफएसएनएल की स्क्रेप रिकवरी तथा स्लैग प्रक्रमण के प्रौद्योगिकी के उन्नयन के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में स्क्रेप रिकवरी एवं स्लैग प्रक्रमण संयंत्रों में दौरा किया।
- \* यात्रा के परिणाम से एफएसएनएल ने सड़क बनाने, रेल गिट्टी में एल.डी. स्लैग समुच्चयों के उपयोगीकरण की परियोजना को हाथ में लिया, जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में देखा। यह प्राकृतिक समुच्चयों का विकल्प होगा। तदनुसार केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान-नई दिल्ली, राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान-नागपुर तथा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान-रायपुर को सड़क बनाने एवं रेल गिट्टी में एल.डी. स्लैग के उपयोगीकरण पर व्यवहार्यता अध्ययन का आयोजन करने हेतु संपर्क किया गया।

### स्क्रेप रिकवरी संविदाओं की स्थिति :

#### 1. सेल संयंत्र

लौह, इस्पात स्क्रेप व स्लैग की रिकवरी/प्रक्रमण तथा हैण्डलिंग के लिए सेल निगमन कार्यालय के साथ समझौता ज्ञापन 5 मुख्य मदों हेतु 05.03.2014 को हस्ताक्षरित हुआ है जो आरबीआई द्वारा प्रकाशित सभी पदार्थों के डब्ल्यूपीआई पर आधारित अधिकतम 5 प्रतिशत के अधीन सेवा प्रभार दरों में वार्षिक वृद्धि के साथ 01.04.2013 के प्रभाव

Plants, Fe-enrichment Plants etc. are being designed, fabricated, erected and installed by FSNL inhouse. Accordingly:-

1. Development and installation of Dust Suppression System on Separator Unit No.S-4147 at Bhilai Unit completed
2. Electrification job of 248A site at Bokaro unit completed.
3. Fabrication, and installation job of Slag Grinding Plant Unit No. SG-4025 at Rourkela Unit is in progress.

### RESEARCH & DEVELOPMENT :

The DPE guidelines on Research and Development for CPSEs issued vide office memorandum no: 3(9)2010-DPE(MOU) dated 23.09.2011 has been implemented. Research and Development project for “Fe -enrichment of scrap fines below 10mm size” has been undertaken. Order for supply and installation of pilot plant to conduct pilot study at lab level, has been placed.

Research institute such as CRRI-New Delhi, NEERI-Nagpur, NIT-Raipur etc. have been contacted for carrying out feasibility study for the use of steel slag in road making, rail ballast & soil conditioning etc.

### UPGRADATION OF TECHNOLOGY & RECOVERY OF SCRAP & SLAG PROCESSING

- \* Team approved by Ministry of Steel, comprising of senior officials from Ministry of Steel, SAIL, RINL, MSTC & FSNL visited scarp recovery and processing plants at USA for upgradation of Technology of scrap recovery and slag processing services of FSNL. Report submitted to Ministry.
- \* One of the outcome of the visit, FSNL has taken up the project on utilization of L.D.Slag aggregates in Road making, Rail Ballast as seen in USA. This would be substitute of natural aggregates. Accordingly Research Institute like Central Road Research Institute- New Delhi, National Environment Engineering Research institute-Nagpur and National Institute of Technology-Raipur have been approached, for conducting feasibility study on utilization of L.D.Slag aggregates in Road making and Rail Ballast.

### STATUS OF SCRAP RECOVERY CONTRACTS :

#### 1. SAIL Plants

MOU with SAIL corporate Office for “ Recovery / Processing and Handling of Iron, Steel Scrap & Slag” has been signed on 05.03.2014 for 5 main items which are common to all SAIL steel plants for renewal of jobs for a period of three years w.e.f.01.04.2013 with an annual

से तीन वर्षों की अवधि के लिए कार्यों के नवीनीकरण हेतु सभी सेल इस्पात संयंत्रों में समान है।

**क) राउरकेला इस्पात संयंत्र :** अनुबंध 31.03.2013 तक वैध था। आरएसपी. सेल ने 30.06.2014 तक ठेका बढ़ाया है।

**ख) इस्को इस्पात संयंत्र :** अनुबंध 31.03.2013 तक वैध था। आईएसपी ने 01.04.2013 से प्रभावी होने वाले समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने तक ठेका बढ़ाया है।

**ग) भिलाई इस्पात संयंत्र :** अनुबंध 31.03.2013 तक वैध था। बीएसपी, सेल ने औपचारिक कार्यादेश के नियमितीकरण तक ठेका बढ़ाया है।

**घ) बोकारो इस्पात संयंत्र :** अनुबंध 31.03.2013 तक वैध था। बीएसएल, सेल ने 01.04.2013 से प्रभावी होने वाले समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने तक ठेका बढ़ाया है।

**ङ) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र :** अनुबंध 31.03.2013 तक वैध था। डीएसपी, सेल ने 01.04.2013 से प्रभावी होने वाले समझौता ज्ञापन को अंतिम रूप देने तक ठेका बढ़ाया है।

## 2. विशाखापट्टणम इस्पात संयंत्र

अनुबंध 21.08.2012 को 01.11.2011 से 31.10.2014 तक की अवधि के लिए हस्ताक्षरित किया गया है।

## 3. नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड, डुबुरी

अनुबंध 17.01.2014 को 13.05.2013 से 12.05.2018 तक की अवधि के लिए हस्ताक्षरित किया गया है।

## 4. भेल, हरिद्वार

अनुबंध 31.07.2013 तक वैध है। भेल ने 31.07.2014 तक के लिए ठेका बढ़ाया है।

## 5. रेल व्हील फैक्टरी, बंगलुरु

अनुबंध 10.09.2013 तक वैध था। आरडब्ल्यूएफ ने 10.07.2014 तक के लिए ठेका बढ़ाया है।

## कार्मिक

31/03/2014 को कम्पनी में 136 कार्यपालकों तथा 874 गैर-कार्यपालकों को मिलाकर श्रमशक्ति की कुल संख्या 1010 थी। 31 मार्च, 2014 को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन-जाति तथा अन्य पिछड़े वर्ग समुदायों के कर्मचारियों का समग्र प्रतिनिधित्व क्रमशः 18.51 प्रतिशत, 11.28 प्रतिशत एवं 13.06 प्रतिशत था। नई भर्तियों में अजा/अजजा/अपिव एवं शारीरिक रूप से विकलांग कर्मियों के लिए रिक्तियों के आरक्षण के बारे में समय-समय पर जारी राष्ट्रपति निर्देशों को एफएसएनएल द्वारा निमयनिष्ठतापूर्वक अनुसरण किया जाता है।

escalation in service charge rates based on WPI of all commodities as published by RBI, subject to maximum of 5%.

**a) Rourkela Steel Plant.:** Agreement was valid upto 31.03.2013. RSP, SAIL has extended the contract upto 30.06.2014.

**b) IISCO Steel Plant :** Agreement was valid upto 31.03.2013. ISP has extended the contract till finalization of the MOU, to be effective from 01.04.2013.

**c) Bhilai Steel Plant.:** Agreement was valid upto 31.03.2013. BSP, SAIL has extended the contract till regularization of formal work order.

**d) Bokaro Steel Plant.:** Agreement was valid upto 31.03.2013. BSL, SAIL has extended the contract till finalization of the MOU, to be effective from 01.04.2013.

**e) Durgapur Steel Plant.** Agreement was valid upto 31.03.2013. DSP, SAIL has extended the contract till the finalization of the MOU to be effective from 01.04.2013.

## 2. Visakhapatnam Steel Plant,

Agreement has been signed on 21.08.2012 for the period 01.11.2011 to 31.10.2014.

## 3. Neelachal Ispat Nigam Limited, Duburi.

Agreement has been signed on 17.01.2014 for the period 13.05.2013 to 12.05.2018.

## 4. BHEL, Haridwar.

Agreement is valid upto 31.07.2013. BHEL has extended the contract upto 31.07.2014.

## 5. Rail Wheel Factory, Bengaluru.

Agreement was valid upto 10.09.2013. RWF has extended the contract upto 10.07.2014.

## PERSONNEL

The total strength of manpower in the company as on 31/03/2014 was 1010, comprising of 136 Executives and 874 Non-executives. The overall representation of employees belonging to Scheduled Caste, Scheduled Tribe & OBC communities as on 31st March 2014 was 18.51%, 11.28% & 13.06%, respectively. The Presidential directives issued from time to time with regard to reservation of vacancies for SC/ST/OBC & Physically challenged personnel in Recruitments, are strictly adhered to by FSNL.

31/03/2014 को 1010 कर्मचारियों के कुल संख्याबल में से पुरुष तथा महिला कर्मचारियों की संख्याबल क्रमशः 992 एवं 18 थी।

1. 31 मार्च, 2014 को विभिन्न समूहों में अजा/अजजा/अपिव/अल्पसंख्यक एवं शारीरिक रूप से विकलांग कर्मियों की स्थिति इस प्रकार थी :-

समूह	कर्मचारियों की कुल संख्या		अ.जा.		अ.ज.जा.		अपिव		अल्पसंख्यक		शारीरिक रूप से विकलांग	
	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
क	135	1	12	0	3	0	20	0	8	0	0	0
ख	632	06	101	0	52	0	67	0	69	2	1	0
ग	222	11	68	03	58	1	45	0	23	2	0	0
घ (सफाई कर्मचारी को छोड़कर)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
घ सफाई कर्मचारी को छोड़कर	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग	992	18	184	03	113	1	132	0	100	4	1	0

### भर्तियाँ

वर्ष 2013-2014 के दौरान कोई भर्तियाँ नहीं की गयी।

### अल्पसंख्यकों का कल्याण

अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित समय-समय पर जारी सभी निर्देशों को कंपनी द्वारा नियमनिष्ठातापूर्वक अनुपालन किया गया है। 31 मार्च, 2014 को 1010 कार्मिकों में से अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित कार्मिकों की कुल संख्याबल 104 थी तथा 31 मार्च, 2014 को एफएसएनएल में अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व की प्रतिशतता 10.29 प्रतिशत थी।

अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित कर्मचारियों को कंपनी द्वारा कर्मचारियों के अनुलाभ हेतु समय-समय पर प्रचलित/प्रस्तुत विविध कल्याण उपायों के तहत व्यापक रूप से अंतर्निहित किया गया।

### कमजोर वर्गों का कल्याण

कंपनी के नियम/कल्याण उपाय कर्मचारियों के सभी वर्गों के लिए समान रूप से लागू है जिसमें अजा/अजजा/अपिव समुदायों से संबंधित वे सभी शामिल हैं तथा यह सुनिश्चित किया जाता है कि कर्मचारीगण इन कल्याण उपायों से पूरी तरह से संतुष्ट है।

Out of the total strength of 1010 employees as on 31.03.2014, the strength of Male & Female employees was 992 & 18, respectively.

1. The position of SC/ST/OBC, Minority & Physically challenged employees in various groups, as on 31st March 2014 were as follows :-

Group	No.of Employees		SC		ST		OBC		Minority		Physically Handicapped	
	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
A.	135	1	12	0	3	0	20	0	8	0	0	0
B.	632	06	101	0	52	0	67	0	69	2	1	0
C.	222	11	68	03	58	1	45	0	23	2	0	0
D. Excl. Safai Karmachari	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
D. Incl. Safai Karmachari	3	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0
TOTAL	992	18	184	03	113	1	132	0	100	4	1	0

### RECRUITMENTS

No recruitments were made during the year 2013-14.

### WELFARE OF MINORITIES

All the directives issued from time to time with regard to implementation of Prime Minister's new 15 point programme for the welfare of Minorities have been strictly adhered to by the company. As on 31st March 2014, out of 1010 employees, the total strength of employees belonging to Minority communities was 104, and the percentage of representation of Minorities in FSNL was 10.29% as on 31st March 2014.

The employees belonging to Minority communities, got widely covered under Various welfare measures as in vogue / introduced by the company from time to time for the benefit of the employees.

### WELFARE OF WEAKER SECTIONS

The rules/welfare measures of the company are uniformly applicable to all categories of employees, including those belonging to the SC/ST/OBC communities, and it is ensured that the employees are well satisfied with such welfare measures.

## मानव संसाधन विकास

जैसा कि गत वर्षों में किया गया, वर्ष के आरम्भ में तैयार वार्षिक योजना के आधार पर वर्ष 2013-14 के दौरान प्रख्यात प्रशिक्षण संस्थानों के साथ-साथ मूल उपस्कर निर्माताओं के माध्यम से कर्मचारियों (कार्यपालकों के साथ-साथ गैर-कार्यपालक कर्मचारियों) के लिए कंपनी द्वारा विविध आंतरिक व बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गयी।

औद्योगिक प्रौद्योगिकी में देनदिन विकास से परिचित कराने तथा संबंधित क्षेत्र में कर्मचारियों के कौशल तथा सामर्थ्यों को बढ़ाने के लिए सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कर्मचारियों के वार्षिक दक्षता निरूपण प्रपत्रों में समर्थित प्रशिक्षण आवश्यकताओं के संबंध में संबद्ध प्राधिकारों की अनुशंसा के आधार पर ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए कर्मचारियों का नामांकन किया गया था।

प्रशिक्षण हेतु समझौता ज्ञापन लक्ष्यों के उत्कृष्ट स्तर को प्राप्त कर लिया गया।

## सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन

सूचना का अधिकार अधिनियम के अनिवार्य प्रावधानों के अनुसरण में, एफएसएनएल ने निगमन कार्यालय में एक जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) तथा एक सहायक जन सूचना अधिकारी तथा अपनी 8 इकाईयों में एक-एक सहायक जन सूचना अधिकारी नियुक्त किया है। कम्पनी ने अधिनियम की धारा 4(1) (ख) के तहत अपेक्षित 17 विभिन्न नमूनाओं/नियमावलिओं/स्वैच्छिक/स्वतः प्रकटन के लिए नियमावलियों के अन्तर्गत जानकारी का पालन किया है तथा उसे कम्पनी की वेबसाइट [www.fsnl.nic.in](http://www.fsnl.nic.in) पर दिया है एवं प्रकाशित जानकारी नियमित रूप से अद्यतित की जा रही है।

कंपनी सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों का सतत् पालन करती है। अधिनियम के तहत मांगी गयी सभी जानकारी निर्धारित समयावधि के भीतर प्रस्तुत की जा रही है।

त्रैमासिक प्रतिवेदनों को नियमित रूप से केन्द्रीय सूचना आयुक्त को प्रस्तुत किया जा रहा है। सूचना के लिए सभी अनुरोधों को सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार निपटाया जा रहा है। 1 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2014 की अवधि के दौरान प्राप्त सूचना का अधिकार आवेदनों की कुल संख्या 30 थी। इसमें से 30 आवेदनों को निपटाया गया।

## सतर्कता गतिविधियाँ

सतर्कता विभाग द्वारा निरोधक तथा सक्रिय सतर्कता पर ध्यान केन्द्रित किया गया है तथा तदनुसार कंपनी के समग्र उद्देश्यों को प्राप्त करने वर्तमान प्रक्रियाओं तथा प्रणालियों में सुधार करने संस्थान के विभाग प्रमुखों के साथ समन्वयन स्थापित किया गया। सभी इकाईयों में निरोधक उपायों के रूप में नियमित जाँच की गयी एवं अधिकारियों से संपत्ति विवरणियों की नेमी जाँच की गयी। उक्त के अलावे, मंत्रालय/केन्द्रीय सतर्कता आयोग को आवश्यक प्रतिवेदन/विवरणियाँ प्रस्तुत किए गए तथा समय-समय पर मंत्रालय द्वारा आयोजित मुख्य सतर्कता अधिकारियों की बैठक की संक्षिप्त कार्यवाही पर आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई की गयी।

## HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT

As done in the previous years, various Inhouse & External training programmes were arranged by the company for the employees (Executives as well as Non-executive employees), during the year 2013-14, on the basis of the yearly plan chalked out at the beginning of the year, through reputed training institutions as well as the OEMs.

The nomination of employees for undergoing such training programmes were made based on the recommendations of the concerned authorities with regard to the training needs endorsed in the Annual Performance Appraisal forms of the employees, in order to acquaint them with the day-to-day developments in the industrial technologies, and to ensure enhancing the skill & abilities of the employees in the concerned field.

“Excellent” level of MOU targets for training, has been achieved.

## IMPLEMENTATION OF RIGHT TO INFORMATION ACT, 2005

In compliance with the mandatory provisions of the RTI Act, FSNL has appointed an Public Information Officer (PIO) and one Assistant Public Information Officer at Corporate Office and one APIO each at its 8 Units. MD, FSNL is the first appellate authority under the R.T.I Act, 2005. The company has complied the information under 17 different templates/ manuals / manuals for voluntary/ suo-moto disclosure as required under Section 4(1) (b) of the Act and hosted the same on the company's website “[fsnl.nic.in](http://fsnl.nic.in)” and the information so published are being regularly updated.

The company is proactively complying with the provisions of Right to Information Act, 2005. All information sought under the Act is being furnished within the stipulated time period.

Quarterly reports are submitted to the CIC regularly. All requests for information are dealt with as per the prescribed guidelines of the RTI Act, 2005. The total number of RTI application received during the period April 1, 2013 to 31<sup>st</sup> March, 2014 was 30. Out of these, 30 applications have been disposed off.

## VIGILANCE ACTIVITIES

Vigilance Department has been focusing on “Preventive & Proactive Vigilance” and accordingly co-ordinated with the HODs of the organisation in improving upon the existing procedures and systems to achieve the overall objectives of the company. Routine checks were carried out as a preventive measures in all the units and random scrutiny of the Property Returns of the Officer was carried out. Apart from this, required reports/returns were submitted to Ministry/CVC and necessary follow up action was taken on Minutes of the Meeting of CVOs held by the Ministry time to time.



विविध स्रोतों से प्राप्त शिकायतों को निर्धारित दिशा-निर्देशों/प्रक्रियाओं के अनुसार निपटारा किया गया। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के साथ समन्वय बैठक भी आयोजित की गयी। केन्द्रीय सतर्कता आयोग एवं मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार प्रबंधन के साथ सतर्कता की संरचित बैठक आयोजित की जा रही है।

पारदर्शिता लाने के लिए लाभ प्रौद्योगिकी की स्वीकृति हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं जिसके अनुसार सभी खुली निविदाओं को कंपनी की वेबसाईट पर दिया जा रहा है तथा कार्यादेशों/ठेका, पूर्व निर्धारित अनुमानित मूल्य से उपर के बिल भुगतानों का ब्यौरा आदि के सार को भी प्रतिमाह वेबसाईट पर दिया गया है।

कम्पनी में 28 अक्टूबर, 2013 से 2 नवम्बर, 2013 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। जिसके दौरान कर्मचारियों के मध्य सतर्कता जागरूकता लाने स्लोगन स्पर्धा, निबंध स्पर्धा, कर्मचारियों द्वारा प्रतिज्ञा लेने आदि जैसे विभिन्न गतिविधियाँ का आयोजन किया गया तथा स्थानीय समाचार पत्रों में उसे प्रचारित किया गया।

## **सुरक्षा**

सुरक्षा तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों के बारे में कर्मचारियों के मध्य जागरूकता लाने के उद्देश्य से कंपनी ने एफएसएनएल की सभी इकाईयों के साथ-साथ निगमन कार्यालय में सुरक्षा दिवस समारोह आयोजित की जिसमें सुरक्षा तथा सहबद्ध विषय पर वाद-विवाद शामिल था। इन स्पर्धाओं में कर्मचारियों ने उमंग से भाग लिया एवं विजेताओं को उपहार दिया गया।

अग्नि/अग्नि संकटों की रोकथाम तथा सुरक्षित कार्य पद्धतियों पर संबंधित इस्पात संयंत्रों के अग्निशमन विभागों के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद आदि जैसे प्रतिष्ठित अभिकरणों के माध्यम से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

## **प्रबंधन में श्रमिकों की सहभागिता**

प्रबंधन में श्रमिकों की सहभागिता को अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है क्योंकि किसी संस्थान के सुचारु संचालन में यह महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। प्रबंधन द्वारा निपटाए गए सभी कार्य-कलापों में श्रमिकों की प्रशस्त सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एफएसएनएल ने निगमित स्तर के विभाग प्रमुखों सहित प्रबंधन तथा मान्यताप्राप्त संघों से प्रतिनिधियों की समान संख्याओं को शामिल कर एक समिति, अर्थात् संयुक्त मंच समिति गठित है। संयुक्त मंच समिति के संयोजन प्रबंधन की ओर से नामित है तथा संघों के एक प्रतिनिधि संयुक्त संयोजक के रूप में नामित है। आमने-सामने बैठकर चर्चा करने तथा कर्मचारियों के हितों के मामलों को सुलझाने हेतु संयुक्त मंच समिति की नियमित बैठकें की जाती हैं। जहां भी आवश्यक होता है, समझौता के अनुबंधों/ज्ञापनों को प्रबंधन तथा मान्यताप्राप्त संघों के मध्य उनके द्वारा हस्ताक्षरित भी किए जाते हैं।

आमने-सामने बैठकर आपसी वार्ता की यह प्रणाली संघों के साथ-साथ प्रबंधन को समस्याओं की गहराई में जाने तथा सौहार्दपूर्ण माहौल में सबसे अच्छा संभव समाधान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। इसलिए,

The complaints received from various sources were handled as per the prescribed guidelines/procedures. Co-ordination meetings with CBI were also held. As per the instructions of CVC and Ministry, structured meeting of Vigilance with the Management is being conducted.

Constant efforts are being made for adoption of Leveraging Technology for bringing transparency as per which all open tenders are hoisted in Company's website and summary of Work Orders/Contract, details of bill payments above a pre-determined thresh-hold value etc. is also posted on website every month.

Vigilance Awareness Week was organized in the company from 28<sup>th</sup> October, 2013 to 2<sup>nd</sup> November, 2013 during which various activities like Slogan competition, Essay competition, taking pledge by the employees etc. were carried out to create vigilance awareness among the employees, giving its publicity in local News Papers.

## **SAFETY**

In order to create awareness among the employees about safety & safe working practices, the company had organized Safety Day celebrations in all the units as well as at Corporate Office of FSNL, which consisted of debates on safety & allied matters. The employees took part in such competitions enthusiastically and suitable gifts were given away to the winners.

Special training programmes on prevention of fire/fire hazards and safe working practices are also conducted through the Fire service departments of the concerned Steel Plants as well as the reputed agencies like National Safety Council etc.

## **WORKERS' PARTICIPATION IN MANAGEMENT**

Utmost importance is given to the aspect of Workers' Participation in Management as it plays a key role in smooth functioning of any organization. In order to ensure optimum participation of workers in all activities carried out by the management, FSNL has constituted a Committee, viz., Joint Forum Committee, consisting of equal number of representatives from Management & the recognized Unions, including Heads of Department at Corporate level. Convenor of JFC is nominated from Management's side and a representative of the Unions is nominated as the Jt. Convenor Regular meetings of the Joint Forum Committee is convened for holding discussions and sorting out the matters of employees' interests across the table. Wherever necessary, Agreements/Memorandum of Settlements are also signed by & between the management & the recognized unions.

By this system of mutual discussion across the table, ample opportunities are provided to the Unions as well as to the Management to go into the details of the problems and to find

एफएसएनएल में प्रबंधन में श्रमिकों की सहभागिता एक नियमित व निरंतर प्रक्रिया है।

### **औद्योगिक संबंध**

पूरे वर्ष भर कंपनी में सौहार्दपूर्ण तथा मधुर औद्योगिक संबंध अभिभावी रहा तथा यहाँ हड़ताल, घेराव/बंद आदि की कोई घटना के नहीं होने के परिणामस्वरूप उत्पादन अथवा श्रमशक्ति की क्षति नहीं हुई।

### **राजभाषा नीति**

एफएसएनएल राजभाषा नीति के कार्यान्वयन पर समय-समय पर जारी शासकीय निर्देशों का सर्वदा सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करता है।

कर्मचारियों के हिंदी में अपने दैनन्दिन कार्यों को करने हेतु हमेशा प्रेरित किया जा रहा था। प्रत्येक वर्ष की तरह, माह सितंबर, 2013 में, निगमन कार्यालय के साथ-साथ कंपनी की सभी इकाईयों में हिन्दी पखवाड़ा आयोजित की गयी थी। इस अवसर पर हिन्दी टिप्पण/आलेखन, हिन्दी ज्ञान प्रतियोगिता आदि जैसे विभिन्न स्पर्धाएँ आयोजित की गयी तथा योजनानुसार विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान की गयी।

कर्मचारियों ने केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 40वीं राष्ट्रीय स्तर हिन्दी टिप्पण/आलेखन व हिन्दी निबंध लेखन स्पर्धाओं में भी सहभागिता दी तथा एफएसएनएल के 11 कर्मिकों ने पुरस्कार जीता, जिसे आंचलिक राजभाषा कार्यान्वयन कार्यालय (केन्द्रीय), भोपाल के आमंत्रित प्रतिनिधि द्वारा विजेताओं को पुरस्कार दिया गया।

राजभाषा पखवाड़ा के समापन दिवस पर हिन्दी कविता गायन कार्यक्रम भी आयोजित की गयी, जिसमें भिलाई (छत्तीसगढ़) तथा आसपास के प्रख्यात लेखकों, गीतकारों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में क्षेत्र के उभरते हुए कवियों ने अपनी कविता सुनाई, जिसे कार्यक्रम के दौरान सभी मौजूद लोगों द्वारा सराहना की गयी।

हिन्दी पखवाड़ा के दौरान हिन्दी कार्यशाला भी आयोजित की गयी थी।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसरण में, एफएसएनएल द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण स्पर्धा तथा हिन्दी आशुलिपी स्पर्धा की मेजबानी की गयी। जिसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न भागों के प्रतिभागियों ने भाग लिया था। ऐसी पहल के लिए भिलाई-दुर्ग (छत्तीसगढ़) की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा भूरी-भूरी सराहना की गयी।

इस प्रकार, एफएसएनएल राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन कर रहा है।

### **निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व**

एफएसएनएल ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व नीति सूत्रबद्ध की है।

out the best possible solution, in a congenial atmosphere, and thus, the Workers' Participation in Management in FSNL is a regular & continuous process.

### **INDUSTRIAL RELATIONS**

A cordial & smooth industrial relations prevailed in the company throughout the year, and there has not been any incident of Strike, Gherao/Bandh etc., resulting in loss of production or manhour.

### **OFFICIAL LANGUAGE POLICY**

FSNL always ensures strict adherence of Government directives issued from time to time on implementation of Official Language policy.

Employees were constantly motivated to do their day-to-day jobs in Hindi. As done every year, in the month of September 2013 Hindi Pakhwada (Hindi Fortnight) was organized at Corporate Office, as well as all units of the company. Various competitions like Hindi Noting/Drafting, Hindi Gyan Pratiyogita etc., were conducted on this occasion and the winners were rewarded with cash awards as per the scheme.

The employees also participated in the 40th National level Hindi Noting/Drafting & Hindi Essay writing competitions organized by the Kendriya Sachivalay, Hindi Parishad, New Delhi, and as much as 11 employees of FSNL bagged the prizes, which were given away to the winners by an invited representative of the Zonal Rajbhasha Implementation Office(Central), Bhopal.

A Hindi poem recital programme was also organized on the concluding day of Hindi Fortnight, wherein eminent writers, lyricists of in & around Bhilai (Chattisgarh) were invited, including emerging poets of the region who recited their poems, which was appreciated by all present during the occasion.

Hindi Karyashala (Workshop) was also organized during the Hindi Pakhwada.

In accordance with the directives received from the Rajbhasha Vibhag, Ministry of Home affairs, a Chattisgarh State level Hindi Typing competition on Computer & Hindi Stenography competition was hosted by FSNL which was attended by the participants from various parts of Chattisgarh. Such initiative was well appreciated by the Town Official Language Implementation Committee of Bhilai-Durg (C.G.).

Thus, FSNL is exhibiting a remarkable performance in the area of implementation of official language policy also.

### **CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITIES**

FSNL has formulated a "Corporate Social Responsibility Policy".

वर्ष 2013-14 के लिए निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन के तहत एफएसएनएल ने ₹4.50 लाख आवंटित की है। सुनियोजित गतिविधियों के अन्तर्गत एफएसएनएल छत्तीसगढ़ के भर्से गाँव ग्राम के एक शासकीय शाला में मध्याह्न भोजन हेतु अधिक बच्चों को समायोजित करने के लिए एक भोजनशाला का निर्माण करने हेतु प्रतिबद्ध है तथा उक्त शाला में उपयोग के लिए पुस्तकों की अलमारियाँ भी प्रदान की जानी है।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में कुल ₹8.45 लाख (लगभग) रकम खर्च किए गए थे, जिसमें लगभग ₹ 4 लाख वर्ष 2012-13 तथा लगभग ₹4.45 लाख वर्ष 2013-14 से संबंधित था।

### शिकायत निवारण तंत्र

जन शिकायतों के निवारण हेतु एफएसएनएल में एक 3-स्तरीय **शिकायत निवारण तंत्र** है।

जनता के लिए इस पेटियों तक सुगम अभिगम्य के लिए इकाईयों/निगमन कार्यालय के लिए स्वागत पटल पर एक **शिकायत पेटी** रखी गयी है। प्राप्त शिकायतों को इस कार्य हेतु नामित जन शिकायत अधिकारियों की उपस्थिति में प्रत्येक शुक्रवार को **शिकायत पंजी** नामक पंजी में पृष्ठांकित किया जाता है।

किसी एक शिकायत के सुचारु निवारण हेतु कर्मचारी अथवा जनता में से कोई भी एक उसके जन शिकायत अधिकारी, उसके बाद इकाई प्रमुख/निगमन कार्यालय के प्रचालनों के विभाग प्रमुख तथा फिर निगमन कार्यालय में मुख्य महाप्रबंधक के पास 3 चरणों के तहत एफएसएनएल से संपर्क कर सकते हैं। प्रत्येक चरण में उन्हें निर्धारित समय सारणी के भीतर जवाब दिया जाता है। किसी चरण में असंतुष्ट व्यक्ति को उत्तर से संतुष्ट नहीं होने की दशा में वे अपनी अपील प्रबंध निदेशक को कर सकते हैं।

प्रबंध निदेशक, उक्त 3 चरणों में प्राधिकारियों द्वारा की गयी कार्यवाहियों के उपरांत शिकायतों का विश्लेषण एवं अपील की प्राप्ति के 15 दिवसों के भीतर संबंधित शिकायतकर्ता को अपना निर्णय संप्रेषित करेंगे।

01-04-2013 से 31-03-2014 तक कार्मिक शिकायत निवारण की स्थिति

01-04-2013 को शेष शिकायतें	अवधि के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	निवर्तित प्रकरणों की संख्या	लंबित प्रकरणों की संख्या
2	11	12	1

01-04-2013 से 31-03-2014 की अवधि के लिए जन शिकायतों की स्थिति

01-04-2013 को शेष शिकायतें	अवधि के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	निवर्तित प्रकरणों की संख्या	लंबित प्रकरणों की संख्या
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

Under the discharge of Corporate Social Responsibility for the year 2013-14, FSNL has allocated a budget of ₹ 4.50 Lakhs. Out of the planned activities, FSNL is committed to construct a Shed for accommodating more children for Mid-day meals in a Govt. School at Bhare Gaon village of Chattisgarh, and also provide Book Cases for use in the above school.

During the financial year 2013-2014, a total amount of ₹ 8.45 lakh ( approx.) were spent on account of CSR activities, of which ₹ 4 Lakhs ( approx.) was pertaining to the year 2012-2013 and ₹ 4.45 (approx.) was for the year 2013-2014.

### GRIEVANCE REDRESSAL MECHANISM

For redressal of Public Grievances, FSNL has a **3-Tier Grievance Redressal Machinery**.

A **Grievance Box** has been kept at the reception counter of the Units/Corporate Office for easy accessibility of these boxes to the Public. The Grievances so received, are endorsed in a register called **Grievance Register** on every Friday in the presence of Public Grievance Officers, nominated for this purpose.

For smooth redressal of one's grievance the employee or even any one from Public could approach FSNL under 3 stages beginning with its Public Grievance Officer, then the Unit Head/HOD of Operations at Corporate Office & then CGM at Corporate Office. At each stage he is responded within a stipulated time schedule. In the event the aggrieved person is not satisfied with the reply at any stage, he can make his appeal to the Managing Director.

The MD, after examining the actions taken by the authorities at the above 3 stages, would analyze the grievances & communicate his decision to the concerned complainant within 15 days of the receipt of the appeal.

Status of Staff Grievance Redressal from 01-04-2013 to 31-03-2014

Grievances outstanding As on 1.4.2013	No. of Grievances received during the period	No. of cases Disposed Off	No. of cases Pending
2	11	12	1

Status of Public Grievances for the period 01-04-2013 to 31-03-2014

Grievances outstanding As on 1.4.2013	No. of Grievances received during the period	No. of cases Disposed Off	No. of cases Pending
NIL	NIL	NIL	NIL

### कार्य स्थल पर महिला के यौन उत्पीड़न की रोकथाम

कार्य-स्थल पर महिला के यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए कंपनी में एक समिति है।

### नागरिक विशेषाधिकार

एफएसएनएल ने संस्थान की वचनबद्धता को पूरा करने हेतु नागरिक/ग्राहक से संस्थान की अपेक्षा सहित सेवाओं के मानक, जानकारी, विकल्प तथा परामर्श, गैर-विभेदकारी एवं अभिगम्य, शिकायतें निवारण, शिष्टाचार तथा मुद्रा हेतु मान के परिप्रेक्ष्य में नागरिकों/ग्राहकों के प्रति संस्थानों की वचनबद्धता पर ध्यान संकेंद्रित करने के लिए एक व्यवस्थित प्रयास का प्रतिनिधित्व करने सात चरण प्रतिमान अंगीकार कर एक नागरिक विशेषाधिकार सूत्रबद्ध किया है।

### जोखिम प्रबंधन नीति

कंपनी में एक जोखिम प्रबंधन नीति है जिसे मण्डल द्वारा अपनाया गया है।

### सीटी धमनी नीति

लेखा परीक्षा समिति के लिए सद्भाव से पहुंचने, यदि वे कंपनी में अनैतिक तथा अनुचित प्रथाओं अथवा कोई अन्य त्रुटिपूर्ण आचरण करते हैं तथा उन कर्मचारियों के खिलाफ कोई प्रतिकूल व्यक्तिगत कार्यवाई करने के प्रबंधकीय कार्मिकों को प्रतिबंधित करते हैं, के लिए कर्मचारियों को एक अवसर देने एक सीटी धमनी नीति को क्रियान्वित किया गया है। यह नीति इस संबंध में लोग उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों पर आधारित है।

### सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित पहल :

- एफएसएनएल आईटी विभाग (आईबीएम ब्लेड सर्वर) के साथ सुसज्जित है - सर्वर अत्यधिक उर्जा कुशल एवं विद्युत खपत में बचत के लिए अग्रणी है।
- सर्वर आईपीव्ही 6 पालन कर रहा है।
- एफएसएनएल फायरवॉल फोर्टिगेट फोर्टिनेट 80सी स्थापित कर जानकारी प्रतिभूतियों मुद्दों को महत्व दी है। अनाधिकृत घुसपैठ की रोकथाम करने सुरक्षा उपकरण फायरवॉल भी स्थल में है।
- प्रसिद्ध कंपनी से रूटर्स तथा आईपीव्ही 6 प्रवसन के लिए पूरी तरह से तैयार सभी नेटवर्क उपकरणों।
- मापांकों के लिए सैब बी1 एड-ऑन्स (100 अनुज्ञप्तियाँ), मा. सं. व वेतन पत्रक, वि.व.ले, भविष्य निधि, वस्तुसूची प्रबंधन सहित सा.प्र., प्रचालन व अनुरक्षण, स्थायी आस्तियाँ, परियोजना मापांक व विधि मापांक लागत मापांक अंतिम क्रियान्वयन के अधीन है तथा सैप में 2013-14 के लिए खातों तथा एफएसएनएल में इस्तेमाल की जा रही वर्तमान प्रणाली को तैयार करने विभिन्न विभाग से संबंधित आँकड़ों को एफएसएनएल की इकाईयों तथा निगमन कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा दर्ज किया जा रहा है।

### Prevention of sexual harassment of women at work place.

There is a Committee in the company for prevention of sexual harassment of women at work place.

### CITIZEN CHARTER

FSNL has formulated a Citizen's Charter by adopted the Seven Step Model, representing a systematic effort to focus on the commitment of the Organizations towards its Citizens/Clients in respect of Standard of Services, Information, Choice and Consultation, Non-discrimination and Accessibility, Grievances Redress, Courtesy and Value for money, including expectation of the Organization from the Citizen/Client for fulfilling the commitment of the Organization.

### RISK MANAGEMENT POLICY

The company has a risk management policy which has been adopted by the Board.

### WHISTLE BLOWER POLICY

A Whistle Blower policy has been implemented for providing an opportunity to the employees to access in good faith, to the Audit Committee, in case they observe unethical and improper practices or any other wrongful conduct in the company, and to prohibit managerial personnel from taking any adverse personnel action against those employees. The policy is based on the guidelines issued by the Department of Public Enterprises in this regard.

### Information Technology Related Initiatives :

- FSNL IT Dept. is equipped with (IBM BLADE SERVER)- The servers are highly energy efficient and leading to saving in power consumption.
- The servers are IPV 6 complied.
- FSNL places importance to information securities issues by installing Firewall Fortigate Fortinet 80C. The security appliances Firewall is also in place to prevent unauthorized intrusion.
- All network equipments like Routers from renowned company and totally ready for IPV6 Migration.
- SAP B1 and Add-ons (100 licenses) for modules, HR & Payroll, F&A, Provident Fund, MM including Inventory Management, Operation & Maintenance Fixed Assets, Project Module & Law Modules, costing modules are under final implementation and data pertaining to different department is being entered by FSNL employees of units and corporate office to prepare the accounts for 2013-2014 in SAP and the existing system being used in FSNL.

- सैप बी1 एडऑन्स उपयोग करने इकाईयाँ इंटरनेट कनेक्शन के माध्यम से सर्वर तक पहुँचती है।
- इकाईयाँ से सैप बी1 उपयोग करने के लिए एफएसएनएल वर्चुअल निजी नेटवर्क को स्थापित करने की योजना बना रहा है।
- एफएसएनएल ने आपदा रिकवरी स्थल स्थापित करने की योजना भी बनाया है।
- निविदाओं को कंपनी के वेबसाइट पर लगायी जाती है।
- एफएसएनएल ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4(1) (ख) के तहत अपेक्षित 17 विभिन्न नमूनाओं/नियमावलियों/स्वैच्छिक के लिए नियमावलियों/संबंधित प्रकटीकरणों के अन्तर्गत जानकारी का अनुपालन किया है तथा उसे कंपनी की वेबसाइट [www.fsnl.nic.in](http://www.fsnl.nic.in) पर लगाया है एवं प्रकाशित जानकारी को नियमित रूप से अद्यतित किया जा रहा है।

#### **सतत् विकास गतिविधियाँ :**

- (i) निगमन कार्यालय, भिलाई में अनुसंधान व विकास महाकक्ष भवन के उपर 5 केव्ही सौर उर्जा संयंत्र सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है।
- (ii) भिलाई इकाई में जन संचयन सुविधा सफलतापूर्वक स्थापित कर दी गयी है।

#### **कर्मचारियों का ब्योरा :**

यहाँ कम्पनी का कोई भी कर्मचारी ऐसा नहीं है जिसने कम्पनी (कर्मचारियों का ब्योरा) नियम, 1975 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(2ए) के अन्तर्गत निर्धारित सीमाओं से अधिक में पारिश्रमिक प्राप्त किया हो।

#### **निदेशक का उत्तरदायित्व विवरणी :**

कम्पनी (संशोधित) अधिनियम, 2000 की धारा 217 (2एए) के प्रावधानों के अन्तर्गत यथापेक्षित, निदेशक मण्डल वर्णन करते हैं कि :-

- (क) वार्षिक लेखाओं की तैयारी में प्रयोज्य लेखांकन मानकों को वस्तुगत निकासी से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ पालन किया गया है।
- (ख) हमने उन लेखांकन नीतियों को चुना तथा उसे अनुरूपता से लागू किया एवं किया गया निर्णय व आकलन उचित और विवेकपूर्ण है ताकि 31/03/2014 को कम्पनी के कार्य-कलापों तथा वित्तीय वर्ष के लिए कम्पनी के लाभ का सही एवं निष्पक्ष विचार प्रदान करे।
- (ग) हमने कंपनी अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अनुसरण में कम्पनी की आस्तियों की सुरक्षा के लिए तथा धोखाधड़ी रोकने एवं पता लगाने और अन्य विषमताओं के लिए पर्याप्त लेखांकन अभिलेखों के रखरखाव हेतु उचित और पर्याप्त ध्यान रखा।
- (घ) हमने 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए चालू समुत्थान आधार पर वित्तीय विवरणियों को तैयार किया।

- Units are accessing server through internet connection to use SAP B1 Addons.
- FSNL is planning to install virtual private network for using SAP B1 from units.
- FSNL also planning to install Disaster Recovery Site.
- Tenders are hosted on company's website.
- FSNL has complied the information under 17 different templates /manuals / manuals for voluntary / suo-moto disclosure as required under Section 4(1) (b) of the RTI Act, 2005 and hosted the same on the company's website "fsnl.nic.in" and the information so published are being regularly updated.

#### **SUSTAINABLE DEVELOPMENT ACTIVITIES :**

- (i) 5KW Solar Power Plant over R&D hall building at Corporate Office, Bhilai has been installed successfully.
- (ii) water harvesting facility at Bhilai unit has been installed successfully.

#### **PARTICULARS OF EMPLOYEES:**

There was no employee of the Company who received remuneration in excess of the limits prescribed under Sec 217(2A) of the Companies Act,1956 read with the Companies ( Particulars of Employees ) Rules, 1975.

#### **DIRECTORS RESPONSIBILITY STATEMENT :**

As required under the provisions of Section 217(2AA) of the Companies (Amendment) Act, 2000 board of directors states that :

- (a) In the preparation of annual accounts the applicable accounting standards have been followed along with proper explanation relating to material departures.
- (b) We have selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the company as at 31/03/2014 and of the profit of the company for the financial year.
- (c) We have taken proper and sufficient care for maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 for safeguarding the assets of the Company and for preventing and detecting frauds and other irregularities.
- (d) We have prepared the financial statements for the year ended 31<sup>st</sup> March, 2014 on a going concern basis.

## लेखा परीक्षक :

कम्पनी (संशोधित) अधिनियम, 2000 के अनुसार यथासंशोधित कम्पनी अधिनियम, 156 की धारा 619 की उप-धारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में, नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक समीक्षाधीन अवधि के लिए राजेन्द्र प्रसाद, सनदी लेखापाल को कंपनी का वैधानिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया।

31 मार्च, 2014 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कम्पनी के लेखाओं पर वैधानिक लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन उपाबंध-II में दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619 (4) के अन्तर्गत नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक द्वारा 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए कम्पनी के लेखाओं पर टिप्पणियाँ उपाबंध-III में दी गयी है।

## निदेशक मण्डल :

### निदेशकगण :

निदेशक मण्डल का गठन श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष, जो प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल के पद का अतिरिक्त प्रभार भी धारित किए हैं, श्री बी. बी. सिंह, एमएसटीसी लि. के नामित निदेशक, श्री एस. पी. भारद्वाज, शासकीय नामांकित तथा दो अशासकीय निदेशकों को लेकर किया गया जो वर्ष के दौरान रिक्त थे।

भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय के पत्र सं. : 12(25)/2008-एम/एफ, दिनांक 30/05/2014 के द्वारा नामांकन पर, श्री के. एस. समरेन्द्र नाथ, निदेशक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार को श्री एस. पी. भारद्वाज, निदेशक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के स्थान पर कम्पनी के मण्डल में अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

श्री आर. रामाराजू, पूर्व-प्रबंध निदेशक, भिलाई इस्पात संयंत्र-सेल, जिन्हें 17/01/2012 को कम्पनी के मण्डल में अशासकीय निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था, ने 28/05/2013 के प्रभाव से कंपनी के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया।

आपके निदेशकगण श्री आर. रामाराजू एवं श्री एस. पी. भारद्वाज द्वारा उनके संबंधित कार्यकाल के दौरान किए गए महत्वपूर्ण योगदानों की अपनी प्रगाढ़ सराहना लेखबद्ध करते हैं।

आपकी कंपनी रिक्रियों के विरुद्ध स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए भारत सरकार का अनुसरण कर रही है।

## संगठित शासन

संगठित शासन तथा प्रबंधन विचार-विमर्शों एवं विश्लेषण पर पृथक प्रतिवेदन उपाबंध-IV तथा इस वार्षिक प्रतिवेदन के भाग के रूप में इसके साथ संलग्न है।

## अभिस्वीकृति

मण्डल महत्वपूर्ण ग्राहकों, जो कि सार्वजनिक क्षेत्र के एकीकृत इस्पात संयंत्रों के साथ-साथ निजी क्षेत्र की इस्पात संयंत्रों हैं, से प्राप्त निष्कपट समर्थन को लेखबद्ध करता है। मण्डल इस्पात मंत्रालय तथा भारत सरकार के अन्य विभागों एवं आन्ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक,

## AUDITORS :

In pursuance of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 619 of the Companies Act, 1956 as amended vide the Companies (Amendment) Act, 2000, the Comptroller & Auditor General of India appointed RAJENDRA PRASAD., Chartered Accountants as the Statutory Auditor of the Company for the period under review.

The Statutory Auditors' Report on the Accounts of the Company for the financial year ended on 31<sup>st</sup> March, 2014 is placed at Annexure II.

The comments on the accounts for the year ended 31<sup>st</sup> March 2014 by the Comptroller & Auditor General of India under Sec 619(4) of the Companies Act, 1956 is placed at Annexure III.

## BOARD OF DIRECTORS :

### DIRECTORS :

Board of Directors constitutes of Shri S.K.Tripathi, Chairman who also hold the additional charge of the post of Managing Director, FSNL, Shri B.B.Singh, nominee Director of MSTC Ltd., Shri S.P.Bhardwaj, Govt. Nominee and two non-official directors which were vacant during the year.

On nomination by Govt. of India, Ministry of Steel vide letter no: 12(25)/2008-M/F dated 30/05/2014 Shri K.S. Samarendra Nath, Director, MOS, GOI has been appointed as additional director on the Board of the company in place of Shri S. P. Bhardwaj, Director, MOS, GOI, who shall hold office till the conclusion of the ensuing Annual General Meeting of the company and being eligible offers himself for re-appointment.

Shri R. Ramaraju, ex-MD, Bhilai Steel Plant-SAIL who was appointed as non-official directors on the Board of the company on 17/01/2012 resigned from directorship of the company w.e.f. 28/05/2013.

Your directors place on record their deep appreciation of the valuable contributions made by Shri R.Ramaraju and Shri S.P. Bhardwaj during their respective tenures.

Your company is pursuing with the Government of India for appointment of independent directors against the vacancies.

## CORPORATE GOVERNANCE

Separate report on Corporate Governance and Management Discussions and Analysis are attached herewith as Annexure-IV and forms part of this Annual report.

## ACKNOWLEDGEMENT

The Board records sincere support received from the valued customers who are Public Sector integrated steel plants as well as Private Sector steel plants. Board also express gratitude

उत्तराखंड और दिल्ली के राज्य सरकारों को उनके निरंतर समर्थन तथा मार्गदर्शन के लिए भी अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है।

निदेशक मण्डल कम्पनी के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सभी स्तरों के हरेक कर्मचारियों के योगदान की सराहना करते हैं।

**वास्ते एवं निदेशक मण्डल की ओर से**

दिनांक : 12.08.2014

स्थान : नई दिल्ली

एस. के. त्रिपाठी

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

to the Ministry of Steel and other department of Govt. of India and State Govt. of Andhra Pradesh, Chhattisgarh, Jharkhand, Orissa, West Bengal Karnataka, Uttarakhand and Delhi for their continued support and guidance.

The Board of Directors appreciates the contribution of all the employees at all levels towards attainment of Company's objectives.

**For and on behalf of Board of Directors**

Dated :12.08.2014

Place : New Delhi

S.K.Tripathi

Chairman and Managing Director

## प्रपत्र - क

## उर्जा के संरक्षण के संबंध में ब्यौरों के प्रकटीकरण हेतु प्रपत्र

(₹)

	सम्प्रति वर्ष (2013-2014)	विगत वर्ष (2012-2013)
<b>क. विद्युत तथा इंधन खपत</b>		
<b>1. विद्युत</b>		
(क) क्रय किए गए		
इकाई किलो वाट हार्वस	1105891	1252395
कुल रकम	66,13,331	70,08,667
दर प्रति इकाई (क्रय के परिप्रेक्ष्य में)	5.98	5.60
(ख) निजी जनन	अप्रोज्य	अप्रोज्य
(1) डीजल जनित्र इकाई द्वारा	अप्रोज्य	अप्रोज्य
डीजल तेल की प्रति लीटर इकाई	अप्रोज्य	अप्रोज्य
लागत/इकाई	अप्रोज्य	अप्रोज्य
(2) वाष्प जल चक्की/जनक इकाईयों द्वारा	अप्रोज्य	अप्रोज्य
तेल/गैस की प्रति लीटर इकाई	अप्रोज्य	अप्रोज्य
<b>2. कोयला</b>		
मात्रा (टन)	अप्रोज्य	अप्रोज्य
कुल लागत	अप्रोज्य	अप्रोज्य
औसत दर	अप्रोज्य	अप्रोज्य
<b>3. भट्ठी तेल मात्रा (किलो लीटर)</b>		
मात्रा (किलो लीटर)	अप्रोज्य	अप्रोज्य
कुल रकम	अप्रोज्य	अप्रोज्य
औसत दर	अप्रोज्य	अप्रोज्य
<b>4. अन्य/आन्तरिक जनन</b>		
मात्रा	अप्रोज्य	अप्रोज्य
कुल लागत	अप्रोज्य	अप्रोज्य
इकाई दर	अप्रोज्य	अप्रोज्य

**ख. उत्पादन की प्रति इकाई खपत**

	मानक (यदि कोई हो)	सम्प्रति वर्ष (2013-2014)	विगत वर्ष (2012-2013)
उत्पाद: लौह एवं इस्पात स्क्रेप			
विद्युत (प्रति मी टन इकाई)	अप्रोज्य	2.85	4.06
भट्ठी तेल	अप्रोज्य	अप्रोज्य	अप्रोज्य
कोयला	अप्रोज्य	अप्रोज्य	अप्रोज्य



**FORM - A****FORM FOR DISCLOSURE OF PARTICULARS WITH RESPECT TO CONSERVATION OF ENERGY****(in ₹)**

	<b>Current Year (2013-2014)</b>	<b>Previous Year (2012-2013)</b>
<b>A. POWER AND FUEL CONSUMPTION</b>		
<b>1. Electricity</b>		
(a) Purchased Unit KWH	<b>1105891</b>	1252395
Total Amount	<b>66,13,331</b>	70,08,667
Rate/Unit (in respect of purchase)	<b>5.98</b>	5.60
(b) Own Generation	<b>N.A.</b>	N.A.
(i) Through Diesel Generator	<b>N.A.</b>	N.A.
Unit	<b>N.A.</b>	N.A.
Unit/ Ltr. of Diesel Oil Cost/Unit	<b>N.A.</b>	N.A.
(ii) Through Steam Turbine/Generator		
Units	<b>N.A.</b>	N.A.
Unit per Ltr.of Oil/Gas	<b>N.A.</b>	N.A.
<b>2. Coal</b>		
Quantity (Tonnes)	<b>N.A.</b>	N.A.
Total Cost	<b>N.A.</b>	N.A.
Average Rate	<b>N.A.</b>	N.A.
<b>3. Furnace Oil Quantity (K.Ltrs.)</b>		
Quantity (K. Ltrs.)	<b>N.A.</b>	N.A.
Total Amount	<b>N.A.</b>	N.A.
Average Rate	<b>N.A.</b>	N.A.
<b>4. Others / Internal Generation</b>		
Quantity	<b>N.A.</b>	N.A.
Total Cost	<b>N.A.</b>	N.A.
Rate Unit	<b>N.A.</b>	N.A.

**B. CONSUMPTION PER UNIT OF PRODUCTION**

	<b>Standards (if any)</b>	<b>Current Year (2013-2014)</b>	<b>Previous Year (2012-2013)</b>
Products : Iron & Steel Scrap			
Electricity (Unit/MT)	N.A.	<b>2.85</b>	4.06
Furnace Oil	N.A.	<b>N.A.</b>	N.A.
Coal	N.A.	<b>N.A.</b>	N.A.

## प्रपत्र - ख

### प्रौद्योगिकी अवशोषण, अनुसंधान एवं विकास के संबंध में ब्यौरों के प्रकटीकरण हेतु प्रपत्र

1. विनिर्दिष्ट क्षेत्रों, जिसमें कंपनी द्वारा अनुसंधान एवं विकास कार्य किया गया	निरंक
2. उक्त अनुसंधान एवं विकास के परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ	अप्रयोज्य
3. कार्रवाई की भावी योजना	अप्रयोज्य
4. अनुसंधान व विकास का व्यय	
(क) पूँजी	निरंक
(ख) आवर्ती (राजस्व)	निरंक
(ग) कुल	निरंक
(ग) कुल व्यापारावर्त की प्रतिशतता के रूप में कुल अनुसंधान व विकास व्यय	अप्रयोज्य

### प्रौद्योगिकी अवशोषण, अनुकूलन तथा प्रवर्तन

1. प्रौद्योगिकी अवशोषण तथा प्रवर्तन के परिप्रेक्ष्य में किए गए प्रयास, संक्षेप में	कम्पनी भारत में तत्कालीन हेकेट इन्जीनियरिंग कंपनी द्वारा उसके चल कारोबार का भार ग्रहण करते समय प्रयुक्त प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रही है।
2. उक्त प्रयासों, जैसे उत्पाद अभिवृद्धि, लागत में कमी, उत्पाद उत्थान, आयात प्रतिस्थापन आदि के परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ	अप्रयोज्य
3. यदि आयातीत तकनीक है (वित्तीय वर्ष के आरम्भ से संगणित गत 5 वर्षों के दौरान आयातीत), अधोवर्णित सूचना प्रस्तुत करें	अप्रयोज्य
(क) आयातीत प्रौद्योगिकी	अप्रयोज्य
(ख) आयात का वर्ष	अप्रयोज्य
(ग) क्या प्रौद्योगिकी पूर्ण रूपेण अवशोषित की गयी है।	अप्रयोज्य
(घ) यदि पूर्ण अवशोषित नहीं है तो वह क्षेत्रों, जहाँ इसे नहीं किया गया, उसके कारणों और कार्रवाई की भावना योजना	अप्रयोज्य

दिनांक : 12.08.2014

स्थान : नई दिल्ली

वास्ते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

एस. के. त्रिपाठी

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

**FORM - B****FORM FOR DISCLOSURE OF PARTICULARS WITH RESPECT TO TECHNOLOGY ABSORPTION RESEARCH AND DEVELOPMENT**

1. Specific areas in which R&D carried out by the Company	NIL
2. Benefits derived as a result of the above R&D	N. A.
3. Future plan of action	N. A.
4. Expenditure of R&D	
(a) Capital	NIL
(b) Recurring (Revenue)	NIL
(c) Total	NIL
(d) Total R&D Expenditure as a percentage of total turn over	N.A.

**TECHNOLOGY ABSORPTION, ADAPTATION AND INNOVATION**

1. Efforts, in brief, made towards Technology absorption and innovation	Company is using the technology used by erstwhile Hekett Engineering Co. in India at the time of taking over of their running Business.
2. Benefit derived as a result of the above efforts e.g. products improvement, cost reduction, product development, import substitution etc.	N. A.
3. In case of imported Technology (imported during last 5 years reckoned from the beginning of the financial year ) following information may be furnished.	N. A.
(a) Technology imported	N. A.
(b) Year of Import	N. A.
(c) Has technology been fully absorbed	N. A.
(d) If not fully absorbed areas where this has not taken place, reasons therefore and future plan of action.	N. A.

Dated: 12.08.2014

Place: New Delhi

**For and on behalf of Board of Directors**

S.K.Tripathi

Chairman and Managing Director

## निगमित शासन

### कम्पनी के दर्शन :

संगठित शासन के संबंध में कम्पनी का दर्शन पारदर्शिता, प्रकटीकरणों तथा सूचनाओं का प्रेषण सुनिश्चित करता है तथा संस्थान में पूर्णतया नैतिक आचरण को बढ़ाया देता है। यह मान्यता है कि मण्डल अंशधारक और मण्डल के प्रत्येक सदस्य के प्रति अपने पहले कर्तव्य की रक्षा करने तथा कम्पनी के हित को आगे बढ़ाने के लिए जवाबदेह है।

### निदेशक मण्डल :

#### संयोजन :

निदेशक मण्डल का गठन श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष, जो प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल के पद का अतिरिक्त प्रभार भी धारित किए हैं, श्री बी. बी. सिंह, एमएसटीसी लि. के नामित निदेशक, श्री एस. पी. भारद्वाज, शासकीय नामांकित तथा दो अशासकीय निदेशकों को लेकर किया गया जो वर्ष के दौरान रिक्त थे।

भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय के पत्र सं. : 12(25)/2008-एम/एफ, दिनांक 30/05/2014 के तहत श्री के. एस. समरेन्द्र नाथ, निदेशक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार को श्री एस. पी. भारद्वाज, निदेशक, इस्पात मंत्रालय, भारत सरकार के स्थान पर नामांकित किया गया।

वर्तमान में दो अशासकीय निदेशकों की स्थिति रिक्त है।

#### नव नियुक्त निदेशकों की संक्षिप्त जानकारी :

श्री के. एस. समरेन्द्र नाथ भारत सरकार, इस्पात मंत्रालय के निदेशक है।

#### निदेशक का पारिश्रमिक :

स्वतंत्र निदेशकगण बैठक शुल्क के अलावे किसी पारिश्रमिक के पात्र नहीं होते हैं। बैठक शुल्क, अध्यक्ष, शासकीय निदेशक तथा एमएसटीसी के नामित निदेशक को नहीं दी जाती है। वर्तमान में कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एफएसएनएल के पद का अतिरिक्त प्रभार धारित किए हैं, एमएसटीसी लि. से नियोजन की शर्तों के अनुसार पारिश्रमिक तथा अन्य पात्रता आहिरत करते हैं।

#### मण्डल की बैठक तथा उपस्थिति :

यहाँ मण्डल की क्रमशः 28.06.2013, 24.09.2013, 13.12.2013 तथा 24.03.2014 को चार बैठकें आयोजित की गयी।

वित्तीय वर्ष 2013-2014 में आयोजित कंपनी के मण्डल की बैठकों में निदेशकों की उपस्थिति का ब्योरा :

मण्डल की बैठक सं.	मण्डल की बैठक की तिथि	श्री एस.के.त्रिपाठी	श्री एस.के.भारद्वाज	श्री बी.बी.सिंह
148	28.06.2013	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
149	24.09.2013	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
150	13.12.2013	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित
151	24.03.2014	उपस्थित	उपस्थित	उपस्थित

### निदेशक द्वारा धारित निदेशक पद :

श्री एस. के. त्रिपाठी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एमएसटीसी लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक हैं तथा श्री बी. बी. सिंह, एमएसटीसी लि. में निदेशक (वाणिज्यिक) के रूप में कार्यरत हैं।

### निदेशक मण्डल के समक्ष प्रस्तुत जानकारी :

निदेशक मण्डल ने कंपनी की परिधि में जानकारी को पूरा अभिगम्य किया है। अन्य बातों के साथ जानकारी मण्डल को नियमित रूप से उपलब्ध करायी गयी जिसमें शामिल हैं :-

- वार्षिक कार्य संचालन योजनाएँ तथा बजट और कोई अद्यतन।
- पूंजीगत बजट, राजस्व बजट और कोई अद्यतन।
- आवधिक भौतिक तथा कंपनी का वित्तीय निष्पादन।
- लेखा परीक्षा समिति तथा कंपनी की अन्य समितियों की बैठक का कार्यवृत्त।
- किए गए निवेश का आवधिक ब्योरा।
- निदेशकों द्वारा हितों का प्रकटीकरण।
- मुख्य वित्तीय अधिकारी तथा कंपनी सचिव की नियुक्ति अथवा निष्कासन सहित मण्डल से ठीक नीचे के वरिष्ठ अधिकारियों की भर्ती तथा पारिश्रमिक की जानकारी।
- मानव संसाधनों/औद्योगिक संबंधों, अर्थात् वेतन पुनरीक्षण, अतिरिक्त संसाधन जनन योजना में कोई महत्वपूर्ण विकास।
- विभिन्न न्यायालयों में लंबित विधिक प्रकरणों की जानकारी।
- राजकोषीय कानूनों के अन्तर्गत लंबित प्रकरणों, जैसे कि सेवा कर, मूल्य वर्धित कर, आयकर आदि की जानकारी।

### गत तीन वर्षों के दौरान आयोजित सामान्य निकाय की बैठकें :

क्र.	दिनांक	समय	स्थल	पारित विशेष प्रस्ताव
1.	6 सितंबर, 2011	10.30 पूर्वाह्न	पंजीकृत कार्यालय, भिलाई, छ.ग.	निरंक
2.	7 सितंबर, 2012	10.30 पूर्वाह्न	पंजीकृत कार्यालय, भिलाई, छ.ग.	निरंक
3.	19 सितंबर, 2013	10.30 पूर्वाह्न	पंजीकृत कार्यालय, भिलाई, छ.ग.	निरंक

19 सितंबर, 2013 को आयोजित कंपनी की 34वीं वार्षिक आम बैठक में केवल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक उपस्थित थे।

## CORPORATE GOVERNANCE

### COMPANY'S PHILOSOPHY

The philosophy of the company in relation to corporate governance is to ensure transparency, disclosures and reporting and to promote ethical conduct throughout the organization. It recognizes that the Board is accountable to shareholder and each member of the Board owes his / her first duty to protect and furthering the interest of the company.

### BOARD OF DIRECTORS :

#### COMPOSITION :

Board of Directors constitutes of Shri S.K.Tripathi, Chairman who also hold the additional charge of the post of Managing Director, FSNL, Shri B.B.Singh, nominee Director of MSTC Ltd., Shri S.P.Bhardwaj, Govt. Nominee and two non-official directors which were vacant during the year.

Shri K.S. Samarendra Nath, Director, MOS, Govt. of India, has been nominated by Govt. of India, Ministry of Steel vide letter no: 12(25)/2008-M/F dated 30/05/2014 in place of Shri S. P. Bhardwaj, Director, MOS, GOI.

Presently the position of two non-official directors are vacant.

### BRIEF INFORMATION OF THE NEWLY APPOINTED DIRECTORS.

Shri K.S. Samarendra Nath, is Director, Govt. of India, Ministry of Steel.

### REMUNERATION TO THE DIRECTORS

Independent Directors are not entitled to any remuneration other than sitting fees. Sitting fees are not given to Chairman, Government Director and MSTC nominated Director. Presently Chairman of the company holds the additional charge of the post of Managing Director, FSNL, draws remuneration and other entitlements as per terms of employment from the parent company, MSTC Ltd.

### BOARD MEETING & ATTENDANCE :

There were four Board Meetings took place on 28.06.2013, 24.09.2013, 13.12.2013 and 24.03.2014, respectively.

Details of the Directors attendance at the Board Meetings of the company held in the financial year 2013-2014.

Board Meeting No.	Board Meeting No. Date	Shri S.K. Tripathi	Shri S. P. Bhardwaj	Shri B. B. Singh
148	28.06.2013	Attended	Attended	Attended
149	24.09.2013	Attended	Attended	Attended
150	13.12.2013	Attended	Attended	Attended
151	24.03.2014	Attended	Attended	Attended

### DIRECTORSHIP HELD BY THE DIRECTOR :

Shri S. K. Tripathi, Chairman and Managing Director is Chairman and Managing Director of MSTC Limited and Shri B. B. Singh is working as Director Commercial in MSTC Ltd.

### Information placed before the Board of Directors:

The Board of Directors has complete access to information within the company. The information inter alia regularly supplied to the Board includes :

- Annual operating plans and Budgets and any updates.
- Capital Budget, Revenue Budget and any updates.
- Periodical physical and financial performance of the company.
- Minutes of the Meeting of the Audit Committee and other Committees of the company.
- Periodical details of investment made.
- Disclosure of interest by Directors.
- The information on recruitment and remuneration of senior officers just below the board level, including appointment or removal of Chief Financial Officer and the Company Secretary.
- Any Significant development in human Resources / Industrial Relations viz wage agreement, Additional Resource Generation Scheme.
- The information on legal cases pending in different courts.
- The information on pending cases under fiscal laws such as service tax, Vat, Income tax etc.

### GENERAL BODY MEETINGS: HELD DURING THE LAST THREE YEARS

SL. NO.	DATE	TIME	VENUE	SPECIAL RESOLUTION PASSED
1.	6 <sup>th</sup> September, 2011	10.30 A.M.	Registered Office, Bhilai, CG	NIL
2.	7 <sup>th</sup> September, 2012	10.30 A.M.	Registered Office, Bhilai, CG	NIL
3.	19 <sup>th</sup> September, 2013	10.30 A.M.	Registered Office, Bhilai, CG	NIL

Only Chairman and Managing Director was present in the 34<sup>th</sup> Annual General Meeting of the Company held on 19<sup>th</sup> September, 2013.

## मण्डल की समितियाँ

अशासकीय निदेशक श्री आर. रामाराजू, पूर्व-प्रबंध निदेशक, भिलाई इस्पात संयंत्र-सेल, जिनकी 28/05/2013 के प्रभाव से 17/01/2012 को कंपनी के मण्डल में अशासकीय निदेशक के रूप में नियुक्ति हुई थी, के निदेशक पद से पदत्याग करने से, कंपनी के मण्डल में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या के साथ-साथ लेखा परीक्षा समिति तथा पारिश्रमिक समिति के अध्यक्ष पद, जो एक स्वतंत्र निदेशक होंगे एवं लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार अपेक्षित निर्दिष्ट संख्या की अपेक्षितियों को कंपनी के मण्डल में सरकार द्वारा दो अशासकीय निदेशकों की नियुक्ति तक पूरा करने संभव नहीं है।

आपकी कंपनी रिक्तियों के विरुद्ध स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए भारत सरकार का अनुसरण कर रही है।

हालांकि, मण्डल की अपनी 148वीं बैठक में मण्डल का मानना था कि मंत्रालय द्वारा स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति में कुछ समय लगेगा तब तक मण्डल स्तरीय समिति द्वारा अनुवीक्षण की वर्तमान प्रणाली को पहले की तरह ही उसी ढंग से कार्य करने के लिए जारी रखना चाहिए तथा नई समिति को इस्पात मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नियुक्त स्वतंत्र निदेशक को शामिल करके यथाक्रम समय में पुनर्गठित किया जाएगा। तदनुसार मण्डल स्तरीय समितियाँ मण्डल द्वारा गठित की गयी।

## लेखा परीक्षा समिति

लेखा परीक्षा समिति का पुनर्गठन 28/06/2013 को इसके अध्यक्ष के रूप में श्री बी. बी. सिंह तथा इसके सदस्य के रूप में शासकीय नामित निदेशक श्री एस. पी. भारद्वाज को शामिल कर किया गया एवं कंपनी के कंपनी सचिव, समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

निगमित शासन पर जारी लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसरण में समिति के विचारार्थ विषय के अधीन है।

आलोच्य वर्ष के दौरान, लेखा परीक्षा समिति की 3 बैठकें आयोजित की गयी। सदस्यों की उपस्थिति का ब्यौरा नीचे दर्शाया गया है :-

क्रम सं.	बैठक सं.	बैठक की तिथि	लेखा परीक्षा समिति का संख्याबल	उपस्थित सदस्यों की संख्या
1.	5	24/09/2013	2	2
2.	6	12/12/2013	2	2
3.	7	23/03/2014	2	2

उक्त समिति तथा इसकी बैठकें कंपनी के मण्डल में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या के साथ-साथ लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष पद की अपेक्षितियों के बारे में लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करता है।

## पारिश्रमिक समिति

पारिश्रमिक समिति का पुनर्गठन 28/06/2013 को इसके अध्यक्ष के रूप में श्री बी. बी. सिंह तथा इसके सदस्य के रूप में शासकीय नामित निदेशक श्री एस. पी. भारद्वाज को शामिल कर किया गया एवं कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

आलोच्य वर्ष के दौरान, पारिश्रमिक समिति की केवल एक बैठक आयोजित की गयी थी।

क्रम सं.	बैठक सं.	बैठक की तिथि	पारिश्रमिक समिति का संख्याबल	उपस्थित सदस्यों की संख्या
1.	3	12/12/2013	2	2

उक्त समिति तथा इसकी बैठकें कंपनी के मण्डल में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या के साथ-साथ पारिश्रमिक समिति के अध्यक्ष पद की अपेक्षितियों के बारे में लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों के अन्तर्गत निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करता है।

## निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगरानी समिति

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगरानी समिति का पुनर्गठन 28/06/2013 को इसके अध्यक्ष के रूप में शासकीय नामित निदेशक श्री एस. पी. भारद्वाज तथा इसके सदस्य के रूप में श्री बी. बी. सिंह को शामिल कर किया गया एवं कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

आलोच्य वर्ष के दौरान क्रमशः 24.09.2013 तथा 23.03.2014 को निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगरानी समिति की 2 बैठकें आयोजित की गयी।

क्रम सं.	बैठक सं.	बैठक की तिथि	निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व निगरानी समिति का संख्याबल	उपस्थित सदस्यों की संख्या
1.	4	24/09/2013	2	2
2.	5	23/03/2014	2	2

## सतत विकास निगरानी समिति

सतत विकास निगरानी समिति का पुनर्गठन 28/06/2013 को इसके अध्यक्ष के रूप में शासकीय नामित निदेशक श्री एस. पी. भारद्वाज तथा इसके सदस्य के रूप में श्री बी. बी. सिंह को शामिल कर किया गया एवं कंपनी के कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करते हैं।

आलोच्य वर्ष के दौरान एक भी बैठक नहीं की गयी थी क्योंकि लोक उद्यम विभाग ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व क्रिया-कलापों तथा सतत विकासों को विलय कर दिया है।

## आचरण संहिता :

कम्पनी ने कम्पनी के निदेशकों के साथ-साथ वरिष्ठ प्रबंधन के लिए एक व्यापक संहिता रूपांकित की है। संहिता कम्पनी के सभी निदेशकों तथा वरिष्ठ प्रबंधन में सदस्यों को वितरित किया जाता है। आचरण संहिता कम्पनी की वेबसाइट डब्ल्यू.डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफएसएनएल.एनआईसी.इन पर उपलब्ध है। सभी मण्डल सदस्यगण तथा नामांकित वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिक ने आचरण संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित इस आशय की घोषणा इस प्रतिवेदन के अन्त में दी गयी है।

## COMMITTEES OF THE BOARD

With the resignation from directorship of non-official director Shri R. Ramaraju, ex-MD, Bhilai Steel Plant-SAIL who was appointed as non-official directors on the Board of the company on 17/01/2012 w.e.f. 28/05/2013, the condition laid down under the DPE Guidelines regarding the number of independent directors on the Board of the company as well as requirement of the chairmanship of the Audit Committee and remuneration committee who should be an independent director and the quorum requirement as per the DPE Guideline is not possible to fulfill till the appointments of two non-official directors by Govt. on the Board of the company.

Your company is pursuing with the Government of India for appointment of independent directors against vacancies.

However, the Board was of the view in their 148<sup>th</sup> Board Meeting that the appointment of independent director by the Ministry may take time, meanwhile the existing system of monitoring by the board level committee should continue to function in the same manner as before and fresh committee shall be re-constituted in due course of time by inducting independent director, appointed by the MOS, GOI." Accordingly these Board level committees were constituted by the Board.

### Audit Committee

Audit Committee was reconstituted on 28/06/2013 consisting of Shri B.B.Singh as its Chairman and Govt. nominee director Shri S. P. Bhardwaj as its member and company secretary of the company serves as the secretary to the committee.

The terms of reference of the committee is in line with the DPE Guidelines issued on Corporate Governance.

During the year under report, 3 Meetings of the Audit Committee were held. The details of the attendance of the Members are indicated below :

Sl. No.	Meeting No.	Meeting Date	Strength of Audit Committee	No. of Members Present
1.	5	24.09.2013	2	2
2.	6	12.12.2013	2	2
3.	7	23.03.2014	2	2

The above committee and its meetings does not satisfy the criteria laid down under the DPE Guidelines regarding the number of independent directors on the Board of the company as well as requirement of the chairmanship of the Audit Committee.

### Remuneration Committee

The remuneration committee was reconstituted on 28.06.2013 consisting of Shri B.B.Singh as its Chairman and Govt. nominee director Shri S. P. Bhardwaj as its member and company secretary of the company serves as the secretary to the committee.

During the year under report, only one Meeting of the Remuneration Committee was held on 12.12.2013

Sl. No.	Meeting No.	Meeting Date	Strength of Remuneration Committee	No. of Members Present
1.	3	12.12.2013	2	2

The above committee and its meeting does not satisfy the criteria laid down under the DPE Guidelines regarding the number of independent directors on the Board of the company as well as requirement of the chairmanship of the remuneration committee.

### CSR Monitoring Committee

The CSR Monitoring Committee was reconstituted on 28.06.2013 consisting of Shri S. P. Bhardwaj Govt. nominee director as its Chairman and Shri B.B.Singh as its member and company secretary of the company serves as the secretary to the committee.

During the year under report, 2 Meetings of the CSR Monitoring Committee were held on 24.09.2013 and 23.03.2014 respectively.

Sl. No.	Meeting No.	Meeting Date	Strength of Remuneration Committee	No. of Members Present
1.	4	24.09.2013	2	2
2.	5	23.03.2014	2	2

### Sustainable Development Monitoring Committee

Sustainable Development Monitoring Committee was reconstituted on 28.06.2013 consisting of Shri S. P. Bhardwaj Govt. nominee director as its Chairman and Shri B.B. Singh as its member and company secretary of the company serves as the secretary to the committee.

During the year under report no meeting was held as the DPE has merged the CSR activities and sustainable activities.

### CODE OF CONDUCT :

The company has designed a comprehensive code for directors as well as senior management of the company. The code is circulated to all the directors and members in the senior management of the company. The code of conduct is available on the website of the company [www.fsnl.nic.in](http://www.fsnl.nic.in). All Board members and designated senior management personnel have affirmed compliance with the Code of Conduct. A declaration to this effect signed by the Chairman and 'managing Director is given at the end of this report.

## प्रबंधन विचार-विमर्श तथा विश्लेषण प्रतिवेदन :

### उद्योग संरचना एवं विकास

एफएसएनएल इस्पात मंत्रालय के अधीन भारत सरकार की कम्पनी है। यह एमएसटीसी लि. की पूर्ण सहायिका है तथा ₹ 200 लाख की अंश पूंजी है।

एफएसएनएल की पूर्ववर्ती हेकेट इन्जीनियरिंग कंपनी, यूएसए ने वर्ष 1957 में भारत में प्रचालन आरंभ की तथा इसने इस्पात संयंत्रों में स्क्रैप की रिकवरी तथा प्रक्रमण का कार्य आरंभ की थी। एफएसएनएल को वर्ष 1979 में हेकेट इन्जीनियरिंग कं. के चल व्यापार को अधिकार में लेने तथा स्टील मिल स्लैग के प्रक्रमण एवं लौह तथा इस्पात स्क्रैप की रिकवरी के लिए अन्य अवशिष्ट के व्यापार को करने के मुख्य उद्देश्य के साथ समाविष्ट किया गया था।

कम्पनी जून, 2002 में एमएसटीसी की पूर्ण स्वामित्व की सहायिका बन गयी है। एफएसएनएल ने पिछले कुछ वर्षों में स्टील मिल सेवाओं के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान के रूप में विकास की है। कंपनी वर्तमान में देश में 7 एकीकृत इस्पात संयंत्रों तथा दो निर्माण संयंत्रों में कार्य संचालित करती है तथा अन्य विश्व अग्रणियों को तुलनीय प्रौद्योगिकी के साथ सेवाएँ प्रदान करती है।

### सुअवसर एवं आशंकाएँ :

#### सामर्थ्य :

- एक आईएसओ 9001:2008, आईएसओ 14001:2004 तथा ओएचएसएस 18001:2007 प्रमाणित कम्पनी।
- उत्कृष्ट कार्य संस्कृति।
- अति कुशल श्रम शक्ति।
- बहु-अनुशासनिक व्यापार।
- स्टील मिल सेवाओं में सबसे ज्यादा बाजार हिस्सेदारी।
- कुशल अनुभवी तथा समर्पित कार्यबल होने के साथ एकीकृत इस्पात संयंत्रों की समग्र स्क्रैप रिकवरी तथा स्लैग निपटान करने की क्षमता।
- गोदाम प्रबंधन में अनुभव।
- धातु रिकवरी, प्रक्रमण तथा सामग्री संचालन करने में परामर्श की पेशकश करने अर्हता प्राप्त एवं अनुभवी अनुसंधान व विकास समूह।

#### कमजोरी :

- एकल पद्धति व्यापार - मुख्यतः स्क्रैप तथा स्लैग प्रक्रमण।
- ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने उच्च प्रतिक्रिया समय। सार्वजनिक क्षेत्र होने के नाते, कम्पनी को ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के पूर्व विविध नियमावली की औपचारिकताओं का पालन करना पड़ता है।
- सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के उच्च वेतनों के कारण प्रचालन की उच्च लागत।
- एफएसएनएल की तुलना में निजी ठेकेदारों के द्वारा बहुत कम मजदूरी का भुगतान करने से प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल।

### सुअवसर :

- अपने मौजूदा ग्राहकों की क्षमता में विस्तार से वसूली की माँग, स्क्रैप के प्रक्रमण तथा स्लैग की दुलाई में वृद्धि होगी।
- सार्वजनिक तथा निजी पक्षों द्वारा स्थापित किए जा रहे हरित एकीकृत इस्पात संयंत्रों कम्पनी के लिए स्टील मिल तथा सहबद्ध क्रिया-कलापों के लिए सेवाओं की पेशकश करने का अवसर प्रदान करता है।
- खनन एवं सहबद्ध क्षेत्रों में खोजबीन के सुनहरे अवसर।
- अन्य ठोस अपशिष्ट तथा सामग्री प्रबंध प्रबंधन में विविधीकरण की गुंजाइश।

### आशंकाएँ :

- इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण ने उन्नत प्रौद्योगिकियाँ शुरू की है जिसके परिणामस्वरूप स्क्रैप का कम जनन होता है।
- नए प्रवेशकों, विशेषतः रिकवरी, स्क्रैप के प्रक्रमण तथा स्लैग की दुलाई के क्षेत्र में निजी कंपनियाँ।

### दृष्टिकोण :

हाल के वर्षों में भारत में इस्पात उद्योगों को विश्व अर्थव्यवस्था के साथ पूरी तरह एकीकृत किया गया है। उद्योग एक बहुत प्रतिस्पर्धी माहौल में काम कर रहा है। उक्त व्यापार माहौल में एफएसएनएल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है क्योंकि उसका संचालन मूल क्षेत्रों में इस्पात संयंत्रों के संचालन के साथ एकीकृत है। एफएसएनएल के पास वर्तमान में 60 प्रतिशत की बाजार हिस्सेदारी रही है। एफएसएनएल के प्रमुख ग्राहकों, सेल तथा आरआईएनएल जैसे इस्पात उद्योग 2014-2015 तक 30 लाख टन की वृद्धि तक पहुँचने के लिए तैयार है। एफएसएनएल भी अपने मौजूदा ग्राहकों के साथ आगे बढ़ेगा तथा आने वाले वर्षों में भारतीय रेल, भारी उद्योगों आदि जैसे नए ग्राहकों को जोड़ने की उम्मीद है। कम्पनी गोदाम प्रबंधन, खनन के क्षेत्र में अधिक कार्य की उम्मीद कर रही है। कम्पनी को चुनौतियों का सामना करने तथा उसे सामर्थ्य में बदलने की एक सिद्ध क्षमता है। एफएसएनएल के प्रचालन की विशेष विशिष्टता के परिणामतः धातु क्षति की बचत तथा अपशिष्ट पदार्थ को मूल्य संवर्धन होता है। धात्विकों की रिकवरी तथा स्लैग के पुनश्चक्रण से इस्पात संयंत्रों को प्रति वर्ष लगभग ₹ 6398 करोड़ रकमों का वित्तीय लाभ होता है। इसके अतिरिक्त गुणवत्ता में सुधार के कारण धात्विकों का बाजार मूल्य सारतः बढ़ा है जिसके इस्पात संयंत्रों को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

### भावी दृष्टिकोण :

एफएसएनएल सेल/आरआईएनएल में चार्जिंग बॉक्स प्रिपरेशन, निर्मित माल का आंतरिक परिवहन एवं संचालन आदि जैसे अतिरिक्त कार्यों को कर सकता है। जैसा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में देखा गया, एफएसएनएल सेल/आरआईएनएल संयंत्रों में स्क्रैप अनुकूलन कार्य कर सकता है। स्क्रैप अनुकूलन कार्यक्रम लघुत्तम लागत का तरल इस्पात सुनिश्चित करने हरेक ताप के लिए इष्टतम स्क्रैप मिश्रण का निर्धारण करता है।

### जोखिम एवं चिंताएँ :

कम्पनी के लिए मुख्य जोखिम तथा चिंता का क्षेत्र धात्विकों की उपलब्धता में कमी, जैसे स्लैग में स्क्रैप का कम उदय है। इस कारण प्रचालन की लागत बढ़ी है क्योंकि इससे धात्विक की कम रिकवरी हो जाएगी, हालांकि पूरा की जाने वाली अपेक्षित कार्य-कलापें यथावत रहेंगी, यहां तक कि कभी-कभी



## **MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS REPORT :**

### **INDUSTRY STRUCTURE & DEVELOPMENTS**

FSNL is a Government of India Company under Ministry of Steel. It is a wholly owned subsidiary of MSTC Ltd. and the share capital is Rs.200 lakhs.

Heckett Engineering Company, USA, predecessor of FSNL commenced operation in India in 1957 and had been undertaking the job of recovery and processing of scrap in the Steel Plants. FSNL was incorporated in 1979 as a Government of India company with the main objective to take over the running business of Heckett Engineering Co. and to carry on the business of processing of Steel Mill Slag and other refuse for the recovery of Iron and Steel Scrap.

The Company became a wholly owned subsidiary of MSTC in June,2002. FSNL has over the years evolved as a pioneer organization in the field of Steel Mill services. The company at present operates in 7 integrated Steel Plants & two manufacturing plants in the country and offers services with technology comparable to other world leaders.

### **OPPORTUNITIES AND THREATS :**

#### **Strength :**

- An ISO 9001:2008, ISO 14001:2004 and OHSAS 18001:2007 certified Company.
- Excellent work culture.
- Highly skilled manpower
- Multi-disciplinary trade.
- Highest market share in Steel Mill Services.
- Capacity to handle entire scrap recovery and slag handling of integrated steel plants having efficient experienced and dedicated work force.
- Experience in Warehouse Management.
- Qualified & experienced R&D team to offer consultancy on Metal Recovery, Processing & Material Handling.

#### **Weakness :**

- Single line of business - mainly scrap and slag processing.
- High response time to meet customers requirement. Being a public sector, the company is required to comply with various codal formalities before responding to customer's requirement.
- High cost of operation due to high wages of PSU.
- Difficult to compete with private contractors paying much lower wages than FSNL.

#### **Opportunities :**

- Expansion in capacity, of our existing customers will increase demand of recovery, processing of scrap and

handling of slag.

- The Greenfield integrated steel plants, being commissioned by public and private parties provides the opportunities for the company to offer services for Steel Mill and allied activities.
- Exploring opportunities in Mining & allied sectors.
- Scope of diversification in other Solid Waste and Material Handling Management.

#### **Threats :**

- Modernization of Steel Plants has introduced advanced technologies resulting in less generation of scrap.
- New entrants, specially private companies, in the area of recovery, processing of scrap and handling of slag.

#### **Outlook :**

Steel industries in India has fully integrated with the world economy in the recent years. The Industry is operating in a very competitive environment. In the above business environment FSNL is having a very important role as their operation is integrated with the Steel Plants operation in the core areas. FSNL is having a market share of 60% at present. The steel industry viz. SAIL and RINL, the major customers of FSNL is poised for growth to reach 30 million ton by 2014-15. FSNL will also grow with the existing customer and expected to add new customers such as Indian Railways, Heavy Industries etc. in the coming years. Company is expecting more jobs in the area of Warehouse Management, Mining. The company has a proven ability to face challenges and turn them into strength. The special feature of FSNL's operation results in saving of metal loss and energy and value addition to the waste material. Financial benefit to the Steel Plants from recovery of metallics and recycling of slag amounts to around Rs. 6398 crores per year. Further due to improvement in quality the market value of metallics has increased substantially which will fetch additional revenue to the Steel Plants.

#### **Future Outlook**

FSNL can also undertake additional jobs at SAIL / RINL Plants such as Charging Box Preparation, Internal transportation & handling of finished goods etc. As seen in USA, FSNL can also undertake scrap optimization job at SAIL/ RINL plants. The Scrap optimization programme determine the optimal scrap mix for every heat to ensure lowest cost liquid steel.

#### **Risks & Concerns:**

The main risk and the area of concern for the Company is reduction in availability of metallics i.e. less arisal of scrap in the slag. Due to this the cost of operation has increased since there will be less recovery of metallics although the activities required to be carried out will remain unchanged, even

अधिक प्रयास की आवश्यकता है जिससे आगे प्रचालन का लागत जुड़ेगा। हाल ही में यहाँ प्रचालन का लागत तथा उपस्कर के अनुरक्षण एवं श्रम शक्ति की लागत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसका प्रचालन की लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप उच्च दर पर वृद्धि होने का अनुमान है। हालांकि, प्रदान की गयी सेवाओं के लिए ग्राहकों से प्राप्त पारिश्रमिक को व्यय के साथ क्षतिपूर्ति नहीं की जा रही है जो एक बड़ी सीमा तक कंपनी के तुलन पत्र को प्रभावित किया है।

#### **खंड प्रेषण :**

वर्ष के दौरान कम्पनी भारत में विभिन्न इस्पात संयंत्रों के लिए स्क्रैप रिकवरी तथा सहबद्ध कार्यों के व्यापार में लगी हुई थी, जिसे लेखांकन मानक एएस-17 के अनुसार प्रतिवेध व्यापार खंड माना गया है। स्क्रैप रिकवरी तथा सहबद्ध कार्यों के अतिरिक्त कंपनी ने गोदाम प्रबंधन की सेवाएं प्रदान की है किन्तु चूंकि इस सेवा से प्राप्त राजस्व कुल राजस्व के 10 प्रतिशत से कम है वह प्रतिवेध खंड का गठन नहीं करता है। भौगोलिक विभाजन प्रासंगिक नहीं है क्योंकि कम्पनी भारत के बाहर कोई व्यापार संचालित नहीं करती है।

#### **खंडों की पहचान**

कंपनी का प्रचालन व्यापार प्रत्येक खंड के साथ उत्पादों की प्रकृति तथा प्रदान की गयी सेवाओं के अनुसार अलग से संगठित और प्रबंधित कर रहा है, एक सामरिक व्यापार इकाई का प्रतिनिधित्व करता है जो विभिन्न उत्पादों एवं विभिन्न बाजारों में कार्य प्रस्तुत करता है। भौगोलिक क्षेत्रों का विश्लेषण क्षेत्रों, जिसमें कंपनी की प्रमुख परिचालन प्रभागों संचालित है, पर आधारित है।

#### **अंतर खंड अंतरण :**

कंपनी आमतौर पर अंतर खंड बिक्रीयों तथा अंतरणों के लिए हिसाब करती है जहां तक बिक्रीयों अथवा अंतरणों को सम्प्रति बाजार लागतों पर तृतीय पक्षों को किया गया।

#### **अनावंटित मदें :**

निगमित तथा अन्य खंडों में सामान्य निगमित आय तथा व्यय मदें शामिल है जिसे किसी व्यापार खंड को आवंटित नहीं किया गया है।

#### **प्रचालनीय निष्पादन से संबंधित वित्तीय निष्पादन पर चर्चा :**

कम्पनी की कुल आय गत वर्ष के आँकड़े क्रमशः ₹ 19781.45 लाख तथा ₹ 18678.88 लाख की तुलना में सेवा प्रभार का ₹ 22414.43 लाख सहित ₹ 23787.67 लाख थी। गत वर्ष की तुलना में प्रचालन की लागत में 15.12 प्रतिशत की वृद्धि के रूप में दर्शायी गयी है। खर्चों में वृद्धि का मुख्य कारण डीजल तथा स्नेहकों में वृद्धि एवं महंगाई भत्ते में वृद्धि के कारण कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के वेतनों में पुनरीक्षण के लिए प्रावधान और उपस्कर के उपयोगी जीवन के परिवर्तन के लिए मूल्यहास जैसे निवेशों की लागत में वृद्धि है। यहाँ वर्ष के दौरान मरम्मत तथा अनुरक्षण व्यय में ₹ 100.69 लाख की काफी बचत हुई है।

#### **मानव संसाधन विकास**

पिछले वर्षों की तरह साल की शुरुआत में तैयार वार्षिक योजना के आधार पर प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों के साथ ही मूल उपस्कर निर्माताओं के माध्यम से वर्ष 2013-14 के दौरान कर्मचारियों (कार्यपालकों तथा गैर-कार्यपालक कर्मचारियों) के लिए कंपनी द्वारा विभिन्न आन्तरिक तथा बाहरी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस तरह के कार्यक्रमों में जाने के लिए कर्मचारियों का नामांकन औद्योगिक प्रौद्योगिकियों में दैनंदिन विकासों से उन्हें परिचय कराने तथा संबंधित क्षेत्र में उनके कौशल तथा क्षमताओं को बढ़ाने को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कर्मचारियों के वार्षिक निष्पादन मूल्यांकन प्रपत्र में संस्तुतियों के आधार पर किया गया था।

प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन लक्ष्यों का 'उत्कृष्ट' स्तर हासिल किया गया है।

#### **आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली एवं उसकी पर्याप्तता :**

कम्पनी के व्यापार के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कंपनी में आन्तरिक नियंत्रण की एक कारगर प्रणाली है जिसमें अन्य बातों के साथ सटीकता तथा वित्तीय प्रेषण, संचालनों की दक्षता, निर्धारित नीतियों एवं प्रक्रियाओं का अनुपालन तथा कानून एवं नियमों का अनुपालन शामिल है।

प्रणालियों तथा आन्तरिक नियंत्रणों में पारदर्शिता पर बल देकर आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य करने के लिए स्वतंत्रता सुनिश्चित करने हेतु कंपनी की आन्तरिक लेखा परीक्षा सनदी लेखापालों के बाहरी फर्म को सौंपा गया है। आन्तरिक लेखा परीक्षा का प्रतिवेदन समय-समय पर मूल्यांकन और किसी भी उपचारात्मक उपायों के लिए प्रबंधन को प्रस्तुत कर रहा है।

#### **निगमित शासन के दिशा-निर्देशों के अनुसार आगे खुलासा :**

1. यहाँ ऐसा कोई ठोस अभिव्यक्त पक्ष संबंधित संव्यवहार नहीं है जिससे कंपनी के हित के साथ संभावित विरोध हो सकता है।
2. कंपनी द्वारा ऐसा कोई भी अननुवर्तन अवलोकिता/प्रतिवेदित नहीं की गयी है। गत तीन वर्षों के दौरान किसी भी संरचनाओं अथवा उगाही योग्य जुर्माना अथवा सरकार द्वारा जारी किसी भी दिशा-निर्देशों से संबंधित किसी मामले के लिए कोई वैधानिक प्राधिकार जारी नहीं किया गया।
3. कंपनी ने मण्डल द्वारा अनुमोदित सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसरण में एक सीटी धमनी नीति सूत्रबद्ध की है। किसी भी व्यक्ति को लेखा परीक्षा समिति से व्यक्तिगत पहुँच से वंचित नहीं किया गया है तथा इस नीति के अन्तर्गत किसी ने कुछ भी सूचना नहीं दी है।
4. मण्डल के स्वतंत्र निदेशकों की अनुपस्थिति में, निगमित शासन दिशा-निर्देशों के रूप में यथासंभव अब तक पालन किया गया है।
5. सभी राष्ट्रपतिय दिशा-निर्देशों को वर्ष के लिए एवं गत तीन वर्षों के दौरान भी कंपनी द्वारा अनुपालन किया गया है।

sometimes more effort is required which further adds cost of operation. There is significant increase in the cost of operation and maintenance of equipment and cost of manpower in the recent past which is likely to be increased at a higher rate resulting in increase in cost of operation. However, the remuneration received from the customers for the services provided is not being compensated with the expenditure which in turn has affected the balance sheet of the company to a great extent.

#### **SEGMENT REPORTING :**

During the year the company was engaged in the business of scrap recovery and allied jobs for various steel plants in India which as per Accounting Standard AS-17 is considered the reportable business segment. Beside scrap recovery and allied jobs, company has rendered services of warehouse management but since revenue earned from this service is less than 10% of the total revenue the same does not constitute a reportable segment. The geographical segmentation is not relevant, as the company has no business operation outside India.

##### *Identification of segments :*

The Company's operating business are organized and managed separately according to the nature of products and services provided, with each segment representing a strategic business unit that offers different products and serves different markets. The analysis of geographical segments is based on the areas in which major operating divisions of the Company operate.

##### *Inter segment transfers :*

The company generally accounts for intersegments sales and transfers as if the sales or transfers were to third parties at current market costs.

##### *Unallocated items :*

The Corporate and other segments includes general corporate income and expense items which are not allocated to any business segment.

#### **DISCUSSION ON FINANCIAL PERFORMANCE WITH RESPECT TO OPERATIONAL PERFORMANCE :**

The total earnings of the company was ₹ 23787.67 lakhs including service charges of ₹ 22414.43 lakhs as compared to the previous year's figure of ₹ 19781.45 lakhs and ₹ 18678.88 lakhs respectively. The cost of operation has shown an increase of 15.12% as compared to the previous year. The increase in the expenditure is mainly attributable to increase in the cost of inputs like diesel and lubricants and increase in the wages of employees due to increased Dearness Allowances, provision for revision in the wages of non-executive employees and increase in Depreciation for change of useful life of equipment. There is considerable saving in

Repair & Maintenance expenditure of ₹ 100.69 lakhs during the year.

#### **HUMAN RESOURCES DEVELOPMENT**

As done in the previous years, various Inhouse & External training programmes were arranged by the company for the employees (Executives as well as Non-executive employees), during the year 2013-14, on the basis of the yearly plan chalked out at the beginning of the year, through reputed training institutions as well as the OEMs.

The nomination of employees for undergoing such training programmes were made based on the recommendations of the concerned authorities with regard to the training needs endorsed in the Annual Performance Appraisal forms of the employees, in order to acquaint them with the day-to-day developments in the industrial technologies, and to ensure enhancing the skill & abilities of the employees in the concerned field.

"Excellent" level of MOU targets for training, has been achieved.

#### **INTERNAL CONTROL SYSTEM AND THEIR ADEQUACY :**

The company has an efficient system of internal control for achieving the business objectives of the company which inter-alia includes accuracy and promptness of financial reporting. Efficiency of operations, compliance with the laid down policies and procedures and compliance with law and regulations.

To ensure independence to the internal audit function emphasizing transparency in the systems and internal controls, the internal audit of the company is entrusted to external firms of Chartered Accountants. The reports of Internal Audit are periodically submitted to the management for appraisal and remedial measures, if any.

#### **FURTHER DISCLOSURES AS PER CORPORATE GOVERNANCE GUIDELINES :**

1. There is no material significant related party transaction that may have potential conflict with the interest of the company.
2. No non-compliance by the company has been observed / reported. No statutory authority has issued any strictures or levied penalty or any matter related to any guidelines issued by the Government during the last three years.
3. Company has formulated a whistle blower policy in line with Government guidelines duly approved by the board. No person has been denied personal access to Audit Committee and no one has reported anything under this policy.
4. In the absence of independent directors on the Board, Corporate Governance Guidelines has been complied as far as possible.
5. All Presidential guidelines have been complied with by the company for the year and also during the last three years.

6. ऐसे किसी व्यय की मदों को खाता-बही में विकलन नहीं किया गया है जिसे व्यापार के उद्देश्य के लिए नहीं किया गया है।
7. ऐसा कोई खर्च व्यय नहीं किया गया है जो मण्डल के निदेशकों तथा शीर्ष प्रबंधन के लिए व्यक्तिगत प्रकृति का हो।
8. वित्तीय परिणाम कंपनी की वेबसाइट, जैसे [www.fsnl.nic.in](http://www.fsnl.nic.in) पर उपलब्ध है।

**सजगता अभिव्यक्ति :**

प्रबंधन विचार तथा विश्लेषण में विवरियाँ कम्पनी के उद्देश्यों और उम्मीदों का वर्णन करता है, को आगे विवरणियों में देखा जा सकता है। वास्तविक

परिणाम असल में उन व्यक्त या निहित से अलग हो सकता है जो सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्र से नामांकन के आधार पर व्यापार की निरंतरता सहित कम्पनी के प्रचालनों के लिए फर्क कर सकता है।

**वास्ते एवं निदेशक मण्डल की ओर से**

दिनांक : 12.08.2014

स्थान : नई दिल्ली

एस. के. त्रिपाठी

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

**प्रबंध निदेशक की घोषणा**

में घोषणा करता हूँ कि मण्डल के सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबंधन के लिए आदर्श आचार संहिता 30.04.2008 को परिचालित संकल्प के अनुसार कम्पनी द्वारा रूपांकित एवं अंगीकृत है तथा मण्डल के सभी सदस्यगण तथा वरिष्ठ प्रबंधन ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

दिनांक : 12.08.2014

स्थान : नई दिल्ली

एस. के. त्रिपाठी

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक

6. No items of expenditure have been debited in books of accounts which are not for the purpose of business.
7. No expenses are incurred which are personal in nature for the Board of Directors and Top Management.
8. The financial results are available in the website of the company i.e. [www.fsnl.nic.in](http://www.fsnl.nic.in)

**CAUTIONARY STATEMENT :**

Statements in the Management Discussion and Analysis describing the Company's objectives and expectations may

be forward looking statements. Actual results may differ materially from those expressed or implied which could make a difference to the company's operations including continuation of business on nomination basis from the public sector steel plant.

**For and on behalf of Board of Directors**

Dated : 12.08.2014

S.K.Tripathi

Place : New Delhi

Chairman And Managing Director

**MD'S DECLARATION**

I declare that the Model Code of Conduct for Board Members and Senior Management designed and adopted by the company vide resolution by circulation on 30.04.2008 and all the Board Members and Senior Management have affirmed compliance with the Code of Conduct for the Financial Year 2013-2014.

**Dated : 12.08.2014**

**Place : New Delhi**

**S.K.Tripathi**

**Chairman and Managing Director**

**स्वतंत्र लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन**  
**फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के सदस्यों को प्रेषित**

हमने फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड (कम्पनी) की संगत वित्तीय विवरणियों का लेखा परीक्षण किया जिसमें दिनांक 31 मार्च, 2014 के तुलन पत्र तथा समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि विवरणी एवं नकदी प्रवाह विवरणी और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों तथा अन्य व्याख्यात्मक जानकारी के सारांश का समावेश है।

**वित्तीय विवरणियों के लिए प्रबंधन की जवाबदेही**

इन वित्तीय विवरणियों की तैयारी के लिए प्रबंधन उत्तरदायी है जो कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के परिप्रेक्ष्य में कारपोरेट मामलों के मंत्रालय के दिनांक 13 सितंबर, 2013 के सामान्य परिपत्र 15/2013 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 की उप-धारा (3सी) (अधिनियम) में उल्लिखित लेखा मानकों के अनुसरण में कम्पनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन तथा नकदी प्रवाहों का सत्य एवं निष्पक्ष राय प्रदान करता है। इन जिम्मेदारी में वित्तीय विवरणियों की तैयारी और प्रस्तुति से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की बनावट, कार्यान्वयन और रख-रखाव शामिल है जो सत्य एवं निष्पक्ष राय प्रदान करता है एवं तात्त्विक विसंगतियों से मुक्त है चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हुई हो।

**लेखा परीक्षक की जवाबदेही**

हमारी जवाबदेही अपने लेखा परीक्षण पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है। हमने भारत के सनदी लेखापालों के संस्थान द्वारा जारी लेखांकन पर मानकों के अनुसार अपना लेखा परीक्षण संचालित किया है। उन मानकों के लिए अपेक्षित है कि हम नैतिक आवश्यकताओं के साथ अनुपालन करें तथा उसके बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने उपाय और लेखा परीक्षण करे कि क्या वित्तीय विवरणियाँ तात्त्विक विसंगतियों से मुक्त है।

लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणियों में मात्राओं एवं खुलासों के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त करने प्रदर्शन प्रक्रियाएं शामिल है। चयनित प्रक्रियाएं क्या धोखाधड़ी या त्रुटि की वजह से वित्तीय विवरणियों को तात्त्विक विसंगतियों के जोखिमों के निर्धारण सहित लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करता है। उन जोखिम का आंकलन करने में लेखा परीक्षक लेखा परीक्षण प्रक्रियाओं की रचना करने के उद्देश्य से कम्पनी की तैयारी एवं वित्तीय विवरणियों की निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण पर विचार करते हैं कि वह परिस्थितियों में उपयुक्त है किन्तु इकाई की आन्तरिक नियंत्रण की प्रभावकारिता पर विचार व्यक्त करने के उद्देश्य के लिए नहीं है। लेखा परीक्षण में उपयोग किए गए लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता के मूल्यांकन तथा प्रबंधन द्वारा निर्धारित लेखांकन अनुमानों की तर्कसंगतता के साथ-साथ वित्तीय विवरणियों का समग्र प्रतिनिधित्व का मूल्यांकन करना भी शामिल है।

हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षण साक्ष्य, जिसे हमने प्राप्त किया, हमारे लेखा परीक्षण राय के लिए एक आधार प्रदान करने पर्याप्त और यथोचित है।

**अभिमत**

हमारी राय में तथा हमारी उत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार वित्तीय विवरणियाँ यथाअपेक्षित ढंग से अधिनियम द्वारा अभीष्ट जानकारी देता है तथा भारत में समान्यतः स्वीकार्य लेखा मानकों के साथ अनुरूपता में खरा एवं उचित दृष्टिकोण प्रदान करता है :

- 1) 31 मार्च, 2014 को कंपनी के कार्य-कलाप के तुलन-पत्र के मामले में,
- 2) जब तिथि को समाप्त वर्ष के लिए लाभ के लाभ एवं हानि की विवरणी के मामले में, तथा
- 3) उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाहों के नकदी प्रवाह विवरणी के मामले में।

**अन्य विधिक तथा नियामक आवश्यकताओं पर प्रतिवेदन**

1. जैसा कि अधिनियम की धारा 227 की उप-धारा (4ए) की शर्तों में भारत के केन्द्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन) आदेश, 2003 (आदेश) के तहत अपेक्षित है, हम संलग्नक में आदेश के अनुच्छेद 4 तथा 5 में वर्णित विषयों पर एक विवरणी देते हैं।
2. जैसा कि अधिनियम की धारा 227(3) के तहत अपेक्षित है, हम सूचित करते हैं कि :-
  - क. हमने सभी जानकारी तथा स्पष्टीकरणों को प्राप्त किया है, जो हमारे लेखा परीक्षण के उद्देश्य से हमारी जानकारी तथा विश्वास के लिए आवश्यक थे।
  - ख. हमारे विचार में जैसा कि कानूनन अपेक्षित है, कंपनी ने समुचित लेखा खाताओं को रखा है, जैसा कि उन बही-खातों के हमारे अब तक के परीक्षण से हमें प्रकट होता है (तथा हमारे लेखा परीक्षण के उद्देश्य से पर्याप्त समुचित प्रतिफलों को हमारे द्वारा दौरा नहीं किए गए शाखाओं से प्राप्त किया गया है)।

**INDEPENDENT AUDITOR'S REPORT  
TO THE MEMBERS OF FERRO SCRAP NIGAM LIMITED**

We have audited the accompanying financial statements of **Ferro Scrap Nigam Limited** ('the company'), which comprise the Balance Sheet as at 31<sup>st</sup> March '2014, and the Statement of Profit and Loss and Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

**Management's Responsibility for the Financial Statements**

Management is responsible for the preparation of these financial statements that give a true and fair view of the financial position, financial performance and cash flows of the Company in accordance with the Accounting Standards referred to in sub-section (3C) of section 211 of the Companies Act, 1956 ("the Act") read with the General Circular 15/2013 dated 13th September 2013 of the Ministry of Corporate Affairs in respect of section 133 of the Companies Act, 2013. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal control relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

**Auditor's Responsibility**

Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Company's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the entity's internal control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.

We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

**Opinion**

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the financial statements give the information required by the Act in the manner so required and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India :

- (i) in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Company as at March 31,2014;
- (ii) in the case of the Statement of Profit and Loss, of the profit for the year ended on that date; and
- (iii) in the case of the Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended on that date.

**Report on Other Legal and Regulatory Requirements**

1. As required by the Companies (Auditor's Report) Order, 2003 ("the Order") issued by the Central Government of India in terms of sub-section (4A) of section 227 of the Act, we give in the *Annexure*, a statement on the matters specified in paragraphs 4 and 5 of the Order.
2. As required by section 227(3) of the Act, we report that:
  - a. we have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
  - b. in our opinion proper books of account as required by law have been kept by the Company so far as appears from our examination of those books [and proper returns adequate for the purposes of our audit have been received from branches not visited by us];

- ग. इस प्रतिवेदन के साथ विभाजित तुलन-पत्र, लाभ व हानि की विवरणी तथा नकदी प्रवाह विवरणी लेखा बहियों के अनुसार है (एवं हमारे द्वारा दौरा नहीं किए गए शाखाओं से प्राप्त प्रतिफलों के साथ)।
- घ. हमारे विचार से कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 की उप-धारा (3सी) में संदर्भित लेखांकन मानकों के साथ स्वीकृत तुलन-पत्र तथा लाभ व हानि की विवरणी कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के परिप्रेक्ष्य में कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय के सामान्य परिपत्र 15/2013, दि. 13 सितंबर, 2013 के साथ पठित है।
- ङ. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, कंपनी कार्य विभाग अधिसूचना क्र. जीएसआर 829 (ई), दिनांक 21 अक्टूबर, 2003 की शर्तों में सरकारी कंपनियों को अधिनियम की धारा 274 की उप-धारा (1) खंड (जी) के प्रावधान की प्रयोज्यता से छूट है।

स्थान : रायपुर  
दिनांक : 10 जून, 2014

**वास्ते, राजेन्द्र प्रसाद**  
**सनदी लेखापाल**  
**फर्म पंजीकरण क्र.- 000203सी**  
राहुल खण्डेलवाल  
साझेदार  
**सदस्यता क्र. 079628**



- c. the Balance Sheet, Statement of Profit and Loss, and Cash Flow Statement dealt with by this Report are in agreement with the books of account [and with the returns received from branches not visited by us];
- d. in our opinion, the Balance Sheet and the Statement of Profit and Loss comply with the Accounting Standards referred to in subsection (3C) of section 211 of the Companies Act, 1956 read with the General Circular 15/2013 dated 13 September 2013 of the Ministry of Corporate Affairs in respect of section 133 of the Companies Act, 2013;
- e. In terms of government of India, Ministry of Finance, Department of company Affairs Notification No. GSR 829(E) dated 21st October'2003 Government companies are exempt from the applicability of provision of clause(g) of sub-section(1) of section 274 of the Act;

**For Rajendra Prasad**  
**Chartered Accountants**

**FRN No. 000203C**

Rahul Khandelwal

Partner

Place : Raipur

Date : 10 June,2014

**Membership No. 079628**

## लेखा परीक्षक के प्रतिवेदन का संलग्नक

समतिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुच्छेद 3 को निर्दिष्ट

1. (क) कंपनी ने आस्तियों, जिसका वास्तविक लागत पाँच हजार रुपये से अधिक न हो, के अलावे स्थायी आस्तियों के मात्रात्मक ब्यौरों तथा अवस्थिति सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए समुचित अभिलेख बनाए रखा है।  
(ख) कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान अपनी समग्र स्थायी आस्तियों का भौतिक सत्यापन व्यावसायिक सनदी लेखापाल संस्था के माध्यम से कराया है। कथित प्रतिवेदन के अनुसरण में, कंपनी ने सम्प्रति वित्तीय वर्ष के दौरान न्यून आस्तियों के विरुद्ध ₹ 10.57 लाख का प्रावधान बनायी है।  
(ग) वर्ष के दौरान स्थायी आस्तियों का कोई सारगर्भित खण्ड का निपटारा नहीं किया गया, तथा इसलिए यह चालू समुत्थान अवधारणा को प्रभावित नहीं करता है। यद्यपि प्रबंधन ने अपनी दिनांक 24 मार्च, 2014 को आयोजित बोर्ड की 151वीं बैठक में निर्णय लिया कि पुरानी आस्तियों, जिसने अपना उपयोगी जीवन पूरा कर लिया है तथा कम्पनी की नियमित और प्रचालनीय आस्तियों, सर्वेक्षण किए गए उन आस्तियों का सकल खंड (लागत) की रकम ₹ 14.97 करोड़ तथा सदृश्य संचित मूल्यहास की रकम ₹ 14.13 करोड़, को प्रचालनीय उपयोगिता से दूर रखा गया है, का सर्वेक्षण कराया जाए। पुरानी आस्तियों के सर्वेक्षण की वापसी आस्तियों के किसी निपटान की कल्पना नहीं करता है।
2. (क) वर्ष के दौरान प्रबंधन के साथ-साथ आंतरिक लेखापरीक्षक द्वारा वस्तु-सूचियों की भौतिकीय सत्यापन की गयी है। हमारे विचार में, सत्यापन की आवृत्ति युक्तियुक्त है।  
(ख) हमारे विचार में, प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त वस्तु-सूचियों के भौतिकीय सत्यापन की प्रक्रिया कम्पनी के आकार तथा इसके कारोबार की प्रकृति के संबंध में तर्कसंगत तथा पर्याप्त है।  
(ग) वस्तु-सूची अभिलेखों का हमारे परीक्षण के आधार पर, हमारे विचार में, कंपनी वस्तु-सूचियों का समुचित अभिलेख रख रही है। खाता अभिलेखों की तुलना में वर्ष के दौरान वस्तु-सूचियों के भौतिकीय सत्यापन पर ₹ 0.39 लाख की कमी तथा ₹ 0.26 लाख की अधिकता उजागर हुई जिसमें हमारे विचार में कम्पनी के प्रचालनों से संबंधित तात्विक नहीं है। यद्यपि, लेखा खाताओं में इसे समुचित रूप से विभाजित किया गया है।
3. (अ) कंपनी अधिनियम की धारा 301 के अंतर्गत पोषित पंजी में शामिल कंपनियों, फर्मों अथवा पक्षों को कोई भी प्रतिभूत या अप्रतिभूत ऋणों को मंजूर नहीं की है। तदनुसार आदेश का अनुच्छेद 3(ए) से 3(डी) प्रयोज्य नहीं है।  
(ब) कंपनी ने अधिनियम की धारा 301 के अंतर्गत पोषित पंजी में शामिल कंपनियों, फर्मों अथवा अन्य पक्षों से कोई प्रतिभूत या अप्रतिभूत ऋण नहीं ली है। तदनुसार आदेश का अनुच्छेद (3) (ई) से (3) (जी) प्रयोज्य नहीं है।
4. हमारे विचार से तथा हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार, स्थायी आस्तियों के क्रय एवं माल के विक्रय के लिए कंपनी के आकार तथा इसके कारोबार की प्रकृति के अनुरूप यहाँ एक पर्याप्त आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली है। जबकि, कंपनी के खाताओं एवं अभिलेखों का हमारे परीक्षण के आधार पर तथा हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरणों के अनुसार, हम न तो उसके पार आ रहे हैं न ही पूर्वोक्त आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में बड़ी खामियों को सुधारने हेतु किसी सतत विफलता की सूचना दी गयी है।
5. कम्पनी ने ऐसे किसी भी मामलों को दर्ज नहीं की है जिसे कि अधिनियम की धारा 301 के अनुसरण में पंजी में दर्ज किया जाना अपेक्षित हो।
6. कंपनी ने जनता से जमाओं को स्वीकार नहीं की है। तदनुसार, आदेश का अनुच्छेद (6) प्रयोज्य नहीं है।
7. हमारे विचार में, कंपनी की आन्तरिक लेखा परीक्षण प्रणाली समान्यतः इसके कारोबार के आकार एवं प्रकृति के अनुरूप है।
8. केन्द्र सरकार ने अधिनियम की धारा 209 की उप-धारा (1) के खंड (डी) के अन्तर्गत कंपनी द्वारा दी गयी किसी भी सेवाओं के लिए लागत अभिलेखों का रख-रखाव निर्धारित नहीं की है।
9. (क) हमें दी गयी सूचना एवं स्पष्टीकरण के अनुसार तथा कंपनी के अभिलेखों का हमारे परीक्षण के आधार पर, भविष्य निधि (भविष्य निधि बकायों को उसके अपने छूट प्राप्त भविष्य निधि न्यास में जमा किया जाता है) सहित अविवादित वैधानिक बकाया, आयकर, विक्रय कर/मूल्य समाहित कर, धन कर, सेवा कर, उपकर एवं कम्पनी के लिए प्रयोज्य अन्य वैधानिक बकायों को सामान्यतः उपयुक्त प्राधिकारों को नियमित रूप से जमा किया गया है।

जैसा हमें यह बताया गया है, निवेशक शिक्षा एवं संरक्षण निधि, कर्मचारी राज्य बीमा योजना, विक्रय कर तथा उत्पाद शुल्क के परिप्रेक्ष्य में कंपनी पर बकाया राशि नहीं था।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 441-ए के अन्तर्गत उपकर के परिप्रेक्ष्य में यहाँ कोई देय राशि नहीं था क्योंकि केन्द्र सरकार द्वारा पूर्वोक्त धारा को अभी तक प्रभावशील नहीं बनाया गया है।

## Annexure to Auditor's Report

Referred to paragraph 3 of our report of even date,

- i. (a) The company has maintained proper records showing full particulars including quantitative details and situation of fixed assets except the assets whose actual cost does not exceed five thousand rupees.
- (b) The company has conducted physical verification of its entire fixed asset through professional chartered accountant firms during FY 2012-13. In compliance to said report, the company has made provision of ₹ 10.57 lacs against deficient assets during the current financial year.
- (c) No substantial part of fixed assets were disposed off during the year, and therefore, do not affect the going concern assumption. However, the management in its 151<sup>st</sup> board meeting held on 24<sup>th</sup> March'14 has decided to survey off old assets that had achieved their useful life and were been laid off from operational usage from the regular and operational assets of the company, gross block (cost) of such surveyed off assets amounts to ₹ 14,97 cr. and corresponding accumulated depreciation amounts to ₹ 14.13 cr. The withdrawal of surveyed off old assets does not envisage any disposal of assets.
- ii. (a) The inventory has been physically verified by the management as well as internal auditors during the year. In our opinion, the frequency of verification is reasonable.
- (b) In our opinion, the procedures of physical verification of inventories followed by the management are reasonable and adequate in relation to the size of the company and the nature of its business.
- (c) On the basis of our examination of the inventory records, in our opinion, the company is maintaining proper records of inventory. Shortage of ₹ 0.39 lacs and excess of ₹ 0.26lacs had been noticed on physical verification of inventory during the year as compared to book records which in our opinion were not so material having regard to the operations of the company. However, the same has been properly dealt with in books of account.
- iii. (a) The company has not granted any loans, secured or unsecured to companies, firms or other parties covered in the register maintained under section 301 of the Act. Accordingly paragraphs (iii) (a) to (iii) (d) of the order are not applicable
- (e) The company has not taken any loans, secured or unsecured from companies, firms or other parties covered in the register maintained under section 301 of the Act. Accordingly paragraphs (iii) (e) to (iii) (g) of the order are not applicable.
- iv. In our opinion and according to information and explanation given to us, there is an adequate internal control system commensurate with the size of the company and the nature of its business, for the purchase of fixed assets and for the sale of goods. Further, on the basis of our examination of books and records of the Company and according to the information and explanations given to us, we have neither come across nor have been informed of any continuing failure to correct major weakness in the aforesaid internal control system.
- v. The company has not entered into any such transactions that are required to be entered into register in pursuance of section 301 of the Act.
- vi. The Company has not accepted deposits from the public. Accordingly, paragraph (vi) of the order is not applicable.
- vii. In our opinion, the company's internal audit system is generally commensurate with the size and nature of its business.
- viii. The Central Government has not prescribed the maintenance of cost records under clause (d) of sub-section (1) of section 209 of the Act for any of the services rendered by the company.
- ix. (a) According to the information and explanation given to us and on the basis of our examination of the records of the company, undisputed statutory dues including Provident Fund (Provident Fund dues is deposited to its own exempted Provident Fund Trust), Income Tax, Sales Tax/ VAT, Wealth Tax, Service tax, Cess and any other statutory dues as applicable to the Company have generally been regularly deposited with the appropriate authorities.

As explained to us the Company did not have dues on account of Investor Education and Protection Fund, Employee state Insurance scheme, sales tax and excise duty

*There were no dues on account of cess under section 441A of the Companies Act, 1956 since the aforesaid section has not yet been made effective by the Central Government.*

(ख) हमें दी गयी सूचना के अनुसार यहाँ विवादित वैधानिक बकाया राशि है जिसे जमा नहीं की गयी है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है :-

अध्यादेश का नाम	बकाया राशि का प्रकार	राशि (लाख ₹ में)	अवधि, जिससे रकम संबंधित है	फोरम, जहाँ कि विवादें लंबित है
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	केन्द्रीय उत्पाद, जाजपुर के अधीक्षक की मांग के अनुसार डुबुरी इकाई में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर (किया गया शुद्ध भुगतान)	50.93	नवंबर, 2002 से अप्रैल, 2004	अपीलीय प्राधिकार (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, राँची के आदेशानुसार बोकारो इकाई में “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर	1600.27	01.03.2005 से 31.01.2008	आयुक्त, राँची एवं अपीलीय प्राधिकारी (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, बोलपुर एवं सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, आसनसोल के आदेशानुसार बर्नपुर इकाई के “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर	83.05	सितंबर, 2004 से फरवरी, 2005 एवं अप्रैल, 2005 से सितंबर, 2006	आयुक्त (अपील) कोलकाता
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, बोलपुर के संयुक्त आयुक्त के आदेशानुसार बर्नपुर इकाई में “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर	111.99	सितंबर, 2004 से फरवरी, 2005	अपीलीय प्राधिकार (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता) आयुक्त (अपील) द्वारा कंपनी के पक्ष में पारित आदेश को सेवा कर विभाग द्वारा सीईएसटीएटी के समक्ष अपील की गई है)
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, रायपुर के आयुक्त के आदेशानुसार भिलाई इकाई में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर	242.84	अगस्त 2002 से जून, 2003	अपीलीय प्राधिकार (सी ई एस टी ए टी, नई दिल्ली)
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर की माँग के अनुसार डुबुरी इकाई, में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर	372.45	मई 2004 से मार्च 2007	अपीलीय प्राधिकार (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता)

(b) According to the information given to us, there are disputed statutory dues which have not been deposited as given herein below :

<b>Name of the Statute</b>	<b>Nature of Dues</b>	<b>Amount (₹ in Lacs)</b>	<b>Period to which the amount relates</b>	<b>Forum where the disputes are pending</b>
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Suptd. of Central Excise, Jajpur.(net of payment made)	50.93	Nov 2002 To Apr 2004	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Bokaro unit as ordered by Commissioner Central Excise and Customs, Ranchi	1,600.27	01.03.2005 To 31.01.2008	Commissioner, Ranchi and Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxiliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner, Central Excise & Customs, Bolpur and Assistant Commissioner, Central Excise and Custom, Asansol	83.05	Sept 2004 To Feb 2005 & Apr 2005 To Sept 2006	Commissioner (Appeals), Kolkata
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxiliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner, Joint commissioner of Central Excise Bolpur	111.99	Sept 2004 To Feb 2005	Appellate Authorities, CESTAT, Kolkata) (Order passed in favour of company by Commissioner (Appeal) has been appealed by Service Tax Department before CESTAT)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Bhilai unit as ordered by Commissioner of Central Excise and Customs, Raipur	242.84	Aug 2002 To June 2003	Appellate Authorities, (CESTAT, New Delhi)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit Demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	372.45	May 2004 To Mar 2007	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)

अध्यादेश का नाम	बकाया राशि का प्रकार	राशि (लाख ₹ में)	अवधि, जिससे रकम संबंधित है	फोरम, जहाँ कि विवादें लंबित है
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर की माँग के अनुसार डुबुरी इकाई में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर	209.63	अप्रैल, 2007 से मार्च, 2009	अपीलीय प्राधिकार (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र एवं एलॉय इस्पात संयंत्र में “व्यापार पूरक सेवाओं” तथा “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर	2219.14	अप्रैल, 2003 से मार्च, 2008 एवं अक्टूबर, 2003 से नवंबर, 2008	अपीलीय प्राधिकार (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में “व्यापार पूरक सेवाओं तथा कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर	557.56	अप्रैल, 2008 से मई, 2009 एवं जून, 2009 से सितंबर, 2009	आयुक्त, कोलकाता एवं अपीलीय प्राधिकारी (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर की माँग के अनुसार डुबुरी इकाई में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर	96.09	अप्रैल, 2009 से मार्च, 2010	अपीलीय प्राधिकार (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता)
वित्त अधिनियम, 1994 (अद्यतन संशोधित)	आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद, बोलपुर की माँग के अनुसार दुर्गापुर इकाई में “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर	103.16	अक्टूबर, 2009 से मार्च, 2010	अपीलीय प्राधिकार (सी ई एस टी ए टी, कोलकाता)
ओडिशा विक्रय कर अधिनियम, 1947	उड़ीसा विक्रय कर विभाग की मांग के अनुसार राउरकेला इकाई में विक्रय कर तथा प्रवेश कर के लिए	46.50	2002-03	विक्रय कर न्यायाधिकरण कटक
ओडिशा नगरपालिका अधिनियम, 1950	अधिसूचित क्षेत्र परिषद, राउरकेला (इस्पात नगरीय) द्वारा डम्परों, डोजरों आदि जैसे भारी भू-उपस्करणों पर चूंगी	3.24		ओडिशा उच्च न्यायालय

10. वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक कंपनी को कोई संचित घाटा नहीं है तथा हमारे लेखा परीक्षण द्वारा आवरित वित्तीय वर्ष तथा ठीक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कोई नकद नुकसान उपगत नहीं हुआ, तदनुसार आदेश का अनुच्छेद (10) प्रयोज्य नहीं है।

11. कंपनी ने वित्तीय संस्थानों अथवा बैंकों को बकाया राशि की अदायगी में चूक नहीं की है।

12. कंपनी ने अंशों, ऋण-पत्रों तथा अन्य प्रतिभूतियों को गिरवी के द्वारा सुरक्षा जमा के आधार पर कोई ऋण एवं अग्रिम मंजूर नहीं की है। तदनुसार, आदेश का अनुच्छेद (12) कंपनी पर प्रयोज्य नहीं है।

<b>Name of the Statute</b>	<b>Nature of Dues</b>	<b>Amount (₹ in Lacs)</b>	<b>Period to which the amount relates</b>	<b>Forum where the disputes are pending</b>
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit Demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	209.63	April 2007 To March 2009	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service tax on "Business Auxilliary Service" and "Cargo Handling Services" at Durgapur Steel Plant and Alloy Steel Plant	2219.14	Apr 2003 To Mar 2008 & Oct 2003 To Nov 2008	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service Tax on "Business Auxillary Service" and "Cargo Handling Services" at Durgapur Steel Plant	557.56	Apr 2008 To May 2009 & June 2009 To Sep 2009	Commissioner, Kolkata and Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Commissioner, Bhubaneswar	96.09	April'2009 To March'2010	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Finance Act, 1994 (As amended upto date)	Service Tax on "Business Auxillary Service" at Durgapur Unit as demanded by Commissioner, Central Excise, Bolpur	103.16	Oct 2009 To Mar 2010	Appellate Authorities, (CESTAT, Kolkata)
Orissa Sales Tax Act, 1947	For Sales Tax and Entry Tax at Rourkela unit as demanded by Orissa Sales Tax Department	46.50	2002-03	Sales Tax Tribunal, Cuttack
Orissa Municipal Act,1950	Octroi on heavy earthmoving equipment like Dumpers, Dozers etc. by Notified Area Council, Rourkela (Steel Township)	3.24		Orissa High Court

- x. The company does not have any accumulated losses at the end of the financial year and has not incurred any cash loss during the financial year covered by our audit or in the immediately preceding financial year, accordingly clause (x) of the Order in not applicable.
- xi. The company has not defaulted in repayment of any dues to a financial institution or bank.
- xii. The company has not granted any loans and advance on the basis of security by way of pledge of shares, debentures and other securities. Accordingly, paragraph (xii) of the order is not applicable to the company.

13. कंपनी चिट फंड अथवा निधि/म्यूचुअल बेनीफिट फंड/सोसाइटी नहीं है। तदनुसार, आदेश का परिच्छेद (13) कंपनी पर प्रयोज्य नहीं है।
14. कंपनी अंशों, प्रतिभूतियों, ऋण-पत्रों तथा अन्य विनिवेशों में लेन-देन अथवा व्यापार नहीं करती है।
15. कंपनी ने बैंक अथवा वित्तीय संस्थानों से अन्य द्वारा लिए गए ऋणों के लिए कोई जमानत नहीं दी है।
16. कंपनी ने कोई सावधि ऋण प्राप्त नहीं की है, अतएव संबद्ध अनुच्छेद प्रयोज्य नहीं है।
17. अत्यावधि आधार पर उठाए गए निधियों को दीर्घकालिक निवेश के लिए उपयोग नहीं किया गया है तथा अल्पवधि आस्तियों में पूंजी लगाने के लिए दीर्घकालिक निधियों का उपयोग नहीं किया गया।
18. कंपनी ने अधिनियम की धारा 301 के अंतर्गत पोषित पंजी में शामिल पक्षों तथा कंपनियों को अंशों का कोई प्राथमिक आबंटन नहीं की है।
19. अनुच्छेद (19) की अंतर्निहित वस्तु कंपनी के लिए प्रयोज्य नहीं है क्योंकि कंपनी ने वर्ष के दौरान किसी ऋण-पत्रों को जारी नहीं की है।
20. कंपनी ने वर्ष के दौरान लोक-विवादकों द्वारा किसी रकम को नहीं उभारी है। अतएव, इस अनुच्छेद की प्रावधानें प्रयोज्य नहीं है।
21. हमें दी गयी सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार हमारे लेखा परीक्षण अवधि के दौरान कंपनी पर अथवा उसके द्वारा कोई धोखाधड़ी नहीं देखी गयी अथवा न ही बतायी गयी।

**वास्ते, राजेन्द्र प्रसाद**

**सनदी लेखापाल**

**फर्म पंजीकरण क्र.- 000203सी**

राहुल खण्डेलवाल

साझेदार

**सदस्यता क्र. 079628**

स्थान : रायपुर

दिनांक : 10 जून, 2014



- xiii. The company is not a chit fund or a nidhi/mutual benefit fund/society. Accordingly, paragraph (xiii) of the order is not applicable to the company.
- xiv. The company is not dealing or trading in shares, securities, debentures and other investments.
- xv. The company has not given any guarantee for loans taken by others from bank or financial institutions.
- xvi. The company has not obtained any term loans hence the relevant paragraph is not applicable.
- xvii. No funds raised on short-term basis have been used for long term investment and no long term funds have been used to finance short term assets.
- xviii. The company has not made any preferential allotment of shares to parties and companies covered in the Register maintained under section 301 of the Act.
- xix. The content of paragraph (xix) is not applicable to the company as the company has not issued any debentures during the year.
- xx. The Company has not raised any money by public issues during the year. Hence, provisions of this paragraph are not applicable.
- xxi. According to the information and explanation given to us, no fraud on or by the company has been noticed or reported during the period under audit.

**For Rajendra Prasad**

**Chartered Accountants**

**FRN No. 000203C**

Rahul Khandelwal

Partner

Place : Raipur

Date : 10 June,2014

**Membership No. 079628**

### निदेशक के प्रतिवेदन का संलग्नक-III

#### दिनांक 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के लेखाओं पर कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के अन्तर्गत नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

कम्पनी अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत विहित वित्तीय विवरणी ढाँचा के अनुसार 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड के वित्तीय विवरणियों को तैयार करना कम्पनी के प्रबंधन का दायित्व है। भारतीय सनदी लेखापाल संस्थान के वृत्तिक निकास द्वारा निर्धारित लेखा परीक्षण तथा विश्वास मानक के अनुसार स्वतंत्र लेखा परीक्षण के आधार पर कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 227 के अन्तर्गत इन वित्तीय विवरणियों पर राय अभिव्यक्त करने के लिए कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(2) के तहत नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त वैधानिक लेखा परीक्षक उत्तरदायी हैं। इसे दिनांक 10 जून, 2014 के उनके लेखा परीक्षण प्रतिवेदन के अनुसार उनके द्वारा पूरा किया गया।

मैंने नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक की ओर से 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की वित्तीय विवरणियों का कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(3) (ख) के अन्तर्गत पूरक लेखा परीक्षण किया। इन पूरक लेखा परीक्षण को वैधानिक लेखा परीक्षकों के कार्य-पत्रों के बिना स्वतंत्र रूप से संपादित किया गया तथा यह प्राथमिक रूप से वैधानिक लेखा परीक्षकों तथा कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ एवं कुछ लेखा अभिलेखों की जाँच-पड़ताल तक सीमित था। मेरे लेखा परीक्षण के आधार पर मेरी जानकारी में कोई भी अभिप्राय मेरे ध्यान में नहीं आया है तथा जिस पर अथवा कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619(4) के तहत वैधानिक लेखा परीक्षक प्रतिवेदन के परिशिष्ट पर कोई टिप्पणी उद्घृत की जा सके।

**नियंत्रक एवं भारत के महालेखा परीक्षक एवं  
के वास्ते उनकी ओर से,  
सुशील कुमार जायसवाल**

स्थान : राँची

दिनांक : 29 अगस्त, 2014

प्रधान निदेशक, वाणिज्यिक लेखा परीक्षा एवं पदेन सदस्य  
लेखा परीक्षा बोर्ड का कार्यालय, राँची

**COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 619(4) OF THE COMPANIES ACT, 1956 ON THE ACCOUNTS OF FERRO SCRAP NIGAM LIMITED FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2014**

The preparation of financial statements of Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended 31 March 2014 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 1956 is the responsibility of the management of the company. The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 619 (2) of the Companies Act, 1956 are responsible for expressing opinion on these financial statements under Section 227 of the Companies Act, 1956 based on independent audit in accordance with the Standards on Auditing prescribed by their professional body the Institute of Chartered Accountants of India. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 10.06.2014.

I, on the behalf of the Comptroller and Auditor General of India have conducted a supplementary audit under Section 619(3) (b) of the Companies Act, 1956 of the financial statements of Ferro Scrap Nigam Limited for the year ended 31 March 2014. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the Statutory Auditors and is limited primarily to inquiries of the Statutory Auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records. On the basis of my audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to Statutory Auditors' Report under Section 619 (4) of the Companies Act, 1956.

**For and on the behalf of the  
Comptroller & Auditor General of India**

**SUSHIL KUMAR JAISWAL**

Principal Director of Commercial Audit &  
Ex-Officio Member, Audit Board-Ranchi

Place : Ranchi

Date : 29.08.2014

**फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड**  
**31 मार्च, 2014 का तुलन-पत्र**

₹ लाख में

ब्योरा	पत्री	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>साम्य व देनदारियाँ</b>			
<b>अंशधारियों की निधि</b>			
अंश पूंजी	2	200.00	200.00
आरक्षित एवं अधिशेष	3	14,426.39	13,781.19
शेयर वारंट के विरुद्ध प्राप्त रकम		-	-
शेयर आवेदन के पैसे आवंटन तक लंबित		-	-
<b>गैर मौजूदा दायित्व</b>			
दीर्घकालिक उधार		-	-
आस्थगित कर दायित्व (शुद्ध)		-	-
अन्य दीर्घकालिक दायित्व	4	369.76	297.11
दीर्घकालिक प्रावधान	5	3,042.98	2,836.28
सम्प्रति दायित्व			
अल्पावधिक उधार	6	1,054.00	875.08
देय व्यापार	7	1,552.82	1,839.86
अन्य मौजूदा दायित्व	8	1,686.66	1,552.94
अल्पावधिक प्रावधान	9	1,757.07	939.41
	<b>योग</b>	<b>24,089.68</b>	<b>22,321.87</b>
<b>आस्तियाँ</b>			
<b>गैर मौजूदा आस्तियाँ</b>			
स्थायी आस्तियाँ	10		
मूर्त आस्तियाँ	10.1	5,277.67	5,271.01
अमूर्त आस्तियाँ	10.2	7.22	9.30
कार्यानुगत पूंजी	10.3	83.58	171.65
विकास के अन्तर्गत अमूर्त आस्तियाँ	10.3	67.25	67.25
गैर मौजूदा निवेश		-	-
आस्थगित कर आस्तियाँ (शुद्ध)	11	426.89	427.99
दीर्घकालिक ऋण एवं अग्रिम	12	1,030.19	827.99
अन्य गैर मौजूदा आस्तियाँ	13	320.80	4,691.76
<b>वर्तमान आस्तियाँ</b>			
मौजूदा आस्तियाँ			
वस्तु सूचियाँ	14	346.51	438.04
प्राप्य व्यापार	15	1,389.71	1,595.56
नकद एवं बैंक अधिशेष	16	10,052.32	5,596.56
लघुकालिक ऋण एवं अग्रिम	17	181.72	250.11
अन्य वर्तमान आस्तियाँ	18	4,905.82	2,974.65
	<b>योग</b>	<b>24,089.68</b>	<b>22,321.87</b>

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं खाताओं पर पत्रियाँ 1 से 47

संगत पत्रियाँ वित्तीय विवरणियों का अभिन्न खंड है  
सम तिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुसार

**वास्ते राजेन्द्र प्रसाद**  
**सनदी लेखापाल**

**फर्म पंजीकरण क्र. 000203सी**

राहुल खण्डेलवाल  
साझेदार  
सदस्यता क्र.-079628  
स्थान - भिलाई  
तिथि - 10-06-2014

**वास्ते एवं निदेशक मण्डल - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की ओर से**

ए. पी. शर्मा  
कंपनी सचिव

बी. बी. सिंह  
निदेशक

एस. के. चक्रवर्ती  
सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)

एस. के. त्रिपाठी  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

**FERRO SCRAP NIGAM LIMITED**  
**BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH'2014**

₹ in lacs

Particulars	Note	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>EQUITY AND LIABILITIES</b>			
<b>Shareholders' funds</b>			
Share capital	2	200.00	200.00
Reserves and surplus	3	14,426.39	13,781.19
Money received against share warrants		-	-
Share application money pending allotment		-	-
<b>Non-current liabilities</b>			
Long term borrowings		-	-
Deferred tax liabilities (net)		-	-
Other Long term liabilities	4	369.76	297.11
Long-term provisions	5	3,042.98	2,836.28
<b>Current liabilities</b>			
Short-term borrowings	6	1,054.00	875.08
Trade payables	7	1,552.82	1,839.86
Other current liabilities	8	1,686.66	1,552.94
Short-term provisions	9	1,757.07	939.41
	<b>TOTAL</b>	<b>24,089.68</b>	<b>22,321.87</b>
<b>ASSETS</b>			
<b>Non-current assets</b>			
Fixed assets	10		
Tangible assets	10.1	5,277.67	5,271.01
Intangible assets	10.2	7.22	9.30
Capital work-in-progress	10.3	83.58	171.65
Intangible assets under development	10.3	67.25	67.25
Non-current investments		-	-
Deferred tax assets (net)	11	426.89	427.99
Long-term loans and advances	12	1,030.19	827.99
Other non-current assets	13	320.80	4,691.76
<b>Current assets</b>			
Current investments			
Inventories	14	346.51	438.04
Trade receivables	15	1,389.71	1,595.56
Cash and Bank Balance	16	10,052.32	5,596.56
Short-term loans and advances	17	181.72	250.11
Other current assets	18	4,905.82	2,974.65
	<b>TOTAL</b>	<b>24,089.68</b>	<b>22,321.87</b>
Significant Accounting Policies & Notes on Accounts	1 to 47		

The accompanying notes are integral part of the Financial Statements  
As per our report of even date

**For Rajendra Prasad**  
**Chartered Accountants**  
**FRN No. 000203C**

Rahul Khandelwal  
Partner  
Membership No. 079628  
Place : Bhilai  
Date : 10.06.2014

**For and on behalf of the Board of Directors of Ferro Scrap Nigam Limited**

A.P. Sharma  
Company Secretary

B.B. Singh  
Director

S.K. Chakraborty  
Assistant General Manager (F&A)

S.K. Tripathi  
Chairman and Managing Director

**फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड**  
**31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाता विवरणी**

₹ लाख में

ब्यौरा	पत्री	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
प्रचालनों से राजस्व			
सेवा की बिक्री	19	22,414.43	18,678.88
अन्य आय	20	1,373.24	1,102.57
<b>कुल राजस्व</b>		<b>23,787.67</b>	<b>19,781.45</b>
<b>खर्च</b>			
प्रयुक्त सामग्रियों की कीमत	21	3,177.40	2,718.88
कारोबार माल की खरीद		-	-
वस्तु-सूचियों में परिवर्तन		-	-
कर्मचारी अनुलाभ खर्च	22	8,303.84	7,507.31
वित्त लागतें	23	122.63	150.84
मूल्यहास व परिशोधन खर्च	10	1,288.69	1,065.86
अन्य खर्च	24	9,595.78	8,092.61
<b>कुल खर्च</b>		<b>22,488.34</b>	<b>19,535.50</b>
<b>असाधारण एवं खास मदें तथा कर के पूर्व लाभ</b>		<b>1,299.33</b>	<b>245.95</b>
असाधारण मदें	25	48.76	5.47
<b>पूर्वावधिक समायोजन एवं कर के पूर्व लाभ</b>		<b>1,250.57</b>	<b>240.48</b>
खास मदें		-	-
<b>खास मदें एवं कर पूर्व लाभ</b>		<b>1,250.57</b>	<b>240.48</b>
<b>जोड़ें-पूर्वावधिक आय/(खर्च)</b>	26	<b>(7.74)</b>	<b>12.08</b>
<b>कर पूर्व लाभ</b>		<b>1,242.83</b>	<b>252.56</b>
कर खर्च :			
(1) सामयिक कर		399.44	174.85
(2) आस्थगित कर		1.11	(118.35)
<b>सतत प्रचालनों से अवधि के लिए लाभ (हानि)</b>		<b>842.28</b>	<b>196.06</b>
<b>रुके प्रचालनों से लाभ /(हानि)</b>		<b>-</b>	<b>-</b>
<b>रुके प्रचालनों का कर खर्च</b>		<b>-</b>	<b>-</b>
<b>रुके प्रचालनों से लाभ/हानि (करोपरांत)</b>		<b>-</b>	<b>-</b>
<b>अवधि के लिए लाभ /(घाटा)</b>		<b>842.28</b>	<b>196.06</b>
प्रति साम्यांश उपार्जन : ( ₹1,000 प्रति अंकित मूल्य)			
(1) मौलिक	27	4,211.39	980.31
(2) तनूकृत	27	4,211.39	980.31
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ एवं खाताओं पर पत्रियाँ	1 से 47		

संगत पत्रियाँ वित्तीय विवरणियों का अभिन्न खंड है

सम तिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुसार

**वास्ते राजेन्द्र प्रसाद**

**सनदी लेखापाल**

**फर्म पंजीकरण क्र. 000203सी**

राहुल खण्डेलवाल

साझेदार

सदस्यता क्र.-079628

स्थान - भिलाई

तिथि - 10-06-2014

**वास्ते एवं निदेशक मण्डल - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की ओर से**

ए. पी. शर्मा

कंपनी सचिव

बी. बी. सिंह

निदेशक

एस. के. चक्रवर्ती

सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)

एस. के. त्रिपाठी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

**FERRO SCRAP NIGAM LIMITED**  
**STATEMENT OF PROFIT & LOSS FOR THE YEAR ENDED 31st MARCH'2014**

₹ in lacs

Particulars	Note	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Revenue From Operations</b>			
Sale of Services	19	22,414.43	18,678.88
Other income	20	1,373.24	1,102.57
<b>Total Revenue</b>		<u>23,787.67</u>	<u>19,781.45</u>
<b>Expenses :</b>			
Cost of materials consumed	21	3,177.40	2,718.88
Purchase of Stock-in-Trade		-	-
Change in Inventories		-	-
Employee benefits expense	22	8,303.84	7,507.31
Finance costs	23	122.63	150.84
Depreciation & amortisation expenses	10	1,288.69	1,065.86
Other expenses	24	9,595.78	8,092.61
<b>Total expenses</b>		<u>22,488.34</u>	<u>19,535.50</u>
<b>Profit before exceptional and extraordinary items and tax</b>		1,299.33	245.95
Exceptional items	25	48.76	5.47
<b>Profit before Prior Period Adjustments and tax</b>		1,250.57	240.48
Extraordinary Items		-	-
<b>Profit before extraordinary items &amp; tax</b>		1,250.57	240.48
<b>Add: Prior Period Income/(Expense)</b>	26	(7.74)	12.08
<b>Profit Before Tax</b>		1,242.83	252.56
Tax expense :			
(1) Current tax		399.44	174.85
(2) Deferred tax		1.11	(118.35)
<b>Profit (Loss) for the period from continuing operations</b>		<u>842.28</u>	<u>196.06</u>
<b>Profit / (loss) from discontinuing operations</b>		-	-
<b>Tax expense of discontinuing operations</b>		-	-
<b>Profit / (loss) from discontinuing operations (after tax)</b>		-	-
<b>Profit / (loss) for the period</b>		<u>842.28</u>	<u>196.06</u>
Earnings per equity share:(Face value ₹ 1,000 each)			
(1) Basic	27	4,211.39	980.31
(2) Diluted	27	4,211.39	980.31
Significant Accounting Policies & Notes on Accounts	1 to 47		

The accompanying notes are integral part of the Financial Statements

As per our report of even date

**For Rajendra Prasad**  
**Chartered Accountants**  
**FRN No. 000203C**

Rahul Khandelwal  
Partner  
Membership No. 079628  
Place : Bhilai  
Date : 10.06.2014

**For and on behalf of the Board of Directors of Ferro Scrap Nigam Limited**

A.P. Sharma  
Company Secretary

B.B. Singh  
Director

S.K. Chakraborty  
Assistant General Manager (F&A)

S.K.Tripathi  
Chairman and Managing Director

**फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड**  
**वर्ष 2013-14 के लिए नकदी प्रवाह विवरणी**

₹ लाख में

व्यौरा	2013 -14	2012 -13
<b>क. प्रचालन गतिविधियों से उत्पन्न नकदी प्रवाह</b>		
<b>लाभ एवं हानि की विवरणी के अनुसार कर तथा असाधारण मदों के पूर्व शुद्ध लाभ जोड़ें / (कटौती)</b>	<b>1,299.33</b>	245.95
अवमूल्यन तथा परिशोधन खर्च	1,288.69	1,065.86
सावधि जमा प्राप्तियों से ब्याज आय	(977.74)	(899.79)
<b>कार्यरत पूंजी परिवर्तनों के पूर्व परिचालित नकद लाभ जोड़ें / (कटौती)</b>	<b>1,610.28</b>	412.02
अल्पावधि उधार (प्रतिभूत) में वृद्धि / (कमी)	178.92	(1,808.18)
देय व्यापार में वृद्धि / (कमी)	(287.04)	(375.32)
अन्य वर्तमान दायित्वों में वृद्धि / (कमी)	133.72	5.30
अल्पावधिक प्रावधानों में वृद्धि / (कमी)	817.66	456.18
वस्तु सूचियों में वृद्धि / (कमी)	91.53	91.85
प्राप्य व्यापार में वृद्धि / (कमी)	205.85	386.81
अल्पावधिक ऋणों एवं अप्रिमों में वृद्धि / (कमी)	68.39	(65.40)
अन्य वर्तमान आस्तियों में वृद्धि / (कमी)	(8,309.31)	3,555.25
<b>प्रचालनों से उत्पन्न नकदी</b>	<b>5,490.00</b>	2,246.49
प्रत्यक्ष कर	399.44	174.85
<b>पूर्वावधिक समायोजनों के पूर्व नकदी प्रवाह जोड़ें : पूर्वावधिक आय</b>	<b>(5,889.44)</b>	2,483.66
<b>असाधारण मदों के पूर्व शुद्ध नकदी प्रवाह</b>	<b>(7.74)</b>	12.08
घटायें : असाधारण मदें शुद्ध खर्च	(5,897.18)	2,495.74
<b>असाधारण मदों के बाद प्रचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह जोड़ें / (कटौती)</b>	<b>(48.76)</b>	(5.47)
<b>गैरचालित वस्तु सूचियों में वृद्धि / (कमी)</b>	<b>(8.08)</b>	(28.10)
अन्य गैर वर्तमान आस्तियों में वृद्धि	4,061.30	(4,105.84)
अन्य दीर्घकालिक दायित्वों में वृद्धि / (कमी)	72.65	42.30
दीर्घकालिक प्रावधानों में वृद्धि / (कमी)	206.70	477.11
<b>असाधारण मदों के उपरांत प्रचालन गतिविधियों के दौरान तथा अन्य गैर वर्तमान आस्तियों एवं दायित्वों के समायोजन के उपरांत शुद्ध नकदी प्रवाह (बहिर्वाह)</b>	<b>4,332.57</b>	(3,614.53)
<b>ग. निवेश गतिविधियों से उत्पन्न नकदी प्रवाह</b>	<b>(1,613.37)</b>	(1,124.26)
<b>अन्तर्वाह :</b>		
पूंजीगत परियोजनाओं के लिए वस्तु-सूची में कमी	-	117.45
स्थायी आस्तियों के बट्टा-खाता सहित विक्रय	118.24	86.13
प्राप्त ब्याज	977.74	899.79
<b>बहिर्वाह :</b>		
निपटान के इंतजार में मृत आस्तियों	44.83	67.37
कार्यानुगत पूंजी से शुद्ध अंतरण स्थायी आस्तियों का अर्जन	1,323.44	912.74
पूंजीगत परियोजनाओं के लिए वस्तु सूची में वृद्धि	-	-
निवेश गतिविधियों के दौरान शुद्ध नकदी अंतर्वाह/(बहिर्वाह)	1,368.27	980.11
<b>ग. वित्तीय गतिविधियों से उत्पन्न नकदी प्रवाह</b>	<b>(272.29)</b>	123.26
<b>अन्तर्वाह</b>		
<b>बहिर्वाह :</b>		
प्रदत्त लाभांश	168.45	40.00
लाभांश वितरण कर	28.63	6.49
<b>वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकदी</b>	<b>197.08</b>	46.49
<b>नकदी एवं समतुल्य नकदी में शुद्ध वृद्धि (क + ख + ग)</b>	<b>(2,082.74)</b>	(1,047.49)
<b>नकदी एवं समतुल्य नकदी (आरम्भिक)</b>	<b>2,585.06</b>	3,632.55
<b>नकदी एवं समतुल्य नकदी (अंतिम)</b>	<b>502.32</b>	2,585.06

सम तिथि के हमारे प्रतिवेदन के अनुसार

**वास्ते राजेन्द्र प्रसाद**

**सनदी लेखापाल**

**फर्म पंजीकरण क्र. 000203सी**

राहुल खण्डेलवाल

साझेदार

सदस्यता क्र.-079628

स्थान - भिलाई

तिथि - 10-06-2014

**वास्ते एवं निदेशक मण्डल - फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड की ओर से**

ए. पी. शर्मा  
कंपनी सचिव

बी. बी. सिंह  
निदेशक

एस. के. चक्रवर्ती  
सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)

एस. के. त्रिपाठी  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



**FERRO SCRAP NIGAM LIMITED**  
**CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR 2013-14**

₹ in lacs

Particulars	2013-14	2012-13
<b>A. Cash flow arising from Operating Activities</b>		
<b>Net Profit before Tax and Exceptional items as per Statement of Profit and Loss:</b>	<b>1,299.33</b>	<b>245.95</b>
<b>Add / (Deduct) :</b>		
Depreciation and Amortisation expenses	1,288.69	1,065.86
Interest Income from FDR	(977.74)	(899.79)
<b>Operating cash profit before working capital changes</b>	<b>1,610.28</b>	<b>412.02</b>
<b>Add / (Deduct) :</b>		
Increase / (Decrease) in Short Term Borrowing (secured)	178.92	(1,808.18)
Increase / (Decrease) in Trade Payables	(287.04)	(375.32)
Increase / (Decrease) in Other Current Liabilities	133.72	5.30
Increase / (Decrease) in Short Term Provisions	817.66	456.18
(Increase) / Decrease in Inventories	91.53	91.85
(Increase) / Decrease in Trade Receivable	205.85	386.81
(Increase) / Decrease in Short Term Loans & Advances	68.39	(65.40)
(Increase) / Decrease in Other Current Assets	(8,309.31)	3,555.25
<b>Cash generated from operations</b>	<b>(5,490.00)</b>	<b>2,658.51</b>
<i>Direct Taxes</i>	<i>399.44</i>	<i>174.85</i>
<b>Cash flow before prior period adjustments</b>	<b>(5,889.44)</b>	<b>2,483.66</b>
<i>Add : Prior Period Income</i>	<i>(7.74)</i>	<i>12.08</i>
<b>Net Cash Flow before Exceptional Items</b>	<b>(5,897.18)</b>	<b>2,495.74</b>
<i>Less: Exceptional Items (Net Expenses)</i>	<i>(48.76)</i>	<i>(5.47)</i>
<b>Net Cash flow from operating activities after Exceptional Items</b>	<b>(5,945.94)</b>	<b>2,490.27</b>
<b>Add / (Deduct) :</b>		
(Increase) / Decrease in Non Moving Inventories	(8.08)	(28.10)
(Increase) / Decrease in Other Non Current Assets	4,061.30	(4,105.84)
Increase / (Decrease) in Other Long term liabilities	72.65	42.30
Increase / (Decrease) in Long-term provisions	206.70	477.11
	<b>4,332.57</b>	<b>(3,614.53)</b>
<b>Net Cash Inflow/(outflow) in the course of operating activities after exceptional items and after adjustment of Other Non Current Assets &amp; Liabilities</b>	<b>(1,613.37)</b>	<b>(1,124.26)</b>
<b>B. Cash flow arising from Investing Activities</b>		
<b>Inflow :</b>		
Decrease in Inventory for Capital Projects	-	117.45
Sale including write off of Fixed Assets	118.24	86.13
Interest received	977.74	899.79
	<b>1,095.98</b>	<b>1,103.37</b>
<b>Outflow :</b>		
Tangible Assets Awaiting Disposal	44.83	67.37
Acquisition of fixed assets net of transfer from CWIP	1,323.44	912.74
Increase in Inventory for Capital Projects	-	-
	<b>1,368.27</b>	<b>980.11</b>
<b>Net Cash inflow/ (Outflow) in the course of Investing Activities</b>	<b>(272.29)</b>	<b>123.26</b>
<b>C. Cash flow arising from Financing Activities</b>		
<b>Inflow</b>		
<b>Outflow :</b>		
Dividend Paid	168.45	40.00
Dividend Distribution tax	28.63	6.49
	<b>197.08</b>	<b>46.49</b>
<b>Net Cash from Financing Activities</b>	<b>(197.08)</b>	<b>(46.49)</b>
<b>Net increase in Cash and Cash Equivalents ( A+B+C)</b>	<b>(2,082.74)</b>	<b>(1,047.49)</b>
<b>Cash &amp; Cash Equivalents ( Opening )</b>	<b>2,585.06</b>	<b>3,632.55</b>
<b>Cash &amp; Cash Equivalents ( Closing )</b>	<b>502.32</b>	<b>2,585.06</b>

As per our report of even date

**For Rajendra Prasad**  
**Chartered Accountants**  
**FRN No. 000203C**

Rahul Khandelwal  
Partner  
Membership No. 079628  
Place : Bhilai  
Date : 10.06.2014

**For and on behalf of the Board of Directors of Ferro Scrap Nigam Limited**

A.P. Sharma  
Company Secretary

B.B. Singh  
Director

S.K. Chakraborty  
Assistant General Manager (F&A)

S.K.Tripathi  
Chairman and Managing Director

## फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड

### निगमित जानकारी

फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड संयुक्त क्षेत्र की एक कम्पनी है जो दिनांक 28.03.1979 को निगमित हुई। वर्तमान में यह इस्पात मंत्रालय के अधीन “मिनी रत्न II” सार्वजनिक क्षेत्र (आईएमएस प्रमाणित) भारत सरकार की कम्पनी है। यह एमएसटीसी लिमिटेड की पूर्णतः स्वामित्व की सहायिका है। एफएसएनएल इस्पात संयंत्रों में लौह एवं इस्पात निर्माण के दौरान जनित स्लैग तथा अपशिष्ट से स्क्रैप की रिकवरी और प्रक्रमण के कार्यों को करती है। फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार धमन भट्टियों एवं स्लैग बाड़ा में इस्पात गलन शाला स्लैग की खुदाई व ढुलाई, लौह व इस्पात स्कलों का प्रक्रमण, मिल अस्वीकृतों तथा स्क्रैप रख-रखाव के लिए विशेषीकृत सेवाएँ प्रदान करता है। एफएसएनएल सिल्लियों का आच्छादन, सिन्टर संयंत्र, धमन भट्टी तथा रेल रोड़ी में प्रयुक्त किए जाने वाले एलडी स्लैग की पिसाई तथा छलावरण के कार्यों को भी करता है। यह गाद उपखंडों तथा राख कुण्डों से जमा गाद व राख हटाता है। कंपनी एमएसटीसी लिमिटेड, एसटीसी लिमिटेड तथा हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के पक्षकारों को गोदाम प्रबंधन सेवा भी प्रदान करती है।

### 1. महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

#### 1.1 लेखांकन के आधार

वित्तीय विवरणियों को सामान्यतः स्वीकार्य लेखा सिद्धान्तों, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 211 (3सी) तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा के परिप्रेक्ष्य में कारपोरेट मामलों के मंत्रालय के सामान्य परिपत्र 15/2013, दिनांक 13 सितंबर, 2013 के साथ पठित उसके संबद्ध प्रावधानों के अन्तर्गत अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार लेखांकन की संभूति आधार पर ऐतिहासिक लागत समागम के तहत एक चालू समुत्थान के रूप में तैयार किया जाता है।

#### 1.2 प्राक्कलनों का उपयोग

वित्तीय विवरणियाँ को बनाने में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा सिद्धान्तों के साथ अनुरूपता में प्राक्कलनों तथा उसको प्रभावित करने वाले अनुमानों की जरूरत होती है जिसका प्रभाव वित्तीय विवरणियों की तिथि पर आस्तियों के प्रतिवेदित रकमों तथा दायित्वों एवं प्रतिवेदित अवधि के दौरान राजस्वों और व्ययों के प्रतिवेदित रकमों पर पड़ता है। वास्तविक परिणामों तथा प्राक्कलनों के मध्य में भिन्नताओं, यदि कोई हो, को अवधि, जिसमें परिणाम ज्ञात/कार्यान्वित होता है, में माना जाता है।

#### 1.3 स्थायी आस्तियाँ

स्थायी आस्तियाँ संचित अवक्षयण तथा ह्रास, यदि कोई हो, उपयुक्त अशोधित मूल्य योजित कर प्रणाली (मोडवैट)/केन्द्रीय मूल्य योजित कर (सेनवैट) की शुद्ध लागत से कम पर कथित है। अपने उत्पादकता को बढ़ाने हेतु मुख्य मरम्मत/पूरी जाँच पर विचारित व्यय लागत में समाहित है।

कार्यानुगत पूंजी का मूल्यांकन लागत पर है तथा जिसमें पारगमन में उपस्कर तथा स्थायी आस्तियों की लागत, जो कि वृत्तान्त तारीख में उसके आशयित उपयोग के लिए अब तक तैयार नहीं है, समाहित है।

बेकार/फालतू स्थायी आस्तियाँ शुद्ध खाता मूल्य तथा अनुमानित शुद्ध प्राप्त मूल्य के निम्नतर पर मूल्यांकित है।

“निपटान की प्रतीक्षा में स्थायी आस्तियाँ” अपने शुद्ध अवलेखित मूल्य पर “अन्य गैर-मौजूदा आस्तियाँ” के तहत वर्गीकृत है क्योंकि इन आस्तियों को सामान्य सतत प्रचालनों से पहले ही सेवामुक्त कर दिया गया है तथा केवल विक्रय/नीलामी के लिए रखा हुआ है। हालांकि, जहाँ प्रबंधन को उम्मीद है कि कथित आस्तियों का कोई भाग तुलन-पत्र तिथि पर एक वर्ष के दौरान निबटारा होना संभावित होता है तो उसे वर्तमान आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

#### 1.4 विमूल्यन

स्थायी आस्तियों पर विमूल्यन को संयंत्र एवं मशीनरी की मुख्य मरम्मत/पूरी जाँच के परिप्रेक्ष्य में पूंजीकृत व्यय, जो कि अंतर्निहित आस्तियों के अवशष्ट जीवन को ध्यान में रखकर अनुमानित दर पर, जो कि इस तरह की मरम्मत/पूरी जाँच के अधीन था, पर विमूल्यित है, को छोड़कर दरों पर एवं कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनुच्छेद-14 में वर्णित रीति में खड़ी रेखा पद्धति पर दिया गया है। इसके अलावा विमूल्यन आस्तियों के निम्नलिखित श्रेणी पर तकनीकी मूल्यांकित अनुमानित उपयोगी जीवन के आधार पर अवधारित दरों, जिसे नीचे दर्शाया गया है, पर विमूल्यन प्रभारित है :

गरम स्लैग हैण्डलिंग हेतु प्रयुक्त संयंत्र एवं मशीनरी :	20.00 प्रतिशत
पंखे, वातानुकूलन, कूलर, रेफ्रिजरेटर तथा कार्यालय उपस्कर :	13.91 प्रतिशत
अमूर्त आस्तियों के रूप में वर्गीकृत संगणक सॉफ्टवेयर :	16.21 प्रतिशत
डोजर :	13.60 प्रतिशत
एक्सकाव्हेटर 1.2 से 5 घन मीटर :	13.60 प्रतिशत
क्रेन :	6.40 प्रतिशत
चुम्बकीय सेपरेटर :	6.40 प्रतिशत

## FERRO SCRAP NIGAM LIMITED

### Corporate Information

Ferro Scrap Nigam Limited is a joint sector company, incorporated on 28-3-1979. Presently it is "Mini Ratna II PSU" (IMS Certified) a Government of India company under Ministry of Steel. It is a wholly owned subsidiary of MSTC Limited. FSNL undertakes the job of recovery and processing of scrap from slag and refuse generated during iron and steel making at Steel Plants. Ferro Scrap Nigam Limited Offers specialized services for Dig and haul of Blast Furnaces & Steel Melting Shop slag at slag yards, Processing of iron and steel skulls, mill rejects & maintenance scrap as per customer's requirement. FSNL also offers scarfing of slabs, crushing and screening of LD slag to be used in sinter plant, blast furnace and rail ballast. It removes sludge & ash deposit from sludge compartments & ash ponds. The company is also providing warehouse management service to the clients of MSTC Limited, STC Limited and Haldia Petrochemicals Limited.

### 1. SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

#### 1.1. BASIS OF ACCOUNTING

The financial statements are prepared as of a going concern under historical cost convention on accrual basis of accounting in accordance with the generally accepted accounting principles, Accounting Standards notified under Sec 211(3C) of the Companies Act, 1956 and the relevant provisions thereof read with the General Circular 15/2013 dated 13th September 2013 of the Ministry of Corporate Affairs in respect of section 133 of the Companies Act, 2013.

#### 1.2. USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements in conformity with generally accepted accounting principles require estimates and assumptions to be made that affect the reported amounts of assets and the liabilities on the date of the financial statements and the reported amounts of revenues and expenses during the reported period. Differences between actual results and estimates, if any, are recognized in the period in which results are known / materialized.

#### 1.3. FIXED ASSETS

Fixed Assets are stated at cost net of eligible modvat / cenvat less accumulated depreciation and impairments, if any. Cost includes the expenditure on major repairs / overhauling considered to have enhanced their productivity.

Capital Work-in-Progress is valued at cost and includes equipment in transit and the cost of fixed assets that are not yet ready for their intended use at the reporting date.

The Scraped/redundant fixed assets are valued at lower of the net book value and estimated net realizable value.

"Fixed Assets Awaiting Disposal" is classified under "Other non-current Assets" at their net written down value since these assets have already been retired from normal continuing operations and is held only for sale/auction. Further, where the management expects that any part of said asset is likely to be disposed off within one year on the Balance Sheet date, the same are classified as current assets.

#### 1.4. DEPRECIATION

Depreciation on fixed assets has been provided on Straight-line method at the rates and in the manner prescribed in schedule XIV to the Companies Act, 1956 except for capital expenditure in respect of major repairs / overhauling of plant and machinery which is depreciated at rate worked out taking into consideration the residual life of the underlying assets that was subject to such repair /overhaul. Moreover on the following class of assets depreciation is charged at rates determined on the basis of technically assessed estimated useful life as shown hereunder.

Plant and Machinery used for hot slag handling	20.00%
Fans, Air-Conditioners, Cooler, Refrigerator and Office Equipment	13.91%
Computer Software classified as Intangible Asset	16.21%
Dozer	13.60%
Excavators 1.2 to 5 Cum	13.60%
Crane	6.40%
Magnetic Separators	6.40%

लेखांकन नीति में परिवर्तन (स्थायी आस्तियों की कुछ श्रेणी में विमूल्यन की दर में परिवर्तन) :

दिनांक 24 सितंबर, 2013 को आयोजित अपनी 149वीं बैठक में निदेशक मण्डल ने कथित उपस्करों के उनके परिशोधित उपयोगी जीवन तथा विगत कार्य के आधार पर आस्तियों की कुछ श्रेणी के लिए सर्वेक्षण मानदंडों में संशोधन किया है तथा तदनुसार विमूल्यन की दर संशोधित की गयी है जिसका ब्यौरा नीचे तालिका में दर्शाया गया है :

क्रम सं.	आस्तियों की श्रेणी	प्रतिशतता में 31 मार्च, 13 तक विमूल्यन की दर	प्रतिशतता में 1 अप्रैल, 13 के प्रभाव से प्रयोज्य विमूल्यन की दर
1.	डोजर	10.34	13.60
2.	एक्सकाव्हेटर 1.2 से 5 घन मीटर	10.34	13.60
3.	क्रेन	10.34	6.40
4.	चुम्बकीय सेपरेटर	10.34	6.40

विमूल्यन की दर में उक्त परिवर्तन के कारण संव्ययी प्रभाव से 31.03.2013 तक ₹ 290.85 लाख (शुद्ध) का अतिरिक्त विमूल्यन रकम प्रभावित हुआ तथा उसे अनिवार्य एएस-6 “विमूल्यन लेखांकन” के अनुसार सम्प्रति वर्ष विमूल्यन में समाहित किया गया।

#### 1.5 आस्तियों की क्षीणता

क्षीणता क्षति की वहनीय रकम की सीमा से बढ़ाकर उसकी वसूली योग्य रकम तक की जाती है। क्षीणता क्षति को वर्ष में लाभ एवं हानि खाता से प्रभारित किया जाता है जिसे आस्ति क्षीणता के रूप में समझी जाती है।

#### 1.6 वस्तु सूचियाँ

असंचलित वस्तु सूचियों की तुलना में वस्तु सूचियाँ लागत अथवा अनुमानित शुद्ध प्राप्त मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित है। लागत में मूल्य, विक्रय कर/मूल्य समाहित कर, मालभाड़ा तथा अपने वर्तमान स्थान तथा स्थिति से वस्तु सूचियाँ लाने में व्यवहृत सभी अन्य लागत समाहित है किन्तु उस माल पर आबकारी शुल्क पृथक है जहाँ कम्पनी केन्द्रीत मूल्य योजित कर (सेनवैट) साख नियम, 2004 के नियम 3 (1) के अनुसरण में केन्द्रीत मूल्य योजित कर (सेनवैट) साख लेने के योग्य है।

वस्तु सूची मदें, जिसे तीन वर्षों से अधिक अवधि से संचलित नहीं किया गया, को असंचलित वस्तु सूचियों के रूप में माना गया। असंचलित वस्तु सूचियों का मूल्यांकन वर्ष 2001-2002 से प्रति वर्ष लागत के दस प्रतिशत तक घटाकर निर्धारित है।

स्क्रेप/अनावश्यक भण्डारण मदें लागत अथवा शुद्ध प्राप्य मूल्य, जो भी कम हो, पर मूल्यांकित है।

#### 1.7 उधार लागतें

उधार लागतें उस अवधि में व्यय के रूप में अभिज्ञात है, जिसमें वह खर्च हुआ, जहाँ उधार लागतों, जो कि अर्हकारी आस्तियों के अधिग्रहण, निर्माण अथवा उत्पादन से उसके आशयित उपयोग के लिए रखने तक प्रत्यक्ष रूप से आरोग्य है, की सीमा को छोड़कर उस आस्तियों के लागत के भाग के रूप में पूंजीकृत है।

#### 1.8 कर्मचारी अनुलाभ

##### क) भविष्य निधि :

भविष्य निधि आयकर प्राधिकरण द्वारा मान्यताप्राप्त न्यास से प्रबंधित किया जाता है तथा इस कोष के अंशदान को राजस्व को प्रभारित किया जाता है। वृत्ति भोगी अनुलाभों को कर्मचारी पेंशन योजना, 1995 के द्वारा सुरक्षित किया जाता है।

##### ख) सेवा उपादान :

सेवा उपादान के परिप्रेक्ष्य में दायित्व को भारतीय जीवन बीमा निगम के समूह उपादान जीवन बीमा योजना के तहत अन्तर्निहित किया जाता है तथा इसे इस उद्देश्य हेतु कम्पनी द्वारा सृजित पृथक स्थिर न्यास के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है। योजना के लिए अंशदान राजस्व को प्रभारित किया जाता है।

##### ग) परिवार अनुलाभ योजना :

कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना के अन्तर्गत निर्योग्य/दिवंगत कर्मचारियों के कानूनी वारिसों को भावी भुगतानों से संबंधित प्रावधान को वर्ष के अंत में वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर बनाया जाता है एवं वास्तविक नफाओं/नुकसान के साथ लाभ एवं हानि खाता को प्रभारित किया जाता है।

*Change in Accounting Policy (Changes in Rate of Depreciation in some class of Fixed Assets):*

*The Board of Directors vide its 149<sup>th</sup> meeting held on 24<sup>th</sup> September'2013 has made amendments in the survey off norms for some class of assets based on their revised useful life and past performance of said equipments and accordingly have revised the rate of depreciation of which details are provided in table below :*

<i>Sl. No.</i>	<i>Class of Asset</i>	<i>Rate of Depreciation upto 31<sup>st</sup> March'13 in %</i>	<i>Rate of Depreciation as applicable w.e.f. 01<sup>st</sup> April'13 in %</i>
1	Dozer	10.34	13.60
2	Excavators 1.2 to 5 Cum	10.34	13.60
3	Crane	10.34	6.40
4	Magnetic Separators	10.34	6.40

*The cumulative impact due to above changes in the rate of depreciation has resulted in additional depreciation amounting to ₹ 290.85 Lakhs (net) upto 31.03.2013, the same is included in current year depreciation in accordance with mandatory AS-6 "Depreciation Accounting".*

#### **1.5. IMPAIRMENT OF ASSETS**

Impairment loss is provided to the extent of the carrying amount exceeds their recoverable amount. An impairment loss is charged to the profit & loss account in the year in which an asset is identified as impaired.

#### **1.6. INVENTORIES**

Inventories other than non-moving inventories are valued at cost or estimated net realizable value whichever is less. Cost includes price, sales tax/VAT, freight and all other costs incurred in bringing the inventories to their present location and condition but exclude excise duty on such goods where the company is eligible to take cenvat credit in accordance with rule 3 (1) of the Cenvat Credit Rules'2004.

The inventory items, which have not moved for more than three years, are considered as non-moving inventories. Non-moving inventories are valued at cost reduced by ten percent of cost every year from the year 2001-2002.

The scrapped / redundant stores items are valued at cost or estimated net realizable value whichever is lower.

#### **1.7. BORROWING COSTS**

Borrowing costs are recognized as an expense in the period in which they are incurred, except to the extent where borrowing costs that are directly attributable to the acquisition, construction, or production of an qualifying asset till put into its intended use is capitalized as part of the cost of that asset.

#### **1.8. EMPLOYEE BENEFITS**

##### **(a) Provident Fund :**

Provident Fund is administered by a Trust recognized by Income Tax Authorities and contribution to this Fund is charged to revenue. Pensioners Benefits are secured through Employees' Pension Scheme 1995.

##### **(b) Service Gratuity :**

Liability on account of service gratuity is covered under Group Gratuity Life Assurance Scheme of Life Insurance Corporation of India and is administered through a separate irrevocable trust created by the Company for this purpose. Contribution to the scheme is charged to revenue.

##### **(c) Family Benefit Scheme:**

The provision towards future payments to the disabled employee/ legal heirs of deceased employees under the Employees Family Benefit Scheme is made based on the actuarial valuation as at the end of the year and charged to the profit and loss account along with actuarial gains/losses.

घ) **अन्य अनुलाभ :**

प्रोद्भूत छुट्टी, दीर्घवधिक सेवा पुरस्कार, सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा तथा उपनिवेश अनुलाभों के लिए प्रावधान को वर्ष के अंत में वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर बनायी जाती है एवं वास्तविक नफाओं/नुकसानों के साथ लाभ एवं हानि खाता को प्रभारित किया जाता है।

1.9 **पूर्वावधिक समायोजन :**

पूर्व अवधि से संबंधित प्रत्येक मामले में दस हजार रुपये से अधिक नहीं के आय/व्यय को सम्प्रति वर्ष के आय/व्यय के रूप में माना जाता है।

1.10 **सेवा प्रभार**

सेवा प्रभार संबंधित इस्पात संयंत्रों को सहमत/अनुदित दरों पर कंपनी द्वारा किए गए स्क्रेप के प्रकमण तथा विविध कार्यों के लिए अर्जित आय को दर्शाता है।

विविध देनदारों को संबंधित इस्पात संयंत्रों से सहमत/प्रस्तावित/कार्यान्वित करने हेतु अनुमानित सेवा प्रभार की दरों के आधार पर दर्शाया जाता है।

1.11 **विदेशी मुद्रा संव्यवहार**

कल-पूजों तथा पूंजीगत मदों के आयात के लिए अपेक्षित रकम का भुगतान मालों के आयात हेतु साख-पत्र के द्वारा दस्तावेजों की परक्रामण की तिथि पर विनिमय दर पर परिवर्तित भारतीय मुद्रा में किया जाता है।

1.12 **उपस्कर बीमा :**

उपस्कर की प्रकृति तथा बीमा की भारी लागत, जिससे किसी भी बीमा अनुलाभ में परिणाम की संभावना नहीं है, को देखते हुए गरम पिट के दायरे में कार्यरत उपस्करों को छोड़कर कंपनी के स्वामित्व वाले संयंत्र तथा मशीनरी प्रबंधन की नीति के मामले के रूप में किसी भी तरह के जोखिम/क्षति के विरुद्ध बीमित नहीं है।

1.13 **आयकर :**

सम्प्रति आयकर दायित्व के लिए अनुज्ञेय कर छूटों, कटौतियों तथा नामंजूरियों को ध्यान में रखकर आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर योग्य आय पर प्रावधान बनाया गया है। इस दायित्व की संगणना प्रयोज्य कर दर अथवा आयकर अधिनियम, 1961 के 115 जे बी धारान्तर्गत न्यूनतम वैकल्पिक कर दर, जैसा भी मामला हो, पर की जाती है।

अतिरिक्त आय कर अथवा निगमित लाभांश कर वर्ष, जिसमें कम्पनी द्वारा कथित लाभांश की घोषणा, वितरण अथवा भुगतान की जाती है, के लिए प्रयोज्य दरों के आधार पर प्रदान की जाती है।

1.14 **आस्थगित कर**

आस्थगित कर आस्ति अथवा दायित्व के सृजन हेतु आयकर एवं वित्तीय विवरणी के अनुसार खाता लाभों के लिए अभिकल्पित लाभों को बीच कालमापन भिन्नताओं के कारण उदित आस्थगित कर दायित्व के लिए भी प्रावधान बनाया गया है। यह दायित्व तभी मान्य है यदि यहाँ युक्तिसंगत निश्चितता होगी कि आस्थगित कर आस्तियों/दायित्व सृजित होगी तथा प्रत्येक तुलन-पत्र तिथि पर पुनर्विलोकित होगी। इस दायित्व की संगणना प्रयोज्य कर दर अथवा आयकर अधिनियम, 1961 के 115जेबी धारान्तर्गत न्यूनतम वैकल्पिक दर, जैसा भी मामला हो, पर की जाती है। कालमापन भिन्नताओं से उत्पन्न आस्थगित कर आस्तियों को उस सीमा तक माना गया है जहाँ वास्तविक निश्चितता हो कि आस्तियाँ भविष्य में प्राप्त की जा सकती है।

1.15 **खंड प्रतिवेदन**

खंडों की पहचान :

कम्पनी की प्रचालन कारोबारों उत्पादों की प्रकृति तथा प्रत्येक खंडों के साथ प्रदान की गयी सेवाओं के अनुसार अलग से संयोजित व प्रबंधित है, एक सामारिक व्यापार इकाई का प्रतिनिधित्व करता है जो भिन्न उत्पादों एवं अन्य बाजारों की सेवाएँ प्रदान करता है। भौगोलिक खंडों का विश्लेषण क्षेत्रों पर आधारित है जिसमें कम्पनी की प्रमुख प्रचालन खंडें संचालित है।

अंतः खंड अंतरण :

कम्पनी सामान्यतः अंतः खंड विक्रयों तथा अंतरणों के लिए गणना करती है कि यदि विक्रय अथवा अंतरणें सम्प्रति बाजार मूल्यों पर अन्य पक्षों को किए गए थे।

**(d) Other benefits :**

The provision towards accrued leave, long term service award, post retirement medical and settlement benefits, are made based on the actuarial valuation as at the end of the year and charged to the profit and loss account along with actuarial gains/losses.

**1.9. PRIOR PERIOD ADJUSTMENTS**

Income / expenditure relating to prior period not exceeding rupees ten thousand in each case is treated as income / expenditure of the current year.

**1.10. SERVICE CHARGES**

Service charges represent the income earned for processing of scrap and miscellaneous jobs done by the Company at the rates agreed with / offered to the respective Steel Plants.

Sundry Debtors are shown based on rates of service charges agreed with / offered to / expected to realize from the respective Steel Plants.

**1.11. FOREIGN CURRENCY TRANSACTION**

The amount required for import of spare parts and capital items are paid in Indian currency converted at the exchange rate on the date of negotiation of documents through Letter of Credit for import of goods.

**1.12. EQUIPMENT INSURANCE**

Keeping in view the nature of equipment and heavy cost of insurance not likely to result in any insurance benefit, the plant and machinery owned by the Company is not insured against any kind of risk / loss as a matter of management policy except equipments working near hot pit area.

**1.13. INCOME TAX**

Provision for current income tax liability is made on Taxable Income under Income Tax Act, 1961 after considering permissible tax exemptions, deductions and disallowances. This liability is calculated at the applicable tax rate or minimum alternate tax rate u/s 115JB of The Income Tax Act, 1961 as the case may be.

Additional income tax or corporate dividend tax is provided on the basis of rates applicable for the year in which the said dividend is declared, distributed or paid by the company.

**1.14. DEFERRED TAX**

Provision is also made for deferred tax liability arising due to timing differences between profits computed for Income tax and the book profits as per the financial statement, for creation of a deferred tax asset or a liability. This liability is recognized only if there is a reasonable certainty that the deferred tax assets / liability will be created and are reviewed at each balance sheet date. This liability is calculated at the applicable tax rate or minimum alternate tax rate u/s 115JB of the Income Tax Act, 1961 as the case may be. Deferred tax assets arising from timing differences are recognized to the extent there is reasonable certainty that the assets can be realized in future.

**1.15. SEGMENT REPORTING**

*Identification of segments:*

The Company's operating businesses are organised and managed separately according to the nature of products and services provided, with each segment representing a strategic business unit that offers different products and serves different markets. The analysis of geographical segments is based on the areas in which major operating divisions of the Company operate.

*Inter segment Transfers:*

The Company generally accounts for intersegment sales and transfers as if the sales or transfers were to third parties at current market prices.

आम लागतों का आवंटन :

आम आवंटन लागतें कुल आम लागतों के लिए प्रत्येक खंड के सापेक्षिक योगदान के अनुसार आवंटित कर रहा है।

अनावंटित मदें :

समष्टिगत तथा अन्य खंड में सामान्य समष्टिगत आय एवं व्यय मदें शामिल हैं जिसे किसी व्यापार खंड को आवंटित नहीं किया गया है।

1.16 **प्रावधान सांयोगिक देयताएँ तथा सांयोगिक आस्तियाँ :**

देनदारियाँ, जो भौतिक हैं तथा जिसके भविष्य परिणाम को यथोचित निर्धारित नहीं किया जा सकता है, को प्रासंगिक के रूप में माना गया है एवं खाता-पत्रियों के माध्यम से व्यवस्था तथा खुलासा नहीं किया गया। प्रत्येक तुलन-पत्र तिथि को इसकी समीक्षा की जाती है तथा प्रबंधन द्वारा मूल्यांकित योग्यता आधार पर संबंधित प्रकरणों के अंतिम निपटान को ध्यान में रखते हुए हुए वर्तमान प्रबंधन प्राक्कलन प्रतिबिंबित करने समायोजित किया जाता है।

सांयोगिक आस्तियाँ वित्तीय विवरणियों में स्वीकार्य अथवा अनावृत्त नहीं हैं।

प्रावधान स्वीकृत हैं जहाँ कम्पनी ने कोई विधिक अथवा रचनात्मक कर्तव्य या जहां दायित्व की राशि के लिए विश्वसनीय प्राक्कलन को बनाया जा सकता है, तथा अतीत की घटनाओं के परिणामस्वरूप, जिसके लिए यह संभाव्य है कि तुलन पत्र तिथि को दायित्व का निपटारा करने आर्थिक अनुलाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी। प्रत्येक तुलन पत्र तिथि पर इसकी समीक्षा की जाती है तथा वर्तमान उत्तम प्राक्कलन प्रतिबिंबित करने समायोजित किए जाते हैं।



*Allocation of common costs:*

Common allocable costs are allocated to each segment according to the relative contribution of each segment to the total common costs.

*Unallocated items :*

The Corporate and Other segment includes general corporate income and expense items which are not allocated to any business segment.

**1.16. PROVISIONS, CONTINGENT LIABILITIES AND CONTINGENT ASSETS**

Liabilities which are material and whose future outcome cannot be reasonably ascertained are treated as contingent and not provided for and disclosed by way of notes to the accounts. These are reviewed at each Balance Sheet date and are adjusted to reflect the current management estimate considering final disposal of respective cases on merit basis as assessed by the management.

Contingent assets are not recognized or disclosed in the financial statements.

Provisions are recognised, where the Company has any legal or constructive obligation or where reliable estimate can be made for the amount of the obligation and as a result of past events, for which it is probable that an outflow of economic benefits will be required to settle the obligation at the balance sheet date. These are reviewed at each balance sheet date and adjusted to reflect the current best estimates.

खाताओं की पत्रियाँ  
पन्नी 2 : अंश पूंजी

₹ में अन्यथा कथित को छोड़कर

ब्यौरा	31 मार्च 2014 को स्थिति		31 मार्च 2013 को स्थिति	
	संख्या	रकम ₹	संख्या	रकम ₹
<b>प्राधिकृत</b>				
₹1000 प्रत्येक का साम्यांश	20,000	20,000,000.00	20,000	20,000,000.00
<b>निर्गत, समर्थित तथा प्रदत्त</b>				
₹ 1000 प्रत्येक का साम्यांश	20,000	20,000,000.00	20,000	20,000,000.00
<b>योग</b>	<b>20,000</b>	<b>20,000,000.00</b>	<b>20,000</b>	<b>20,000,000.00</b>

कम्पनी सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है तथा पूर्णतया एमएसटीसी लि. के स्वामित्व में है।

कम्पनी के पास साम्यांश के रूप में उल्लिखित अंशों का केवल एक वर्ग है जिसका अंकित मूल्य ₹1000/- है। साम्यांशों का प्रत्येक धारक लाभांश तथा प्रति अंश एक मत के हकदार हैं।

कम्पनी भारतीय रूपयों में लाभांश की घोषणाएँ तथा भुगतान करती है। लाभांश की मात्रा सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए लागू लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों पर आधारित है। निदेशक मण्डल द्वारा प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक आम बैठक में अंशधारियों के अनुमोदन के अधीन है।

कंपनी के परिसमापन की स्थिति में, साम्यांशों के धारक समस्त अधिमान्य रकमों के वितरण पश्चात कम्पनी की बची आस्तियों को प्राप्त करने के हकदार होंगे। जबकि वर्तमान में ऐसी कोई अधिमान्य रकमें मौजूद नहीं है। वितरण अंशधारकों द्वारा धारित साम्यांशों की संख्या के अनुपात में होगा।

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के दौरान, कम्पनी ने प्रति साम्यांश रकम ₹ 842.28 लाभांश की प्रस्ताव की है। कुल लाभांश विनियोग की रकम ₹197.08 लाख है जिसमें ₹28.63 लाख का निगमित लाभांश कर शामिल है।

**बकाया अंशों की संख्या का समन्वय**

ब्यौरा	साम्यांश			
	31 मार्च 2014 को स्थिति		31 मार्च 2013 को स्थिति	
	संख्या	रकम ₹	संख्या	रकम ₹
वर्ष के आरंभ में बकाया अंश	20,000	20,000,000.00	20,000	20,000,000.00
वर्ष के दौरान निर्गत अंश	-	-	-	-
वर्ष के दौरान वापस लिए गए अंश	-	-	-	-
कोई अन्य गतिविधि (कृपया निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
वर्ष की समाप्ति पर बकाया अंश	<b>20,000</b>	<b>20,000,000.00</b>	<b>20,000</b>	<b>20,000,000.00</b>

**नियंत्रि कंपनी द्वारा धारित अंशों का ब्यौरा**

ब्यौरा	संबंध की प्रकृति	31 मार्च	31 मार्च
		2014	2013
		को	को
एमएसटीसी लिमिटेड	नियंत्रि कंपनी	20,000	20,000

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 2 : SHARE CAPITAL**

in ₹ except otherwise stated

Particulars	As at 31 March 2014		As at 31 March 2013	
	Number	Amount ₹	Number	Amount ₹
<b>Authorised</b>				
Equity Shares of ₹ 1000 each	20,000	20,000,000.00	20,000	20,000,000.00
<b>Issued, Subscribed &amp; Paid Up</b>				
Equity Shares of ₹ 1000 each	20,000	20,000,000.00	20,000	20,000,000.00
<b>Total</b>	<b>20,000</b>	<b>20,000,000.00</b>	<b>20,000</b>	<b>20,000,000.00</b>

The company is a public sector undertaking and a wholly owned subsidiary of MSTC Ltd.

The company has only one class of shares referred to as equity shares having a par value of ₹ 1000/-. Each holder of equity shares is entitled for dividend and one vote per share.

The company declares and pays dividend in Indian Rupees. The quantum of dividend is based on DPE guideline as applicable all CPSU. The dividend proposed by the Board of Directors is subject to the approval of the shareholders in the ensuing Annual General Meeting.

In the event of liquidation of the company, the holders of equity shares will be entitled to receive any of the remaining asset of the company, after distribution of all preferential amounts. However, no such preferential amounts exist currently. The distribution will be in proportion to the number of equity shares held by the shareholders.

During the year ended March 31,2014, company has proposed dividend amounting to ₹ 842.28 per equity share. Total dividend appropriation amounted to ₹ 197.08 lakhs which includes corporate dividend tax of ₹ 28.63 lakhs.

**Reconciliation of the number of Shares Outstanding**

Particulars	Equity Shares			
	As at 31 March 2014		As at 31 March 2013	
	Number	Amount ₹	Number	Amount ₹
Shares outstanding at the beginning of the year	20,000	20,000,000.00	20,000	20,000,000.00
Shares Issued during the year	–	–	–	–
Shares bought back during the year	–	–	–	–
Any other movement (please specify)	–	–	–	–
Shares outstanding at the end of the year	<b>20,000</b>	<b>20,000,000.00</b>	<b>20,000</b>	<b>20,000,000.00</b>

**Details of Shares Held by Holding Company**

Particulars	Nature of Relationship	As at	As at
		31 March 2014	31 March 2013
MSTC Limited	Holding Co	20,000	20,000

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 3 : आरक्षित एवं अधिशेष**

₹ लाख में		
ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>क. आरक्षित पूँजी</b>		
आरंभिक शेष	37.36	37.36
जोड़ : सम्प्रति वर्ष अंतरण	-	-
घटावें : सम्प्रति वर्ष में अपलिखित	-	-
अंतिम शेष	<u>37.36</u>	<u>37.36</u>
<b>ख. सामान्य आरक्षिति</b>		
आरंभिक शेष	13,743.25	13,593.25
जोड़ : अधिशेष से सम्प्रति वर्ष अंतरण	645.00	150.00
घटावें : सम्प्रति वर्ष में अपलिखित	-	-
अंतिम शेष	<u>14,388.25</u>	<u>13,743.25</u>
<b>ग. अधिशेष</b>		
आरंभिक शेष	0.58	1.01
जोड़ : सम्प्रति वर्ष के लिए शुद्ध लाभ / (शुद्ध हानि)	842.28	196.06
घटावें : प्रस्तावित लाभांश	168.45	40.00
घटावें : लाभांश वितरण कर	28.63	6.49
घटावें : सामान्य आरक्षिति से अंतरण	645.00	150.00
अंतिम शेष	<u>0.78</u>	<u>0.58</u>
<b>योग</b>	<u><u>14,426.39</u></u>	<u><u>13,781.19</u></u>

**पत्री 4 : अन्य दीर्घकालिक दायित्व**

₹ लाख में		
ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>अन्य</b>		
कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना के तहत जमाएँ	369.62	296.98
कर्मचारी संबंधित अन्य दायित्व	0.14	0.13
<b>योग</b>	<u><u>369.76</u></u>	<u><u>297.11</u></u>

**पत्री 5 : दीर्घकालिक प्रावधानें**

₹ लाख में		
ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>कर्मचारी अनुलाभों के लिए प्रावधान</b>		
सेवा निवर्तन (अपव्ययी)	36.45	37.83
अवकाश नकदीकरण (अपव्ययी)	1,555.63	1,539.53
सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ	902.83	731.57
दीर्घ सेवा पुरस्कार (अपव्ययी)	4.51	4.65
कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना (अपव्ययी)	308.01	298.15
<b>अन्य</b>		
वृद्धि दावाओं के विरुद्ध विक्रेता को देय दावा	235.55	224.55
<b>योग</b>	<u><u>3,042.98</u></u>	<u><u>2,836.28</u></u>

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 3 : RESERVES & SURPLUS**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>a. Capital Reserves</b>		
Opening Balance	37.36	37.36
Add: Current Year Transfer	-	-
Less: Written Back in Current Year	-	-
Closing Balance	37.36	37.36
<b>b. General Reserve</b>		
Opening balance	13,743.25	13,593.25
Add: Current Year Transfer from Surplus	645.00	150.00
Less: Written Back in Current Year	-	-
Closing Balance	14,388.25	13,743.25
<b>c. Surplus</b>		
Opening balance	0.58	1.01
Add : Net Profit/(Net Loss) For the current year	842.28	196.06
Less : Proposed Dividends	168.45	40.00
Less : Dividend Distribution Tax	28.63	6.49
Less : Transfer to General Reserve	645.00	150.00
Closing Balance	0.78	0.58
<b>Total</b>	<b>14,426.39</b>	<b>13,781.19</b>

**Note 4 : OTHER LONG TERM LIABILITIES**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Others</b>		
Deposits under EFBS Scheme	369.62	296.98
Other Employee Related Liabilities	0.14	0.13
<b>Total</b>	<b>369.76</b>	<b>297.11</b>

**Note 5 : LONG TERM PROVISIONS**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Provision for employee benefits</b>		
Superannuation (unfunded)	36.45	37.83
Leave Encashment (unfunded)	1,555.63	1,539.53
Post Retirement Medical Benefit	902.83	731.57
Long Service Award (unfunded)	4.51	4.65
Employee Family Benefit Scheme (unfunded)	308.01	298.15
<b>Others</b>		
Claim payable to vendor against escalation claim	235.55	224.55
<b>Total</b>	<b>3,042.98</b>	<b>2,836.28</b>

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 6 : अत्यावधिक उधार**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>प्रतिभूत कार्यरत् पूंजी ऋण बैंकों से</b>		
इण्डियन बैंक, भिलाई के पास अधिकर्ष सीमा (उक्त ऋणों को बैंकों के पास जमा कंपनी की सावधि जमाओं पर बन्धक द्वारा प्रतिभूतित किया गया है। सावधि जमा की परिपक्वता अवधि तुलन पत्र तिथि को एक वर्ष से कम है।	1,054.00	875.08
<b>योग</b>	<u>1,054.00</u>	<u>875.08</u>

**पत्री 7 : व्यापारिक देनदारियाँ**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यमों के कारण अन्य के कारण	3.41 1,549.41	5.63 1,834.23
<b>योग</b>	<u>1,552.82</u>	<u>1,839.86</u>

**पत्री 8 : अन्य सम्प्रति आस्तियाँ**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>अन्य देनदारियाँ</b>		
कर्मचारी से संबंधित दायित्व	472.87	434.62
वैधानिक दातव्य	321.32	306.91
अन्य दायित्व	892.47	804.04
कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना	—	7.37
<b>योग</b>	<u>1,686.66</u>	<u>1,552.94</u>

**पत्री 9 : अत्यावधिक प्रावधानें**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>(क) कर्मचारी अनुलाभों के लिए प्रावधान</b>		
वेतन पुनरीक्षण की दिशा में	1,187.58	595.46
अतिरिक्त संसाधन सृजन योजना की दिशा में	53.37	107.84
<b>सेवानिवृत्ति पश्चात् अनुलाभ योजना की दिशा में</b>		
अवकाश नकदीकरण (अपव्ययी)	53.52	50.42
सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ (अपव्ययी)	29.56	30.63
दीर्घ सेवा पुरस्कार (अपव्ययी)	0.68	0.46
कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना (अपव्ययी)	78.39	72.12
सेवानिवृत्ति (अपव्ययी)	2.10	1.93
<b>(ख) अन्य</b>		
प्रस्तावित लाभांश	168.46	40.00
लाभांश वितरण कर	28.63	6.49
अन्य प्रावधान	154.78	34.06
<b>योग</b>	<u>1,757.07</u>	<u>939.41</u>

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 6 : SHORT TERM BORROWINGS**

₹ in lacs		
Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Secured</b>		
<b>Working Capital Loan</b>		
<b>From banks</b>		
Overdraft limit with Indian Bank, Bhilai <i>(The above loans are secured by pledge on fixed deposits of the company held with the banker. The maturity period of fixed deposit is less than one year as on the balance sheet date)</i>	1,054.00	875.08
<b>Total</b>	<u>1,054.00</u>	<u>875.08</u>

**Note 7 : TRADE PAYABLES**

₹ in lacs		
Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
Due to MSME's	3.41	5.63
Due to Others	1,549.41	1,834.23
<b>Total</b>	<u>1,552.82</u>	<u>1,839.86</u>

**Note 8 : OTHER CURRENT LIABILITIES**

₹ in lacs		
Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Other payables</b>		
Employee Related Liabilities	472.87	434.62
Statutory Dues	321.32	306.91
Other Liabilities	892.47	804.04
Employee Family Benefit Scheme	-	7.37
<b>Total</b>	<u>1,686.66</u>	<u>1,552.94</u>

**Note 9: SHORT TERM PROVISIONS**

₹ in lacs		
Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>(a) Provision for employee benefits</b>		
Towards Wage Revision	1,187.58	595.46
Towards ARGS	53.37	107.84
<b>Towards Post Retirement Benefit Scheme</b>		
Leave Encashment (unfunded)	53.52	50.42
Post Retirement Medical Benefit (unfunded)	29.56	30.63
Long Service Award (unfunded)	0.68	0.46
Employee Family Benefit Scheme (unfunded)	78.39	72.12
Superannuation (unfunded)	2.10	1.93
<b>(b) Others</b>		
Proposed Dividend	168.46	40.00
Dividend Distribution Tax	28.63	6.49
Other Provision	154.78	34.06
<b>Total</b>	<u>1,757.07</u>	<u>939.41</u>

खाताओं की पत्रियों

**पत्री 10 : स्थायी आस्तियों**

पत्री 10-1 मूर्त आस्तियों

₹ लाख में

व्यौरा	सकल खंड				अवमूल्यन/परिशोधन					शुद्ध खंड	
	01.04.2013 को	परिवर्धने	कटौतियों / समायोजन	31-03-2014 को	01-04-2013 को	वर्ष के लिए	अतिरिक्त अवमूल्यन \$	कटौतियों / समायोजन	31-03-2014 तक	31-03-2014 को	31.03.2013 को
<b>मूर्त आस्तियों (पट्टा के तहत)</b>											
भूमि	4.13	-	-	4.13	3.04	0.13	-	-	3.17	0.96	1.09
योग (i)	4.13	-	-	4.13	3.04	0.13	-	-	3.17	0.96	1.09
गत वर्ष (i)	4.13	-	-	4.13	2.91	0.13	-	-	3.04	1.09	1.22
<b>मूर्त आस्तियों</b>											
भवन	416.77	2.88	37.50	382.15	140.31	10.14	-	5.78	144.67	237.48	276.46
संयंत्र एवं उपस्कर	17,703.85	1,302.58	1,497.11	17,509.32	12,870.25	944.37	290.85	1,412.98	12,692.49	4,816.83	4,833.60
फर्नीचर एवं जुड़नार	73.70	-	0.86	72.84	56.60	1.64	-	0.78	57.46	15.38	17.10
वाहन	338.15	49.11	12.70	374.56	273.63	17.23	-	12.06	278.80	95.76	64.52
कार्यालय उपस्कर	227.18	56.94	17.24	266.88	148.94	22.25	-	15.57	155.62	111.26	78.24
<b>योग (ii)</b>	18,759.65	1,411.51	1,565.41	18,605.75	13,489.73	995.63	290.85	1,447.17	13,329.04	5,276.71	5,269.92
<b>गत वर्ष (ii)</b>	20,290.25	843.96	2,374.56	18,759.65	14,713.98	1,064.18	-	2,288.43	13,489.73	5,269.92	5,576.27
<b>योग = (i+ii)</b>	18,763.78	1,411.51	1,565.41	18,609.88	13,492.77	995.76	290.85	1,447.17	13,332.21	5,277.67	5,271.01
<b>गत वर्ष (i+ii)</b>	20,294.38	843.96	2,374.56	18,763.78	14,716.89	1,064.31	-	2,288.43	13,492.77	5,271.01	5,577.49

**पत्री 10.2 : अमूर्त आस्तियाँ**

व्यौरा	सकल खंड				अवमूल्यन/परिशोधन			शुद्ध खंड	
	01.04.2013 को	परिवर्धने	कटौतियों / समायोजन	31-03-2014 को	01.04.2013 को	वर्ष के लिए	31-03-2014 तक	31-03-2014 को	31.03.2013 को
<b>अमूर्त आस्तियाँ</b>									
संगणक साफ्टवेयर	16.45	-	-	16.45	7.15	2.08	9.23	7.22	9.30
<b>योग</b>	16.45	-	-	16.45	7.15	2.08	9.23	7.22	9.30
<b>गत वर्ष</b>	11.38	5.07	-	16.45	5.60	1.55	7.15	9.30	5.78

**पत्री 10.3 : प्रगति में पूंजीगत कार्य**

व्यौरा	31 मार्च, 2014 को अधिशेष	31 मार्च, 2013 को अधिशेष
<b>प्रगति में पूंजीगत कार्य<sup>^</sup></b>	<b>83.58</b>	171.65
<b>विकास के अंतर्गत अमूर्त आस्तियाँ</b>	<b>67.25</b>	67.25
सकल योग	<b>150.83</b>	238.90

राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो, विजाग, दुर्गापुर, डोलवी, डुबुरी, हरिद्वार तथा आरडब्ल्यूएफ (बंगलूरु) में वे भूखंड, जिन पर कंपनी का संयंत्र तथा भवन है, न तो पूर्व स्वामित्व में है और न ही पट्टाधृत है। कंपनी ने सेवा अनुबंधों के भाग के रूप में भू-स्वामियों से मुक्त उपयोग का अधिकार हासिल कर ली है। तथापि कंपनी ने सेल, बीएसपी से 29 दिसम्बर, 1988 से प्रभाव से 33 वर्षों के शास्वत पट्टे पर भूमि को प्राप्त की है जिस पर पंजीकृत कार्यालय भवन का निर्माण किया गया है, जिसका पट्टा अवधि के बाद तक कायम रखा गया है, जो कंपनी अधिनियम, 1956 की अनुसूची-14 के तहत निर्धारित दर पर अवमूल्यन किया गया है। जबकि पट्टाधृत भूमि पर निर्मित निगमन कार्यालय भवन को उक्त संदर्भित दस्तावेज की धारा 6 के अनुसार 33 वर्षों की आगे की स्थायी पट्टा अनुबंध अवधि को नए सिरे से करने का विचार है।

\$ लेखांकन नीति में परिवर्तन के कारण अतिरिक्त अवमूल्यन से संबंधित महत्वपूर्ण लेखांकन नीति में संदर्भित पत्री क्र. 1.4

<sup>^</sup> राउरकेला ईकाई में स्लैग ग्राइन्डिंग संयंत्र के लिए प्रगतिरत पूंजीगत कार्य के विरुद्ध ₹ 55.10 लाख का प्रावधान बनाया गया है।



NOTES ON ACCOUNTS

**Note 10 : FIXED ASSETS**

**Note 10.1 : Tangible Assets**

(₹ in lacs)

Particulars	Gross Block				Depreciation / Amortisation					NET BLOCK	
	As at 01.04.2013	Additions	Deductions/ Adjustments	As at 31.03.2014	As at 01.04.2013	For the Year	Additional Depreciation\$	Deductions Adjustments	Upto 31.03.2014	As at 31.03.2014	As at 01.04.2013
<b>Tangible Assets (Under Lease)</b>											
Land	4.13	-	-	4.13	3.04	0.13	-	-	3.17	0.96	1.09
<b>Total (i)</b>	4.13	-	-	4.13	3.04	0.13	-	-	3.17	0.96	1.09
<b>Previous Year (i)</b>	4.13	-	-	4.13	2.91	0.13	-	-	3.04	1.09	1.22
<b>Tangible Assets</b>											
Buildings	416.77	2.88	37.50	382.15	140.31	10.14	-	5.78	144.67	237.48	276.46
Plant and Equipment	17,703.85	1,302.58	1,497.11	17,509.32	12,870.25	944.37	290.85	1,412.98	12,692.49	4,816.83	4,833.60
Furniture and Fixtures	73.70	-	0.86	72.84	56.60	1.64	-	0.78	57.46	15.38	17.10
Vehicles	338.15	49.11	12.70	374.56	273.63	17.23	-	12.06	278.80	95.76	64.52
Office equipment	227.18	56.94	17.24	266.88	148.94	22.25	-	15.57	155.62	111.26	78.24
<b>Total (ii)</b>	18,759.65	1,411.51	1,565.41	18,605.75	13,489.73	995.63	290.85	1,447.17	13,329.04	5,276.71	5,269.92
<b>Previous Year (ii)</b>	20,290.25	843.96	2,374.56	18,759.65	14,713.98	1,064.18		2,288.43	13,489.73	5,269.92	5,576.27
<b>Total (i+ii)</b>	18,763.78	1,411.51	1,565.41	18,609.88	13,492.77	995.76	290.85	1,447.17	13,332.21	5,277.67	5,271.01
<b>Previous Year (i+ii)</b>	20,294.38	843.96	2,374.56	18,763.78	14,716.89	1,064.31		2,288.43	13,492.77	5,271.01	5,577.49

**Note 10.2 : Intangible Assets**

Particulars	Gross Block				Depreciation / Amortisation			NET BLOCK	
	As at 01.04.2013	Additions	Deductions/ Adjustments	As at 31.03.2014	As at 01.04.2013	For the Year	Upto 31.03.2014	As at 31.03.2014	As at 01.04.2013
<b>Intangible Assets</b>									
Computer software	16.45	-	-	16.45	7.15	2.08	9.23	7.22	9.30
<b>Total</b>	16.45	-	-	16.45	7.15	2.08	9.23	7.22	9.30
Previous Year	11.38	5.07	-	16.45	5.60	1.55	7.15	9.30	5.78

**Note 10.3 : Capital Work in Progress**

Particulars	Balance as at 31st March 2014	Balance as at 31st March 2013
Capital Work In Progress <sup>^</sup>	83.58	171.65
Intangible assets under Development	67.25	67.25
<b>Grand Total</b>	150.83	238.90

The land on which the plant and building of the company are situated at Rourkela, Bumpur, Bhilai, Bokaro, Vizag, Durgapur, Duburi, Haridwar and RWF(Bengaluru) are neither freehold nor leasehold. The company has acquired right of free use from landholders as a part of service agreement. The company has however, acquired leasehold land from SAIL - B.S.P., on perpetual lease of 33 years w.e.f. 29th December 1988 on which the Registered Office Building has been constructed, the lease hold land has been amortised over the lease period, however Registered office building constructed on the lease hold land has been depreciated at rate prescribed under Schedule XIV of Companies Act, 1956 considering that perpetual lease agreement shall be renewed for a further period of 33 years pursuant to clause 6 of lease deed referred above.

\$ Refer Note No. 1.4 in Significant Accounting Policy regarding additional depreciation due to change in accounting policy.

<sup>^</sup> Provision of Rs.55.10 lacs has been made against Capital Work in Progress for Slag Grinding Plant at Rourkela Unit.

**खाताओं की पत्रियों**

**पत्री 11 : आस्थगित कर**

₹ लाख में		
ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31-03-2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>आस्थगित कर दायित्व</b>	<b>62.77</b>	113.08
<b>आस्थगित कर आस्तियों</b>		
संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	2.12	2.02
संदिग्ध दावा के लिए प्रावधान	8.44	104.36
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	-	2.76
वृद्धि दावा के विरुद्ध विक्रेता को देय दावा के लिए प्रावधान	63.89	57.42
अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	396.83	374.51
सेवा कर पर ब्याज के लिए प्रावधान	9.45	-
मोटर वाहन अधिनियम के तहत ब्याज के लिए प्रावधान	8.93	-
	<b>489.66</b>	541.07
<b>योग :</b>	<b>426.89</b>	427.99

**पत्री 12 : दीर्घकालिक ऋण एवं अग्रिम**

₹ लाख में		
ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31-03-2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>क. प्रतिभूति जमाएँ</b>		
असुरक्षित, उपयुक्त माने गए		
शासकीय विभागों तथा अन्य पक्षों के पास प्रतिभूति जमाएँ	92.71	54.43
<b>अग्रिम कर</b>		
आयकर एवं स्रोत पर कर कटौती (शुद्ध प्रावधान)	937.48	773.56
<b>योग :</b>	<b>1,030.19</b>	827.99

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 11: DEFERRED TAXES**

(₹ in lacs)

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Deferred Tax Liabilities :</b>	<b>62.77</b>	113.08
<b>Deferred Tax Assets :</b>		
Provision for doubtful advances	2.12	2.02
Provision for doubtful claim	8.44	104.36
Provision for doubtful debts	–	2.76
Provision for claim payable to vendor against escalation claim	63.89	57.42
Provision for leave encashment	396.83	374.51
Provision for Interest on Service Tax	9.45	–
Provision for Interest under Motor Vehicle Act	8.93	–
	<b>489.66</b>	541.07
<b>Total :</b>	<b>426.89</b>	427.99

**Note 12 : LONG TERM LOANS & ADVANCES**

(₹ in lacs)

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>a. Security Deposits</b>		
<i>Unsecured, considered good</i>		
Security deposit with government departments and other parties	92.71	54.43
<b>c. Advance Tax</b>		
Income Tax & TDS (net of provision)	937.48	773.56
	<b>1,030.19</b>	827.99
<b>Total :</b>	<b>1,030.19</b>	827.99

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 13 : अन्य गैर सम्पत्ति आस्तियाँ**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्पत्ति वर्ष 31.03.2014		गत वर्ष 31.03.2013	
गैरचलित वस्तु-सूची का संग्रह	343.19		335.05	
(3 वर्षों से अधिक अवधि के लिए धारित)				
घटावें : गैरचलित वस्तु-सूचियों के मूल्य में ह्रास के लिए प्रावधान	152.41	190.78	134.89	200.16
अप्रचलित वस्तु-सूची का संग्रह	23.42		—	
घटावें : अप्रचलित परियोजनाओं के लिए वस्तु-सूची	15.34	8.08	—	—
पूँजी परियोजनाओं के लिए वस्तु-सूची		83.47		83.47
निपटान के प्रत्याश में स्थायी आस्तियाँ		15.62		131.16
वसूली योग्य दावा तथा अन्य अग्रिमें		9.50		12.61
<b>अन्य बैंक अधिशेष</b>				
दीर्घकालिक बैंक जमाएं *		13.16		4,050.00
(बारह महीनों से अधिक की वास्तविक परिपक्वता के साथ)				
प्रदूध ब्याज किन्तु दीर्घकालिक बैंक जमाओं पर प्राप्य नहीं		0.19		214.36
<b>योग</b>		<b>320.80</b>		<b>4,691.76</b>

\*उपरोक्त जमाओं में ₹13.16 लाख (गत वर्ष ₹2550.00 लाख) में बैंक प्रत्याभूति व अधिविकर्षण के विरुद्ध इण्डियन बैंकों के पास गिरवी शामिल है

**पत्री 14 : वस्तु सूचियाँ**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्पत्ति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>भंडारण तथा पूर्ण</b>		
(लागत पर मूल्यांकित अथवा शुद्ध प्राप्य मूल्य, जो भी कम हो)		
खुले औजारों सहित भंडारण व कल-पूर्णे	319.18	353.62
जोड़ : पारगमन में माल	1.41	59.63
जोड़ : समायोजन हेतु लंबित शुद्ध कमी	12.70	12.70
	<b>333.29</b>	<b>425.95</b>
मुद्रण एवं लेखन सामग्री मर्दे	9.35	8.21
स्क्रेप (निपटान के लिए लंबित)	3.87	3.88
<b>योग</b>	<b>346.51</b>	<b>438.04</b>

\*समायोजन के लिए लंबित वस्तु सूची कमी के विरुद्ध प्रावधान पत्री सं. 9 में 'अन्य प्रावधान' में शामिल है।

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 13 : OTHER NON CURRENT ASSETS**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
Stock of non-moving inventory (held for period more than 3 years)	343.19	335.05
Less : Provision for Diminution in the	152.41	134.89
Value of Non-Moving Inventory	190.78	200.16
Stock of Obsolete Inventory	23.42	-
Less: Provision for Obsolete Inventory	15.34	-
Inventory for Capital Projects	83.47	83.47
Fixed Assets Awaiting Disposal	15.62	131.16
Claim Recoverable & Other Advances	9.50	12.61
<b>Other Bank Balances :</b>		
Long Term Bank Deposits* (with Original Maturity of more than twelve months)	13.16	4,050.00
Interest Accrued But Not Due on Long	0.19	214.36
Term Bank Deposits		
<b>Total</b>	<b>320.80</b>	<b>4,691.76</b>

\* The above deposits includes Rs. 13.16 Lakhs (PY Rs. 2550.00 Lakhs) pledged with Indian banks against Bank Guarantee & overdraft facilities.

**NOTE 14 : INVENTORIES**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Stores and spares</b> (Valued at Cost or Net Realizable value whichever is lower)		
Stores & Spare parts including loose tools	319.18	353.62
Add: Goods in transit	1.41	59.63
Add: Net shortage pending adjustments*	12.70	12.70
	333.29	425.95
Printing & stationery items	9.35	8.21
Scrap (pending for disposal)	3.87	3.88
<b>Total</b>	<b>346.51</b>	<b>438.04</b>

\* Provision against inventory shortage pending adjustment is included in 'Other Provision' in Note no.9

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 15 : प्राप्य व्यापार**

	₹ लाख में	
<b>व्यौरा</b>	<b>सम्प्रति वर्ष 31.03.2014</b>	<b>गत वर्ष 31.03.2013</b>
<b>छः माह से कम अवधि के लिए बकाया प्राप्य व्यापार, जब से वह भुगतान के लिए प्राप्य है</b>		
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया	1,297.54	1,377.45
<b>भुगतान के लिए देय की तिथि से छः माह से अधिक अवधि के लिए बकाया प्राप्य व्यापार जब से वह भुगतान के लिए प्राप्य है</b>		
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया	92.17	218.11
असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	-	8.51
घटावें : संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	-	8.51
	<u>92.17</u>	<u>218.11</u>
<b>योग</b>	<u><u>1,389.71</u></u>	<u><u>1,595.56</u></u>

समय-समय पर कम्पनी संग्रहण के लिए कम्पनी की सभी ग्राहक बकायों का मूल्यांकन करती है। प्रावधान के लिए जरूरत का आकलन विनिर्दिष्ट बकायों का संकलन, उद्योग के जोखिम धारणा सहित विविध कारकों पर आधारित है जिसमें ग्राहक सामान्य आर्थिक कारकों को संचालित करता है जो व्यवस्थित करने के लिए ग्राहकों की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। कम्पनी नियतकालिक रूप से भाग या व्याप्त में बकाया राशि की वसूली करती है। कम्पनी सामान्य रूप से तुलन पत्र तिथि को बीजक तिथि से तीन वर्षों या लंबे समय के लिए बकाया देनदार देय राशि के लिए उपबंधित करती है।

NOTES ON ACCOUNTS

**NOTE 15 : TRADE RECEIVABLES**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Trade receivables outstanding for a period less than six months from the date they are due for payment</b>		
Unsecured, considered good	1,297.54	1,377.45
<b>Trade receivables outstanding for a period exceeding six months from the date they are due for payment</b>		
Unsecured, considered good	92.17	218.11
Unsecured, considered doubtful	-	8.51
Less: Provision for doubtful debts	-	8.51
	<b>92.17</b>	<b>218.11</b>
<b>Total</b>	<b>1,389.71</b>	<b>1,595.56</b>

Periodically the company evaluates all customer dues to the company for collectibility. The need for provision is assessed based on various factors including collectibility of specific dues, risk perception of the industry in which the customer operates, general economic factors which could affect the customers ability to settle. The company pursues the recovery of the dues, in part or full. The company normally provides for debtors dues outstanding for three years or longer from the invoice date, as at the Balance Sheet date.

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 16 : नकदी एवं बैंक अधिशेष**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>नकदी एवं समतुल्य नकदी</b>		
रोकड़ शेष	3.17	2.91
धनादेश शेष	—	4.76
<b>बैंकों के पास जमा रकम</b>		
बैंकों के पास चालू खाता में जमा रकम	50.15	277.39
तीन महीने से कम का मूल परिपक्वता के साथ जमा	449.00	2,300.00
<b>योग</b>	<u>502.32</u>	<u>2,585.06</u>
अन्य बैंक अधिशेष		
तीन महीने से अधिक किन्तु बारह माह से कम का मूल परिपक्वता के साथ जमा #	9,550.00	3,011.50
<b>योग</b>	<u>9,550.00</u>	<u>3,011.50</u>
<b>योग</b>	<u>10,052.32</u>	<u>5,596.56</u>

#उक्त जमाओं में बैंक प्रत्याभूति एवं अधिविकर्षण सुविधा के विरुद्ध विविध बैंकों के पास गिरवी ₹ 3700.00 लाख (गत वर्ष ₹ निरंक) शामिल है।

**पत्री 17 : अल्पावधिक ऋण एवं अग्रिम**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>(क) अन्य</b>		
<b>कर्मचारियों को ऋण एवं अग्रिम</b>		
नकद में वसूली अग्रिम एवं अन्य	97.93	152.08
<b>1. प्रदायकों को अग्रिम</b>		
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया	83.79	98.03
<b>योग</b>	<u>181.72</u>	<u>250.11</u>

**पत्री 18 : अन्य मौजूदा आस्तियाँ**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>निपटान के प्रत्याश में स्थायी आस्तियाँ</b>		
अप्राप्यक राजस्व	199.75	39.38
	3,557.67	2,071.76
<b>वसूलीयोग्य दावा व अन्य अग्रिम</b>		
अप्राप्यक राजस्व	60.58	63.40
असुरक्षित, उपयुक्त माना गया	—	321.64
असुरक्षित, संदिग्ध माना गया	—	321.64
घटावे : संदिग्ध माना गया	60.58	63.40
<b>सावधि जमा पर प्रोद्भूत ब्याज</b>	812.13	224.30
<b>सेवा कर संभजन</b>	244.06	166.17
<b>इस्पात संयंत्रों तथा अन्य पक्षों के पास प्रतिभूति जमा</b>	31.63	409.64
<b>योग</b>	<u>4,905.82</u>	<u>2,974.65</u>



NOTES ON ACCOUNTS

**Note 16 : CASH & BANK BALANCES**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Cash and cash equivalents</b>		
Cash in Hand	3.17	2.91
Cheque in Hand	–	4.76
<b>Balances with Banks</b>		
Balances with banks in Current Accounts	50.15	277.39
Deposits with Original Maturity of less than three months	449.00	2,300.00
<b>Total</b>	502.32	2,585.06
<b>Other Bank Balances</b>		
Deposits with Original Maturity of more than three months but less than twelve months #	9,550.00	3,011.50
<b>Total</b>	9,550.00	3,011.50
<b>Total</b>	10,052.32	5,596.56

# The above deposits includes ₹ 3700.00 Lakhs(PY ₹ Nil ) pledged with various banks against Bank Guarantee & Overdraft facility.

**Note 17 : SHORT TERM LOANS & ADVANCES**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>a. Others</b>		
<b>Loans &amp; Advances To Employees</b>		
Advance & other recoverable in cash	97.93	152.08
<b>1. Advance to Suppliers</b>		
Unsecured, considered good	83.79	98.03
<b>Total</b>	181.72	250.11

**Note 18 : OTHER CURRENT ASSETS**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
Fixed Assets Awaiting Disposal	199.75	39.38
Unbilled revenue	3,557.67	2,071.76
<b>Claim Recoverable &amp; Other Advance</b>		
Unbilled revenue		
Unsecured, Considered Good	60.58	63.40
Unsecured, Considered Doubtful	–	321.64
Less: Considered Doubtful	–	321.64
	60.58	63.40
Interest Accrued on Term Deposit	812.13	224.30
Service Tax Set Off	244.06	166.17
Security deposit with steel plants & Other parties	31.63	409.64
<b>Total</b>	4,905.82	2,974.65

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 19 : प्रचालनों से राजस्व**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
स्क्रैप के प्रक्रमण तथा अन्य फुटकर कार्यों से सेवा प्रभार	22,100.95	18,540.86
गोदाम प्रबंधन सेवा से आय	313.48	138.02
<b>योग</b>	<b>22,414.43</b>	<b>18,678.88</b>

**पत्री 20 : अन्य आय**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>ब्याज आय</b>		
आवर्ती सावधि जमा पर ब्याज	977.74	899.79
अन्य ब्याज	0.59	0.35
<b>अन्य</b>		
परिनिर्धारित क्षति-मूल्य एवं अन्य वसूलियाँ	11.11	12.70
कर्मचारियों को निर्गत सामग्रियों से प्राप्ति	0.33	0.18
प्रावधान अब जरूरी नहीं अपलिखित	362.49	162.57
विविध आय	20.98	26.98
<b>योग</b>	<b>1,373.24</b>	<b>1,102.57</b>

**पत्री 21 : उपभोगित सामग्री की लागत**

₹ लाख में

ब्यौरा	प्रारंभिक माल	खरीद	शेष माल	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014 उपभोग	गत वर्ष 31.03.2013 उपभोग
लान्सिंग ट्यूब	13.82	50.69	13.65	50.86	48.20
ऑक्सीजन तथा एसीटिलिन	0.21	52.93	0.29	52.85	41.81
स्नेहक	24.13	221.30	38.67	206.76	249.45
डीजल तथा गैसोलिन	35.22	1,984.80	35.78	1,984.24	1,437.48
भंडारण तथा कल-पूर्ज	643.60	896.53	657.44	882.69	941.94
<b>योग</b>	<b>716.98</b>	<b>3,206.25</b>	<b>745.83</b>	<b>3,177.40</b>	<b>2,718.88</b>

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 19 : REVENUE FROM OPERATIONS**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
Service charges from processing of Scrap & other miscellaneous jobs	22,100.95	18,540.86
Income from Warehouse Management Service	313.48	138.02
<b>Total</b>	<b>22,414.43</b>	<b>18,678.88</b>

**Note 20 : OTHER INCOME**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Interest Income</b>		
Interest on FDR	977.74	899.79
Other Interest	0.59	0.35
<b>Others</b>		
Liquidated damages and other recoveries	11.11	12.70
Receipt from materials issued to employees	0.33	0.18
Provision no longer required written back	362.49	162.57
Miscellaneous Income	20.98	26.98
<b>Total</b>	<b>1,373.24</b>	<b>1,102.57</b>

**Note 21 : COST OF MATERIAL CONSUMED**

₹ in lacs

Particulars	Opening Stock	Purchase	Closing Stock	Current Year 31.03.2014 Consumption	Previous Year 31.03.2013 Consumption
Lancing Tubes	13.82	50.69	13.65	50.86	48.20
Oxygen & Acetylene	0.21	52.93	0.29	52.85	41.81
Lubricants	24.13	221.30	38.67	206.76	249.45
Diesel & Gasolene	35.22	1,984.80	35.78	1,984.24	1,437.48
Stores & Spare Parts	643.60	896.53	657.44	882.69	941.94
<b>Total</b>	<b>716.98</b>	<b>3,206.25</b>	<b>745.83</b>	<b>3,177.40</b>	<b>2,718.88</b>

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 22 : कर्मचारी अनुलाभ व्यय**

ब्यौरा	₹ लाख में	
	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>(क) वेतन एवं प्रोत्साहन</b>		
बोनस	0.02	0.06
श्रम उपाहार	81.10	83.00
वेतन एवं मजदूरी	5,874.48	5,199.21
(ख) अंशदान		
(i) भविष्य निधि तथा अन्य निधि में	590.19	513.51
(ii) उपदान निधि अंशदान में	400.00	360.00
<b>(ग) कर्मचारी कल्याण खर्च</b>	<b>1,358.05</b>	<b>1,351.53</b>
<b>योग</b>	<b>8,303.84</b>	<b>7,507.31</b>

**पत्री 23 : वित्त लागतें**

ब्यौरा	₹ लाख में	
	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
ब्याज खर्च	121.27	146.98
बैंक प्रभार	1.36	3.86
<b>योग</b>	<b>122.63</b>	<b>150.84</b>

**पत्री 24 : अन्य व्यय**

ब्यौरा	₹ लाख में	
	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
जल, बिजली एवं ऑक्सीजन	294.90	279.00
ठेकेदार के माध्यम से सेवाओं की लागत	1,943.14	3,496.10
उपस्कर एवं अन्य किराया	5,803.56	3,186.74
बीमा	35.60	30.40
दर एवं कर	22.44	16.17
भत्तों सहित यात्रा	110.66	116.41
सुरक्षा सेवाएँ	351.08	185.09
अमान्य ऋण बट्टा-खाता	220.16	—
<b>मरम्मत एवं अनुरक्षण</b>		
मशीनरी की मरम्मत	247.92	349.56
अन्य की मरम्मत	52.79	51.84
फुटकर खर्च	511.03	378.80
<b>लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक</b>		
वैधानिक लेखा परीक्षण शुल्क	1.00	1.00
बाहरी खर्च	1.25	1.25
कर लेखा परीक्षण शुल्क	0.20	0.20
प्रमाणन शुल्क	0.05	0.05
<b>योग</b>	<b>9,595.78</b>	<b>8,092.61</b>

## NOTES ON ACCOUNTS

**Note 22 : EMPLOYEE BENEFIT EXPENSES**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>(a) Salaries and incentives</b>		
Bonus	0.02	0.06
Labour Refreshment	81.10	83.00
Salary & Wages	5,874.48	5,199.21
<b>(b) Contributions to -</b>		
(i) Provident and other fund	590.19	513.51
(ii) Gratuity fund contributions	400.00	360.00
<b>(c) Staff welfare expenses</b>	<b>1,358.05</b>	<b>1,351.53</b>
<b>Total</b>	<b>8,303.84</b>	<b>7,507.31</b>

**Note 23 : FINANCE COSTS**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
Interest expense	121.27	146.98
Bank Charges	1.36	3.86
<b>Total</b>	<b>122.63</b>	<b>150.84</b>

**Note 24 : OTHER EXPENSES**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
Water, Power & Oxygen	294.90	279.00
Cost of Services Through Contractor	1,943.14	3,496.10
Equipment & Other Rent	5,803.56	3,186.74
Insurance	35.60	30.40
Rates & Taxes	22.44	16.17
Travelling including allowances	110.66	116.41
Security Services	351.08	185.09
Bad Debts Written off	220.16	-
<b>Repair And Maintenance</b>		
Repairs to Machinery	247.92	349.56
Repairs to Others	52.79	51.84
Miscellaneous Expenses	511.03	378.80
<b>Auditors Remuneration</b>		
Statutory Audit Fees	1.00	1.00
Out of Pocket Expenses	1.25	1.25
Tax Audit Fees	0.20	0.20
Certification Fees	0.05	0.05
<b>Total</b>	<b>9,595.78</b>	<b>8,092.61</b>

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 25 : असाधारण तथा असामान्य प्रकृति के मदों का ब्यौरा**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>1. अवधारणा मदें</b>		
<b>क. व्यय</b>		
क. संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान (3 वर्षों से अधिक के लिए बकाया ऋणों हेतु)	—	8.51
ख. वृद्धि दावा के विरुद्ध विक्रेता को देय दावा के लिए प्रावधान	11.00	11.00
ग. बीमा दावा के विरुद्ध प्रावधान	—	2.18
घ. अन्य पक्षों को देय दावा के लिए प्रावधान	54.80	—
ङ. स्थायी आस्तियों के विक्रय/निपटान पर शुद्ध हानि	15.43	—
<b>ख. आय</b>		
क. स्थायी आस्तियों का विक्रय	—	16.22
ख. प्रावधान अब जरूरी नहीं	2.43	—
ग. प्रयुक्त एवं अनुपयोगी कल पूजों का विक्रय	30.04	—
<b>योग (क - ख)</b>	<b>48.76</b>	<b>5.47</b>

**पत्री 26 : पूर्वावधिक मदों का ब्यौरा**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.0.2014	गत वर्ष 31.03.2013
<b>आय / (खर्च)</b>		
वस्तु सूची	—	8.68
प्रतिलिखित आस्ति	—	3.40
सेवा प्रभार	(7.74)	—
<b>योग</b>	<b>(7.74)</b>	<b>12.08</b>

**पत्री 27 : प्रति अंश उपार्जन**

₹ लाख में

ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
साम्यांश धारकों के लिए उपलब्ध लाभ एवं हानि खाता के अनुसार शुद्ध लाभ/(हानि)	842.28	196.06
प्रति अंश उपार्जन अभिकलन के लिए साम्यांशों का भारित औसत संख्या		
1. प्रति अंश मौलिक उपार्जन के लिए	20,000.00	20,000.00
2. प्रति अंश तनुकृत उपार्जन के लिए	20,000.00	20,000.00
प्रति अंश उपार्जन		
मौलिक	4,211.39	980.31
तनुकृत	4,211.39	980.31

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 25 : DETAILS OF ITEMS OF EXCEPTIONAL AND EXTRAORDINARY NATURE**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>1. Exceptional Items :</b>		
<b>A. Expenditure</b>		
a. Provision for Doubtful Debt <i>(for debt outstanding for more than 3 years)</i>	–	8.51
b. Provision for claim payable to vendor against escalation claim	11.00	11.00
c. Provision against insurance claim	–	2.18
d. Provision for claim payable to other parties	54.80	–
e. Net Loss on Sale / Disposal of Fixed Assets	15.43	–
<b>B. Income</b>		
a. Sale of Fixed Assets	–	16.22
b. Provision No Longer Required	2.43	–
c. Sale of used & unserviceable spares	30.04	–
<b>Total (A-B)</b>	<u>48.76</u>	<u>5.47</u>

**Note 26 : DETAILS OF PRIOR PERIOD ITEMS**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>Income / (Expenses)</b>		
Inventory	–	8.68
Asset Write Back	–	3.40
Service Charge	(7.74)	–
<b>Total</b>	<u>(7.74)</u>	<u>12.08</u>

**Note 27 : EARNINGS PER SHARE**

₹ in lacs

Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
Net Profit/(Loss) as per Profit & Loss Account available for Equity Shareholders	842.28	196.06
Weighted Average number of equity shares for Earnings per Share computation		
1. For Basic Earnings per Share	20,000.00	20,000.00
2. For Diluted Earnings per Share	20,000.00	20,000.00
Earnings per Share		
Basic	4,211.39	980.31
Diluted	<u>4,211.39</u>	<u>980.31</u>

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 28 : समाश्रित दायित्व एवं प्रतिबद्धताएँ**

			₹ लाख में	
क्र. सं.	ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013	
<b>(1) समाश्रित दायित्व</b>				
<b>क. कम्पनी के विरुद्ध दावा ऋण के रूप में स्वीकार नहीं</b>				
1	अधिनिर्णत के तहत भूतपूर्व कर्मचारियों व अन्य कों क्षतिपूर्ति के लिए अनुमान	60.85	95.54	
2	हैदराबाद के उच्च न्यायालय के आदेशानुसार मे. पन्तलू कन्स्ट्रक्शन का विजाग भवन दावा के लिए	-	56.90	
3	सिविल न्यायाधीश, अलीबाग के पास सिविल वाद के अनुसार मे. आउडम्बर इन्जीनियरिंग वर्क्स द्वारा डोलवी में मरम्मत कार्य के लिए	25.57	22.84	
<b>उप योग</b>		<b>86.42</b>	<b>175.28</b>	
<b>ख. सेवा कर</b>				
1	सीईएसटीएटी, कोलकाता के समक्ष लंबित केन्द्रीय उत्पाद, जाजपुर के अधीक्षक की माँग के अनुसार डुबरी इकाई में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर	50.93	47.02	
2	भिलाई, दुर्गापुर, विजाग, डोलवी एवं डुबरी इकाई में “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, रायपुर के आयुक्त ने आदेश दिया है, जिसके विरुद्ध कंपनी सी ई एस टी ए टी दिल्ली के समक्ष अपील की है	-	716.26	
3	बोकारो इकाई में “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, राँची के आयुक्त ने आदेश दिया है, आयुक्त राँची तथा सी ई एस टी ए टी कोलकाता के समक्ष लंबित है।	1,600.27	1,517.42	
4	बर्नपुर इकाई में “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर, जैसा कि अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, बोलपुर तथा सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, आसनसोल ने आदेश दिया है, आयुक्त (अपील), कोलकाता के समक्ष लंबित है।	195.04	184.06	
5	भिलाई इकाई में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर, जैसा कि केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क, रायपुर ने आदेश दिया है, सी ई एस टी ए टी, दिल्ली के समक्ष लंबित है।	242.84	357.62	
6	डुबरी इकाई में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर, जैसा कि आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर ने मई, 2004 से मार्च, 2007 की अवधि के लिए मांग की है, आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर के समक्ष लंबित है।	372.45	333.65	
7	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र तथा एलॉय संयंत्र में क्रमशः अप्रैल, 2003 से मार्च, 2008 तथा अक्टूबर, 2003 से नवम्बर, 2008 की अवधि के लिए “व्यापार पूरक सेवा” तथा “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर, सी ई एस टी ए टी, कोलकाता के समक्ष लंबित है।	2,219.14	2,111.55	
8	अप्रैल, 2008 से मई, 2009 तथा जून, 2009 से सितम्बर, 2009 की अवधि के लिए क्रमशः “व्यापार पूरक सेवा” तथा “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर, सी ई एस टी ए टी, कोलकाता तथा आयुक्त, कोलकाता के समक्ष लंबित है।	557.56	524.54	
9	डुबरी इकाई में “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर, जैसा कि अप्रैल, 2009 से मार्च, 2010 की अवधि के लिए आयुक्त, भुवनेश्वर ने मांग की है, सी ई एस टी ए टी, कोलकाता के समक्ष लंबित है।	96.09	83.11	



## NOTES ON ACCOUNTS

**Note 28 : CONTINGENT LIABILITIES & COMMITMENTS**

₹ in lacs

Sl. No.	Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
<b>(i) Contingent Liabilities</b>			
<b>A. Claims against the company not acknowledged as debt</b>			
1	For compensation to ex-employees and others under adjudication estimated at	60.85	95.54
2	For Vizag building claim of M/s Pantalu Construction as per order of High Court of Hyderabad	-	56.90
3	For repair job at Dolvi Unit claimed by M/s Audumber Engineering Works as per Civil Suit with Civil Judge, Alibag	25.57	22.84
	<b>Sub Total</b>	<b>86.42</b>	175.28
<b>B. Service Tax</b>			
1	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Suptd. of Central Excise, Jajpur.(net of payment made) pending before CESTAT, Kolkata.	50.93	47.02
2	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Bhilai,Durgapur,Vizag,Dolvi & Duburi unit as ordered by Commissioner of Central Excise and Customs Raipur against which the company preferred an appeal before CESTAT, Delhi.	-	716.26
3	Service Tax on "Business Auxiliary Services" at Bokaro unit as ordered by Commissioner Central Excise and Customs, Ranchi, pending before Commissioner, Ranchi and CESTAT, Kolkata	1,600.27	1,517.42
4	Service tax on "Business Auxiliary Services" at Burnpur unit as ordered by Additional Commissioner, Central Excise & Customs, Bolpur and Assistant Commissioner, Central Excise and Custom, Asansol pending before Commissioner (Appeal), Kolkata	195.04	184.06
5	Service tax on "Cargo Handling Services" at Bhilai unit as ordered by Commissioner of Central Excise and Customs, Raipur, pending before CESTAT, Delhi.	242.84	357.62
6	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit Demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar for the period from May 2004 to March 2007, pending before Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	372.45	333.65
7	Service tax on "Business Auxilliary Service" and "Cargo Handling Services" at Durgapur Steel Plant and Alloy Steel Plant for the period from April 2003 to March 2008 and October 2003 to November 2008 respectively, pending before CESTAT; Kolkata.	2,219.14	2,111.55
8	Service Tax on "Business Auxillary Service" and "Cargo Handling Services" at Durgapur Steel Plant for the period April'2008 to May'2009 and June'2009 to September'2009 respectively, pending before CESTAT, Kolkata and Commissioner, Kolkata.	557.56	524.54
9	Service Tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit as demanded by Commissioner, Bhubaneswar for the period April'2009 to March'2010 is pending before CESTAT, Kolkata.	96.09	83.11

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 28 : समाश्रित दायित्व एवं प्रतिबद्धताएँ**

₹ लाख में

क्र. सं.	ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
10	दुर्गापुर इकाई में “व्यापार पूरक सेवा” पर सेवा कर, जैसा कि अक्टूबर, 2009 से मार्च, 2010 की अवधि के लिए आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, बोलपुर से मांग की है, सी ई एस टी ए टी, कोलकाता के समक्ष लंबित है।	103.16	90.06
11	डुबरी इकाई में “कार्गो हैंडलिंग सेवाओं” हेतु आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर द्वारा अप्रैल, 2007 से मार्च, 2009 की अवधि के लिए माँग की गयी है, आयुक्त केन्द्रीय उत्पाद, भुवनेश्वर के पास लंबित है।	209.63	197.31
12	भिलाई इकाई में कार्गो हैंडलिंग सेवाओं पर सेवा कर भुगतान का मामला आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद, रायपुर को भेजा गया, सीईएसटीएटी, दिल्ली के समक्ष लंबित है।	—	1,522.64
	<b>उप योग</b>	<b>5,647.11</b>	<b>7,685.24</b>
<b>ग.</b>	<b>विक्रय कर तथा अन्य कर</b>		
1	राउरकेला इकाई में विक्रय कर तथा प्रवेश कर के लिए उड़ीसा विक्रय कर विभाग की माँग के रूप में विक्रय कर न्यायाधिकरण, कटक के समक्ष लंबित है।	46.50	43.56
2	अधिसूचित क्षेत्र परिषद, राउरकेला (इस्पात नगरी) द्वारा डम्परों, डोजरों आदि जैसे भारी भू-उपस्करों पर चुंगी के लिए उड़ीसा उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है।	3.24	11.13
	<b>उप योग</b>	<b>49.74</b>	<b>54.69</b>
<b>घ.</b>	<b>बकाया बैंक प्रत्याभू</b>	<b>48.82</b>	<b>48.32</b>
<b>ङ.</b>	<b>बकाया साख पत्र</b>	<b>—</b>	<b>352.87</b>
	<b>उप योग</b>	<b>48.82</b>	<b>401.19</b>
	<b>सकल योग</b>	<b>5,832.09</b>	<b>8,316.40</b>
	<b>(ii) प्रतिबद्धता</b>		
क.	पूँजीगत लेखा पर निष्पादित किए जाने हेतु शेष ठेके की अनुमानित रकम तथा जिसके लिए व्यवस्था नहीं की गयी (भुगतान का शुद्ध)	270.02	544.50

**पत्री 29 : विदेशी मुद्रा में खर्च**

₹ लाख में

क्र. सं.	ब्यौरा	सम्प्रति वर्ष 31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
1	अवयव एवं पूर्जे (एफओबी आधारित मूल्य)	7.36	11.93
2	यात्रा खर्च के परिप्रेक्ष्य में	2.28	—
	<b>योग</b>	<b>9.64</b>	<b>11.93</b>

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 28 : CONTINGENT LIABILITIES & COMMITMENTS**

₹ in lacs

Sl. No.	Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
10	Service Tax on "Business Auxillary Service" at Durgapur Unit as demanded by Commissioner, Central Excise, Bolpur for the period October 2009 to March 2010, is pending before CESTAT, Kolkata.	103.16	90.06
11	Service tax on "Cargo Handling Services" at Duburi unit Demanded by Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar for the period from April 2007 to March 2009, pending before Commissioner, Central Excise, Bhubaneswar	209.63	197.31
12	Service Tax on "Cargo Handling Service" at Bhilai unit, matter remanded to Commissioner Central Excise, Raipur, pending before CESTAT, Delhi	-	1,522.64
	<b>Sub Total</b>	<u>5,647.11</u>	<u>7,685.24</u>
<b>C. Sales Tax and Other Taxes</b>			
1	For Sales Tax and Entry Tax at Rourkela unit as demanded by Orissa Sales Tax Department, pending before Sales Tax Tribunal, Cuttack.	46.50	43.56
2	For Octroi on heavy earthmoving equipment like Dumpers, Dozers etc. by Notified Area Council, Rourkela (Steel Township), pending before Orissa High Court	3.24	11.13
	<b>Sub Total</b>	<u>49.74</u>	<u>54.69</u>
<b>D. Outstanding Bank Guarantees</b>			
<b>E. Outstanding Letter of Credit</b>			
	<b>Sub Total</b>	<u>48.82</u>	<u>401.19</u>
	<b>Grand Total</b>	<u>5,832.09</u>	<u>8,316.40</u>
<b>(ii) Commitments</b>			
A.	Estimated amount of contracts remaining to be executed on capital account and not provided for (net of advance)	270.02	544.50

**Note 29 : EXPENDITURE IN FOREIGN CURRENCY**

₹ in lacs

Sl. No.	Particulars	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
1	Components & Spares (Value on FOB basis)	7.36	11.93
2	Towards Travel Expenses	2.28	-
	<b>Total</b>	<u>9.64</u>	<u>11.93</u>

खाताओं की पत्रियाँ

**पत्री 30 : संबंधित पक्ष संव्यवहार**

**संबंधित पक्षों की सूची, जहाँ नियंत्रण मौजूद है तथा संबंधित पक्षों, जिसके साथ संव्यवहार तथा संबंध बनाए गए हैं :**

क्र.सं.	संबंधित पक्ष का नाम	संबंधित पक्ष संबंध की प्रकृति	संव्यवहार की प्रकृति	सम्प्रति वर्ष	
				31.03.2014	गत वर्ष 31.03.2013
1	एमएसटीसी लि.	नियंत्रि कंपनी	नीलामी के लिए सेवा प्रभार	6.99	3.93
			गोदाम प्रबंधन प्रभार	290.78	112.55
2	श्री अणटोनी चाको (22 अगस्त, 2012 को कंपनी छोड़ दिए)	प्रबंध निदेशक	पारिश्रमिक	—	14.67
			स्थायी आस्तियों का विक्रय	—	1.19

**पत्री 31**

गत वर्षों के आँकड़ों को जहाँ आवश्यक हो, विभाजित तथा पुनर्समूहीकृत किया गया ताकि सम्प्रति वर्ष के आँकड़े के अनुरूप हो सके।

**पत्री 32**

वर्तमान आस्तियाँ, ऋणों एवं अग्रिमों उत्तम एवं वसूली योग्य है तथा मूल्यों के करीब-करीब है यदि जब तक व्यापार के सामान्य पाठ्यक्रम में कार्यान्वित होता है एवं लेखाओं में एक सीमा तक अन्यथा न कहा गया। भुगतये व्यापार, प्राप्य व्यापार, ऋणों एवं अग्रिमों का अधिशेष समाधान तथा पुष्टि करने के अधीन है।

**पत्री 33**

तुलन पत्र तथा लाभ एवं हानि खाता उसके साथ उपाबद्ध पठित टिप्पणियाँ तैयार करता है ताकि कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत अपेक्षित सूचना के साथ-साथ वर्ष की समाप्ति को कम्पनी की स्थिति का विवरण तथा समीक्षाधीन वर्ष के लिए कंपनी के परिणामों का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण का खुलासा हो।

**34. क)** रायपुर के आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद ने अप्रैल, 08 से सितम्बर, 08 की अवधि के लिए भिलाई इकाई में स्क्रेप की रिकवरी एवं प्रक्रमण के कार्यों हेतु “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर के परिप्रेक्ष्य में ₹152.05 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी की है। कम्पनी द्वारा उक्त कारण बताओ नोटिस का जवाब पहले ही प्रस्तुत कर दिया गया है तथा मामले में व्यक्तिगत सुनवाई की जा रही है एवं अब आदेश प्राप्त की जानी है।

ख) रायपुर के आयुक्त, केन्द्रीय आबकारी ने अक्टूबर, 2009 से मार्च 2010 की अवधि के लिए भिलाई इकाई में स्क्रेप की रिकवरी एवं प्रक्रमण के कार्यों के लिए “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर के परिप्रेक्ष्य में ₹181.68 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी की है। कारण बताओ नोटिस का जवाब आयुक्त, केन्द्रीय आबकारी, रायपुर को प्रस्तुत कर दिया गया है तथा जबकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है।

ग) रायपुर के आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद ने अक्टूबर, 2008 से सितम्बर, 2009 की अवधि के लिए भिलाई इकाई में स्क्रेप में रिकवरी एवं प्रक्रमण के कार्यों के लिए “कार्गो हैण्डलिंग सेवाओं” पर सेवा कर के परिप्रेक्ष्य में ₹ 245.72 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी की है। कम्पनी द्वारा उक्त कारण बताओ नोटिस का जवाब पहले ही प्रस्तुत कर दिया गया है तथा मामले में व्यक्तिगत सुनवाई की जा रही है एवं अब आदेश प्राप्त की जानी है।

घ) राँची के आयुक्त, केन्द्रीय आबकारी ने फरवरी, 2008 से मार्च, 2010 की अवधि के लिए बोकारो इकाई में स्क्रेप की रिकवरी एवं प्रक्रमण के कार्यों के लिए “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर के परिप्रेक्ष्य में ₹ 146.96 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी की है। कम्पनी द्वारा उक्त कारण बताओ नोटिस का जवाब पहले ही प्रस्तुत कर दिया गया है जबकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है।

ङ) बोलपुर के अतिरिक्त आयुक्त, केन्द्रीय आबकारी ने अक्टूबर, 2008 से सितम्बर, 2009 की अवधि के लिए दुर्गापुर इकाई में स्क्रेप की रिकवरी एवं प्रक्रमण के कार्यों के लिए “व्यापार पूरक सेवाओं” पर सेवा कर के परिप्रेक्ष्य में ₹ 12.83 लाख का कारण बताओ नोटिस जारी की है। कम्पनी द्वारा उक्त कारण बताओ नोटिस का जवाब पहले ही प्रस्तुत कर दिया गया है जबकि व्यक्तिगत सुनवाई लंबित है।

**35.** कंपनी अपनी स्थायी आस्तियों की अग्रेषित राशियों को पूरी कंपनी का मानते हुए रोकड़ उत्सर्जक इकाई (सीजीयू) के रूप में पुनर्विलोकन करती है। अतएवं, कंपनी (रोकड़ उत्सर्जक इकाई होने से) ने अपनी स्थायी आस्तियों की अग्रेषित राशियों को भावी नकदी प्रवाहों के वर्तमान मूल्य से तुलना की है तथा यह किसी भी क्षीणता को परिलक्षित नहीं करता है। इसके आगे, स्थायी आस्तियों के भौतिक सत्यापन को वित्तीय वर्ष 2012-13 के अंत के दौरान बाहरी एजेन्सियों की मदद से पूरी की गयी है, कंपनी ने सम्प्रति वित्तीय वर्ष के दौरान व्यर्थ तथा दोषपूर्ण आस्तियों के विरुद्ध ₹10.57 लाख का प्रावधान बनायी है।

NOTES ON ACCOUNTS

**Note 30 : RELATED PARTY TRANSACTIONS**

**List of related parties where control exists and related parties with whom transaction has taken place and relationships:**

₹ in lacs

Sl. No.	Name of Related Party	Nature of Related Party Relationship	Nature of Transaction	Current Year 31.03.2014	Previous Year 31.03.2013
1	MSTC Ltd	Holding Company	Service Charges for Auction	6.99	3.93
			Warehousing Management Charges	290.78	112.55
2	Shri Antony Chacko	Managing Director	Remuneration	–	14.67
	(Left the company on 22nd August, 2012)		Sale of Fixed Assets	–	1.19

**Note 31**

Figures of Previous Years have been split up and regrouped wherever necessary so as to correspond to current year's figures.

**Note 32**

The current assets, loans and advances are good and recoverable and are approximately of the values, if realized in the ordinary course of business unless and to the extent stated other wise in the accounts. Balances of trade payables, trade receivables, loans and advances are subject to reconciliation and confirmation.

**Note 33**

Balance Sheet and Profit & Loss Account read together with the notes thereon, are drawn up so as to disclose the information required under The Companies Act, 1956 as well as give a true and fair view of the statement of affairs of the Company as at the end of the year and results of the Company for the year under review.

34. a) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice for ₹ 152.05 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the jobs of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period April '08 to September'08. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, personal hearing in the matter is being conducted however order is yet to be received.
- b) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice of ₹ 181.68 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period Oct'2009 to March'2010. The reply to the show cause notice has been submitted to Commissioner, Central Excise, Raipur, however personal hearing is pending.
- c) The Commissioner, Central Excise of Raipur has issued show cause notice of ₹ 245.72 lakhs towards service tax on "Cargo Handling Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bhilai unit for the period Oct'2008 to September'2009. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, personal hearing in the matter is being conducted however order is yet to be received.
- d) The Commissioner, Central Excise of Ranchi has issued show cause notice of ₹ 146.96 lakhs towards service tax on "Business Auxiliary Services" for the job of recovery and processing of scrap at Bokaro unit for the period February'2008 to March'2010. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, however personal hearing is pending.
- e) The Addl. Commissioner, Central Excise of Bolpur has issued show cause notice of ₹ 12.83 lakhs towards service tax on "Business Auxiliary Services" for the job of recovery and processing of scrap at Durgapur unit for the period October'2008 to September'2009. The reply of above show cause notice is already submitted by the company, however personal hearing is pending.
35. The company reviews the carrying amount of its fixed assets treating the entire company as a Cash Generating Unit (CGU). Hence, the company (being a CGU) has compared the carrying amount of its fixed assets with present value of future cash flows and it does not show any impairment. Further, physical verification of fixed assets has been carried out with aid of external agencies during fag end of FY 2012-13, the company has made provision of ₹ 10.57 lacs against unusable and deficient assets during the current financial year.

36. एमएसएमई को देय रकम (जैसा कि पत्री 7 में प्रकटित है) की सीमा ऐसे परिचिन्हित संस्थानों के अनुरूप है। कंपनी ने सामान्यतः एमएसएमई इकाइयों को नियत समय में भुगतान करती है एवं यहाँ ब्याज अथवा अतिशोध्य भुगतान के लिए पक्षों द्वारा कोई दावा नहीं किया गया है।
37. 1 फरवरी, 2014 से 31 मार्च, 2014 की अवधि के लिए हरिद्वार इकाई में सेवा प्रभारों के लिए प्राप्य वृद्धि बिल अंतिम थोक व्यापार मूल्य सूचकांक के अभाव में जारी नहीं किया जा सका। रकम ₹ 6.01 लाख का अनंतिम आय (गत् वर्ष ₹ 11.85 लाख) लेखबद्ध किया गया है, क्योंकि कथित सेवा के विरुद्ध संबंधित खर्च सम्प्रति वित्तीय वर्ष के दौरान व्यय किया गया है।
38. गैर-कार्यपालक कर्मचारियों के वेतन पुनरीक्षण का अनुबंध 31 दिसंबर, 2011 को समाप्त हो गया है। 1 जनवरी, 2012 के प्रभाव से नया अनुबंध का निर्णय लंबित है, वेतन पुनरीक्षण के परिप्रेक्ष्य में वर्ष के लिए अनुमानित ₹ 592.12 लाख का प्रावधान मुहैया करायी गयी है।
39. राउरकेला, बर्नपुर, भिलाई, बोकारो तथा दुर्गापुर की इकाई में संपादित कार्यों के लिए वित्तीय वर्ष 2013-14 सहित तीन वर्षों हेतु दीर्घकालिक अनुबंध अथवा अन्यथा के माध्यम से अन्तर्निहित मदों के लिए सेवा प्रभार दर में वृद्धि को सेल, निगमन कार्यालय के दिनांक 05 मार्च, 2014 के समझौता ज्ञापन के तहत निर्णित किया गया है, तदनुसार कंपनी ने सम्प्रति वित्तीय वर्ष के दौरान रकम ₹ 1286.16 लाख की मूल्य वृद्धि मान्य की है। संबंधित सेल इकाइयों के साथ अंतिम अनुबंध क्रियान्वयन के लिए लंबित है।
40. दावाओं तथा अग्रिमों, जहां कहीं ऐसी दावाएँ/अग्रिमों प्रबंधन की राय में संदिग्ध है, के विरुद्ध प्रावधान बनाया गया है। दायित्वों/प्रावधानों को, जहाँ कहीं ऐसे दायित्व/प्रावधान प्रबंधन की राय में अब जरूरी नहीं है, लेखबद्ध किया गया है।
41. प्रबंधन द्वारा गठित आंतरिक तकनीकी समीक्षा समिति के द्वारा अप्रचलित वस्तु सूची मदों को चिन्हित किया गया है। समिति सभी इकाइयों के लिए वर्ष 2013-14 में प्रतिवेदन प्रस्तुत की है। समिति ने कंपनी की कुल वस्तु सूचियों के अलावे रकम ₹ 23.42 लाख का अप्रचलित वस्तु सूची चिन्हित की है। इसके आगे समिति ने इन अप्रचलित वस्तु सूचियों के विरुद्ध ₹ 8.08 लाख शुद्ध प्राप्य मूल्य प्राकलित की है। तदनुसार, कंपनी ने सम्प्रति वित्तीय वर्ष के दौरान अप्रचलित वस्तु सूचियों के विरुद्ध ₹15.34 लाख मुहैया की है।
42. कंपनी भारत में विभिन्न इस्पात संयंत्रों, आर डब्ल्यू एफ - बंगलूरु, भेल - हरिद्वार में स्क्रैप रिकवरी एवं सहबद्ध कार्यों के व्यवसाय में लगी है जो कंपनी का प्रमुख व्यापार क्रिया-कलाप है। स्क्रैप रिकवरी एवं सहबद्ध कार्यों के अलावे, कंपनी ने “गोदाम प्रबंधन” की सेवाएँ प्रतिपादित की है। हालाँकि, लेखा मानक 17 के अनुच्छेद 27 (ए) के अनुसार, जैसे “खंडीय प्रतिवेदन”, व्यापार खंड प्रतिवेद्य खंड के रूप में चिन्हित किया जाएगा यदि बाहरी ग्राहकों को विक्रय से इसका राजस्व तथा अन्य खंडों के साथ लेन-देन संव्यवहारें कुल राजस्व का 10 प्रतिशत या अधिक है। गोदाम प्रबंधन के विरुद्ध प्राप्त कुल सेवा प्रभारें अर्जित राजस्व का दस प्रतिशत से कम है, अतएवं पुराना प्रतिवेद्य खंड गठित नहीं करता है।

इसके आगे भौगोलिक खंड के संबंध में, लेखांकन मानक में परिकल्पित प्राथमिक मापदंड को माना जा रहा है जिसका ब्यौरा नीचे दिया जा रहा है :

- \* आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों की समानता
- \* विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में संचालनों के बीच संबंध
- \* संचालनों की निकटता
- \* विशेष क्षेत्र में संचालनों के साथ शामिल विशेष जोखिम
- \* विनिमय नियंत्रण विनियमावलियों
- \* अंतर्निहित मुद्रा जोखिमें

चूंकि कंपनी इकाइयों में सेवाएं प्रतिपादन कर रही है जो कि एक आर्थिक और राजनीतिक शर्तों के अधीन है एवं इसलिए एक ही परिचालन जोखिमों को उजागर कर रहा है, जैसे-विनिमय नियंत्रण विनियमावलियों, अंतर्निहित मुद्रा जोखिमें, संचालनों की निकटता आदि। तदनुसार विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में संचालनों के बीच संबंध कंपनी या प्रबंधन के लिए प्रासंगिक नहीं है।

43. मण्डल संकल्प क्र. 148.21, दिनांक 28/06/2013 के अनुसरण में, डोलवी इकाई अपने प्रचालन बंद कर दी है एवं इकाई की सभी आस्तियाँ वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान प्रचालनीय इकाइयों तथा निगमन कार्यालय को सौंपा गया। कंपनी ने भवन की कुल हानि के विरुद्ध ₹ 31.72 लाख तथा उपस्करों के निपटारा के विरुद्ध ₹2.40 लाख की रकम खर्च की है, उपर्युक्त क्षति को असाधारण मदों के तहत पत्री 25 में शामिल किया गया है।
44. सेवानिवृत्ति पर भुगतेय परिसीमा की सीमा में परिवर्तन (संयोजित अर्जित अवकाश व अर्धवैतनिक अवकाश) के लिए वित्तीय वर्ष 2013-14 में अर्जित अवकाश के नकदीकरण (अतिरिक्त दो बार) के संबंध में कंपनी द्वारा कर्मचारियों को एक बार के लिए रियायत दी गयी है। ₹ 93.49 लाख के शुद्ध वित्तीय प्रभाव को पत्री 22, अर्थात कर्मचारी अनुलाभ व्यय में शामिल किया गया है।

36. The amount due to MSME (as disclosed in Note 7) is to the extent such undertakings have been identified. The company has normally made payment to MSME units in due time and there are no claim from the parties for interest or overdue payment.
37. Escalation due for Service Charges at Haridwar Unit for the period 1<sup>st</sup> February 2014 to 31<sup>st</sup> March 2014, the bill could not be raised in the absence of final Whole Sales Price Index. Provisional income has been considered amounting to ₹ 6.01 Lakhs (Previous Year ₹ 11.85 Lakhs) since relevant expenditure against the said service has been incurred during the current financial year.
38. The Agreement for Wage revision of Non executive employees expired on 31<sup>st</sup> December 2011. Pending finalization of the fresh agreement w.e.f. 1<sup>st</sup> January 2012, provision of ₹ 592.12 lakhs for the year towards wage revision has been estimated and provided.
39. Increase in the service charge rate for items covered through long-term agreement or otherwise has been finalized at SAIL, Corporate office vide MOU dated 05<sup>th</sup> March'2014 for three years period including FY 2013-14 for jobs done at their unit at Rourkela, Burnpur, Bhilai, Bokaro and Durgapur, accordingly company has recognized price escalation amounting to ₹ 1286.16 lakhs during the current financial year. The final agreements with respective SAIL units are still pending for execution.
40. Provision is made against Claims and Advances wherever such claim /advance is considered doubtful in the opinion of management. Writing back of Liabilities / Provisions are made wherever such liability/provision considered no longer required in the opinion of management.
41. Obsolete inventory items are identified by internal technical review committee duly constituted by the management. The committee submitted the report in the FY 2013-14 for all the units. The committee has identified obsolete inventory amounting to ₹ 23.42 lacs out of the total inventory of the company. Further committee has estimated net realizable value of ₹ 8.08 lacs against these obsolete inventories. Accordingly, company has provided for ₹ 15.34 lacs against obsolete inventory during current financial year.
42. Company is engaged in the business of Scrap Recovery and Allied Jobs in various Steel Plants in India, RWF – Bengaluru and BHEL – Haridwar, which is the principal business activity of the company. Beside scrap recovery and allied jobs, company has rendered services of warehouse management. However, as per Para 27 (a) of AS 17 i.e. “Segmental Reporting”, a business segment should be identified as a reportable segment if it's revenue from sales to external customers and from transactions with other segments is 10 percent or more of the total revenue, external and internal, of all segments. Total service charges received against warehouse management is less than ten percent of the revenue earned; hence the former does not constitute a reportable segment.

Further as regards to geographical segment, the primary criteria as envisaged in the accounting standard are being considered of which details are as follows :

- \* Similarity of economic and political conditions
- \* Relationship between operations in different geographical areas
- \* Proximity of operations
- \* Special risks associated with operations in particular area
- \* Exchange control regulations
- \* Underlying currency risks.

Since the company is rendering services to units that are subject to same economical and political conditions and are therefore exposed to same operational risks viz. exchange control regulations, underlying currency risks, proximity of operations etc. Accordingly relationship between operations in different geographical areas does not differ from each other and therefore is not relevant for the company or the management.

43. In pursuance with Board Resolution No. 148.21 Dated: 28/06/2013, the Dolvi unit closed its operation and all assets of the unit transferred to operational units and corporate office during FY 2013-14. The company has incurred loss amounting to ₹ 31.72 lacs against write off of building and ₹ 2.40 lacs against disposal of equipments, the said loss has been included in Note 25 under Exceptional Items.
44. One time relaxation to the employee has been given by the company regarding encashment of earned leave (additional twice) in the FY 2013-14 for change in limit of encashable limit on superannuation (Earned Leave and Half-Pay Leave combined). The net financial impact of ₹ 93.49 lakhs has been included in Note.22 i.e. Employee benefit Expenses.

#### 45. कर्मचारी अनुलाभ :

##### 45.1. परिभाषित अनुलाभ योजना का संक्षिप्त चित्रण :

- अ) अवकाश नकदीकरण - पात्र कर्मचारियों को वियोजन पर देय को 300 दिनों (संयोजित अर्जित अवकाश व अर्धवैतनिक अवकाश) तक सीमित किया जाएगा, तथा अर्धवैतनिक अवकाश को सीमित 300 दिनों की गणना के लिए लोक उद्यम विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुसार रूपान्तरित नहीं किया जाएगा। संचित अर्जित अवकाश का नकदीकरण भी एक कैलेण्डर वर्ष में एक बार 30 दिनों तक स्वीकृत है।
- ब) सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा अनुलाभ - मेडीकलेम इन्श्युरेन्स पॉलिसी के तहत किसी भी चिकित्सालय में सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के लिए उपलब्ध।
- स) सेवानिवृत्ति पश्चात् निपटारा अनुलाभ - सेवानिवृत्ति होने वाले कर्मचारियों को उनके द्वारा घोषित गृह नगर में बसने हेतु देय।
- द) दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार - वस्तु के रूप में न्यूनतम 25 वर्षों की सेवा प्रतिपादित करने एवं सेवानिवृत्ति होने पर भी देय।
- इ) कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना - निर्धारित जमा के एवज में सेवा से अलग विकलांग कर्मचारियों/दिवंगत कर्मचारियों के कानूनी वारिसों को दिवंगत/विकलांग कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की तिथि तक मासिक भुगतान।
- ई) भविष्य निधि - कंपनी द्वारा भविष्य निधि न्यास को मूल वेतन तथा मंहगाई भत्ते का 12 प्रतिशत अंशदान।
- उ) उपादान - पात्र कर्मचारियों, जो न्यूनतम 5 वर्षों तथा 30 वर्षों तक की अवधि के लिए निरंतर सेवा प्रतिपादित करते हैं, को सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन की दर से सेवानिवृत्ति पर देय है। उपादान की संगणना सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए कर्मचारी द्वारा आहरित अंतिम एक माह के वेतन की दर से अधिक से अधिक 30 वर्षों के लिए की जाती है। कर्मचारियों को देय उपादान की अधिकतम राशि ₹ 10 लाख है।

46. परिभाषित अनुलाभ दायित्वों के परिप्रेक्ष्य में कर्मचारी अनुलाभ पर लेखांकन मानक (ए एस) 15 (2005 संशोधित) के तहत यथापेक्षित प्रकटीकरण निम्न है :

क) प्रक्षेपित अनुलाभ दायित्वों के सम्प्रति मूल्य का समन्वय :

क्र.सं.	ब्योरा	अवकाश नकदीकरण	सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ	सेवानिवृत्ति पश्चात् निपटारा अनुलाभ	दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार	कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना	योग
(i)	01 अप्रैल, 2013 को प्रक्षेपित अनुलाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1589.95	762.20	39.76	5.11	370.27	2767.29
(ii)	सेवा लागत	177.44	50.18	1.83	0.25	0.00	229.70
(iii)	ब्याज लागत	115.20	60.64	2.94	0.40	26.91	206.29
(iv)	बीमांकिक (लाभ)/हानियाँ	56.40	81.38	0.84	(0.29)	65.29	203.62
(v)	अतीत सेवा लागत	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(vi)	संदत्त अनुलाभ	(335.57)	(22.21)	(6.82)	(0.28)	(76.07)	(440.95)
(vii)	अर्जन लागत/(साख)	5.73	0.00	0.00	0.00	0.00	5.73
(viii)	31 मार्च, 2014 को प्रक्षेपित अनुलाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य (i)+(ii)+(iii)+ (iv)-(v)+ (vi) + (vii)	1609.15	932.39	38.55	5.19	386.40	2971.68



#### 45. Employee Benefits

##### 45.1 Brief Description of Defined Benefit Scheme :

- (a) Leave Encashment - Payable on separation to eligible employees, shall be limited to 300 days (Earned leave and Half-Pay leave combined), and HPL shall not be commuted as per DPE guidelines for calculation of 300 days limit. Encashment of accumulated earned leave is also allowed upto 30 days once in a calendar year.
- (b) Post Retirement Medical benefit - Available to retired employees at any hospital under the Medclaim Insurance Policy
- (c) Post retirement settlement benefit – Payable to retiring employees for settlement at their declared home town.
- (d) Long Term Service Award - Payable in kind for rendering minimum 25 years of service and also on Superannuation.
- (e) Employees Family Benefit Scheme – Monthly payment to disabled separated employees/legal heirs of deceased employees in lieu of prescribed deposit till the date of superannuation of deceased employees.
- (f) Provident Fund: 12% of Basic pay and Dearness allowance contributed to the Provident Fund Trust by the company.
- (g) Gratuity : Payable on separation at the rate of 15 days pay for each completed year of service to eligible employees who render continuous service for a minimum period of 5 years and upto 30 years. The Gratuity is calculated at the rate of one month's wages last drawn by the employee for every completed year of service in excess of 30 years. The maximum amount of Gratuity payable to employee is ₹ 10 lakhs.

#### 46. Disclosures as required under Accounting Standard (AS) 15 (revised 2005) on "Employee Benefits" in respect of Defined benefit obligations are :

- a) Reconciliation of present value of projected benefit obligations :-

₹ in lacs

SI No.	Particulars	Leave Encashment	Post-retirement Medical Benefit	Post-retirement Settlement Benefit	Long Term Service Award	Employees' Family Benefit Scheme	Total
i.	Present value of projected benefit obligation as at 1st April 2013	1589.95	762.20	39.76	5.11	370.27	2767.29
ii.	Service cost	177.44	50.18	1.83	0.25	0.00	229.70
iii.	Interest cost	115.20	60.84	2.94	0.40	26.91	206.29
iv.	Actuarial (Gain)/ Losses	56.40	81.38	0.84	(0.29)	65.29	203.62
v.	Past Service cost	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
vi.	Benefit paid	(335.57)	(22.21)	(6.82)	(0.28)	(76.07)	(440.95)
vii.	Acquisition Cost/ (credit)	5.73	0.00	0.00	0.00	0.00	5.73
viii.	Present value of projected benefit obligation as on 31st March 2014. (i)+(ii)+(iii)+(iv)-(v)+(vi)+(vii)	1609.15	932.39	38.55	5.19	386.40	2971.68

(ख) व्यय 31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि खाता की विवरणी में स्वीकृत व्यय :-

क्र. सं.	व्यौरा	अवकाश नकदीकरण	सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ	सेवानिवृत्ति पश्चात् निपटारा अनुलाभ	दीर्घकालिक सेवा पुरस्कार	कर्मचारी परिवार अनुलाभ योजना
(i)	सेवा लागत	177.44	50.18	1.83	0.25	0.00
(ii)	ब्याज लागत	115.20	60.84	2.94	0.40	26.91
(iii)	बीमांकित (लाभ)/हानि	56.40	81.38	0.84	(0.29)	65.29
(iv)	अतीत सेवा लागत	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(v)	कल्पित आस्ति पर अनुमानित प्रतिफल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(vi)	कर्मचारी अनुलाभ व्यय को प्रभारित रकम (पत्री-22)	349.04	192.40	5.61	0.36	92.20

(ग) जैसा कि बीमांकिक द्वारा पुष्टि की गयी है, यहाँ कल्पित चिकित्सा मुद्रास्फीति दर में कोई परिवर्तन नहीं है क्योंकि सेवानिवृत्ति पश्चात् चिकित्सा अनुलाभ योजना मेडिकलेम पॉलिसी के अंतर्गत आवरित है।

(घ) बीमांकिक द्वारा विचारित मान्यता

क्र.सं.	वर्णन	31 मार्च, 2014 को
(i)	छूट दर	9-25%
(ii)	वेतन तथा मजदूरी में वृद्धि की दर	गैर-कार्यपालक - प्रथम वर्ष के लिये - 10.00% एवं तत्पश्चात् 5.00% कार्यपालक - प्रथम वर्ष के लिये - 10.00% एवं तत्पश्चात् 5.00%
(iii)	मृत्यु दर तथा प्रत्याहरण	भारतीय बीमाकृत जीवन मृत्यु दर (2006-08) (संशोधित) मौलिक
(iv)	भविष्य की वेतन वृद्धि का प्राक्कलन मुद्रास्फीति, वरिष्ठता पदोन्नति तथा अन्य संबंधित पहलुओं को लेकर बीमांकिक मूल्यांकन में माना गया है।	

47. कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 444-ए के तहत भुगतान उपस्कर हेतु प्रावधान नहीं बनायी है, चूँकि प्रयोज्यता की तिथि तथा प्रयुक्त सटीक दर के बारे में अधिसूचना की जानकारी अब तक नहीं है।

वास्ते राजेन्द्र प्रसाद

सनदी लेखापाल

फर्म पंजीकरण क्र. 000203सी

राहुल खण्डेलवाल

साझेदार

सदस्यता क्र.-079628

स्थान - भिलाई

तिथि - 10/06/2014

ए. पी. शर्मा

कंपनी सचिव

बी. बी. सिंह

निदेशक

वास्ते एवं निदेशक मण्डल - फेरो स्क्रैप निगम

लिमिटेड की ओर से

एस. के. चक्रवर्ती

सहायक महाप्रबंधक (वित्त व लेखा)

एस. के. त्रिपाठी

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

b) Expenses recognized in the statement of Profit and Loss Account for the year ended 31<sup>st</sup> March 2014.

₹ in lacs

SI No.	Particulars	Leave Encashment	Post-retirement Medical Benefit	Post-retirement Settlement Benefit	Long Term Service Award	Employees' Family Benefit Scheme
i.	Service cost	177.44	50.18	1.83	0.25	0.00
ii.	Interest cost	115.20	60.84	2.94	0.40	26.91
iii.	Actuarial (Gain)/ Loss	56.40	81.38	0.84	(0.29)	65.29
iv.	Past service cost	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
v.	Expected return on plan asset	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
vi.	Amount charged to Employee Benefit Expenses(Note - 22)	349.04	192.40	5.61	0.36	92.20

c) There is no change in assumed medical inflation rate as confirmed by actuary since the post retirement medical benefit scheme is covered by Mediclaim Policy.

d) Assumption considered by Actuary

SI No.	Description	As at 31 <sup>st</sup> March 2014
i.	Discount Rate	9.25%
ii.	Rate of Escalation in Salaries & Wages	Non-Executive – 10.00% for first year & 6.00% thereafter Executives – 10.00% for first year & 5.00% thereafter
iii.	Mortality and withdrawal	Indian Assured Lives Mortality (2006-08) (modified) ultimate
iv.	The estimate of future salary increase is considered in actuarial valuation taking account of inflation, seniority promotion and other relevant factors.	

47. The Company has not made provision for Cess payable under section 441A of the Companies Act, 1956 as the notification as regards the date of applicability and the exact rate to be applied has not yet come to notice.

**For Rajendra Prasad**  
**Chartered Accountants**

**FRN No. 000203C**

RAHUL KHANDELWAL  
Partner

Membership No. 079628

Place : Bhilai

Date : 10/06/2014

**For and on behalf of the Board of Directors of**  
**Ferro Scrap Nigam Limited**

A.P. Sharma  
Company Secretary

S.K. Chakraborty  
Assistant General Manager (F&A)

B.B. Singh  
Director

S.K. Tripathi  
Chairman and Managing Director

**पंजीकृत एवं मुख्य कार्यालय**

225 सी, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020  
 दूरभाष : (+91-33) 2990-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627  
 फैक्स : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176  
 ई-मेल : mstcindia@mstcindia.co.in

**उत्तरी क्षेत्रीय कार्यालय**

जीवन विकास बिल्डिंग, पहला तल, 30-31 A, आसफ अली रोड, नई दिल्ली - 110 002  
 दूरभाष : (011) 2321-4201, 2321-3945  
 फैक्स : 011-2321-6713  
 ई-मेल : mstcnro@mstcindia.co.in

**दक्षिणी क्षेत्रीय कार्यालय**

लीलावती बिल्डिंग (दूसरा तल), 69, आरमिनियन स्ट्रीट, चेन्नई - 600 001  
 दूरभाष : (044)2521-9004, 2522-2842, 2523-1584  
 फैक्स : 044-25220091  
 ई-मेल : mstcsro@mstcindia.co.in

**पूर्वी क्षेत्रीय कार्यालय**

225-एफ, आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता - 700 020  
 दूरभाष : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557/0568/7716/9627/7568  
 फैक्स : (+91-33) 2287-4915  
 ई-मेल : mstccro@mstcindia.co.in

**पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय**

607-608 रहेजा सेंटर, नरीमन प्वाइंट, मुम्बई - 400021  
 दूरभाष : (022)2288-6261  
 इ-ऑक्सन के जानकारी के लिए : (022) 2202-2096  
 फैक्स : 022-22845130  
 ई-मेल : mstcwro@mstcindia.co.in

**शाखा कार्यालय समूह**

**बैंगलुरु**

करीम टावर, तीसरा तल, 19/5 एंड 19/6, कनिंगहम रोड, बैंगलुरु - 560 052  
 दूरभाष : (080) 2225-6327, 2226-0054/6417  
 फैक्स : 080-2225 6367  
 ई-मेल : mstcblr@mstcindia.co.in

**विशाखापत्तनम**

जीवन प्रकाश (छठा तल), एलआइसी बिल्डिंग, जीविथा बीमा रोड, विशाखापत्तनम - 530 004  
 दूरभाष : (0891) 274-6948, 270-1066  
 फैक्स : 0891-274-7053  
 ई-मेल : mstcsvzg@mstcindia.co.in

**वडोदा**

कमलानजलि अपार्टमेंट (दूसरा तल), टियूब कंपनी के सामने, ओल्ड पडरा रोड, अकोटा, वडोदा - 390 020  
 दूरभाष : (0265) 2339 672, 2310 629  
 फैक्स : 0265-2351 636  
 ई-मेल : mstcvda@mstcindia.co.in

**क्षेत्रीय कार्यालय समूह**

**भोपाल**

महाराना प्रताप नगर, जोन II, भोपाल - 462001  
 दूरभाष : (0755) 2552241  
 फैक्स : (0755) 4075720

**त्रिची**

क्वाटर नं. के 3/100 एफ टाइप बी के आर सेक्टर, नेहरू नगर, तिरुचिलापल्ली - 620014  
 दूरभाष : (0481) 252-1009  
 ई-मेल : natarajan@mstcindia.co.in

**हैदराबाद**

आकाशगंगा कॉम्प्लेक्स, अफिस नं. 201, दूसरा तल, डोर नं. 6-3-635 एवं 637, खैराबाद, हैदराबाद - 500 004  
 दूरभाष : 040-2330 से 39, 2330 1049  
 ई-मेल : hyd@mstcindia.co.in

**तिरुपति**

टीटीडी विष्णु निवासम कॉम्प्लेक्स, (तिरुपति रेलवे स्टेशन पूर्व के विपरीत), उत्तर पश्चिम ब्लाक, प्रथम तल, मिनि हाल नं. 1, तिरुपति, आंध्र प्रदेश - 517501

**लखनऊ**

जी-25 /26 तेज कुमार प्लाजा, 1, टी. एन. रोड, हाज्रतगंज - 226001  
 ई-मेल - mstclko@mstcindia.co.in

**Registered & Head Office**

225-C, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Kolkata - 700 020  
 Tel : (+91-33) 2990-0964, 2287-7557 / 0568 / 9627  
 Fax : (+91-33) 2287-8547, 2240-4176  
 E-mail : mstcindia@mstcindia.co.in

**Northern Regional Office (NRO)**

Jeevan Vikas Building, 1st Floor, 30-31 A, Asaf Ali Road (opp : Hamdard), New Delhi - 110 002  
 Tel : (011) 2321-4201, 2321-3945  
 Fax : 011-2321-6713  
 E-mail : mstcnro@mstcindia.co.in

**Southern Regional Office (ERO)**

Leelavati Building, 2nd Floor, 69, Armenian Street, Chennai - 600 001  
 Tel : (044)2521-9004, 2522-2842, 2523-1584  
 Fax : 044-25220091  
 E-mail : mstcsro@mstcindia.co.in

**Eastern Regional Office (ERO)**

225-F, A.J.C. Bose Road, 3rd Floor, Kolkata - 700 020  
 Tel : (+91-33) 2290-0964, 2287-7557/0568/7716/9627/7568  
 Fax : (+91-33) 2287-4915  
 E-mail : mstccro@mstcindia.co.in

**Western Regional Office (WRO)**

607-608 Rajeja Centre, Nariman Point, Mumbai - 400021  
 Tel : (022)2288-6261  
 For e-Auction Registration Enquiry : (022) 2202-2096  
 Fax : 022-22845130  
 E-mail : mstcwro@mstcindia.co.in

**Branch Offices :**

**Bangaluru**

Kareem Tower, 3rd Floor, 19/5 & 19/6, Cunningham Road, Bangalore - 560 052  
 Tel : (080) 2225-6327, 2226-0054/6417  
 Fax : 080-2225 6367  
 Email : mstcblr@mstcindia.co.in

**Visakhapatnam**

6th Floor "Jeevan Prakash" LIC Building, Jeevitha Bima Road, Visakhapatnam - 530 004  
 Tel : (0891) 274-6948, 270-1066  
 Fax : 0891-274-7053  
 E-mail : mstcsvzg@mstcindia.co.in

**Vadodara**

21, Kamalanjali Apartment, 2nd Floor, Opp. Tube Company, Old Padra Road, Akota, Vadodara - 390 020  
 Tel : (0265) 2339 672, 2310 629  
 Fax : 0265-2351 636  
 E-mail : mstcvda@mstcindia.co.in

**Field Offices**

**Bhopal**

16-11, Maharana Pratap Nagar, Zone II, Bhopal - 462001  
 Tel : (0755) 2552241  
 Fax : (0755) 4075720

**Trichy**

Quarter No. K3/100F, Type 'B' KR Sector, Nehru Nagar, Tiruchirappally - 620014  
 Tel : (0481) 252-1009  
 E-mail : natarajan@mstcindia.co.in

**Hyderabad**

Akash Ganga Complex, Office No. 201, 2nd Floor, Door No. 6-3-635 & 637, Khairtabad, Hyderabad - 500004  
 Tel. : 040-2330 to 39, 2330 1049  
 email : hyd@mstcindia.co.in

**Tirupati**

TTD Vishnu Nivasam Complex, (Opposite: Tirupati Railway Station - East), North West Block, 1st Floor, Mini Hall No.1, Tirupati, Andhra Pradesh - 517501

**Lucknow**

G-25/26, Tej Kumar Plaza, 1, T.N. Road, Hajratganj - 226001  
 e-mail : mstclko@mstcindia.co.in

- Mumbai
- New Delhi
- Chennai
- Bangalore
- Visakhapatnam
- Vadodara
- Hyderabad
- Bhopal
- Haldia
- Tiruchirapalli
- Lucknow



---

225F, A.J.C. BOSE ROAD, KOLKATA - 700 020. INDIA  
PHONE : 91-33-2290-0964, 2287-7557 / 0568 / 7716 / 9627 / 7568  
website : [www.mstcindia.co.in](http://www.mstcindia.co.in) • [www.mstcecommerce.com](http://www.mstcecommerce.com)  
CIN : U27320WB1964GOI026211